TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Mnon - Gsum - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Council of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA. H. P.

Printed at: Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

गरिमहण संस्था....1.6.8.0.5... ग्रंथा य केन्द्रीय उच्च तिन्यती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी



मैंदे वर्षश्वरातर, में दशर प्राप्ति रु.रतीर. क्र्बाश वश र्राची होंदे. भु.रवर रक्ष. सम्स मुस मु वस्तान देव में के दिया है। है। है। तम् दे नरे हुन नर नड्स व मेट में ह्मन सर्म मान्य के माने माने हम निर्माण के निर्माण <u>हूं</u>य. त.बेंचास.इ.कथ.मुक्त.इ.केर.बेंचाश.चक्रेंट.च.केर.ची. चर्चय. चंच्यायेश.क्ट.. ह्र. तरु वेश. भुर. त. रेट. । सि. तरु. ब्रिट्श. श्री. मैज. वर्हेर श्रेर. लट. बोहाजा. वरु. ব্৴.ষ্ট্র.বর্ম ৫.বর্ছ্,পেলম.শ্র.লয়,১বল ≅২.পর২.**প.বা-**বিশারনে,১বন:ন্রাপ.১ नद व विं य नर्र से दे मिंद दे रे से यो के स्था प्रमुद से दे प्रमुद मुद दे दे पदे " श्राम्ब्रान्तुवः हे क्रेन् केना त्तु 'न्य ' त्यन्य श'वर्र 'ख्रिय' द्ं खेवब्र' ५ तु र 'बुव'य' दें ' क्मरामाली हेवर पुरुष है रहारी ग्री हा का को दायते छिद वेर त्यमाश वेद सामर नर्द्र नर्बर्द्ध वर्ध दे हुस्र-१८ र्चा मिलिट मी. भु. स.स. मार्श विष. यह हर हे वर्ष के अर्थ है अर्थ वर्ष वर्ष के अर्थ वर्ष के वर्ष वर्ष के वर्ण के वर्ष के व मारेट मिट.ची .श्रेंच.क्ष क्षंत्र.जंतमंत्र.च्रं मान्य.च.क्षंत्र. वंत्र.चर्मा रेचेर... ह्ने च तक्ष स्मित्र स्मित् वात्रायवेवसासद्रायाणेश

क्रमः में ते. श्रीं य द्रमः क्रम् श्रीं तात्र द्रमः क्रमः क्रमः व्यापः त्रमः विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान वि



র্ম্ব পর্ব পুण র ।

क्र-भार्षात्रेम मे प्रोप मे प्रोपान पर विष्यु नक्ष स्तापा

सर्दरश्च याद्र हेय शु (यम्याद्रमा यासी वर्ष वर्ष सक्त मित्रमा कित्रमा प्रेरिन द्रिंश र्वा या माहे जा में व्ह्यु व प्रेरिन ये हुँ र में जार मी के दे है है मर्हेर वराइ वरानुरावानेसा नावाहे में विहास दे हिराहे। मारामी क्षेरासर्वर खुव इट हेश खु दवन य न्याय य नदी दुवे तस सर्वे र पर दर्द य लेश वु नदी दें र्हें। भवेष्यस वर्षे दे किरान्य वया द्ये द्वे वया ने शायर वर्दे का आदास सर्व हिन् नहिनानीश सर्के रायम जुलाओ राजसा हिन्यम जुलाकर हिन्यम जुलाकर हिन्यम रे लिया दशाय दरार्थ देश के करे हे से मह्यू य है दास यहिंग्राय र सर्ब शुम्र दर हेश शु द्यमाय याष्ट्र यर होद य माल्य सर्व हेर नारेमा मेंद्रायदे खेर है। दे त्यस न्वर पदे महर हैन नहेन स्र्र य स सेर वेस वि.च.चीटःश्रेंसायाक्षेत्र स्ति। हे प्रसालेसावाच दे स्राम्यस्या दे केद के क्षेत्र म हर केद धेर पर देश गुट हिर पर हैं न शायर बुशाय साधित ही। हे:र्जा:देश:वि:व:वे:सर्व:सुम:५८ हेस सु:्यम् पर्दाः रवे व सानुस घरः विदायर में अस्त हैर इसर्य रायलगानर से जुरु पर दा है रिवे पर की वस.चरेरे.र.७ंश.चे.च.त.स्चाम.च.झॅस.स्रा। वाः.चु.ष्ट्र.लीम भ.लुर.स. बहुर्भाक्तर्भमः त्रु राम हो नाटामी हें रदा मी महन हैर गु खुमा कर हैर मर्दिर खुम प्येत वे लेखाइम यर वहेंना यर में ने दार देवें कें। हे सूर धुवा में देवे.च.भू.पुंश.त ४३ इव वश्याम् स्वाधायते विश्वाचाय श्रूटायरे श्रू.पदायाः .

र्के निया वाराणीय या खुवा का मेनाया दे त्या खरा कर्षेत्र खुक यदी तं दा सरायहीं वायर विक्रमान देते हैं। दे भ वहु न अह करे दि तर वर मह ने खुमामा अह है। র্মুর্ র মের্ম্বেশ্বর দ্ব মহার ঈর মার্টার্কর মান্দ্রমান্ত্রীর মার্টার্কর মান্ত্রী पर्देशरायुः स्थाप्ता प्राप्ता त्या स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप मद्भुर्धरे धुम या भए कर्मा मा ध्येष्ट्रा स्मा स्मा सा ध्येष्ट्रा हो। वर्षानु गर्ने में न वर र्दे हैं । यदे दें ने र र में विश्व न ने कर माने याकेराल्येशयर हिरारेवसावानु वर्षास्तर केराकार निष्मा देश यः गुरुषः है। दे यः यः है । न : नु द यः यहना यः प्येद व न द व से : न द यनूरः चुरायार्च नावदासीकार्क्षरायां भरोतायदे सुरार्चा अरोकाया है। पर्दर'य'द्रप'से'पर्दर्भ'य'द्रमार्चेव'य'द्रप'र्खेद'य'लेख'मु'व'खे । द्रे'त्य'द्रप' र्च हिन्दे प्रवश्य भेष हे हेन पर क्षायर म्वावन यह मु हिन भेष पर मुर र्दे । १२ अर देव देवाय परे दे वे उत्तर कर भीव है। 📉 दे है द वे कर मामहनाय व मार्देब से जानर वर्गुर न उद्यो हैं एसे इंसरे हैं हैं। से देश या मार प्रेव दा रे'वै'कु'म्ब्रिस हर्र चर्रे छेर कर्म वहनाच व निर्देश में बार्म दिसुर दे'नश'क्'क्र'नुक'च'के'नुद्रि'यर'क्ष्म'यर'व्हिन्'य'स' વઃહનુ:મ'એનું નેં। ष्पेत्र **बेट:चेट्र:यथ:**उस:य:के**र:गुट:**२३स:च:दे?केर स:ष्पेत्र:य:देवे:खेटा म लुरे, रे. उर्च स.चेर. भु.चेट च. १८. मु. छेर. इ. जुंश.चे. च. खेंश.खाँ। भू जुंस.चंडू. ਵੇਂ ਕੇ ਅਵਾਲ਼ਤ ਕਤ ਐੱਤਵਾਰ੍ਹੇ ਭੁੈਵ ਕੇਲ ਸੁਧਰ ਵੇਂ ਐੱਟੇਕਾਰ੍ਹੇ ਵਿੱਚੋਂ ਸੁਸ਼ਾਧਾਕ **ਸੰ**ਣ य: ५८: ५५: ७८: ७६: मुद्रः मुक्षःय: मः प्येरः हो 🛒 वेक्षःय: प्रकाशः १५५: प्येरः 🏕 🔭 माध्यस्य हर्ता हे मानि व दुः हुन यर हुन या हैर पर्राय म प्रवारे। ध्या

मु दमा प्रशाहर् या हे र मु हो र दें। दे वे मुर्या यर देंन वसायहर पर पचीर हूं। के विश्व हुं भारत अस्वीश या के विष्टुं के श्री मा के हुं में के हुं भेक्षाया अतुभाव (Bद्रायर भेक्षायादे स्वर विकेश्वर वदवा केदार का लीम चेट्टचे भूष पर अभभ था। हम भमीय व केर मियानर हैर पप्रे प्रम् इट.श्र. कंब. त केट. केट. केट. हो। दे.बे. मट. म्ब. मदे. लेखा स.केट. दे.बेस. म प अरह्मेश्वातात्व परिश्वित पुरं विष्य प्रतीर है। पहिने परे ते समाया नाव्य रेना यासाध्येय हे नादानी यादे तहें यादी स्थानाध्य यादाविष्ट्रा गुटा वहें निवे क्षाया महामेना पवे प्रमा केर कर दे स्रोक्षाया केर कर मेना या प्रेक्षा हैं। विदर्भ भेर्त्र खुमन्द्र खुमार खुमार मुन्द्र मिट समा भेर बिट न्दःमोस् ४ द्ये मासूच चर २ सुर। है है जेस य न्वर में वेस न न्य स्विषायायायायारी कर मे नाम वह देश स्वी द्वारायाया म द्वार म से द्वाराया निषायाना निष्या निष्या प्रतास निष्या निष्या प्रतास निष्या स्थान स् चल्या च हेते.कें रहारेनायायह यहाँ पत्रे क्या रायकाशन्त वासेदायते सुर। दे प्रतेष द हे प्रहेर महे क्षाम मलिक द स्था महिन प्रति मार प्रमुक र र बुंब यामा भेन विशा विभाग भरासुय हैर भेन न नव्द सुम उदा भरा है है इस थ इ दिन से दे पा उद दे लेख मु न भारत हों से ही। धुयाया मी भक्र नेविर हुंश.वे.च पार्श्वाश.च ता क्ष्य.चर क्षातर क्षात्र का मार्थ सार है......

सावगायरे कु 'दे सेन या ने १ वर्गा दे हैं र त उस त हु दे र या या कुस व स्ट्र भाके दे दिह हेबा छा न हार पर्या हिं तु वह दूर वा बे वह रहे राये ही देन्य स्रिप्त लेश वु व देन् न मर्सिन द है। कु रिय ही रिन्सिन पर ने हैं दर्दा में महर है दाय संग्राय यहुद वर वृद्धि क्य के देर वुद्धा इः श्रेष्ठा अः अविश्व व अः श्रेष्ठा शःष्ठा अः देवः वेद वदः बुषः वः नदः लुर.च रता विकास्तामात्र्याचारता स्मिन्नात्रामात्र्याचारता मे मर्जर नावर में दरक गट मेदाया यस हीं मेदायर विक्रा वालर क्षेत्र य देरदानी मक् र हुर ज हीर वर विल्। र हिर दे वे माना मुर पानार भूका च रहा। विका बॅद दि सुरे सुय लेख मुचाय ब्रिय ना प्रेश पारे के हुरे मह राष्ट्रिया ह्यर पर म हो। पकर पर रचुर परे केंग हा पहर पहर लेख म निय में रहे ही। र्ने भर्देर देव चेर व्याप श्रीय वाहाने वर मर्हेश या भेराने हे हिराने वनुहार्स् (गु) न्य देव यथा ४५ वं या व या अर्थे न्या व या न व या या व व व या व व र्माश्चरा वश्चारा ध्येत व्या दे निया वेश प्रदेश हे निया पा प्रिक्त हे जीवा हगायाञ्चर हेनास साधिवायारे वे देवा होरायर वुषाय साधिवाहे। प्राहेन हर प्राप्ति । जिन्न पर प्राप्ति । जिन्न केना सालिन । अप केना सालिन । अप केना सालिन । अप केना सालिन । अप बैक् संप्रदार्दे राष्ट्रेर यात्रा के राशा है है है से राय है राणी के है राशा सालिया या लामा करें में वित्र र प्रवेश वि. हे गांहर वित्रु वित्र दरासः विवास त्यास वर्षेत्राच । भेर्ताच । भारति वा भारति व

लॅर्न में के रामी मान में में में में में षदार्षाद्वाचा हो नाम प्येदादी बेर'म'अर'ब'और'हे'रे'क्चे'वरी'हेर'बेर'मरी'क्चेर रदा बेर्'सर किर'मर' मेर्परि हैर मुन्ने न यस मुर चेर्पर सास्य पार हैन हर है न रे हैर री। दे बुरासेदाय क्वेरायर छेदाय हे**राकु**रीयर्गाहेरातुप्तकुराय दे भार देखरा.... सर्दि चर प्रदेश यरे हु मु य सिंह यरे प्रच मु य औ (यारे कुर रे वें रे मो रहा) बर्.मिट.लूर्.त.स.लूब ह्या स.च्ये.सूचीश.बु.श्चेची.शूचीश.का वैश. यामर्वेट लेश नुप्तायामर्वेट न क्किंश व के के कर मर्ह्य व प्रकर्ती देखा है ख़र र्वित्रं वि. क्या तर् ह्या स्था भी भी देश तर क्षेत्र का भी वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स याहेश्रासुन्यनायाध्येन्त्र्या नस्त्रिस्य न्टार्श्रेनायान्ताते वर्नेन्यन्टा พู.ช่ะุ๋¿.สรู.ชลัฆ. นิ.ชอิง.ล.พ.จัฆ.ล.๒ฆ.ตุง.ล.๔๓. นิ.๔ะ.ชลัฆ. चुते दर्स या वा के का का के का का के का दे.चशक्षक्षाच्याद्वे चुरेन्दर वुश्वायामश्रमे खेदावासदि सुंभार्ट हेशा श्रुणा •**४**चना,न,रेटा,पिश,सेटश,न,रेटा,येचोश,च,**रे**ट,४चोल,चर उचीर,र्यू,खे**ल,चे.च**र... न्निंद्य स्ता दे इर दे न्यूर सर् छ। नाय हे दे गुद हिन दर्द द लेख छ न १.मी र हूर . रे.मी. रेट प्रचेश १९४ रहूता स्वीप म संस्थान है सी सर्देव पर नि न नि या सेर यहा सर्व हैर स सेव दें विश्व नि न दें नह ग्राम सेर याकृत्विवायासेदाय भेरादे। सर्केर परागुःवादन्दिन लेगाया भटादे द्रार्मायरा

देश गुरू र स्मी इस यर केश य गुन हैं य दु होत पर हो देश कर हैं सी। विन ुंष्ठिंगयाकुराणुःसुर र्रे लेखान्नायाकुःस्या ध कुराणुःसुर र्रा। अव्यव कुर ૮ાજું માનર 'શું કે 'યા કે 'શું 'અદારે કાર્યું 'છુ 'વા છે ના છે ના છે કાર્યું માલક કે નું કાલક કે કે નું કાલક કે वय पर सुर हा। है.के.ड्रे.केर पवीर खेश में माब पर किर वीय हून ग्रीश म्याद्भ नुर्पार वृद्ध सर मिश्र से १७० वर्ष मा के द्वार के दे निर्मा सिर्मा स्थ े वर वहूर्तय द्वायाय अस्त्राय णुत्रहूर्य गु श्रेट ख्यारे स्पट द्वासाय णु रहेर् यर मु च भेर है। दे र म मे दिस च दे म कर हैर भेर कें। गुन हर दर दें देश वरे ही देश मोश यहें देश के दें हो दे यह वुषाय के ही देवर रहे द्वार र महिन्दा पाद्वर थ है। वर्ष वर्ष स्वाप्त पहे पहेन मिने गरा त्या चिह्न स्थापते कुर्द वर्षमा उद्गर्द संस्था त्या प्रह्मा प्रत्या मा स्थित है। वर् दिर वर्ष्म मि रिपर्य रहे ग्रें व पर् प्रविद वे श की रहा व व व र रहे हा . . र् हुर्निन भहर वश । इस यह हुना मा मिश्रिस चूर वश देस तर हुना म वहीय विभागीस विवेश हो। यह सर भारत क्षा धर है । धर वे मु यस प्रवास स र्ह्य र् या वर्ष प्रत्या र वित्तर वित्र वि हुने सानी हैं रेन हो। सेने हुने सान शिमान र नियान कर हुने त्रीय पर क्षेत्राची साहर्तावराञ्चन् हे गामान्यासायायायायात्रावातेसानुनावा**वने व**तुदानरः ें त्नुर हैं। दे भार्श्व में हैं की दुष्पद पर्दि भारते मुख्दि दाय विकास में हैं।

बै'न्द्र में हैन बस मुव' हैब' वबे 'छैर' में। नुसम्महम नु:क्के'न' सेन्'ब' **ঀ**ঀৣঢ়৽ঀ৽য়৽ড়৾য়৽ঀ৾। दे৽ড়ঢ়৽ড়৾৾৻৽য়৾৽ৢঀ৾৽য়ৢ৾ৼ৽য়ৗৢ ঀঢ়৾৽ড়ৢৼ৽৻ৢয়৽য়৽য়৽য়৽য় कुरे.बु.चर्म.वे.मु. तर्.रेब.बे.की.लट मुरे.ज.मी.लूरे.य.पंयंब.वे.लट लूरे.च . किर्दे अन्तिम मान्धुमायाभार्वे । सान् क्रिंग्याभार्ने क्रिंग्याभार्ने विष् च.भ.लूब.हे। श्रद.कृता भ.चाकुश्राचाचित्राचा की खेताच हेर ग्रेश सुरासद होर. र्रो १८ हे. यश ब. श्रेट. १ वी. श. गड़ेश स. ग. ल्रे. तप्र. पश्चर वे. हेर टे. पर्चीर. र्दे । दि दूर द अद हैन समान है साथा म प्रेंद यदे सह द है द तद है द तद स चु प्रेम मी इंट सं प्रेम लिट स्थर हिना गुट सं प्रेम प्रेम हेना सं ना सुस यर मिर्नाया अर्जा मिर्ना अर्जा । अर्जिना साना है साया य मिर्नाय दे द्वारा व ह्ये व अट दु अ विवाय है र यह त वृद्ध य र विद हे स्नर हेन सर्द र वेंद्र मु स "" हिना सःकेराणुः हुँ र र्रो अर् हेना सान् के वायाया प्रवसान स्राप्त रे वाया भर हैना म हेर फेर पाय फॅर पट पद प्रमान हो ही या भर ही मा हेना वाहेर सहारा भर हैना महिला केरा प्रमान केरा प्रमान प्रवृत्तान स्पेत्राहे। स्नाद् हेना साद्वार स्वेत्राचा हेना है । स्वेता साहित्रा है साहित्या स्वेत्रा स्वेत्रा ଌି୩'ୟ ୩୬ିଷ'ୟ'ୟ'ୟୟଷ ଶ୍ର'ଐ୍ଟ୍ରିନ୍ସ୍ୟୁ କ୍ଲେମ୍ବର୍ଟି୩'ୟ'୬ିଟ୍ ଐ**ଃ**'ଧନି ଥିବ' ्रे मु ना इस्र प से द प हे 'सुर 'क नार' प्रस 'सुद रहेवा ना इस्र प प्रदा माप है 'से द यां क्षे पर विवार को अने पर के दे ने निर्मार के दे पर है दे रहते हैं तार कि ना त लट.पचीर.रू. हुंश नर्थर.त.चीट.लुर.च.टु.लट.दीरे.कु जूची.पश.शैची.कंट.... हेन'च'र्येन'है। वेश'य'हैन परे हमानु ह्व च'परे मिशम ह्वदश'य हैन'यीन र्वे। । भूरे ताचाचा चाक्य केर ताका वालक स्रोतः तालेका ची चाखर हा स्र म्रे.पर्ट्रे,व.तार भ्रे.च.रेट पद्यंत्र वर प्रचीर। प्र्यं, यीट भेरे.ह्या.स.चह्या.

कें शास्त्राने नाम कें केंद्रायन विमानु यमुरान भेदाया दे हेंद्र ही नामेंद्रा वी दे अदासूर व्यान प्रेम में लेखानु नारे समानु नहेंदे गी। प्राप्त नार लेगा ह्ये वर वर्षे राम है संस्था के है। इस मिर्ग के सेराय है है है है स्रों देवस कावर्ते ते श्रास्त्रे मात्रसाक्ष्मवसाद्धरा बर्गुरा व्यास क्षेत्र या हे खराता है । वा হ্রমণ্ম শ্ব स्रोत्ताकेर्न् विराधरास्रोदायदे खेरालेशायाईद यानारास्रोदा य विर्यम् सेर्थं लेश व्याप वर्षे अधानाम प्रेमा नाय है मह न याकृदाध्येदावादे अर्थान केदान केदान विद्यापाद य वे द्रिंश वें केंश केद थी र पारे हुर री। हे हे स्टर हिर पर पारे में पार म Ŵᢋ᠂ᢋ᠂ᢋᢆ᠂ᢡᠵᡃᢂ᠌ᠵ᠄ᢂ᠆᠓᠂ᢋᠸ᠂ᡆ᠂ᡩ᠂ᡩᠽ᠂ᡩᡭ᠔ᡃᡪᠵᡄᡃᡥ᠗**᠂ᡪ**ᢅᡬᡧ᠄ᡸᡏ**ᡘᠷᠰᢃᠵ**ᢅᢡ᠂ᡆᠵ दगुः। **ने:वस:व:हे:**श्रद:दु:वयद:वये:**कु:दःय:व**श:व्रवे:दर्श:वॅय:वेन: मद्रमालेग सामार्सिंगसाम रे महत्तासामहत्तासाम धेवार्वे। नामाहे हिदा क्या मीक्षा प्रह्मेवा च अव्यविषा चर गुरानु वह वाक्षा चर यह ही वाक्षा व्यविष्टा धरा वनुर व देरे कें गुर हेंच नु क्षेर या अध है रे ख़ैर व वर में हेर है। दे या लिना या रदास लिना या अर्गास पान रेनास या मार्ने नास या माल किया रामा स्थापन <u>દુત્રા તું કુર્વા તું કુરલ તથા લું જાતવું નાર્ય કુર્વાય મુખ્યાનું કુરા લે કુર</u> पर्दर्धाते 'त्वर'वीश' इच 'यर 'देवे 'यर 'रेवा' धाम प्येव' वा वा पार वीश व देवे 'दम' सराक्के पार्वेदायर वेदायाधिक कुण मार्के या या सामिक। मार्यादे मर्देर सुमः म नारेन वर देना स धरा है ता मान्य केना स में वह ग ने लि दा Q.4.

G

वे'दे'नाइव'क्रेन्स'स प्रव'दे। मवर्द्र'यर'नुर'ठ्र 'न'क्रेर'णे' खेर'र्ने। दे'सूर' वंनाल्यात्मात्रात्मात् मेन्यात् मेन्यात् व्याप्तात् नेन्नित्त्रात्मारा हार्च न्दान्दाना हिन्द्यायर के मण्यायाना दि य गुर्हेन हेर्ने में स.मेर्ने पहें सहित्तर प्रमेर की । बेस ने ने ने स.मेरे सी दे'द्वा वैश उद् क्रिया पत्र गांवश वि चे ठवा वो दें दें दे दे शांव रे अडे र के द ग्रेस ष्ठिर्यर सेर् यर लेस मुन्य या स्राध्य सम्बन्ध यर प्रमेल यर मुर र्रे । नाम हे चद्ना हैद र्वं अ उद की अदे र व लेश नु च के न मान हे र्वं अ उद अदे व गूर हिंच की वरेक्यादे खे.वर चीरावासर्टावास्न वावह्राया है यासालका वालेसा वावदे र्ने दें। अट के मुहाहिक की सुधा है जाय स्ट्रिंग या प्रेड़ के पार की की पर ना कृरविश्वास्त्रणे सेरायापुरहिव सामिर्ती विरामा रहिशा विरामी राती । भारहिव इसामर नवना या बससा उर गुरि द हेर प्रेर प्रेर पर में हुर ही। देश के रहसा या बु: भु: पात्र स्वाया प्रति रहा पर्व द कुर प्रवाय प्रति : भुरा अस्ति । असे पार्व प्रति । असे प्रति । असे प्रति स गुर्हित गुः सुरु तम् देश्यर दिशुरार्दे॥ भी न से द न व से विश्वर व दे दे द रसाय धेराने र्वाप्तायते स्रम के गुराह्में प्रकार महिनाया है राधिकायते मिर रें। र निम्न वर्षे नम वर्षे नम वर ही पा मेर पा है ही व मेर पा मार्सिम्स तमा ही . य. हार त. बुधा या त. स्थाना यह दे तर प्रचीर। रे . हेर व . योव. हॅर रु ही न ने ही ने मार्थ न्याय यथ ही न ने या ने या ने या ने या ने या ने या पर् स्रिट र्व महिट वस रेस ग्रुट वेस ह व प्राय संग्रास स्री ग्रुप स्री ग्रुप स्री गुः भूते द्वाभा नदेव वस। द्व गुट लेस नु न भ स्वास न हिस है। देस **ঀ৾৾৾৾ঀৢঀ৽ৼ৾ঀ৾৽ৠ৾৽ঀ৾ঀ৽৶৻৻য়৸৾৸৴ৼ৾ঀ৾৸৸৾৸ঀঀঀ৽৸৻৸ঢ়৻৸ঢ়৸৸৾ঀ৾ঢ়**৻৸ঢ়ঀ

यःभेषः व्या नाम्या रहेन गुःदेव से द्वा यदे से सः देव भेषा देव स्त्रा सरे दें भेर देश विषेत्र के प्राप्त के स्थानी का सर्वे हें राज्येय हैं हैं हैं हैं हैं से स्थानी की स्थानी की स लेगा भे क्या या नाटा भे हा नाय है क्या या से दाया उस लेगा भे द दे दे हैं हैं है लूर से दि में दश दर्ग व ज्ञान रामर द्यार। दे र हे हन पायस माल र की दमा था प्यत्र त्रा इन स स्ट द का सर है ने सदे द स्वासर के का स भे र'य'देते हैं। इस यर से हमायर देखा साम हैं निधाय भें दे दें 'बेसा द्युन' तर प्रचीर हा। रे.से.लुबे.ब इ.डेर.रेट्श.च् छेट. विश्विषाश्चरमाता लुरा इश्र शे रंचवा.चरा. रे्च्या.च.लट. सेंटब्र.चर. उचीर. रे। वे इस पर हैंन व द्यायवस य हिद फेन पते हैं र रें। वेन हे हु सदे देंन लुब १ लहानाम हे वस्त्रा उद से दार लेवा महेते हो। गुर हिंच गुर वस्त्र उद्देश्याप्रेव यादे सुरावाहे सुराणु इ इसाईव स्मिर्या प्राद्या समायर पुरासर " व्यू. हे श्रु. मायविभायत्री से माया ध्येता प्रे वे की वट मी स्त्रेव रही हिंदा त्रसा मिर यर है। स्त्री गुव हिंदा गु रहें व वह मारेवास म्निश्यरे देव भेव वे लेख मुन्दि त्र प्राप्त । वहने हेव लेख मुन्दि तर् नमृद् नर्हें ने ने न्यर मार्दे रहे में वें स्यान धेद लेश न्यु र यर मुन के दें। इसायराइनायाद्रार्यो सूरावाद्रिंश यो यायवा ईव तनायायरे रदायलेवाद्रासर प्रमुर है। पहिना त पर नहें र पहें से में दे से सर दे से सर से से से से पर ने सर मु रर्ने म पर सुर रा । वाहेश रा सर व पर्वा सर या सर स्वास था था मिस्सिट्रायर में नुःही द्रिन्न ने ही वे सम्माय तामान्याय म प्रेन र्वें। गुनःहेंच रुङ्क न परे नालन रना रु रुगुर बेन परे छैर परेर सार्क्कर

|'दवर हें भ' के 'फेर भ छेर म हो स्थास वे । यह इक्' म के 'पह द्य.मी.स्या पर्या है। रेप. पर्य विश्व त्य. द्या पर हैं त्य दि विश्व त्य है तपु.सुर. लेश.ये. त. बु. ही दरा पर्येत्राच कर मी वैशायपु देशायर हैंद यादेहा पर्यापायते. हिर लेख वि. वधु. व. हूना मूं । भरीया नधु. पर हे मारेटा पर नहर नर्ते॥ दे त्या श**र्**द्या यहे के त्या प्रत्ये के त्या है त्या है स्थित के लटामिर्द्र भाः वायर विमुद्धान के**र**ालेशकारी मुद्द शिवायर मेर्देशकायमामा र्रे निष्यः तत्र्।। विष्यः तरः द्वे तर्रे हर् कु निष्यः यः वेशः यशः हेर् ः यदेः **ब.** ब्रेंचेबाब ब. लटा वेश राये. ही हेर ल्यें च हेर लेंब हे विवास हेर की खेर हैं। ৼ৾৽ঀয়৽ঀ**৾ঀয়**৾ঀঽ৾৽য়য়৽ঀৼ৽ৼ৾ঀ৽ঀ**ৼ৾**৽য়ৼ৾ঽ৾৽ড়৾৾ঢ়৽য়য়৽য়৽৽ৼ৾ दे खुर द निर्देश के का सामुन य है द भी द दें ले का है के भेदि या सामे के विष् विषय दे त्यार हिंद्या दरा यह रहेंदे या अदि का अराधा अर युषा या है हमायर हेंना या की क्षे पा दे वे कें। प्रमास में ना या वे क्षे निया में ना का प्रमास कें ना का मान वनुर व। है अर नु न वर यदे वह भारत है किना य अर् य म अर वि ।। B्वायाक्षेत्रभेदादायादाङ्को द्वा यात्रमसावदायादुसात्रमसावदादादास्या व। विरुद्ध संस्था स्थान मारानेश्वान स्थानित हैं साहा बुर तश्र प्रवश्य व. म. हेर्य. व. ह्र्याश तर विद्यारा हे हेर पर्ध र तर हेर्या શુરા શુર્રિત ના ગુલા માર્જી લા તા. જેવા કે. છે. છે. શુરા શુરા ના અંદેશ. शुः ह्रिनाश्चाया वा नाइव क्रिनाश स्थान वे स्थाना वा सामिव के लिखान स्थान है।

ह्ये नुम प हेर हे भ नु न ता र्स्वाम पाय रे प्यट वसम उर र र र्से पर ह्या नदे मालिट हर्ष यामालि है। वससाब्दार हुँ नद्रे हैं हैसा निया हर्ना स य.ज.लट.वेश.व.हेर.ल्र.व.ट्.केर.रे.वेट.जश ह्या.च.ल्री ह्या च.टे. पर यामसावसानु य देगारामाध्यम सेरायसानुसाय हेरादा स्वार प्रति हेर्गाया श.लुर. मी.लूर्य.मी.सक्य.चांबर.जहा.लुर.जूर.जूरा ट्र.लट.ह्येश.एकद रा. लेशकी द्रायात्रश्चीयामालेशका ह हेरालेशनी ସଂଭାങ୍ ଏଷ୍ଟାପା ହୁଁଷ୍ଟାପାର ଦ୍ୱା ଅହିଁଦ୍ୱର ଭାବିଷ୍ଠା ପ୍ରାସ ଓଡ଼ି ଅଧିକ ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅ चेश दा स मूच प्रदेश माय हे दे खेर सुम प्रस हिंद प्र स हिंदा स है न स है दा स श्चै विश्वास्तर पर्दे द्वार्ये द्वार्ये देव स्थान स्वीत स्वी दे. ब्रॅच. त.जय. श्रे. लट. श्रे. जे य. त.चे थ. त. के र. ल्रूर. तर त वीर व. हे. लट ल्रूर. यःमःष्पेत्रःहे। नुम्भःयसःसूटःयदे सःसुनिसःषः ष्पदः द्वरः ह्वेभः ददः। यहः श्चिमायायात्रम यदे दमायर द्वा यामाभी य नाराधिकायारे ही वसाया है से ना पत्रे खेर स भी र की ् वें र गुट झूम पु त्य र स्वास पदे द म प र र मी दस पर र र्हेन्।'यस'यङ्केवस'य:१९२' ग्री'सेर'र्दा। क्**स'यर: १**न य:म१९स'४**न**।'उर'सी' मु 'नदे सुर दर। इस पर में नाय महेन या अर देन या सि महेन इट्चर् हैर है। दे हैर है अट्चर सर् हें स हा हैर स उर मी देश है च.ज.सूर्यम.त.सूस.सूर्य दे 'नश'व'र्ख्नाय' दे'तर्'व'तश्व' वृश्व'य'म्य यामाध्येकाने विभावन वाना नामा भारती है। यदेशा हेरा वासी रही। त्वर विनायहर या सेर भेरे छैर में बिस मु न वे न्या माय प्रेम परे ही विसास दे विद्यार एक लेड परे हुँगारी। हेड हुँगार शियार लेख न लेख न स्याय राष्ट्र ह्म स. ब्रे में ट. चर्ट हे ब. खब मा हिट हों। यह फेर स. हिन च है पन है इर्यार्भे म्वर्गम् देर्द्राया च द्वेषाया मेर्पाय केषायु वासा ब्रेंदे वर्ष केर केर में र विषय पर हिर पहेर ब्राहे । र र पार केर पा मेर म भरादे 'भेर यामु स्म हरमालर ऑर्न व २ हुमान भमा भेर मसाव लेखा हुद सर म्रो.चर्डी स्प्री से वि. श्रूचीश के ही लुश वे (बुश मे. म. फार्श्र) महाराहा है। परेव ए पर होर हों। हे अर ुवार ले गत्मत लेग रह तहे या वाह के रुले र यसानेशानुकानुकेरानु चाक्करानु निरामाने के हुरा यनुराने। यरी हरा सर्वेदलायरा ल्रियमाना हो त्रीन मी रवारे वारका या स्रित्य रे सेवा मे दि पर वेस पा यहिया। यामश्चार्यते द्वार्या या सराञ्चे यहरावश्चराष्ट्र हुन या मासेवास है। दिरा ही स. लुब. बु. खुंब. पहेंब. हों। हे यक १ ह. भेर हैं . यं पर पर पर ही. प्तरायर प्राययसाय के**र जे**श यरे खेरा होरे सळव केराया विवास व्यास <u> हुने श्रा ८ ४५४. जुंश तर वि.च. १५४. तथा वेश वट उट्टी वट तथा तथा स्त्री</u> नुमान केर मार दे प्रकार मा ही भार भीर तहा व ही मार हरे पर है ने हो त्रसं प्रहेर् पर्दे । र्द्र द्रन्य र लेना या मेशाना नहन पर्दे पर्दे प्रायना प्रविद्या म हैं या स्रिंपिये दि में नार प्रेशमा देर सर्वे वर लेव या लेस ने वरे हें वर हैं। दिने दें के दें में श्री मार्सिका यह दें के किए के प्रशास हुन 5 छेर य हैर ग्रेश विवास स्पेर य । दे तर्दे त्या सेर यादे हर र विवासर

हो**र** या भे रभे न भारती विषय हो जे भारत स्वीत स्वीत स्वात स्वात हो स्वात स्वात है र स्वात ะ ป.รูป.จ.ผีปูตาพยูะเปรู เซิเตา ญัปพ.กรู เห็ย ู่ เบ้าผู้ป. 14.4 I ઐ_{ર્ય} દે હ્રુ^દ વૃષ્ક્ષુ 4**૬** ર્સેવારા **વે** 'ક્ષુે' સેવ ર્લે 'હેરા દુઃ**વઃદે**' વબદ 'દે'વા द्यैर (देव गुष क्रिया वादा का लेखा नुष्या का स्वाया श्रें खाते। रहा मी क्रिया य.ज.चर्ड्स.बंश.ब्री.अ.ज.ब्. खेंश.वे.च.ब्.चर्ड्स.चर्ट्ब.ज.१.ब्री हे 'बेश' चु'च'य'**सँ ग्राय**'वे'च|ब्**र'**गुँदें।। हे 'झॅंच' य'य' व्हेर हुँ र'हे। सर्द्धत्स.त.हुर. (बुंस.चे.च बुंस्टर.चं.केर.चंत्रंच स त.च.क्षश्च.चंत्रभश. डर्.ज.भर्षुटस्य.तर.बुरे तर्र.हूर्.बंर.व.ज.म्री केर्.टे.चर्रेश.वस्रा र.व.चर्मेर. यश्चर्द्रश्चर् स्वापित्रे प्रस्ति व्यश्चर्य स्त्रि स्त्रा स्त्रा स्त्रि स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् है सद वर्षा व नु र यरे नाबुद धेर हैं। वुस भ र द दूस वु ता हैंने ब सरे हीदाञ्चाद्रमः द्वानेश्वाचात्रश्चाद्वाद्वाचा के हिम्मीकाव्या र्देष:यहेर:य:दे:बे:बार्क्षकंत्र:बार्क्षकःदे:ब्रू:द्राःदेष:द्राःदेष:य:द्रवा:बार्बाःवर्दि:यदे। दे 'द्रवा ग्राट' सेसस 'द्रट' सेसस 'यस 'बुट' पदे 'र्केट 'द्रट' से 'स्व 'यर 'द्रह ग्राच केद'ग्रे' कुर सर्दरस्य र स्राया न भेर यदे तर होर के से एक र ली विकर या र रहा ३१ व. च रेटा। विचित्ताव करें में हिंद भक्षरे सावहूरे वर वेरे ता करें में में लमः ने स.च.च.के तकत्र पर्योत्र ११३ मा ये त्र १ मे वे मा व कर की मे द दर सकत्र ... मारे यहर् या ठर मीर्वे। विष्ठा मार्ग वा देव लेखा न व के मेट दि मक्ष्रमाद्रमात्याद्रदेख्याके परायद्रेश्या लेखा नु पति द्रवे हो। माके मात्यद्र द्धराके पर पर्टे पार्टी के लेश मान की दूरा महिमाता र्दे ता मेट दर महरू भ. छे. पर तर्र् . तथमा भट. रेट. भक्ष. भ. र्रे . छे. पर . पर्रे . च. लेश. चे.

रते द्रार् ॥ है रूल में ट्रार्केर लग्ने स्थान बेंबान वेंबान वें रत्यवित्रवित्रवित्रवित्रयायाः भेदान्त्यम् अत्रास्त्रवित्रवत्याः विवित्रवत्याः र्दे मी रता व वेदार में के में तर प्राप्त मर्थ में भर विष्ट में ฒ.देचेब.रे.चू.के.चे.डे.कुट.रेट.कष्ट्रामपु ४८.रेखेथ.रे.वेट.चंडु होर.ट्री हे. बेर के क्रिंटित ज क्र्ये श. गयु रह चबुके के सक्ष तर प्रींट हे बोड़ ग. ज रह नु न्याना साथा है । तुर न क्षेत्र पर नुष्या ने परा न स्वित्र मा निष्या ब्रदायर विद्या देख्र व केटा द्रास्त्र संस्था से द्रमु र दे। देव मु भूत'त्'च न्त् पते'क्स'यश'सु र्स्य'मु म्हान्दिन महिन् सु नदस र्ह्णा क्षद्रानायाने सुति वहूर्यमानु व प्येत्रात्राद्राम् वित्रसानु सेर्पय उर्ग्या वात्रसा न भ श्रेन्स पार्श्चेश श्रे । श्रेर म श्रेन्स या महर् पर नु नि ने लेश नु । ज. सूर्यास. त. जा श्रुट. देट. मैं अक्षे रेया. स्रेश. यहंद. तप्र. तार्थ स. क्षेत्र सार्थ. ष्येव:य:दे:११ स्थाःयश प्येव विशः वु: नते: देव:दे ॥ . व्यव्याशः माहेशः य त्य प्याः लिस नु व के न भी कें र्वे व केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र निट.मी हें. र्व. प्र. भूट. प्र. रूचिश त. ज बिश च च ज स्वीश च ज । ५८:मळ्यामाना द्वार्य विषाताता के दे त्या के ता के त सेर्'म'हेर्'णुं' छैर'र्रे॥ देदे'कें'देव'य'यहण'यर'से'प्रणुर'रे। लेख'ठ'य' के के रेंव में रेंक वा हो ने मानहेंद्र पा हैद में। मेट दिर मर्द्र मान देंक

हैर'र्'हे पर'वहहाबस'वहरिय'भेरानी। क्षेर्र्यानीर्देशके पहिं 'वें साम्पेरानी दे⁻१९४९ के द्वेर ४ क्केश व लेश व व भ कॅर वश **क्र** वर वेद दी 💎 वक हुंब है वर वर्त्राया भार है। रेत्रायर दवा विविद्य व विवेदा धाउ र द्राय हुना वर है। प्रमुद्राचा नेस नु ना प्यार दे दर मेट द्राम इराम इरामा प्रमुद्ध ने का प्रमुद्ध ने हे ना यर यहना पर यहा नाम हैं रहें के त्या अटा स्वेट रहा स हं के समा है यम यह नासर यादेवे कें नवद यें वर्षा सुर मेन या छत्र भेताहै। न नवेर व र्सेन सामिक साया म न्नीकें मेद्रदाम ६५ म ता देर के पर पत्नाम पारे दे कें ष्ठुं[,]रॅभ'कुं'र्द्र'भ'वह्रन्'यर से'व्युराहे। द्येर कर्षुन्य न्युम् प्राप्तुर्दे। र्वरायास्त्राम् द्वार्या लेखातुः न केर्नाया नहन्या मह्याया सहित्याया हताया भेषातुः त त्रष्ट्रभ'यस'तह्रम्'यः इ दन्।दःलेगःनेःळें न्।हेन्। यः न्रह्रम्'यरः द्रनुरःलेहः। दन्।द लेन कें निवर य रहन पर रचुर र दे रवि १ र । केंद्र र सक्र माया स्विष या या तहना था का अदा तहा या या तना या ने ने ने देवे त्या तना या ने निया विदायना विना । मी कें भेर दर सर्व माद्य या १६मा यह त्यार देश हैं लेख न पर दे हैं हैं। हैं ब पर च ल्रें व लट लेश में हे ले में च दे च कर में दे च के च व वेच मार्थ सर्दर स च ... विश्वास्त्र विश्व दिन्ति । नाम दे नाम ने नाम विश्व सु व व व श्व नाम केश या सर्वत्यामार्वितास्य प्रतिष्यामारी त्यारा परिवया पर छित सर्वेषा स्रीतिष्य छ । वे.चेश व.४व४.७ म.चर्ह्र्स्तर वे.च.मूर् ब्रुब्ध्यक्षातर देवे.व.चर्षेर वेश. ते खर क्षेत्र यस कर या व क्षेत्र की देव की क्षेत्र क्राय केत মুহ-এহ-এর্থা गु देश तर हुन्। त. भु नर प्रमुर थ। देश पर हुन्। या था हैट ने ने ने हुने **दमःय:हे:हेदःवहर्दःयर:वु:वःश्वेतःह्याः** च्युःयसःवुरःवन्नेःवेत्रःयःयःह्यरः

न नः भेर पर हे र जूरे र पर र व ।। इस पर र भर पर वस म श्री रद्रायादे भूर व विश्वाया वहेद वर मु वर वहुव दें। वा वा दे वदे भूर विश्वायात्रश्चामी प्राचा के प्राचा के प्राची क स्मर्थ हैर हिं व वहेर वर वशुर की किर वर प्राप्त के सामित के नि कर.ह. कर. धम. व.र. वंदा तथा हुना तर र प्रीर.व.र. र कर वंदा चर पर नर्ना हुर. वहर्नितरन्त्र मार्थेर मी। विक्यान में हिन्दी ने विक्या मार्थित प्यतः में करत हैं द ने म प्यतः है। है अर 5 र ने में हैं ने हैं दें हैं दें हैं दें हैं दें हैं दें हैं हैं विश्वानु नश्य वर् च मृत्री क्या यह वर् वर् हे नि व हे छैरा हित वेस.च.जम.धुट्थ.च.रट.मु हैट.च.ज है.रू.म.मे रूप.मे.ट्र. व्हर.चे.च.र वे.च. कें विश्वानुष्विः देव निष् हमात्रक्र धर छेर दे। अमश शु स्ट्रांचस पुस य प्येक हे लेखा अ व वह के क्रम मन मन या वे देव मी द्रम था है वर् न वेश न न मा सेना स न मेव वें। नादानीसार हे हर सहिद्या त्यार लेखा न या के पहें कि दार से से से म मर्दे दूर्स व क्षेत्र बेस मर्वेट वर वर्षु र रे बेस नु वर व केन ने श्रिक्टर नत्र देश व द्व मी देश वर हेवी व दे देश लेश च व दे। अभाश श्रिंद पर क्ष पर करें हेश ही होर पाले के प्रथा देते हैं के के महित हो है जिस ही र्वेद पूर्व देश वं उन् देश वहेंद द्या वहेंद द्या व मर विश्व पर है व के द प्येश पर केश में च है में रूप में देश है हैं पर में में में लेश्च देशक देश व दट वंदश वंद हैं मिश बट्य वर विस्ता

बामेद दिन्स कर राम द्वार विदेश वर ने देश में जार प्रेक्ष पार के देश के प्रेक्ष कर के दिन्स के किया है। जा का क मळन सरीक्स याउदानुमसाह्यायर नुवे। देखरावा हैं दे इस यदे न्न के द दक्त दे दे व दे न पर के द के सेन पदे दे ने पर के दे न मर्द्रक मा क्रिया पर में से परि में में के दार्थ में में मा प्रसाद इदः या स भेदः यदे खेरः स्था विषु र यर के 'दर्द स्व 'ग्री' भेदा यदे दसा यदे ' श्रीदार्द्राम्मळव्यास्त्रप्रम् इस्रायम् विसायदे दि वि हिन्द्रिकाया व स्मायम् न्त्रेस चायश्च प्रायक्षायर प्रह्मायर हेर्पायर हेर्पाय नेपादी से व्हाय हेर् भेराहें इंड.क्ट.क्स.पेश.कस.व.रर.त.व्.क्स वे.च.ज.स्वेस.वर्स्स. र्शे १ हे देर देव के क्याय क्य के के स्वायर विश्वायर निर्माण रेता के निर्माण र्ने नी इस्र म हेंद्र सं त्र ह्वास य देवाय वाद का पाद कि साद है से साद वाद वाद के द मुराय केराप्ये हो। हमारु वेशाय के हमाय के प्राय के राय र्वे व स्वाया व वेस अ व के दें र यस नवर परे प्रतर व दर के र व वे र के र व वे र क्रीं ता मुर्गाश पर्मी विश्व अस्त देश तर विश्व पर मुर्गा विश्व अप वर्षे स्त. इत्वर्धानराष्ट्री वरासीत्वीरावराष्ट्रियाचात्र्यात्रात्रा हार्ट दर्भ के रहम बु:सँग ग मम के रूप के र्रम चुन वर व नर र्रा दे है हर क्रुट्र व स्वास म मुन पदे छेर लेश न न ने ननर हिंदा रट नर रहा न से मीस क्षटायार्थ्याय पर्वे दश्यापर हेंगाया क्षेत्र पर्वे र ही दे प्राप्त मुन्याया थ स् । स.च. म. भेर र वेस च च व व न व न व व व स स स स् न स व व दे र चे र च र व स य ...

सैंद्र-मेश राज श्रेट.व.श्र.३८.वद्र-सेंद्र-र्ह्णा नु सेन्'य'कर'नु 'वर्णुर'र्ने । हीने न्द्रिंश वे के नावर सेव्यान वरेने यस हस मान्नदश्यामित्रके लेखानु वर्षा देवीं दशासी है दिया के निवास मेरा सदी हैर विसानु नाम स्वासायाया नेसाना नाराभेद यात घमसाउद देव दर्माना स्वाप्ता है। विश्वान्य पर्देश्य वर्त्त्वेन व नविर् पारक में में कर से न ये में प्रेर पर्देन स याता शे क्रम अपारित के लिश मानदेश के गान ।दे हर देव मीश हर यादर मरादे पर्दे में निकार निकार के प्रिंदि । विकास मानिकार के विकास स द मेश पा भेद द दे मेद याद अद देश हैन हैन हैन मेश। दे नश द मेशप हैदात से विष्या दे त्या दे के साद्युद यर वहेंदा ये से है। देखें के बे देखें हुं हुं का चहुं का क्षा हुर चके हूं के केर रे के का चर चलना निद्भिर य दे से प्रमुद दी है वर ये दे से स स र न सुस य नह मु पुंस.त.बंद.मुंश.त्र्र्ञ्च.तर.वेंश ई.वे हे.द्र्य.मी.ट्रं ज.रच.जस तश. नाइस्यान्डर संप्रदेशी क्रियानाविरानु देश्या विराम् विराम् देश यामि दर से सपुर पर सुनाश भारति व राजेर पहुंद हो। मान्दर स्पर बुंस.चे.च.ज.स्वांश च ज। वाञ्चवांश.ज.स्वांश च.टे.ह.के चेंर.चींद.च बुंश. कुरी श्रु. मभाग्नि देश तर जेश तथ बिडिट वर विश्वी जेश वार्ष जेश तर रट. ब्द लेख.व.च व.शिज १८.च.ज.क्र.च.च.च.च.च.च.ज.लूर त.र.रच.क.लीज.

सर्वटस्य प्रदेशमा इस स्रेप्स दर्शनी सेस्य ता वाहर हैं। वाहर हो यह मी रह मी माबर भार्यर या माहेद्र मार्थि । यदी नाइस भ्रयस द भेद्र माबर माबर भार्य । अस विरायर सेर् यर तिवु त्यर विवु य रेत्रे हैं। अयर दर दुस हेर नार्थाय म्बद्धार्म क्षा मुद्ध है से द्रा द्रम् यर द्रमुर। वाय दे महिर मुक्ष वर्ष द्रा यदेश्वयःयर विद्यायस देर्गार्ये हार्षे वित्र वित्र मुल्य रामीस गुट रेर श्चायमानी बरामी श्वास वा अन्य माना निक्ष माना निक्ष वा वा वा वे वे वे हिंद स सर्वित । माय हे दे त्र पार्वे पार्वे भागेष छद यह छेत प्राप्त हो। वा प्राप्त हे पार्वि दश अवद य के द भार के लिया विवास के विवास के किया मी कि ए गी स की किया देशाया हैन भेन प्राप्त है है है ने संप्राप्त हैं ते हैं ने प्राप्त हैं। ेरे उस मुगम इन केर प्रिक्त पर छिर रा। रे केर के ने अप राहे सहता हैर हिं भूर व क्यायर् र प्रशास्त्र प्राप्त महामा स्थाप हर ना वहा या क्ष्मानिस सर्वेद प्र क्षित्र हो। हे हे अस स्वर्ध दे साद के से सह है हैं हैं \$42 80 4.5 M 34.08 E. 24.82.02. 32.1.64.3.1.4.2. सदै द रें में में निर्मा संस्था से स्ट निर्मा न यद्द्रशः स् निवरः भाषाः पश्चितः भाष्टः भाष्टः श्वेरः ह्याः असः स्थः ह्याः न्य जेश अन्य के इस्माध प्येत्र के जिल्ला के तिस्त्र स्थाप के स्याप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्था के स्थाप क्रिया भी के लेका छ नहीं हैं कि लिया है कि हैं कि लिया है कि लिया

कुरायानुभारमार्हेगारमानुरायादे हो। नुस्राय मे स्मायम हेना य नाद भेर पारे खुल सेर या संभेर है। खुल नाव र व नाव सार है जुस चर्चे खुर्य रु , ३९ भेष चर्चे छैर रहा दे खार्से (चर्चे वुहास के दे के हिने खुरा "" उदाकृदाध्येदायरे क्षेरार्शे लेखा देवे क्षेरादे केदाली क्षेरायस्यायास्य निवर्ष निर्धापन्मः वेशन्त नाय स्निधानः स्रुधानाय। 🔻 रे हैर्गु सुर लेंसामु म के झूल मुरे 'खुका हैर का मुकारके क्य मर हिंगा या ही मही मही है हैराही। देत्र खिलान्दाव्येयाचा कर्^{द्}षेत्र देश बुंशानुःचाकी 💎 श्रूसानुवे खुणान्दाविया व खर हैर् केंश हो। देश है हिस वर से हेंने वस खेल रे का देश वर हेंने व न व वमानर द्रात्र देश ममाव ल्या मान व ममाव दे वीर न है। क्रिंभ ये.टे लट ध्रुंश वेश तंद, ट्र्यूर क्रिंद, चर वेंदेर ता लेश ये चर्ट ह्यें शायट वन्द्र व प्येव व । निर्देश व के रेश में के बिक्र में वर्षेश व के देश व नहिंद्नु व दहना य दे दना के दर्दर कुय के सूर्य। नाट दना व नहार नहाया व ृदः बर् दे कर् देश या व्यक्त या श्रे दे दिना वा दे अद्वे हैं है अप विकास मार्शिक्ष दर वह व व कर्मन स्वाह व कि व हिर मी व हैर 5 व वह स व हे विशे दे नहेंद दे दे दे दे त्या कर ने सम नदे है स नदे एक कर में ही नाल र देन त्रायमः हुन्। यर वर्ता पर्ट्र क्रिया गुः श्रुवे ख्रिया नास्या वर्ते छिन्। यर नानस्या सम । नास्त्रभावानुदान्द्रम् मु हु त्या इमायर हिन पर् हें पर् पर मियां में मेरे स्वार में महन हैं दे दे दे दे दे दे दे दे हैं के पर हैं ने पर हैं ने पर हैं

ख्य सं प्येत है। से मार्थकायदे तस्य सं हैद दु स्था वर विश्व र स्ति हैर स्ति म् यम वैः यतं र्वमाराधारमानो मक्राहेन्ने महारामानामानामानामानामान प्रमुखानु को द्वारक अपने का अपने का के का सुका कुर के का सुका दुः वनीराव निवरानीरात्रेय न हेया है मान्यासारोत्रा मेरे के पररामी मान्य मुर.तर.राष.पपु. बुर.र्स्। वाश्या.प.हर. चर.त. १४५ मी. ही. वाश्या व दश्यश क्र्यां या लेना सर्वे स्वर प्राप्त हें बार्स प्राप्त हैं के स्वर संस्था पर्वे पार्वे प्राप्त संस्था स्वर पर्वे प गुः शुर द्रमायर देवा य रे खुमा मेर य उन्ने द्राप्त द्रा विस रटाली जारेट ही शास रामार वाहराजा स्वीया त ब्रिया वह सी प्रेश सा र्ने अर् न लेक न न दर् न स्थूर मा देखेर के अस्ति न न के मु र् मु दर्भ में मेर्द्र अर दें।। रहनी 'दर्द्र वस क्षेत्र वदे हें विंकित है। नार ने कें दम समिते सें नहा तार ने उर्दे पहा है। वें दे दे हैं नहा मुक् इस य क्र केंबाब पका वर्ग र व व्दाद्ध पर्ते का से र व केर र मुंदि पर मेर प इसावानिकार्भेरते। वन्तर्ह्माउंमानीकालेकानुनारे न्दासूनान्दानिती। दे 'यस'न्वर'न्दे 'कु' सहंद वन हे न द प्रेंद क लेख छ न है। व्यद हें य दह वह इक् या वनाके चाक प्राचित्र के लेखान वन विक्रान ने सहरका हे नासका चार्ट विशेषान उद मी हैं देश देश ने पर्व हों। दे नगाना या में ने सर्हित्स या में में विं। दे दिए नास मान से दाय हिंस मुन के नुसा 5वे.चर्या हेब.ज.लट चेलज.चेत. श्रुष.चेचा.चे के.चहेर.चर.चेर.च.रे.

रे इस मर वड्र पर रेंद्र नुमाराय म दे माराय नर होर य है B고. 신 बुंस.च नम हैं। पर चेर.र्श विश्वासर नायस स्रवस में बुंस च वाही नायम न न में नाय हु उट न सन है 'न दे नाय साम साम होते । नाय साम स्थार है है 'न न है. खेंश.चे.च.बु.चाश्च.च.भें.च **रट.उहुचा त**रु.ेश रचा.वेर्जा चाल हे लट चाश्च. त्रश्रास्त्र,श्रिम,ब्रेंट, योश्यत,लुश,चे.च.व.व.वीश्यत,च.श्रेंप्र हेव टे.वीर.च.जश.. ું તું. ના શ્રાવા ન કું. શદ્ય તમ. ના શ્રાવા ના ના મહે. તા ને કે કું હું. શદ્ય કું કા કું કે કે हे कु अठव वें।। हेव अटॅब यर मुख्या राम्रार केव या हे वे ह्ये र अटब हुस मु दिर ने मु सक्र वा। नेर सह्य पर पश्च प हैर मु देर सह्य श्वर हैर देश नु नदी दें के हैं के हैं के हैं के लेख न नाम के नह नह नह नह नह ने हैं। गुग्रद कैंग्स सम्बुर सर्गा भे र दें तेस मुख्य दे दे साम्या यानी स दर्शा नाय है द गु लेख मु न य र्श्निक स्था नाय है म् के मिश्र के र पर के में हुँ र पर में द पर्या। र्द्र द म पर है दे थर ्रिं हुन सन मार्न के दे दे नवस अवस ठक के द जी है से मीस दहित या साथित ही। हे प्रसाद मास्याय पहेंस या द्रान्यसाय हे हैं नुपाद म् त्रायस दहित पारे स्ट्रान त्रा प्यार स्त्री केंग्रस प्रमान स्त्री ना स्त्र अन्यादे हिर्देश विश्व है देवर स्थाप ने वे से मि है है विश्व प माद प्येद स दे हित पहेंद्र प्यायस पहेंस स दह वहसाय प्येद दा सु य पहेंद्र प उर्दे हैं हैं दियद विवादिन या उर्देश सर दिर्दे हों वि हो है हिर दा अद

भ्रवस्तर्भ भीर वें। निस्तिनानार मी समाय प्रमान में है ते दे ते रहे हैं न. १. १४ . में र. में र. में त. म. लूब. हे बुझ चे तर ही र. हूं। हूं वे प्र. हूं ते प्र. हूं वे प्र. हूं वे प्र. यामाधीमाया वहन्या वर्षे भाषा श्रीकृत्य विकार की दिन दाव्या वर्ष्ट्र देवे " इस यर इर वर मुर पास भीर में दिस मिन के पहल पति रे कर्म कर है। पहुर्यायपुरिटा श्वारा करें मीश पेश ने या पार्थ मारा हे राष्ट्रीय के हे दे देश कर के हरा मुंश विव च क्षेत्र य। दे दिर द्वाया च कर दे दे दे दे हमा या हिन स क्षेत्र या दे खर व विव भर छेद स विवाय त द्या मार्च । ज्ञा तथा ही विह द स व लट ही है १.२८.ववस के हैन वो हैट वर्ड हिर । है है अस विट वर्ड हिस वंशनाश्या व भार नाहर व भेर कें। देश व द्वार व देश मेर य डर प्येर वे विश्व व वर् य वर प्ये पर व व रे खर के व वार बर ही। ਸ਼**ୖ**ଽୄଽଊ୶ୢୖଵୣ୶ୖୢୣୣୣୣଌ୕୵୷୰୷ୠ୕୷ୠ୕୷ୠୄ୵୷ୡ୷୳୵ୣ୷ୠୢ୷୵୵ୢୖୠୣ୵ୖୣୗ लट हैं, जब वैदान दूर केशन ज्या विश्व के विश्व कर हैं . पूर केंट हैट । दवर विदेश्ये मध्याय है नामयाव ध्येष हैं विमावस्त्र पर विद्यार हैं। कुर् हुर् रे . चु. पुर्म च .लट . देश ता ना हुस हु . जुल . ची. च . ज सूर्य हा . चि . च सिट पार्से नासा ना पहेंद्र बाला सट त्या पर के हैं प्रमेश में लेस ना ना है। न्दः बर्तेया च उदः मि अदः या स्वाधा या यहिन या दान्याने अदः देव हिन् सादा ह्या इसरा प्रतस्य है से द पा उद्देश भी द दें वेश हित्। दें दें से सेंदर देश प

ह् स्यांकृतात खुल. व या व रह्स है। नै सा हेर ने या या यह हैर ही। व ५५ ब्रूट नः ३५ लेश नः नः २६३ वन् १५ ते वन् १५ ते वन् । नास्या नरः ब्रूट नर्दे दट द्वारा उत् ्रि व्यथनात्रुः ५६ विश्वानुः नः है मानुद्र या है । माश्राय है र पर्य दिय छ । बी हैर पर मुर पर दें पर स चर्ह्स दस स्युभारामः चिना या । विश्व या द्वास सर्दे सुमः दर'दर्देश'कुम'म' भेव यदे 'तिर ८२' स्वर्ग प हैर व दर'यर हूर व हेर वा खुवा" शर्द्र पश्चाष्ट्रवायाध्येषाया। दे द्रायम् याध्यायाध्याम् हेनाय हर्षा हेन्द्र मिश्रामेश्राम प्रेश्म दे खुर शिव यर हेत् च हे दहेना हा यदे ॥ न्दा हैना नद मीश हर बर मुद्द वर सेर्पर वर्ष मुद्रायानाद क्षेत्र य लेश मुद्राया कर्मा साम । मामलीना नारानी शहर बर्गाः वराने राम हेरा से राम हेरा यह से विनाम मामलीना नारानी शहर बर्गाः लेश मुन है नक्कित पर मुन ना हैना भी हैं। मुन या नाद भी है ने है है ने लह मी नियम माध्ये हे लेख माने माने सामार्थे हो वान विवासर केर साम देशम्याम प्रेन है। दे वा नक्षेत्र वा हेरावा देशमा हिता बर पुर : विर : देश : पुर या की का को दे । विर की की से ही। विर विर की की से की मेर्यर रम्मायर मार्डे र्चे प्रेश्चर दे हिन यर हेर् य मेर्से समाय प्रेश लिटा नहीं व.त.चार्ड व्यूट्र मीर नव .चारे हुनाश ज व विव चर होर त दनायान न्मेन सामा प्राप्ते हैं। ने 'हेर ग्री'खेर मह्मून पर नि ने नि केरान य बेश न य से न सम्बद्धा है। वह र न वह न वह र हुर ग्रेश मिय ता स्रोक्त मा रे प्र प्र नाय अप मान्य हुर वह्य या पर हेर वह्य वा स्रोक्त स्रोक्त स्रोक्त स्रोक्त व्याप्रवाचय द्विम मा 11

द्रनः सम्बन्धः यम् भः मुः विमेवः यभ्रा । यमः सः विष्युः यहः य।

माल्य केर व्यव र व्यव सेर केस नु व के सर् प्यव है। दे हो व दस तकः यात्मान्तरकेराध्येषा र्वे मन्तरकेराया समानेम रानेस उपाया स पर्दे पर्दे। न्रास्य प्रसास हे हेस दु पर्दे पर्दे हैं है है है है है से सि. प्र लेश नु नः ता **सें**नास या है त्यह प्येह हों। देते कें रद यलेह से द'य है द गु है र वन्तर वैना गुटा श्रुरा केरा द्वारा हे वेश द्वारा के रदा प्रवेश सेना पा विना ह्येर नुर रहे दर द्वार उदार देवा सामा स्वार के देवा विकास मा ୖୢ୰୵ୖ୶ୖ**ୄଵ**୕ୡ୲ୖୄୠ୕୳୰ୖୄୡୖ୕ଌ୕୳ୖୣ୕୕ଽ୕ୡ୲ୖ୕ଌ୕ଽୄ୕ୄୣଌୄ୕୲୳ୠୖଽ୴୲ଡ଼ୡ୕୴ୗଵୄୡ**୕୴**୲୵୕ଽ୷ୖ୴ୡ୳୳^{୷ୄ} ^{કુ}ર કેસ'નુ'ન'હુદ' = ર'ળુદ'સે વર્ડેર'ર્ડેશ **દે**'સુર'ઢેંન'નો'ર્ડેર'કેર'**ળુદ'ર્**રેસ' र्वर चुर य दे मालक से पदरें दें ।। 💎 के पानी देंक तुना के हस पर 🖰 **र्भे ५ ५ ५** । वश्रद्रा ही ५२ छ्र १२ ५६ ५६ ५६ १ । हा दे परिश में नार देश कर लेख न न है अर्दे प्रोद मा कि के निर्देश में सुद्दे में स र्झे दस देश नु न व स्मास पर वह पर हिर है। नावर सेव न हेरे हें वर्र से इटलेस दु रादे र्ट्स में इसस मुँ स्ना वरे हें में परदेव दस है"" 주의 원 숙주성 전 로 독의 의품을 기존 ('고도' 및 의용도 등 등 등 등 등 등 등 이 비용의 다음 ''''' माल्य रोम नानार प्रेवाया देवे दें वे कैरा प्रदार के इदा है। दे हैं है हर ह्ये वनम्बाय वहेन न सेन वहेन है केर है। क्षेत्र वह केर हैन क्रिंग्य नार अक र देते क्रिंग्य नार अक यादे के रहाम है से वह मालक या स

ध्येष ने स्रामा निवर से भार द्रेस ये हैर ध्येष नी सूरी वहेंद्र पर मु यम् दुवायान्य देवायान्यके वावसा क्षेत्रायमा न केर के स से ब व ॥ चीराच बिश्र चे.व. ब्रे च कीर तहा बुश्र चे वर वहा चर चेर् ॥ दे. हेर. बारे विमान्द्र वर्ष रहामी महब केराया यहीं वि ही न्द्र छेश इमायर हैंगाय" ही वर विशुर में। हे है र हे भ दु व है खर है र घर र वर्षे। है रे खंदाव सुवादस् स्त्रुवाश में ब्राह्म से त्यास्त्रासायस । हासून खेरिया लान्वरायसाञ्चा वरीदाव हार्षे राष्ट्री राष्ट्री तराम व हेर्रा वि मार्गिसानवेसा तर्मा स्यान्य वर्षे हैं है भरार् मुर यर दे र महें स्थापर हैर हे बिहार हर व नदाय नदाय नदाय ने देश मान हे देश मान है है दार मान है है दे देश मान है है देश मान है है देश मान है है है नु तें लिखानु न के माहिकाया है र जि के न में । दे हिर न माहिका माहि हिर न माहिका माहिक कुर र्।। नाय हे क्रेंन वनाय लेगाय थ गुरा र्रेश वर्ते र र है लेशन्ताचारे न्याने न्याने रूटा ने हेतातुस नायशक्षेत्र तुसान केर दे केरार नावर केरा न् वहर्'यर मु व म प्येन प रे हिर न प्या हुम मु व न व न हैर न वहर पर वु'च'हेर'षे १'हे। नल्र'हेर'ठु'२म्बर'विषायस वहेर'चेरे हे रहे दे हैं न्द्रशार्याधीय वे ले शानु न वे नधुशानि रे कें द्वा है है दे न न न न है है लेश नि.च.ज.स्योश.नश उकर.तर.नुरे.ट्रा इंस ने.जश.ने.न. हेंस.ने.च.कुं.र्घ्स. उर शिष क्र के प्रमास क्रिया मारी हो मारी है मारा कर है दा देश मारा में दे के ही है है मार द्रेंश व त्रिन्र लेन पश्चित्र पहेंद्र पर नु न अ प्रे प लेश नु न के रहानी है नर लेक नर-नुर प यक्ष गुट न्दर नहेंद्र पर नु न म भेर न लेक नु नरे देंद्र हैं।

हे रे के वर येदा पदे ही दशा यह गया थ रे वेश द्वा वादी गृह गया या से ग्राया वा गा नद्शान्त्राचीराता हे परामेशाया स्ति वसायन्त्रासा लेखा चारते हिंगहीं। हे न नः लेखान न रहेरे नम्दर्भ के ज्ञा पहनायरे के सक्षाने के स्थान प्राप्त पा त्रुन्। यदेनुः मर्कर् नाद ध्येष्ट्राय दे 'त्राय त्र वर 'त्रुक्ष 'यदे 'तुम्राय 'श्रेन्। स्रायः ' **ค**ลูๆ กล้าสูาผสราฐาคฐรากรัดิาสัาติ เกล้าผู้ราสูม กราติการ กร**าม**...... यर लचीर मी। ट्रे.केर भारत्य व मी भव्य भुरं ताल्य व व समावर ल के. यर यर्वाश व व्यायर प्रवीर ह्र विश्व वहार पर प्रवीर है। य रे.के.चर.चरचारा माके**र**.णेश श्रद्धाता प्रत्यीर खेश मी.च के.वेश तक ते.लेश. হর:ক্রী ৡ বহ বহবাধা নাজুমানু ম র্মায় বামের জ্বা বাম র ব্রা বাম ব্রা হা पर्याय'य'र्थन्या सने तुम्र'य'मेर'य'म'त्युर हेस तुःनपे र्ह् हेर य हेर ग्रे स प्येर वे लेश स य वे यह ग हेर ग्रेश रे ख़ सुर ग्रुर य रहें राग्रे " के प्रकार प्रकृत में भूष प्रमाणिया विष्य प्रकृति विषय प्रकृति । के पर पर गरा भारते विद्रास्य मार भेदाले वा अद्देश रहें से दर हैं विद्रास प बुंश.चे.च ज.श्र्वश.च.झूंश.श्र्रा श्रट.ग्रेर झें.रट.पुंश.च.पडिंग.च.बुंश.चे. न है से र नो है ज़ र र से द मो है ने स म तहना म लेखा छ न है र हैं । દેવા જે લેકા ઇ વાલ કે સુવાલ કે જે માં છે કે લોં કર્યો કરાયો કે સુવાલ કે ક્ષેત્ર છે. બાદ ક્ષેત્રે કે કે લેકા મા चैं.सक्^र.वरे.ची.सुंबान ब्रोलुरे.खेंबाचे.घ.बे.श्री.**देवधे.**बु.श्री.वरे.कुटे.सालेरे.सहून. निर्मा नर के भ भ ने निर्मा कर से के निर्मायमा निर्मे कर में लट दे से के कि के मार से दे ना लट के ता कर के सा के मार के

दन्य वि मः श्रमः लेशः तुः २ वेः श्चेर् । यः यः **स्मासः यः नहेर्** य वे 'र्मेशः यः **यसः स्**।। द्यायायनाय विवा नीहा विश्व वाया वे रूटा मी वाया स्वाधाय स्वी वुषाया हे दारा वुषा य शर.स.स्र्रा.तप्र.च ४४. अवश्रामेवा हो। यहूँच पश लेश विराप्त स्री वे स्र बुक्षायायक्ष्मिं सक्षान्त्रहरू स्थान विकास सहित हैं। है स्थान सहित स्थान नु लेखानु व के नु द्या ७५ मी व ने दे प व के दे भारतीय व मु महिर दे पर ही २५नाम क्स. ल्रंब ५४. मासुम ची:२५ ग.३५. ७३. मी नहीं . में र. मननाम प. मी न. प. मे ক্র মহন্ত : ৡৼ৾য়ৣয়ৣ৻ঀয়৾য়৸য়য়য়য়য়য়ৣয়ঀ৴৸য়৻ঀয়৻য়ৣয়৻ঀৼ৻ मक्तायाहेर्य केर्न के बिम व नरे दें कें। दे भागूरका कर यह रहें या मेर्द्राया विश्वानाया स्थानाया मारसारका प्रदेश विश्वान स्थान भुक्षानु दें क दम यह से दा के प्राप्त मार्चे वे वे के भु दि हुं का नुवे भी निवास है ।।।। न्द्रश्राभेदार्ग मालदानु लेखानु च दे स्ययायर्गा सद्दायर पर्दन्य लेश मु:व के द्रिश**र्य र मुर यदे स्मयश शु:**यय पर्ये। विकार के स्वयःय प्येर र्वे 'लेश'नु'न'भे'नालुर'नालुक'प्पेक'र्वे। रे'के'यर्ने'भ्रत् नु'स्रेन्सर 'सर्वेर्न्स' नवदः व दे व व से देन मदे लेश तु व है। सेवाय संवास मदे नवद व र क्रद्भान्द क्रायर वन्ना पर छ न निहेन ए छेन पर घक्ष प्रक्र र छेन भरे छैर। म् तम् चिट्रत्रे, पुंभारा लट्रत्याच बुबा मुक्के मम्बर्धा पर स्थापार दे हर दः द्भाराय दे पहेंद्र यदे नु ब से ने दाया अदादे खुर खूट या भेदा हो।

5ुः च्चाः न्याः स्त्रीयाः प्रदेश्यसः २५स यः दत्यः सः दत्यः यः ५वः प्रदेशः सः ३**५ः प्र** बिटारेदे जेशाचा अटा सेराय रे दें भी अव उन हेरामा अहारी। देनमान मेर्पर रेंद्र उर्पर्स पार्टामार्पेट्सायरे वेस यायसानुरायर मेर्पायर ह्या य दरान्ने राजें 'लेखान्न' यदे 'मान्त्र के नाह्य सामुनायान्या हे 'स्रुवायर ने ने यदे क्ष्राणी हेंदाय प्ये दे दे दे दे दे हैं हैं। नार में स प्या दर्श रा दा दि हैं स चि.च.च.स.स्वास च.र्झ्स.ह । क्.स्वे.रच.जम.बुस.चे.च.परस.च.रम.ट्रम.ट्रस. त्रान्त्रान्त्रसान्यास मूत्राच साय्येदार्वे लेखानु त्रमा ह्यूराने ह्यूनायर हेरा य स भेर के लेस मु नते रहे रहे। इस मु स र र र र र र र न र स मे न र स 5'यरे र्द्र रे । व'दर यं सेर्यर दर्द क' अप लेख ने ने दिस यरे मुंदं पदि श्रुदे नहेना नर्दे का अराहा। विदे देवे हेद के के के देवे प्रदेश सुरे रे लेख न न के हैं के मानन मारे हैं राउक हैं राये माने सुर र्या दे हैं व हुँदि सर व भव नी महिना हैर स भेर हे दिये व वस सम्य ह नुदें। य वसामान केरा वर्गामा भीरा मेरा है राषा दरा था किरा वर महा वर्ग केरा रुप्तचुरार्ह्य। शेमश्चर्रास्त्रश्चर्यात्रमश्चर्यत्रह्वरवर्ष्ट्रप्तात्रद्भ पान्नेर त् हेर्निश्च प्रतेर्त्ते सेर् र्वा रे. डेर्म्मवर्त्य प्रत्येर विषे मीश देश में न दे मोडियोश रेट हैं। रेट रू चेट रू चो में जा सूर्याश माज लट उन्हा जा यान्दावनीय यात्रार्श्वनाशायते हिनायन विश्वासे बायते हिना है। माद्र रुद मी लट रहें से से दे सम सामित तर रहे रे ले हैं है ने मिं हैं दे ने में

र्देशलेश.व.च.च.म.स्वासायार्झ्स स्त्री देपर्टर.व.वे.लेश.व.च.च.ब्रे.ह्ये.ट. ले भः चुःचदेः द्राँ द्राँ। प्राव्यः मुक्षः गुदः म्वादः म्वादः सर्द्धः सः ३ः माध्येय वे लेस नुप्त वे देव नावय न्याय हो यात ध्येय प्राप्त । क्रामक्राक्षेत्रद्वाचयत् स्रुरार्चे लेश्याद्वादशास् । वस्राक्षा वस्राक्षा नु व के देल दूर व र र ।। दे तमा व दर्ग व हैन प्येक के लेख नु व के सबे च्रांत्रसास्त्रा द्रांत्राः महर्त्यते साल्ये राष्ट्री विषानु चार हिना द्यूर रदे हुर रे लेश में वर्ष रेमाय है रे भर्द है । उर द्या में भर्द हें ने प दनायानते सुर न्र्याच सेनाय हेन नुष्वणुर निर्मे सुरारी। वर्षे पाय लेखा चि.चरु पर्यक्त वर वहूरे कुरा वे.चरु श्रेचका के बुका वे.च कु.चरुर उरे हुका वे वदे प्रमेश व के नालक हर जर ग्रह र संभा भेक के । व व के र भेक के क वर्षेश् यर वर्हेर् पर्यो। वर्षेश् प प्याप्त प्रवश्य व भेर हैं। ह्ना प हैर मु ब्रुर-रुपाश-पाश्या नद वर्षा व शाली १ व् . हेश व व य स्वाश प्रयास्त्र यान् भेदान्। न्यरादाभ्ये मार्ड विकाले मार्ड देशाले मार्ड क्र यर निवन यर पर्देश या वर्षे का यह हैं वर्ष के ही। हे दूर्व ही बैं सं प्येत हैं है हुर रग्नुर व दे सेर व हैर प्येश पर वहूं व है र पये छैर हैं। द्वर व सूर्त दें दर्द र दर्द श व र मार्थ कर सूर के मार्थ से से र मे मार्थ सं र दिन न मने प्रान्तिया कर प्रेन के 'बेश मु न पर दे 'अद द्विश मान प्रमान कर जुरु कर " महेना पते खुवा उत् केर प्येत पते खेर । दे प्यार मेर पत्र द रहा व मेर

या भेदार्वे ॥ अरे हर्षा यहाँदा या यहाँ वाया स्वामाया भारतीया या भारतीया रक्ष गुन् नु न्न नुस्र पर रे हर दु दु व य य वर्द्धेस संदे प्रेस पर हैं दे ये दि सी व सी चुःव है खुः य यम्रातुक्षानाहेना त्यायम् याम्माचुः यदे दि ॥ नाराक्षेत्र पाने वदे हर सर्वेट हें लेख हो व नुराया लेख नु व व यह मी दश्यामा र्द अ: स्वीयायाया सेर्पिते ही स्ट्री वर्द अप वर्दे या वर्दे या सेर्पित हैया है। दह्नन् पत्रे हुँदे केश दा बहुट वर विश्व दा प्रेश हु पत्रे दूँद दट दह स दस ता **ৼ**য়ঀয়৽ঀঀৢ৽ঢ়ঢ়৽ড়ৢয়৽ড়য়৽য়ৣঀ৾৽**৻য়**য়৽ঀয়৽য়ৢয়৽য়৽ঢ়ঢ়য়য়৽ঢ়য়ড়৾য়৽য়ৢ৽ঀঀ৾৽ৼ৾য় निरंधः क्रुनासासाम्बद्धाः स्थाप्ता । वर्षाः स्थाप्ताः विद्याः । वर्षाः स्थाप्ताः वर्षाः । वर्षाः स्थाप्ताः वर्षा ल. श्र्येश.च.जट.ज. श्र्येशस.च.श्रेष्ट्र. तीवाच.वाटाका श्रेष्ट्र.वपु. श्रेष्ट्र. देवे.देव.देवे. नरे नर् वानर्क्ष वासेन्यान्तेसाय उदाकुर हिन विदेशहैं। ह्यांश मु ह्यां सामा हिना ता सम्मा ना ना ना सम्मा ना सम्म लेखानु च के मुंचि ह मा च दे मुंख्क प्येक्क्री। इस्था माहेखालेखानु च के मुंचि इटाम् थु भारत्मे वाक्षास्त्री सहका के द्वा कि क्षेत्र के निवास कर स्थेत लेश स निर्देशके दिन केर ए ति स्थान निष्म निर्म केर दे केर निष्में केर क्रिका के क्रिक्त अर पुरायक स्वर प्रायम के प्रायम कर वा कर महिल है के क्रिक्त यह्रीत्रान्द्रात्रकेर.वे.ह्बकासर.विचेर.वादेःकावदेवासव,वादेव. ছুনাপাট্রী,রিধ প্র বিধারাসেখাট্রারমপ. এই জে.পাছেখারা, ই.বমাথারীনা ह्येंबारानाहेन वानाहत केंबारामाना वाना का के विकास है परः वर्षे वर्षः धरे हुते दमः धर्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः प्राप्तः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व

मत्रे मुं उद्दे हैं भेद मी। ही दिस पर मुं प्रते मुं उद्देश साथेद दें।। दे तरायते देशामु पारे महिनानु पहेंद यदे मुह्म या हेन नु रहा यहे रे । ×८.चु.ती.ती.प.१८४.वी.च.सु.भे.भारा की.मेस च.१४.भारा क्यां श्राची तारा तार् ब्रॅ ह्या के हे हिर दे पर निर्मा के ब्रिक्ट के ना वर्ष में मोट्टमा में देन प्रत्ये वे सत्य स्राध्य राष्ट्र प्रत्ये प्रते हैं र वेश में प्रत्ये हैं स्राध्य में मु विश्वासाय दे ता श्री श्री है है से साम है ही स्त्री मारा ने से हैं दे हैं है मुक्त देश न वह बा दृश ने वा प्राप्त कारा स्वीयायाय विष्य विष्य विषय है वा प्राप्त विष्य है वा प्राप्त विषय है र्श्वेदः प्रदेश में श्री । कुमीरेना नी तुरा या से से राहे सामारे से प्राप्त कियाना न दें असका सुर सेंदर नदें सिंद्र में से प्यादा निकार निकार सुर पर सिंदर ना निकार सिंदर निकार में सिंदर निकार में हैन न क्षुर पर नुर्वे। दे वे बहुश नु नुरुष पा उर् है पर प्ये व वे लेश नु य'वे'अमधासु'ह्यॅदःदर्रे ह्यॅ वे'इमाध मुकेना हॅम्बायते' प्रमुखानु खरा हैने प्येत है। १ अमस्त्र सुर्ह्म त्यालक प्रताय क्षा मुन्य रे के ही। यह १ के दे के लेख मुन्य दे है भर र प्रति क्रमस सु हिंद नदे र्जू दें।। नद ने स इस धर है व प्रका । मेनाश हैं लेखानु नाहे नाशवानाद्र हैं तह नाहना वसाइ न्द्रमा हैन प'ते नामका वदे हेस क्षां कर्ती वर होते हैं। वामका नाम कर परि है नः २६, ६८, ब्रुर् २५। हे क्षेर्यं नः लट १८ क्षेश्रः मुख्यः स्वांश्रामसादेः क्षेर् वक्षद्धर वेद द्या ५ य व्यवस्थ वे दिन हिंदा स्ट्री वे द व व व व व मठेमा पर तुस्र य हिन्दार पर हेसासु पर्मी पर है है। हे हा अर ही हिर्देश र्वरामुरायकित्रमुवायकित्राधिकार्वे किता देवे क्रियाववस्यानिका हिन

चर वृषाया भर देश नु न ता स्वाहा सा हुं सा स्वाहा हिंदा है से सु न ने दे के हिंदा सु न ने दे के हिंदा सु न ने दे खेश नु त है वृद्धा सते हैं श स् त मूल के हो । वृद्धा या मालक मी हेश सु त मू भभ्य लूर् ना ले था ने नर हुन था देश नर हीर हो । हे सेर व हुन हीर तर् विर्तर नविश्वी हेश शिर्ते व लेश तथा हर श्रेर्ते व में भक्रे वृषायाष्ट्रमायम्नायमानु वार्यस्य । दे त्याभ्यामानु समान मुना पासे दार प्रमुद दें। विमुद्द पर के प्रमुद के प्रमुद्द के प्रमुद के ब प्रवासी है निवार ने हैं के जिस है के लिख । कि हो है के निविद्यानु भीता के साम के सम्मान के सम्मान के सम्मान सम्मा लेखारु **न** के माथ या नाया ने काया दल हिंदा या श्रीका नुकाय का फीका है। यदना कुरादेशमान भेवाम रे हिरावा परीरावेशमान्याहित मही मुरामहवानु में प्रमुर हा। है है र द्वर है दे हैं हैर र है र मर्बेट व दें प्रें दे हैं से मध्रुवाया दे सह महिन्य विश्व मुन्यदे द्वाद्री है । है पहिन्य महिन्य मुन्य माध्येदायामाराध्येदाया देशानु मा वा स्वान्याराया तकत् यर हिन्द्री। र्वे हिन्दाय द्रिन्स पर्दे ह्ये दे हे नर मेड्स मा द्रिस वे ही है वर विश्व वाहर है सामहेंदि हो। दूरिश विश्व से पायद विमानी है:

यर त्येव य वे व त्ये १ व्या 💎 ह्या यरे दें के दुवे वहा व वेश व य वे रनाना यर वुव वर्दे व के खुय दे वा गरेगा दु मेर धर वर्दे य हैर में हुर हैं। हुं य दृष्ट व्यन् दा होद र हे ह देश न य वा स्वाहा य लेश नु व है विहेवा द दिस र होदायवे केंब्र हेद प्रेश परे क्षेत्र में अप देवाबा कर्म लेश नुपर है दही गर यते सर्वन है र ग्रीर ग्रुर स देश वु न २ रेश वुर यर र मा वु य य ये हे ने वृंतु मनु र य है कर्न द अदार द विहे द व रेन से वह वह वह व व रेन मुर 'द'ना है ना रे केंब धेद दें 'बेहा य प हैद' ता केंद ता ता पाट करें य दार केंद ता मान र केंग्र दे न्या मीस मालन मी मानन केंन द्याय म से द्वाय य उन र महेंन गुट प्राम्य में प्रमुय य उन हिन स नहन हैं लेस क्केंस है। यर नु. म हेद वा स्वाधाय दर्स स वे वे स्वेत्रा हैस स्ट्रिस स देवे सुर माल्ड ही " नान्त क्रेंन्स देश भी हो। देश देन् नाम ने नत्तुन यह न्देंस ये दे हेन उन हुनि जेस यादिस से दे हिसा हु हुन महे हर न अना उंच मुक्ति द्वास द्वारा वे अय उर नुमूच या हेन स प्रेन विद। दर्स सु नानम के ग्रेस की दें। व्यर्भ पर मेर मेर मेर मेर है पर मेर पर महें पर """ से तुर है। दे तुर तुर तुर ते हैंर ते भारा लस नुवास हैंद ती हैंर र्रे १६५ केर.तर भुन्यत् स्टाउट वर्ष वर्ष क्रि.तर स्रे अगरः सामहिना भ हेर म ला क्या दे लार रहानी सकत हैर नहिना सुर्दीर

यर पुष्यार्थे र त लेखा पहेंद्र व स्वर हुर त नाया वर त मुद्र र लेखा वसससा पर्ये। दे स्टर्ब र न य विना हे स तुः य बै हो दर्श में र हा नश हो दर्श में र हे दु प्रश् विवाया में द्वापीय रहा मी संदेश हैन अब यर क्या मुहसाया अव व्या है सूर र्ट्स रें 'हैर-फेर वा दे'यायर वर्षिक्री न वर दि व हेर वर्र वर वुव भिर्म दे हर ना है विदेश देश रे दे रहा च ने न स्था मिन च के हों है। र्दमाधार रामी मर्कर की रामिश कर माहि रहें हैं है रामिश या अ भेर नुमा विभिन्न भेर विश्व विश्व नुसुद् या ना भेर या दे विश्व दा अर्कन हैं देश भे विष् देश के विष् के प्रतिकालिक नु न व क र्मिम न क्रिंग की है है स कि र में द में द कि द कि या व लेश मु न के हैंन्य न र्रों अपने हो न कर हो देश हो कर मार सुँद था केर भार के उटा हर्। १८९० इस य महिल मुश्रद्धा हैस सु मार है के प्राप्त हैं व प्राप्त हैं व परे सर मार्च १ केन मारेस के बाल्य उ के मारे लेखानु मारे दे मान्दाय सहित या व रू द दर हु ते सक्द हैन द्वा व्यव नवित् यते वविय नु र्यंद या स यो द दें विस नाश्चरक्ष.स्य ॥ ५. स्न- ने स्त्र्य ने स्त्र ने स त्यस नालक प्रति श्रुति महत हेर ग्राम नालय न हेर र प्रति हैर हैं लेखा पर नी मक्ष्यं केर् तम्म विश्वान प्राच्यां म्यान प्राचित्र प्राची मह्य केर नियम निवर मार्श्वे दे लेखान न निवय नार में राज्य हैं हैं लेखान निय हिन नि यादे पंसाव ही में मर्का है रही। हे नालय नु भव के लेख न महीं मर्दिर

नी द्वार्था या है मा प्रेव नी। व्यव गुर मह्व सुमा नी ह्वा प्रेव स्था मी दि व र्राम्य १ १९८८ मध्य १ मा द्व मी र वे सारा मारा लेव पारी है है ररण नी मळवर हिर प्येत जी दे मज़ेव नु हिरा हु दमना पर दे निमा पर ने निमा कर ने दिर হু হুহ জুৰ এ এব নী শুনা থ নী নাৰ প্ৰত্য প্ৰত बुर्निसर बुक्ष माना भेका या दे के हुँ ने सक्क हैं राभेक के लेका देव नालक कु हिंगा वस्य नाव्य न न न न ने स दम्म पर न मद्र न प्यत्र की दे न स द स स्वर्ष श्रम रः भूगा नु मुन्द्रा था रामालया मालया मालका प्रामालका प्रामालका स्थान है । से सामालका मालका मालका मालका सामालका वतर यन दे श्री र दे र दे हिंदी सकर है दे उन वन वन मान दे से पा दे हैं दे रदः नी अर्कर हिन ग्री रद नो दि व सद्देश पुत्र मु वेश दाश लेश मु न भ स्वाहर रक्ष.चंबर.चर.चुर.च.लुरे.च.लुरे.चे मह्य.केष ची.लेख तब.रर.ची.ह.च ह्रेचिस. यर कुर रट में हें रेट मकर हेर हम मुनदे र्यट र नुम करा शुक्र दिसानु न दे दिसारा महिमा न मि मक्र म के द के द न न दि। वालेशन्त्र व व व द्रात्र केर मही। है निम्दर्श विषानु न महीदे महन हैर.चन्तर ह बुंद्ध हिंद. यत. ट्वेंट ह. । अड़ १. हेर वह र वड़ वें कें है है ट्रियर लेक् वस हे साम वास में साम में हेते. बुर हे नग हेते. सहर हेर ने नहें र ताल ब हा। हें ने हिर या पश्चित यर व याने हेर या लेखा व या के ही यञ्च या या पर । पर के मिखा यत्तर रश्च श्रम्भारा लेव.मी.चर्से ग्रमर मे.च.व.व.वट. मेट.लूर.त.स.लुब.ब्रा । हेरे अपनी र्रह्मायाय अलेशन वाहेश सुन्यामायने अयानी द्रासीत " सहव है र हेनाया मदे छेर हैं। र्या मुंधा लेख न न ने हैं हैं नेया या मधा

नुस सुसामे दे रदामी मळन भेराया पहना पर मे रम्युर र विशान परे रेन र्हें। विह्नायर से त्युर हे लेश नु न है। हूर हु ता दहना तर्भिक्ष.धटकार्यका.द्वी.रूजा.ची.का.ज सूर्याका.जा.जा.च्यांचा वात्त्रवे.जा.च. क्रें मुं हैं का क्षर विदेश मान्यां ना त्राची वा निवास हैं का में का विदेश में का व भ त्युर प्रभ लेख प्र १५ च ना कि पर दे भ ने के मुमाय ऑरस सु पठ र वेश. बुंश. चे. च वा. श्र्वेश दा. लें र हे। हि. हेर. चैशाय लूट श शे. पकर वेश. यिभाताल्ट्रा श्री : कर : तर (बेर तार्टा मेर्या तायम् वातर वि वर हेर् म्रूमावाता वहना पर में व गुर व दे दर व द वर हो अंदब हा वहद क्या वहुत वर मु पत्रे रेंद्र र मो सळव है दे भ प्रह्मा सर से प्रमुद्द रें दिश मु पर दे दिश सामा भक्रुंद भर्द ह्वं भ्रव ह्या हिंदा हा निर्मा न माने माने हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है है मर्ज्जेन या महर् यद्री माहित माहित मालि र मिट वर रहेन हा या प्रमुख या प्रमुख नु पले द न्या नि र भेर च दे । ३ ले ख नु व व दे रहा ने सक् द के द गी इस पर हिंग्डाय । पश्चान्त्रसदे ह्नाधायान्त्रेशायायम् पत्रियानमाय्ये सारेल्। कु नीट मीश ने पहिमाना क्षेत्र हो नी नी विश्व मी हैं पर हो वा में के हो हैं। हैं कि रदानी सर्वत हैन नु हो। इस यह हेनी दिन हैस है न्यना पर्वे नहार पति क्मायदे क्वें वहा रदानी मर्कर केर दु लेक पहार् निहासायानदा भेकाया दे के रदानी म इंद केर लेद वे लेख छ उरे रेंद हैं। हेंदाश म म में दे लेद मदे द्वर मेंश दे न्याया परे हैं वर्र हैं साय भेर कें लिस पहेंद ही। दे हैं न्याय दे हैं दे अपमे भे हे । अप द्यापत अपमे अपने इस साम दिहें (स्ते केर ही।

्रत्मिक.स.लर.७ंश.चे.यर्.सर् ह.कून.इ.र.। श्रैच.मैं.भ.स्वेश.स.७ंश. नि.च.झेम.वश्राच पर.च.काब.हा झैच.चे.ज श्र्यश्राच प्रिम.वव.ची जेश. त.ज श्रुचं के ज.श्र्चकातपु स्रेश्चरायहे र.हा राजेरावे किराविका राष्ट्राकी निवृत्त्यते मिन्यमा माञ्चे मान् त्या स्वीस यहेन हो। हे सिन्दे हु.केर शुन, मैं.ज.श्चम तर लेज.वर में.चेश.त र्ये ज.त.केर.जुर.तुर.तुर. क्द्रमामाध्येत्रय दे प्रत्यद्वाचर हिस्रासु प्रवासि देशाया प्राप्य प्रवासि लेश.चस्त्र यर.प्रचीर.स् । प्रचीर.पर.पर्ट्र.की.श्चि.ट्र्र.ट्रेर.प.प.वेश.त.श्रेर. य हिन के हिन दे ता देव दे विक प्रकार वहना य दे कर सर के से द्यार वा है दे इस य देश गुर र द मी सर्द है द दें नास य ये द दें। दे तस द दे है दें नास य दे.क्ट.भ.३८.भूब.व.चीर.चीश.वर्जूच ।टे.जंट.ब.ट्र्चा.त पट्र.चंश्व.चंट्र. र्द.रे.पर्धिकातपर एष्ट्रा विष्टा रहे हैं.विष्टाता करे हु। हे.क्रेरे.बु.पर. मी में से हैं हैं दें लिस में न न स्थार यह देहर में में हैं हैं कि से माना लिहें मुक्ष नाल १ हॅर यात्र नाया पते हुँ राह्य । दे हेर यका दे हेराया या नाल १ मिटि म् शालु रे तथा विकास कर मा विकास कर मा विकास कर मा विकास कर मा के दे हैं र ले र म.रे. इर व.विव.तर वेर.त. स्वाय.च.रेश्वेचश तर् ॥ हे.यंबेच टे.क्र. कुर मामायम्बर्यास कुर ग्रीस मिनारा लोक मारे रहा समाया ना लहा सम्मारा लोका । र्श्वेर न न ने हेरा य अद मिया सर हिन म दम्या न न है मेना स 口了"学工司1 माकेर लेब.माब्रिंस.च.इ.रमा.मिट.वता.व.चल्लीव.मा.भुव.ब्री। रह.मी.भक्ष. हेर्'में वसमस्य व उर्में हिस सि र्वा रवना ता है। दर्म हेर् छ हर व हिस व व हैरर मा मक्षेत्र हिन्दू लेक प द्राध्य पर्मा दे खुरान राम के कि है निका

य**े.पश**शःय क्रेर.म्री.हंश.श्र.रंत्यं यञ्.रं र हेज.तर.प्रचीर.र॥ विश्वसःस.ह.के. व व वैत्र पु ति ह ग व श ग्राम्य व शै व दि । सहुत व र । र म नी स ईत्र हैद । हेर् । य दिवे क्षेर है । इर दे हेश ही रे ग्वा पाळ रे सा हेर रे सो प्रयोग 💎 चिवर रेवा दे सेसश नर हिरायश कर नहा स्राप्त प्रकार है। रट.ची.सळ्ब. दे वरा ब कर्म स्थित वरे कुर वर्ष भावासा भेर्दे । विद्यानी सहस् १९८ में अभारका है पां शुप्ता गा गरे क्राम १९८ में इस सामे देश सामे देश सामे हैं। सर्वतः हैन हेन्स या वित्र हे या सुर्वाना यह रहत स धीर हैं।। र्टानी ट्रिन् हेर्नु हॅन्था प्रेया भेराया हे खुर का बर्जिना यते ह्विरावा मुखाया प्रेका वी। ग्याने ने ति ति ने स्पूर्त प्राया भेव के लेखान मुनाया लेखान व के देव नार त्या लेखा यस हैं य र तहन यते दें हरे या र सियायर मेश व में वर्षे व से र हरें लेख मुन ने अर वा प्रम्यान नामा के दारे हैं कर साम भेदायर हुर नाम हैसान परीया म् १ हे ह्यु र पर र यू र इ वे स मु निर्दे दें हैं। इय म द द वें हैं द लेश मुन बै.चार.बै.चार.बे.चार.पश. गवर.में.ट्र.च्यूर च्यूरे हे.हे.हे.घ.य.र.हे.घ्यर.क्य.प्रमुद्रः है लिस छ न थ से नास थ से नास है। नास है हैं वी नाम है नास या दे हैं हैं नाम ना है हैं यर ले रच व्यर् च मा की र य दे हर हुन च देने के माम देश य के द व्या रे प्रमुच पर हैं वे नाव ('येड्रेंप'य'४' भट हैं वे नाव के पु ले के पा अर्थेट पर्ये क्षेट र्ते । १ रे रे रे दे पर दे वे लेस दु न व व स्वास यस स्व रें। मते हुँर न र में लेश न न के न स्कर्भ भेर म ने के तित्र भ मर भे ति न र

ब्रू विद्युत् विद्युत्व विद्युत्य वि ध्येद:51 नेट्रश.मू.ज.भ वधा.पठु.स्.वस.क्.न.भ.३८ लुब.पठु.क्रें.ट्री डे.केर.व.भू.वर्थे. नने खुर कर्मा हैर प्येश के लेख नान र कर सदे हु दे सक र हैर केर निर्देश अवस्य स्वरी ह्वा व्यवस्था विश्वस्य स्वरी है नहा कर साथ है है । व्यवस्था स्वरी स्वर्थ स्वरी स्वर्थ है । द्भ'द'दे'स्ट्रिं'सु**स'र्८:हेस**'सु'र्पना य'स'निर्देन्स''पर्दे'स्द्र'स'नीसुसर्वेद'पर'' मकायित है। विस्थान केरणी सुरादर इसावर हैं नाम द्रावह साम केर য়ৢ৾৾য়ৢৼ৻ৼ৽। য়ৼ৾৽য়য়৸৽৻ৼ৾৻য়য়৻ঀৠৄ৾ঀ৻য়৻ৡৼ৻য়৾৽৻য়৾ৼ৻ৼ৾৻। <u>इश्राह्म प्राप्त अराधा अराधे के देवाल अराध</u>्ये के स्वाप्त अराधे के स्वाप्त अराधिक विकास के स्वाप्त अराधिक विकास म हेर्मा भेरा पार्या मेरा है। इस्मार्या मान्यू पर्या है राह्य है । **५२- १०६५ म. १०१ म.** ग्रे.बद:र्-पर्ने चर्यः ख्रेरः द्रा। रे.बेर.ब.हंशःश्वःरचना चर्यः हैंदे अद्धवः हैंद के वदै 'भैक'हे। स्नि: हु मुर परे हिंक मालक रहे या या यस हिंग राय है हिंक शु द्यमाय प्रवाद लेश दे अपना प्रवाद दिया पर पहेंची पर दिया पर **लटार्बेर व्रायार्बेर विदे वेर् ग्री दिवेश मारेदी दिवस व्राक्त केरायस वेर विदे वेर् ।** रे.ज.ब्र. विष्.प्रमिज.च.क्षे.चर.प्रमी रे.चश.ब.चयश.वेष्.५वाश.तश. श्चेश.नष्ट. हेश.श. देवना च. हेर . लेब. स् । दे. हेर. ब. स्र. वेद. स्र. प्राथ. रूट. त्रं भेना में इस पर वेश पः हो हो। नार में हुर र द में सकर हेर विंद हमायाध्येत याहे के**द**ाग्रे खेरावाब स्वाति हमायाण्ये स्टामी टॉर्च हमायाध्येत हों। <u>୭ ଅଧ୍ୟ ମିଖ୍ୟ ନୁଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମିକ୍ଷ୍ୟ ପ୍ରଥିୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ</u> यदै'न्न्य देते'वर्न केर् रूट दे 'यस मुद्द यदै' देव केर् नु 'वसूर य स' प्येव वें।। नाय हे है दूर दे र र मी मर्ड द है र मैं अहे हे अहे अहे य में व ज्ये क ले जा है है र मैं अ लेखानु या वे सी क्ष्यि देव गुरादे के रेवाक उव मी रहा मी अठव हिरामालक दहा ही। यदि केर्येन में बेरानश्चरमायायेन में। देनमान मेनमामहितमा यदै रदानी सर्व केर रेन समासी समूत या त्या त्या प्रति विदायर उत्ती ही लेखा चीट भारता चीका या केरा भारता क्राची पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना 4E5'511 यर प्रविचा पारी लाट क्रिंब दिए क्रिंब हर मुँ इस पर दुने पार क्रिंब पार प्रवृत्त यते वर्ष हु रहे राते रें क रें के हो । वी रातर हिन या के हमारा ही रात की इस पर नुसाय प्रमुक्ती र्न मुद्द के स प्रमु हे लेख मुख्द सी। বর দ্বার মর দ্বার তর ট্র ্র মার দ্বী বার বার কি মার দ্বার বর স্থা पहनाच के अप्येक कें। वें के के खेब के बा अर्धुनाश नालक वार् न्याने वर्षेत्र तु ता तिम्तिता वा त्या वर्षेत्र तुत्रे त्रेत्र ते त्रेत्र तु त्रे त्रेत्र त्रेत्र त्रेत्र त्रे उन में तर्नेन्यायर नेराय माणे व ले व रे त्यस हैर त्युर। द्यम्भेषात्रचेत्राच सम्बद्धाराचाकेराक्ष्मसायाकेमा ध्रेकार्वे॥ तर्देरास्यस याद्मियायास्त्रमायास्त्रां दे लिसारे उसालिमा महेंद्रासर मुखे। सुनिस दे

हिसासु द्वापाय वसस उद् गुद द्वाय व केंद्र प्रेन यम विदे हो। प्राथ केंद्र देर वुर विष्यायाया हेश शुप्तम् वार्षा माज्य याज्य या स्वर्याया सामित वे ले व न्या है। स्पूर्या साम्येदाय दे रहें सामुक्षा है साह्य द्वानाया है दासाम्येदायां साम्येदारी मार हिल शि.पर्चे च.रेट क्रिंग म. रेब. च. हेरे होर चर क्रेर मा. ने च. पश हो ह्यां स ... यर विश्वर यर दे हैं हैं। हैं भी श्राय है हेश श्रु प्रयमा सदी भीशाय प्रेम पर भैः २र् २ **५म।** २ द्वा ना शुम्रायदे १ ना शास हुसाय प्येत सारे हराता है दमःमुक्षःह्रेकःकुःन्यमःयःलेकःक्क्ष्र्यः॥ मायःने व्र न्युते द्रियः व्र न्युते व्य प्रमुख न देश हु न्वनाय केन प्रेन की हे हिर हे अ हु न्वन य केन कि ট্রবা ট্রমাস্ত্রবেলানা দ্রীমার্মানর্মু বমান্ধুরাবমান্ত্রব মাট্রসাস্ত্রবিদাবা क्रि द्वे के दिन्द माम प्राप्य के ता प्रदेश में में माम प्रदेश में माम प्रदेश में माम प्रदेश में माम प्रदेश में च-तिमारा तात्र विकास केराक्षेत्र अप प्राप्त कार्य वा कार्य हिट। रुपातार्सिनास यदी हमासायस होसायदे । हेसासु द्वानायादरी है। श्चास्तित व केर.रट.रट्श.तूर.कॅट.च केर.लूब.ट्रा ट्र.के.श.लूब.ब.श्चापश्च. यः केर पु अ त नी र र ।। रे प्रशाद केर विर त मिला म प्रे के दे प्र प्र स्था केर प्र स्था केर केर में प्र स्था केर ब्रा निकेशनाताला सम्मीयाताला थरे। ब्रम् निय के निय माट.चेश ह्याश त.लंब.न इ.ब. दे हुए हू. च्. केर दे जे केर हैं विश्व माट के श्री केर हैं विश्व माट केर हैं केर हैं यः भटः रटः ने अर्ढ्यः १९८ र ने न्यासः या भेषः व् ' लेसः तुः पदे ' मान्यः के मासः सः मानाः सः । ।

9**5** 9·35·3 || नहर्नु केर केर लेस नु नते 'महन केम गीस नहर क्स.तर.ह्र्च.तपु.क्स.तर.जुश.तपु चिडिट.च.चर्ड्र. बेब हैं लिख नुपा ने ଌୖ୕ୢଌ୵୷ୢ୶୷ୢ୰ୢଊ୵୕୵୵ୢୢଽ୕ୡ୵ୢଌୖ୵୵୳୵ୄୄୄୢ୴୵୳ୢ୰ୢୠ୵ୢଢ଼୶୲ଌୢ୷୰୷ୄ୶୴୷୳୶ र्द्स य १९ रू.से**र** यावह्र । डेराया १९ एकु । डेराया १९ रू.सी। प्रायान ह्रियाया <u>५म त्य.५.३५ स.५४ ३५.५ सूर्य तर विर.५ . ७४.५ त.५ स. ५.५८ वर्ष</u>े स.... बिंश-तुः न वै:ब्रूश-तृत्ते निर्मा मादः विद्यायः ध्येषः भः दे वै: र्द्यं वाध्येषः ने। य निष्ठेश य निष्ट भेदाय द्वा माद कर्म भेदाय दे दे ति विष्य यर से दिच्चर दे लेख नु य व स्वाबाय महीं व य विद्या पार के व य दे द्वा वे स दे स य है द र हुं कु ... मर नेर दें विश न मने दें गर्ने । दे अर व वर ने ने विश्व के ने विविधान केर लेव व ला कर मा केर केर केर निव निव हिर हिर हिर हिया न म हेश न केर हिर । ৢৢ৽ঽ৾৽য়৾৽ৡ৾৾ৢৢ৾ৼ৽ড়৾৾৾ঀ৽ড়ৼ৽ঽঢ়ৣ৾৾য়৽য়৽ড়ৢ৾ৼ৽ড়৾৾ঀ৽য়৾৻য়ৢ৾ৼ৽য়৾ৣ৾য়৽য়৽য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ড়৽৽৽ ড়ৢ৾৾ঀ৽ড়৾৽ড়৾ঀ৽ড়য়৽ড়ৼ৽ড়ড়৽৽ড়ড়৽ড়ড়৽ড়ড়৽৽ড়ড়৽৽৽ र्वे। १५२ प्रश्नालेश मुन्व के हेश सुन्तनाम न्दर नेर हूट म नना नी ब्दर ब्रूर् वि.रेट पर्नेम नर्ज खेश वि.च.च.च.चम्रीर तश ब्रूर् वेष र्ज्र प्र र्दर विके ह्व 'र्दर विकेदिस वे दर प्रदेश व प्रमास मा बॅर नुति वॅर के केर नु दूर वर्त्रेय पार्थ के है। दे प्रमानुहाय केर की की ब्रॅं खुदै व्रॅं र्दा व्रॅं खुदै वेश य अट अव व्या वेश य दे अस दे ला पहना चत्रे भुरार् 'हेश मु'मा है हर्र मुदी दिं 'वा हर्र मुदी देश मदी मु 'वा ही ही मु बॅर वुर दे 'ल' ५ हुन' पर है और री। दे 'सुर दे ह्वें दे 'सूट पर्थ हैस' हु दम् निन्दिन स्मिन्दि देश सु नेद प्रमाद प्रदेश न न देश मु न स्

हेश सु दम् व दिव स्वाप दहें व पर देव हैं। दे **सेद** व मेर्'य'केर्'मुद'र्ख्या'य'यद्दिन'य'लेस वहॅर्'र्रे॥ रे'स्'म'प्पेर'र्र'र्दे मेर् यात्मा पहेन या है न्याया होना प्रति। हिनाया ये ते हे सुर मी ना नहा स्नायसा त्य वर्द्धशायश ध्रेक के 'लेश द्वाचाया हेन्साय चे 'हे 'द्वाचा चे दे । हे दे त्रीता श्वरात्वा वार्या स्त्री सिन्दार प्रमुद्धे पा ता सह्य ने स्त्री मात्र सप्ते मात्र साम्य स ब्रें। दे.केर.चे.चेरक.अंचक.दे। दे.ज.चर्डेश.त.हे. ट्रेजू.ट्र.च्र्.ज. पर्वेश'य'वेश'यु'पदे 'र्ने र्हा। देख्र' व'नाद'श्रूट'य'सर्वेट'य'र्स्स'य'स्निश यार्ज्जेन्सायारुद्वान्यार्याद्वारम्भाके यदि दे त्यारमा त्युसायसाम्बद्धाः यद्वार् र्घे ते इस्राध उन्ने के श्रिक म ही न नाम प्येन म ने ने मर्मेन खुर फेन ल ने से ने मिन क्षेर क्रिंग पु नुर प के र्वा। दे क्रिन् नु हे क्रिन् नु प कर पर पर हैं निकाय में दे नीर्याक्षेत्रात्रात्रात्रात्रात्र द्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा भूत्रान्तुं मुक्तारा वा देयायर यविष्याय भेते हो। र्द्याय दे रहा वलैक नुसायस्य उद नुमादसायाम्बदायस दे साधिक वर्षे वस्त्र निष् ्त्र पश्चिम्यादर नल्गाव के सिन् नुम्बुर यानार लेब यारे श्रम्या उदार सिन् नु . मीर तालुक बुद्र। अद्दर्शिम ? मीर त गर लुक त. रे. वशका वर दे. सूचा नु मुराया भेदा लेटा। सर्दे हुस नु मुराया नाटा भेदाया ने ना नु सर्दे हुस हैर 5'दिसूर र्री देशेय'नर'अर इटान'अर हे'सरें शुम'अट मलर र मेंन ्रुं सुर प हैर ग्रे छेर रार्टा अस्म रु सुराय अदाबद्दा श्रुक्ष हैर रु सुर पदे ्रिके रेट्री दे के दे के दे के स्थाप के बाद के स्थाप के किया मु यःतः स्वांशः यः र्ह्यसः यःव्यःनादशः श्लाप्तरः ग्रीः प्रितः यमः नावदः तुः ग्रीमः यः स्त्रे।

वासी दियान है दे दसासी दियान दिया है दे हिया है से है से हिया है से है से हिया है से है यु:व'व्यः स्व्यंश्वर्यसः सहनाः सुद्दः परः नेदः दे । वदः सुरः द्वादमादः लेनाः सहवः श्रुमाफ्रेदासादे प्रम्याउदाञ्चरावदे स्रायविदानी माद्याभ्रवसाफ्रेदासाम्यासेदा यते क्षेत्र लेखानु मः वकत् यर वित्तुर म शः क्षुत्र रू. मुक्षः यवे केंना द्र क्षुत्र रू स्. शूर. एस. यपू. ट्र. चिडिट च. स. लुस. च. जुंस. चे. च. शूंस. हे। ষ্ট্রীনীমের্ডর দীর্বার্ডর দৌরার জ্বিরার স্ক্রার ব্রহ্মান্ত দৌর দি সামান স্ট্রীনী न.बुश.चे.च.ष.श्र्माश.त.प। रे हेर. क्ष्य.तर. ह्र्मे. तप्र. जुश्राचाता हैए वदै दें वे नाशवानामार के इया है दिसा वें वा के दाय है विश्व है विश्व है क्सायर हेन्।यंदे वेशायशान्त्राचार पे.स्निन नु.सूनाराधिक के स्रेस्स र्खे । देवे देश देवे राट में टें विश्व दुःवाय स्ट्राय के मूवायवे स्वर हूं या के के लिए दे के क्व प्रति देश देश के क्ष पर हिंग पर के प्रश्न प्रश्न हिंग ये देश २८ मे दि विदेशमा व द्रमा पर देन पति द्रमा पर मेश पर देवे खुय देवे के ... यः भ्रेकः चते भ्रेरः हो। राज्येष्य अराहः विद्यापा वेषा नु सरः सूरः है। रदायबेदार्मि दायहेदायालेखानुपये दिन्दी। रदायबेदादेष्यदादस्यायरा हैंना पर्या गुट वहें राय हे 'सूर ब' हिद्रायर प्येंद्र या साम्येव हैं।। निट नीस वं दूर द्वर वे दे भेराय द्वा रहा विके हें हे यर सहित्स वर प्रेर द्वा द्वा

च दे से से श्रम देश से देश पर पहेंचा या दे दे हैं मिल्दा ता च दे पा से मिश्रा पा सर्दर्श्वमः नु से त्यु र हो दे य दवर ये दि ये चे दे परि खेर ही। यहे य त्यः र्यम्बाद्यः प्रदेशः प्रवेशः प्रवाद्यः दे द्वान् विष्टः विष्य शुक्र हैन नु नव्य मुक्ष वर्ति है। वन्न हैन दर्दि व दर् व र व र मुक्त तथ.वरं,व.ज.स्वीथ.व.३भश.शे.स्ट्रीट.वर.विश्वात्त्रेथ.वर्.स्ट्री रे.हेर. चर्चव्यानर नु चरे खेर द्वर च दे के क्ष विश्व नु च य श्वा व प क्षेत्र व श त. हेर ग्रीश. चित्र चार स्वाय नार रहे श रा. वश्य वर ग्री रहा मी हर सं च बहर न्दे क्षेर र्रो दे नमा कार्य स्थान क्षेत्र स्थान क्यान क्षेत्र स्थान स्थान स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान स्थ र्भुद्रायम् विना नुःसः वत् ग्री। विद्रागुदः न्यदः वे दिद्रासेन परः वयः वदे सक्दरः ৽ বিষ্ণু ক্রিন্দ্র ক্রিন द्रमायर हिंपायते द्रमायर श्रेशय द्रिंश वें वे रहा नी हैं वें वहेंद या दे ख़र दा लट. भु. पंचाता चतु. भ्रम. तमा लुपे. तमा चत्र. त्राचा चत्र. तमा व्यापा क्रम. व्यापा व्यापा क्रम. व्यापा व्यापा क्रम. व्यापा व य.प. स्वाय म. ह्या म. म्यापर ह्या पानार मी मुद्र नमुर् पान कर्षर य प्रेंब वें लेख मु न वे हे हर मुख य केंद्र दर दु न वे ह न ब स्था है दर ख र्द्धेनाश व्य श्रॅन्श यायायायायात्रात्राचा याद्वारायायायायायात्राचा व्याप्तात्रात्राचा व्याप्तात्राचा विष्तात्र ଇଁ ବଞ୍ଚିକ ସମ୍ପ୍ର ନ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ଅଧିକ ସମ୍ପ୍ରତ୍ୟ ଅଧିକ ହୁଣ ହୁଣ । ଶାର୍ଷ୍ୟ ्रें न अर्थे न र्थे न राह न उर मस क्रेस पते खेर लेस न न ने नहां मर्थे मर्थे

यशः ह्वा भः केदः तः श्रॅन्श यः च्चे दर्वाशः यदे : खेदः हो। ह्वाशः यशः हवाशः ठक् में निस्र शमाद प्रेक या दे में ना राज्य मी रहा मी हैं में वहें के या साप्येक का **ଛି** 'ଌୢ='୶<mark>ୢ୕ଽ୕୩</mark>ଷ'୕ଌ୕ୣଽୖୣୖ୵୵ୖୢଽ୕୕୩ଷ'ଧ'ୖ**ଽ**'ଐୣଽୖଡ଼ଷ'ଘୖ୕ୄଌ୕୵'ଊୖ**ୣ**ୠଔୡ'ୖୣୖ୵୕୕୩ଷ'ଘ'ୖ**ୖ**୵୴୲ द्रवाश ७३ द्र्याश थ दे लेख नु य ता स्त्रीश य श्लेश थाया। देते से नश्ले पते सुर लेश मु न के द्वास उद्दर सर सर पर मुर परे सुर रा। हवास दहेंद य'नवैद'र्'वेद्य'न्'नदेदम'नद्रम्याचर'र्हे न्याचार्यात्राचरम्याचरम्याचरात्रह्माचर'ने य कृष्राय वहूरिया सर्दर शिमाची ही साचैदाय चाटा नुवार क्रिया है है चेश की स्टाची हूँ चुं द्रेन्थायालेथायहेर्द्र्या ५१सानै केंश्रां उद्गादा विद्यापा उद्गाले था प्रा बुर्स्युन्य ग्री क्रिं के हर्ने । प्येष प्य यस ब्रह्म ख्री ख्या में के स्था प्रेस के ब्रह्म मुक्ष नक्ष्य पा हो। १८ वर देन देन सुक्ष क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य प्रकार निवास निवास क्ष्य प्रकार निवास क्ष्य क् देते देव लेख मु प्यस दे केंब उद पष्ट दाया दे दे दे दे दे सुक केंब उद पहेंद दे। देते हे ब चंद लेख नु निर्दे त्र नु सह में प त्र देश दे निस्तु व पर नु निर्देश वहार हैं। परे ख्र-प्रम्य लेग पश लेश नु पर के प्रमेश पश खेंदे व पश शें। **६५**'ଲ'ଜ୍ୟ'ନ୍ତ'ନ'ନ୍ତି'ଧ୍ୟ'ଛି ଛିଟ୍'ସ'ଛିଷ'ଣ୍ଡ **५**मन।'यर'ନ୍ତ୍ର' ପର୍ଦ୍ଦ୍ର'ସର୍ଦ୍ଦି। ब्द्रिक्त न व दे देव न हे बार हे अप प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । म् वै २२ देर महेर् पर १ देरे या मा खेश या नहेर् मा भेव वी। प्राप्त मा नेश य'वा 'क्षर व्यक्ष 'दर' की 'झे 'स खेक' यर ' यहर्' यर 'मेर्टी । रे.केर.व.र्या यते.क्रुंबाकाष्ट्रन्यर.ट्रांत्युरार्गा र्व.ट्रांन्र्रांत्राकालेशाचुरवाके द्वांन्र्रां वर् देर वर्षा हो। स् रूर हमावर खेल मुस क्षेत्र ने व दे से लक्ष मुहार न दिए।

र्सेन्स'य'य। इति से य सेन्स यदै सदंद है द से द जाय द न्या दे रे से द त्रपुरे हिराही। दे देर दे त्र विश्व विदाय है से के दे व लहा हो ने बिदाय है व के दे य.टे. क्रेर.व् विद.तर. वशका कर त्यव क्षेत्र.पविषा त.लेब. तर क्षेत्र.स्। स्वेत मुद्दरे के मी वेद्रहेश दर्ज़ व लेश व व ता र र वेश या ता मी वर वेद्र य है नाश में हेश खे. पर्सेच विव. तर वेद. तपु. हैंपु . ट्र. च्र. भ्र. भः क्षेय वर क्षा तर वरदा त... दमःनादः भेवः यः मेदे हो दे हित्तु है नामायः भेवः व लेमा छ नदे दिव हो। दनामा वे 'लेब' चु' व 'व' व्यं व्यं व 'व' व दे 'व' व दे 'वे 'व' व दे 'व' ଞ୍ଜିଷ.ସ.ଏ.୫.ଗଣ.ସିମ.ପ.୧୮.ଗୁ.୩.ଗଷ.ସିମ.ସଫ୍ରା ୯ଅଟା.ସ.୧୬.କୃଷ.ଫ୍ର. द्यात्मालेश नु त दरेदे इस यर विमेताय के हेश सु दर्मो न दर स्वी य लेश नु चर्ता। र्रूस उदाया लेखा नु चारी उद्यासी सर्वे प्रेस के ।। र्रूस है नि स्थाने नि लेश'नु'नदे'र्देश'हाँ। र्ळे**श'**डर'य'क्ने'न'ले'नु'न'दिशादे'र्केश डर'र्दादन्नेय' न'नम्बर्' हें 'बेश'नु'न है। ५६' मूर' द्रेया न' उद मी कें रामा वा डक्'ल'हें हे 'से 'हे 'त' के 'ले थ' नयद 'स' का के के 'डक्' हे परी ही 'हे परी ही है परी ही 'हे परी ही 'हे परी ही 'हे परी ही है परी लेब मार् भीर । दम्रेल न उर्म मी दूर ने कि न मार्म अपने का कर लेब हैं यर विशुरार्गे। दे ह्मर व से हा गु केंस है दान विदाय प्येत विशेष मार्थिय ना हिना मॅटरा.वे.परा.वरम. ७४.वे.प.जा तम.में.से.इ.कर.प्रवतावे.वो३४.३८. लुब.तपु.हैर क्द.श.चाडेश प्र.ब.लुब.बू.लुब.चे.च.वर्श चार्श्व,पा.स्र्र.चपु.चीटश. नस्यान नुसाय प्येद द्वा विद्यान यन द्वा ५ दे निवित्य नु निर्देश निवित्य नु

नर्गेर्न्यापर्ने केर्ने हेरा हैरा सी प्रान्य नाया प्यार कर्ना से केर्ने प्रान्ते ने से सी सी सी सी सी सी सी सी พ. ฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺปฺส.สษู .นั่เช.ฺเฮฑพ.น.นฺษู่งั่.นี่อุป.ปู .นั่เช.นฑพ.ษ.พะ.นิฑ.น.... कुर त्रुब <u>बुब में स्वत्र विस्तान तर्</u>य स्वत्र स्वत वश्चवःतर वि.वश ह्र्ष्ट्र व प्लेष व्. लेश वि.व.व्. क्रेन्ट्र त प्लट विषय व .क्रेन्ट्र य । रे.**ल.म**बिषाचि.क्रेर.थ.लुब.चप्रे.चर्ष्मैव.तर चि.चश्च.ह्रंद.चप्रु.खेर.च्रा น่ดิ พล่ง วิราชง ญ พร้าง ผู**ม** ญ พา กิพา รุ พิ ๆพา นดิ เมล่ง วิรา ญ รา ญ รา นา ธิ हर सेर पर मूच पर २२ देर हे द नेश मु चर हुर रें। "भ भट हिस मु বারী নামার মহাবার ক্রানির বিলি ক্রানার বিশ্ব নারী করা বারী করা বারী করা বিলি করা বিল করা বিলি করা বিল दे अस म्वित या अस स्वि प्रति दि दि रहा में सक्ष के के दे दे दे दे प्रति । विवत लेना **.इ**.स.चे.च.पर्टेश.डे.रेशनास.तप्र,श्रद्धश. हेरं.ग्रीर.ग्रीर.त.रा.पर.श.पर्टेश.त. छश वीं रि:र्पेर्'स'हैर'र्'हें नर पहेंचाय समा लेश मु:व के महेंब हो सर् याके. याक्षामा भेषाया है : श्रुप सर : होद : यर : के : यर : यर : होद : यर : के स মিং শু. रेभु वोश्वासपू. भट्र श्रिभ. मुश्चा पीयः पर्टर मा भारत्यः १ श हुर भे रश्चेर तायरे है। रा हेर अहर् छिम हेर ग्रेश हेर मे सामाहारस यये म्नान्मेन्स्यापारम्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्या मेद्रायरे धुवाउदानी मद्दाराम दर्दर्य धेदार्दे लेखा देवे सुराना स्था मिं चिं उना से निस्मान विश्वानु ना या स्वामान च से ता से ना से न मिंदि तस नुवृद्द दिया। दे स्ट्रिंग देव स्ट्रिंग स्ट्रिं

के स्टायिक में अध्याप के स्टायिक के स्टायिक

क्र्याम्भारम् वित्रामी । वसार्यास्था वित्राम्भानी

र हिर अव पर सुर हुं उर वे पश्चा पर भेव है। अर सार हुं उर पर्व न र्वे विस नु न तर् दे दे त्र विष्य य रे भेर है। व र स य र स्वार पर स पर स य र พูปุญ.น.นิพ.สพ.ส.ส.ส. ริ.ร.รษาสมพ นิ พะร.น.ผู้ ร.มิะ.พภูะ.นษา ผู้ร.เ र्रो १ रे.चलेब.टे.चलब.ज.लट.चेबब.संचल.टे.लेज.टेट.टेब.ब.टेट.चड. <u> १८.हीर। विश्व क्षत्र स.२२.लूर् वे । १८.श.क्षत्र ह्या श्र.</u>रेटाची. भ'ष्येषा हिंनास'य'दना'वे क्वेद'यर'दनावा हिंक'वेद'दे'दर'दे'व्य तुसाधाक्षां क्षेत्र विह्निका यत् विद्यास्य विद लेखानु न दे नियान के यते सर्वात के दे प्यादी देश के के मान पार्व साहनाश मान विद्या पर के पर् दिर सर्वर पर मुं निवर भेर के विश्व पर पर माने सेना थार्सन्या पर वायः ने 'ने 'त' द्वमः पर 'ना दशः पते 'सुँ ना सः सं ना सः सं पा सः सं मा सं र सः सु ना स् ने दे । पर 'ने दे । प यादे प्रसाद। विश्व या ता स्रितायाद्याचा प्रमाद्या प्रसाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता य दश्चेर य छेद सर प्रदेश र प्र

र्हें 'हिः भ्रद्र'द्रव्यद्रायदे यदि दासी दुर्भाम्यायाया सर्हर दा लेखा द्वायदे सिंहर त श्रुंशतश्र, विवंतर वेदेर त. देट के श्रुं रश्चेश्र व चिवं वर वेदेर यावे विच वराडेरायरे रायवेब केराये स्थापि खेल विच वर छेर यासे याद्राः स्वराया रुक्षेत्रक्ष च'र्द्द'स्क्'र्य'श्रेक्'त्व। रु'न्य'त्र'र्स्क्न्य'स'स'के'त्रुक्षेन्वस'स र्द्दः स्र य लेश नु नते र्दे रहीं। दे भामश से द द लेश नु म के है कि कि नु न के हैं कि नि न के कि नि के कि नि के कि नि यदे सर्व मुं हे दे हो वहीय न मस ये दुर्वा है दूर न या लेस हुन हैं ଵୖ[ୄ]ୖୖ**୷୷**୕ୄ୵୕୳ୣ୶ଽ୕୳ୡୖ୕୵୶ଌ୕ଽୖୢଌଽ୕ଌଽୄ୕ୖୠ୕୵ୠୖୣ୶୷୰ୖଢ଼୶୕ୠ୲ नाया हे 'अद माइत केंचार नाश्वर मी 'व दोय व क्षुव य 'अव य 'व दे व श्रेर:र्रो। मु द भारा र्ये दे मिर यर ता महें हा दहा मार के के निय विमा होशा मु वःश्चेंबःश्री रे.केर.टे.लेब.पे.व.क.श्चाशताल.टेवट.त्श्वश्चेंट.वर.चीर. लट में वहेंद पर देश मार्लिद या मार्लिद है। म्मिश्रा मार्थ प्रस्था मार्श्वी पाउद **ष्याय विमा**नीसामाह्याय केरा पुराया सामार्वे राया छन मी कर सामेरा यह । र्भे महिरामर मुन्याम प्रवरार्धे व कायर्का मानुन केर् केर् परि पुर रेम

लेशनु न के ही स निर्देश्वयानु नुष्टा न वर्ने त्यान हें का वक्षाने मानुष्टा न रामुका य'दे'त्य'दवद'र्वे त्यस'त्रद्रस'य'केद'सेद'यते'सुँ र'र्ने 'बेस'तु'वते 'र्ने र्ने ! พูนไห.<u>พูนโพ, ปรู เปละ ภูเ</u>ชิทส.พิ.ปง**พ.พิปพ.พิ.โย่ เ**กร.พ.นรัฐพ.ช**พ....** <u> बुश.चै.च थु.चोट.चोश के भूचो.ज.सूचोश.च लीज.ज.सूचोश.चश.कूर्.त.ज.सूचोश.</u> य'वृक्ष'य'सेर्'वक'रद'नीक'ख़ब'वहेंब्'च'ब'कुद'व'स'केर्'बें। दे'वे'हे'सूर्' नु नियन पर स्था पर साम पर है न नि मिलन पर प्राप्त हो नि है तहना हेब संरें वा वा र्सन्य दा वा स्था स्था । तहर नाव के के दे वे खु अ वा स्था सा मस्यानभ्रयायदे ना अनासाम्यास्य साम्यान स्ता वितास स्ता ৽ ঢ়৽ঀ৾৽৸৽৸৽য়৾৽ঀ৸৽ঀঀ৾৽৻৻৸৽৽৸৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽য়৾ঀ৸৽৸৽ঀ৾ৼ৾৽ৢঀ৽ৼ৾৽৻৸৽ৼ ब लेश मु न ता शर्माश था कंद स मुब प्रशान नुस थरी नालुद सुँनास हा स दूद वडसायायम् प्राप्त विदायस। माल्यामु दिसाद मि द्वा मा य है हिनास से त्युर लेस मु त हूँ स है। है से से हिना में से से से में में हैं दिर रहा मी सक् न हेर मी देश ता देश ही ही ने हम हेर ले दे हैं लेश मलद रमा हे संसर्शी मिन पर दहर पर में हैर रें लेश मिन में । रह मी मह के हैन प्रेन मी। सहस मुर्यायपे हेश सु द्वापा य दे र ट मी मर्का केर पहेंद्र य स प्रेव हो। र स लेस ୢୠ୕୷ୖୣଽ^{ୣଌ}ୖ୶୴୕୴ୄୄୠଽ୕୴ଽ୕**୳**୴ୖ୶ୖୡ୕୶ୡୖୢଌ୕୕୳୶୕ୣ୶୲୷୕ୄଢ଼୕ୡ୳ୢୠ୕୷୷୷ଊୖ୕୶ୡ୷୷ୡ୳୕୴ पक्र'यर में देश विक्रा क्रिक क्षेत्र क्षेत हेश शु त्यना न प्येद नर तर्दे ते। हैं केत्र नहीं न तर ने न तर निष् गुःह्रसःक्षात्रम् वर्षाः वर्षा चंद्र,क्द,भश्र.बिरं,तर,उहूर,च.कं.वैर्, बुक्ष.वै.च.बु.भटूर,श्रेश.बुश.बीट..विरं... বম.েছুৰ.এুম। ত্ৰি.বম.সার্ম্বের, ছেই.প্রশ্ন এম.পুর, না.ই.বম বি.পৌলা विकेषात्म स्ट्रांस पुर्वा मान्य स्ट्रांस स्ट्रां ৡ৾৾ঽॱড়৾য় য়৾৾ঽ৾ ড়ৢ৾৾ৼ৾৾৾৾ড়৾৾৾ৼৢ৾য়৾৽৸৾৾ৡ৾য়৾৽**ড়৾৾৽৽৾ৼ৽৾ড়য়৾৽য়ৼৼ৾৽**য়৾ঀড়য়৾৽য়৾ঢ়<mark>৽৽ঢ়ড়৽৽ৼ৾৽৽৽</mark> **श्चरकः वक्षः**नाव्यः नुःनाद्वेनाः यः **ढर्ः सः नुःसः ५६**नः यदैः ख्वैरः छ**र्ःसः** सदः यः कृ**रःःः** लुब रही। बुब प्रायत स्ट्रिंट हा म कर मानुब तक मनुब पति मानुब पत्र पा लेब र ब्रा । त्याद्याचा हु, त्ये हु यो. यो दश हु, वशया. वत्था । विविषा चि. यो हु श हु **. शर्वे** ट. हु दे **ଽୖ୕ୢଽଽୢୖଽୣୠୖ୷୕ୣଽୖଵୄ୶ୖୠ**୕୷୷୕ଊ୕୕୩ୄ୶୳ୠୖ୕୷ୠୄ୕୷ୠ୕୷ଢ଼୕୷ୠ୕୷୷୷ଊ୕୕୴ୡ୷୳୷୷ द्वाःवाः स्वास यास्री हिना में लेश स्वापर दिन्य र दिना स त्रेषावे मार्नेना वार्सन्य ये दरानी सक्ष के निर्मा से निर्मा प्रे के के निर्मा त्र्मण्डामार्म्नात्मार्म् नामार्म्नात्मार्म् ম'শ্ব'শ্রী दंश-द्वेद-व्-नाल्द-द्रभेनाश-वदे-सद्ध-क्रेद-रुद्र-गुर्स-स-द्रभेनास-वदे-सद्द-श्रुस-क्कें वर विषु र्या देश देश के देश में देश विष्ठ ขึ้งเพิ่รเกราสมเกราป์สานโนเร็จเพาญังสานารู้ จิราชิเพาร์จานรู้ พิ कुरायार्श्वरायायवेषात् क्षेपायायेषाते। देशयर ह्या यस रदानी सदवाकेराया पहिंदा यते तुष्प्राय केत ग्रे खेर त्या देते मिर्देश में के हैन य केत हें स्वते खुष्पातु मुर मं परे हेर है। रूपर्प हैरे सह र हेर महिमा स से र पर रे नह स र महिमा

नु नाव्य धर्न यास ध्येत्र व्या भ्र•म्बादात्रः स्वासायदे स्यानुवद्वा मीस वञ्चवक्ष क्षेत्र न्द्रः लेका चाया के को द्वापाया क्ष्याका धरी द्वापाय र द्वार के का यःबाटःर्प्येयःयःदेःरयःदुःयञ्चावसःयदेःख्रीरःर्रो। श्रुःकृद्। मायःदेःवाल्यःयःबाल्यः मुच से द ले स छ । च दे । च ल द र द र मी स कंद र हे द र स्था च ल द र से र में र व र से र व यानुवायानात्रात्रादारे नुवायमाने विष्युमानी विषय विषय विषय विष्युमानी विषय च.ष.श्र्र्याश्च.तत्र.भक्ष.३५२५॥ देतु.मै.२८.**४भ.**चर.८स.चतु.२८.चलुब.म्र.ज. र्सन्सः पर्दे विकानु नाय । से मे हना पा है राया स्नासाय दे हि रायर र देसा य. थु. देश. तर, हुश. पर्।। चै. २८. देश. तर, हुश. तपु. रट. च बुथ. चीट. लुथ. च. दे.ज.रे.सैर.दुश.वेड्रा. चैंडे.रट.चढुर.श्र.कुर.ज.१स.चर.ट्श.रड्.रट. यहेव.वे.स.स.र.त.त्रव.तर्। दे.देर.व.चे. चे.सेवस.ल्र्स.श. महार मा के के हिं। विशेष कर मी के सम्मालिय न के दे तर नदे में निया ทู้'ผูน'ธราทู่'ส่มผ'ฆ์| ริ'พะ'ธิ'วุร'ฉ'ดิๆ'ธิ'รฺรฺรฺาล'ผัฐผม **७ म.**चे.च.झूंश.झूं। ह्ये.ज.सूच्येश.च.द्रभ.चे.चश.वु.चस.वु.चट्ट.चखेर.च्ये. यः तक्रात्रिं हिन्यर नाल्यानु क्षां वन्त्रायः लेखानु वा वे हिन्यर नार्क्ष य क्षेत्र विं। देते प्रदेश में केर पर लेख सु पर वे मूर मुर पर पर पर पर विं केर प्र मुरायासेर्पर र्गा सेप्युटाय लेखानुय के से हु येगी हैं नाम से विर्धरायमा भी ना वब लेख नि न ने के में मिंटा या खेन्या पदी मु या बा भी ना बब हो । त्नीसिट.ज.स्नास.तस.चश्चेर.तप्र.हेन.ज.प.स्चास.च.ब्र.भक्ष.स.प.स्चास.....

ंचळ । विज्ञार पर वे परेंद्र सेंद्र ग्री परिशास नावश्य पार्वेद ग्री दशासा साथ हेश ีญ"รุ**ยค**ู่ ซณิ สุมานา รู้ ๆ **นาม**นั้ง บาว เดิง บาเพิ่ง นา ธิ นุว เดิง บาร์ प्रमुद्र ले का देरे हिर ऑर् यन देन यह समायर लेका म लेका मुनाया संनास मार्थेस ह्या भेड्डबासी.रत्नाता.सीस.पटियो.तपु.पर्ट.भा.जा.पर्ड्स.या.भा.लुब.प्ट्रु. खुस. ह्यर व्यक्तर वांसाल्ये रावस्य ५ मुसायहना प्यते स्त्रांसा साव हें सायर व्यक्त यादेख्य वा हे हुम् यत् दुन प्रनायावामा प्रेम ले वा प्रनामा वार्थेत या साध्येत हो। है हिन्दर हेश सु द्यना यदे रहा हैन अस कर् साध्येत सें ही क्स य वदेश मुद्र प्रदेश देश वर लेव य प्रमुद्र यर कुस य रे हे यु रे रेव र् विदेशके वर वर्णित विवेद की विदेश मार में के मोनाम ने ते पादनाय ले ने अस द्रां य द्रायर में त्वार परेते हैं। हे हे द्रार व परे परे द्रापर लेव मद्र में शाय अव ले वा देवे 'कुर मार मी के में शाय के यह गाय वा अप लेखा में च.ष.श्र्माश्चार श्रॅश श्च्री हाका वैर मीर तपु मीपु र श्वारा दा र प्रोज यते विश्व मु च के है स्नर् रु च वर् चते हे नहा रूट तही या नते विश्व मु नते रे ब हैं। दे भृ वुर नुर वदे द्वाक द्र दिवेश व ता का का व व व दे दे व से दे व से केर्द्धाः देन्द्रेन मु दुर्ह्य हेरा हु नवमाय देन्द्र स्थ द्वन संक्रित वर प्वति ही। न्मान्य क्रमां की की चार है कि सालेश हैं। या वे हनाश विश्व या दे दा दे हैं या या हन कॅर्न मन्दर स्व भाष्येव विशेष द्रिया है साक्षान्यना यन निष्ये । है साक्षान्यना यन निष्ये वा वा सिन् हैना स हेर दुः देहेन भ श्रेर पते ख़ैर दी। ग्राप हे प्रदेश ये कर ने खंस पते : **द्रम्य गुः वृद्यम गुरुष हे बार्स्स द्रान्यम य गुट न प्रेन्स** विष्ट विष

इदाय द्रिम्मेर या वार्द्द नु लेश पर्यास्तर महा केर की प्राप्त पार्य प्राप्त की निया ଷ୍ଟ, ଖଟ୍ଡ, ଲିଖ୍ୟ ପିଟି: ପ. ହ୬, ଥି. ପ. ଖ. ଖୂର୍ଥ ଶ. ଗଟ୍ଡ, ଲିଅ.ଗ ଥୁଲା. ପଟ୍ଡ, हुस. ମ୍ଲି. ଓ ସ୍ଥିଲା. বর রূজ'বর**েরম'দ্রশ্ম'শ্র**'র রূজ'মের বী লার্ডর'গুর'শ্রী ক্লারেম র্মুর্র'র প্রীর্ यर न.45.हों नाम हे.स्मास.जस.सेस.त.इं.स्ट.स.लुस.च.वंस.चे.च.वु. देवाश जश क्रिश न देवाश में लिय वर नाट कर त हे लहा। देवाश लश वर्षे वश मुद पा प्रेव पारे हर व देन प्रमा ही भाषा प्रविव विशेष मुद तर्यात्र विष्युर त्ये विष्यु कर्म कर्म सहस्य स्थित है से स्था कर्म सहस्य स्था कर स्था लेब प लाद कर सर म हार र नुष्य प लेब है। कर मने मु हिर लेब परे हैर र्हें भित्र होर के के रिट्र र पहें के ने अप अप अप हो। रदःविदेशकी'द्रमारा दम वा विदासरा केद संकेदाये स्विदेशकी विदासरा नुदाय दे.लट.इस यानीकेश.लव.ब्रा विवायराचावात्राचानाकेश. लंदरो सेमस दे देवास नेस तर में मक्दर हो। में दे प्रचस विर देवास लान्मेन्यायते वेयापते मुंशस्त्रं प्रेताया मारामे के स्टामे के स्टाम त्य दश्चेन संग्ये ने संग्ये के सक्षेत्र भेता विष्ट प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा र सेर रहे से वे वे हैं नहार उपना हिन उ हर के हिन होर प्रेय लेख ड नरे स्मर नहेंद्र इ नरे सेमल श्रिय पार्विम इ ले न देरे हैर मह हगर गुर मु मद्भर है लेस नित्य पर सें निस्न पर् ह्रिस है। पर स्मर हैं सेसस ह्रिस पर स नुस ब.रे.ज रहूर्य म् ज लूरे.चर्राकी रट.पर्यंश विष्ठ,रहूर्य त्त्रं लुब राष्ट्र क्रेंट्र प्रवेश... वदे मान्यकेन्या केन वस्त यर प्रचीर मी रहावित मी मान्य केन्या वे स प्यन वे

हेस नमूक पर 'वनुर री। नार व्याप्त प्राप्त सुर से मे नाम प्री 'सुर रें ଵୖ୶:ฮัส·ଘ·ฆ·୴୶ୖ୵·ଌ୕**୶**ୖଌ୲୷ୡ୕୵୷୵୕୶୷୵୷୷୷୷୷୷ଡ଼୶୷ୡୢୣ୷୷୶୶ୣ୵୷୷୷୷ यर ने दे र के अपन पर दे र दे र के दे र र्स्वार्थाय दिए दि वसूव यर नु पर दे दे दे दे लेख नु पार पर्दे द साम्रा परे रवाना सर व नवे रदा पति इ दि देना सर मा स्थी मा वाष्याद्रामिट मिर्दे प्राप्त प्राप्त में देश में देश देश में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प् रेमा'रा'सेर'रो म<u>्</u>चम्स'र्सर'पदे'सुर'रस्सम्बर्धर'स्वरे'स्वरे'सुर'र्स् बेस चे.चपु.र्श्वर.च.पर्ट.ज.भ.ट्रश.च.रट.श.चीव.च र श्रीर चाकेश मे.ट्र्चाश व.वश्री व.. र्षेत्र है। दे त्यामा हैना स्पर्भाय नहीं न व स्थान ह के न शहर वर सामित च वा वित्रेय च से द पदि 'से द सा देश पा है द से व द । है से न वित्र सा दिया है पर से प्राप्त के से मार्थिय है प क्ट.वे.ल्ट्.व. वहूरे.त.पंचाल.व.भुरे.वा के.परं.व.वंट.वं.वंट.वंट. रेना'स'सेन्'ने से'ऑन्'चर्ये'सुर'र्स'लेस नुन'फेन्य'ने नस'न्स'मुन' य केर ध्वेद हो। से अर् यर यह र य रदा वनाय य केर गु खेर हो। दे य क्रिंद **र्**ट स् वश्वान्त्रे केर प्रेर अट विवायर लेश व वाया स्थित वाया ष्टिय.तर.**भुटे.**तपू.कुर.ऱ्.७ुंश.ये.य.कु.पंचात्र य.^{ख्र}ें ३.तर.पुटें.त.भु.रेभुचाश.य. .. पिश्र जिन पर के में ने पार दिनाय में कर्त कर के मान मिलक ने दिश्व में कुश मा १९ १ की खेर दें। ज्यूर व अदादेश धर अपन व के से र म द्वार १ व १ व मु. बुर् र्रा ५ मायायादार विषयायाया सेरायाय सुव यादवा या सुव यरा सेरा

न लुक्ताने केरावाचारालका विकासरात्वाका विध्वाक्षाका निध्वाक्ष्यका का निध्वाका ल्रं व प्रमुक्त में विश्व मु म के नाम में दिनाय न देश मार प्रमुक्त के सम्बद्ध में पर र्देश हो। से न्सेन्स मा हैन समादन्य न देश मा प्या प्येत वा है सून् वतर तरु क्वातशामिरावर भरावरु मुहारू। अ बीवातरु मिक्रालटावश्या पर्रे ख्रेर नार अर द्वान पर्रे ख्रेर र्रे लेख उ^{न्}य य **स्विक र हें स स्वा** ि हिन् यर सेर्यमानक्ष्यम व्रावदे हिर। माया हे त्वामानका सेर लेखा व् न के.नाबर.मी.नश्चर्तात्रं न्यांश्चर नश्चरं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था यर सेर पते खेर वेश न व व व वार में छैर स मुक्त प है यह परे दें हुर मिर यर सेर पा भेद दें। विकास निर्मेश या उदामी विकास पार्ट में य बोर् याउन केर यादे 'दे हेंद्' ग्रेस खेर देखेर यादे सकत हैंद ग्रेस ग्रेस वि भेदः दे। दे व वृश्वुर वरे मूरावरे रेगाया भेदात्र अदेव सुमा गुम व्यद्भा सु नहिंद् या प्रेव वि ॥ े लेश द्वाया व व सुशायते देव दि। से हे या व हर कु सं नानुनास य उन केन गुर मिंद नु उन् यर नुदे। दे के न न प्यंत्र न कु क्रम्भाकुरामा कराया है राये द्वी। दे हिम्मा ये दे दे मे के दे प्राप्त कर कर कर के ं कदावां के दायां करा हो जादा या राहे गाया दक्षेत्रा यह पत्र हो । ते दहिनास दाहे भर दे छे व छे दे हे से च य । दे अस बे स च च दे मूद व दे मूद व दे से मार व दे से मार व दे से मार व दे से मार व द नुसंक्षित्रं में नम्प्रेनास्य यात्रा हे हे ते हैन हैन प्रेन हैं से हे न हैन मुस्ति ने नुस्ति वस माद्यान सर्वेद्रा पति सुरावित्।। दे वे कंदास है दासे वेस ने वा वा वे सर् क्षेत्रज्ञा के दसेनास म क्षेत्र के लेख न न के देने क्ष्म मर मजूद म क्षेत्र है। हिन् ग्रैस ब्रूट व अवेट व सेन् य वन्य व ब्रिव यहै. ब्रैर व वन् य वा वा पर है व

मुक्ष पहुंद पर त्युर र्रो। देते सुर र ह सुक्ष गुर वहेंद य द्वेर द से दसे र पालेशका मान्य वित लेख वाचार दे का नाम माने के द्रमेन सा परे हिंद दर। दरेकः वैदः वाया सेदारे से 'दसम्बर्धः यह 'सुर र 'देश मु मासास्मिश्राया सुप्ति।। में दमेनार यदे 'क्लेके स्टानी क्लेके प्रेप्टिंग यदे 'से र री। णुट नी स्लेटिंग या प्रतिकृत्र भ्रम्भयायमा विकासी का का मुद्रा के अपने कि स्वार्थ के साम्या के स्वार्थ के साम्या के साम्या के साम्य हुँद्र यर मुद्र पर त्युर र्भा दे दे दे सेदः य दिए दे दे छ सूद गु है है नहा सामर नञ्चन नुर्के के लेखान के लेखा क्षुनःक्षुनःवरः होन वर्ष्ये विद्यम् वर्षः हित्यवरः होन् यः सान्स्येन्। सामान्यः स्वासः यान्यः व मेद्रायाद्य देवे मान्नुद्रायायमानुद्रायाध्यक्ति। देवे केदे द्याप्यक्ति मि.पंस्याची:वहूर.क्ष्याची.पाषु .रचाचा.तकाची.घषु रहाचबुक्ररहा.पचीलाचपु व्यक्ताहारीक व्यक्ति विद्यास्य नामाराज्येक या ने वहर्षा था विष्य वा विष्य कि वं वह वार्यादा वह होना वा लेका मुख्या का का व्यादा निवाद निव वादनाक विगादमा । वादन हें दे वाचादन केंद्र हेका मु वा हे अपने लेपा हें है क्षान्त्र प्रदे कु के व्यवसाय में दिस्त वा त्यार्थित वा लेखानु व वा स्वत्याय हुंसाने। र्क्तायके सुकारी रहा वले कार नाम वास क्रिया महाहारी है सामहामिक्ता वुद् यान्यान्। अवादम्बाखायाः स्वाहात्यास्य स्वाह्यम्बाह्यायाः स्वाह्य

रह्मासि.से.सेचेच चेर .रह.चढ्रेश्च म्रान्ध्वेचामात्तर्से च.लूर. 32.4.MC. म् भे रभूचकातातास्वाकातातात्रुः स्टामास्त्राका ন'ম'ঐর'র্যা दन्याय प्रस्मेनाश य व्यः स्निशः य व्यः हैं 'क्षेर 'प्येद' ले'दः से 'द्रसेनाश य व्यव्देदः तर नुर्परे र्द्र पन्नुतावरे स्र दम लग्न सामा स्र र म स्र र र र नुःन'ल। मुं'दम्बान'न'महेंद म'बे'द्वेर'ब'दरे'बे'सु बॅर्'खे म नेद्रमये ने बना ल्रेन माले रहे निर्देशन है निर्देशन है नह है रहे हैं रहे है नह है नह है वियायर नेरायायायाय महर्राया है यह कामार्स दे हे न पासेर दे से सर् द्विर लेस 3 व दे विद्रा दे तम दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा विद्रा विद्रा विद्रा त पश्चितः तर्र श्च दशः ह्व चालरः रचानाः यर चेतः य चारः भेवः या हे । द्वा द्वर व्यावः च व**ष्ट्र- । पर्ने वर्ह्न च के न्**याया च त्र्र्युच च म त्र त्र त्र के न के न के न रदःचल्रेब्र-देव क्रिंदिव विवासर वेदायास दस्यासायस द्याया या सुवासायादा प्रेवः यार् रेन्न वा नावारे र मेमना शायदे सक्र केर गुर गुर गुर प्राप्त से र मेन सायर विवुद्रवर व्हेंब यर विवुद्र या देवे के रट.में स्थार प्र.रंशनाश.त.क्रं था. कुर लुक नर नहरं रा. लुक विकास पर रही। नर मी के रहा प्रे दे रामा व.ज.श्र्वाश.न.ज प्रचेत्र.च.च त्रेश्त.चंदा । रह वर्षेश्र भी र भुचेश.च.ज. র্মনাধানে মেনের্বিশন র্মনাধান বাস্ত্রী ন্মী ন্মী নামানামান বিন্দ্র নি याया में दिमेनामाया कर्मा भेद माप्पेद वें 'लेश' न मृद्राय है पुराद नाया न वहेंद्रा य सेर पर्टा दे अट ममस उर पश्चित्र सेर विश व पर से विश .

त.कूर्येश शि.चवर.च.क्रॅश.स् ॥ वस्त्रैच.चर.चे.च.रंचाचा.ज.क्र्ये । वादःभवः बेब वः वः वः स्वाबः यस तकदः वरः वेदः है। वनावः वः नावेशः मु लेख.ये. न.बु. झेर. बुच म्. नवस. तप्र. भक्र. हुर. क्र. रटा। स्र विव अस्य. हे.चार्था.चपु.भक्षर.केट.क्य.मीश.स्रा। पट्साय पटानेब्य.चाया.च.रश्चेमश. य.केर.वर्षाय.वर्ष र्रो। रुंग.बु.रट.वर्षेश.पंचाय.वर्ष.पंचेश.वे भू.रभूचाश. द.พ.ชุปพ.กษา ผี้ร.ว.พ.พะ.รุปพ.กร.วิษั ผู่พ.ว.ว.พ.ชุปพ.กษา ผี้สพ... कु.के.टेट. कि**व तर** बुट. ब.जबाय.व.टेशुबाश.च.**य.सू.**बाश.त हु श्रीर व.ल्ल्ट्श श्री.. महराहा। देर्न मह ना के त्राया निक्र देश हैं अप के हैं के विक्र के के के नाह्नाश वक्रुव हैन प्येद ही प्यट न्ना पदे कर स हैन वे स प्येद वे। বল্লীবর **স্থান্য:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:** বল্লীবর স্থান্য: लेस'नु'न के सर् फेक के II रे'म'न माम स'नहें र हैट' हे अट' न सुनस यासेरायालेकानु वारे त्यूरार्ख्याच्या नुवे त्लेकानु नवरे र्विकार्ने । नाटालेना रहा यविष्यमे प्रमाना सम्मान स्थान स् य. खेंस. चे. चंट्र. सं. क्रू. चंट्र. य.ज.चक्केंचर्यात मुट.त.बुर्याचेंच वर्षा चहूर हे.वी चक्केंचर्या सुरेत्यर य.पर्.ज । कूचा.मूट.भ.पश्चीयम.त.पर्वेथ.त.ची.पर्थ.भ .रेभूच ग.त.पर्वेथ. ସଦ୍ୱି:ସ୍ଟ୍ରି: वासर्वेद:वासे द्वाप्ति: श्रुर: ह्वेस: तु:वास्तर:वार्स्स्य स्त्री। यन्त्राक्षः दक्षः विकान् वाक्षः स्वेतः स

ाने भे नुनियं भिन्न के विभा नुनि के वे दर्भेग्रस वं भे नुनि के भिन्न की ८ हैने हे व य र् य प्यान मा प्रेंब है विश तु य व वे स य य से से निया है स मेन्य विभाव निर्म के के अर्थ निर्म के सम्मार्थिक या निर्मित । न्दा केन न्दा सर्वे रहेका सार्थिनाका या लेका या विकास के वर्षे । इट वर्म से उद्देश में केंद्र केंद्र केंद्र के किया विकास केंद्र के किया केंद्र विंशीचुः विते 'देव 'दें। 📉 दे : इस 'क श्रूमः विते 'दर्गक 'विंश' चुः वाका खाका वाका। दे व्यक्षं ना बुद्दान्द्रमे हाथ दे रक्तुंद व्यक्तं द्वा वा क्षा क्षेत्र ना ना वह हा स्वास्त्र वा वा स्निम यं तिह्ना सर विद्यायदे नुस्य यं क्सिम प्यदे के लेख व वदे रे के हो। स्निय य वै दे अद्वार्थ ग्रेश महत्रायर उदायकिर ग्रे खेर राषाना यर ग्रे रादेश वि रे रश्चेम्ब मर्रे अक्र १९९७ र गुर या माञ्चर या या वि अव दे सुक्र मान्द्र ही। दे ब्रामायाने प्रदेश बर्दे हारा दु वर्षेत्र होते हे त्यस सुवादा दे से दे हुसा । विविधान से प्रते प्रते शक्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष देश विष्य प्रति प्रति वर्ष के प्रति मर्के वर्ष वर्ष विभागमा द्वेष वर्ष मार्चे वा मार्चे वा पर में में व वर्ष हो। मुन्य व में विकार के अमारे से अपने में कि मारे के के केरिया वर देव में में में कि म्द्रिन् कर में विश्व न न न महित्य हैं दर्दे चर्द हो चर्द व हैं र जि इक्यें संविद्वानित्व प्रति तर् छेराये का रे हुनान से दे सर्वि संस् ल सुदूश त भूर त है ज है अर वहाँ कि कर अर्थेट व में वश देवें वर देवें वर है स खुँ नाम २८स म प्राप्त मार्च मार्च मार्च ना केना य केना ही में के नर पर नामा वसायन्त्रायालेखायस्व द्वा दे पलेबान्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य महार्विश्यति सा स्तित्र राम्याचारा प्राप्त प्राप्ति वा विवा या करा विका या महिना प्रा

पर्दे प दब हैर के के वर पर्वारा देखार स्टूर दू पहुत हैं। ेरे सं स्पेत वर्ष दे.ज.रट.स् रट.व.भर.भुर.चर्.विभाताल स्वीशाताभर.तर्याक्षर.ची.ली.ली. क्रि. १.पर्श. वर्षा र.केर. दे. प्रीरी श्रीय त्राप्त श्रीय साप्त श्रीय साप्त हैं स्थी सापत हैं स्थी साप्त मानम्ब पाने विना दारेशायर में नुषाया हेर की हीर ही। देर मा मिट्नी के खुक्ती कि सिन्मिन्य प्रमाय प्रमाय है के अपने कि सुन मार्च के सिन्मि हुन मी स्थान मान्य प्रमान प्रमान प्रमान के नियम ্লুষ্ ইম দ্বীৰ দেই ম স্ত্ৰীম দৰ্শ দেশ কৰি । আৰু দাই দাই প্ৰথান্তৰ স্থী। . इ.स.ची.चीस म हेर लाय हो। हे स्वा या लाट देश देवे हे मादे स स्वा सामा स्वासायत विसाय भेराता है सेरायर शहर वायहन यर वनुरारी द्वेद्रावदे स र्खेन्स सर्वेद व दे या तुमाय मेर् पर मुराय न्याये द्वारा न स्र इट यानाट के माने क पुरुष पर्दे व सामित विश्व पर्दे । किस सर देशपर १९ वेर केश व पार्श्व के सि । हे के दे न सम्मुव प के के लेश नु न ने सर्दि सुम नु नर्दि परे खुय सर्दि सुम नु कर म ने यस मून मा ्ताला स्मितावराचि च वर्षेत्रेणाचात्रासीन्याक्ष्यंत्रावह्यातालावहर्ताताक्रमें में कर् मार भेर भारे तहन यारेश हुन यर छेर भरे परेने परेना हेर के सकर हर छ र छ । द्वित्य य देनाश नार त्या स्त्रिय है त्या दे क्षिर हेश हित्। दे त्या है स्वर हित्।

इंन्**रा**र्स्निन् नु न्तुर प्रदे दे ब्न्याय व्याप्ते स्व दे हे दे द्वा स्व व प्ये के वि बे रह वर्तेष मु देवस दि स्थाप के दाय प्रति । वर्ष सु स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रत लेख-य-प्रताम म्याम्यात्वाचात्रः विकास न्यान्तः भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाव · लिग रु: में · क्षेत्रं अत्र · क्षेत्रं वर्षः क्षेत्रं । हे · केद है · द्येर · ब रे · यश लेश छ । य वर्षे ग्रा पस-पस्त्रायम चेर् र्रा। देते त्र्रमः चु १६ द्राप्त व्या लेखा चु न दे निर्मा मुबादब्धावाकुराव्य । स्वाधायाद्याक्षावाक्षावाक्षावा माने। परे सर रेनास मान्य स्त स्ते व्नामा क्षेत्र सर प्राप्त है। ने नुमायात्रार्थेन्मायात्रात्रात्य **स्वा**शायात्र्य निमायानेत्राह्येते हेर प्य न्युनास-न्युः नः तः संनास नः स्त्रीः नः सः भेतः ने। नन्नाः व्यन्। स्त्रेः स्त्रेः । र् लेश-वु वदे रेन्स पर दि स्व पर दिन पर दिन राष्ट्र त्यः स्वाधाः वात्यः वात्यः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्र <u>नवुद व त स्र्वाश व स्पेर की व द्वाय व क</u> য়৾ৢঀ৻য়য়৾৽ৼ৾য়৽ঀৢ৾৽ঀয়৽ড়৾ঀৢ৽য়৽য়য়ৣয়৽য়ৼ৽ঀৢ৽৸য়৽ড়য়৽ঀৣ৽ঀয়৽য়ৢ৽য়৾য়৽ उद्भि य केदाय स्वाधाय रे देव दि। श्री य केदाय स्वाधाय न'सेद'य के'श्रमभ' उद्भिष्टिक या केदाया र्स्याचा सेद या स्वाचायर होदाया स्रोदा र्वि'लेशनु परे देरिनि क्षेप र रहेना य रहा खर पर्ना है रहना या यहा नावर भवसामालकारे नियान कुरावर पर्टेन यारे वे के क्रामी माजका भवता पहुंबा कुट हीश पर्वेट च. च. ही. च लगे. च्रा ही. ही. च. रट. पहुंचा च रट हंचा च रट हंचा च रेट हो च पर प्राप्त अवसा भवरारेन्स केन्त्र यदेन्स्काभ्रवराने यसाम्बद्धाने प्रकार प्रकार प्रकार

देॱ**ড়**ॱয়ॱড়৾৾৾৾৽৽৽[৽]ঢ়ঀ৽য়৽ৡ৾৾ঢ়৽ৡয়**ড়**৽য়ৼ৽য়ঀৢৼ৽য়৾৽৽ঀয়য়৽ৠৢঀয়৽ৠৢ৾৽ঢ়ৢঢ়৽য়ৼ৽ঢ়ঀ৽৽ मालक छेर प्रेक प्रकार माक्स या में भेर हिना रु माक्स पर दिसूर व रे स्र क ना त पश्च पर्वेदः य. रदः पहुची. तर हु ग्रंश य. त्रुश वाल श्रं मी. पर्वेद य. रद पहुची. त. बु.**ट्र.के.**श.लुब.बु.बज.कुब.तर.पचीर.ट्र. खेश.चे.व.ज श्चाश.**व.**श्चॅश.श्री। *दे 'क्रेद् चेश्च'* प्रदेंद यर 'प्यट **क्रे**'प्रचुर 'र्स' क्षेश ग्राम के प्रदेश'या का प्येद यश दार्स ' लेश-g-व-दे-ह्य-व-व-द-द-द-वश्रा नालद-हेन-न-हन्त्र-वर-के-दन्तु--द-बेरानु व दे दिर्देश से बादिर पर दे दे पर के दिन पर के दिन दे । दे क्रि. ब. ह्ये प्राप्ता सर्वेष प्राप्ता ह्ये प्राप्त प्राप्ता लाहा स्टाप केराले व र र ही हु हु में हुना म हें दुमाय मिलें हों। में हुना म हे हुन मुंहें नम मह्द प्रम हे हुन हुं ଞ୍.ଞ୍.ସ.ପ୍.ଟ୍.ସଶୱ:ମଫ୍.<mark>ଟ୍ର</mark>ଟ.ଗୁଷ.ଲୁଧ୍ୟର.୧୯.୭ଣିଷ.ମଫ୍ର.ଲୁଧ୍ୟର.ଏହ.ଘଟ.ଲେ उदाया केर प्रेंदाय है हो हा है नाय केर प्रेंदा के स्थान राम केर दें लेस हमास चर्-भू वश्याचिर के चर वहेश वेशास भूर थू। उर्शाचर में रेट विवासर हुेेंद.त.भ्रु.रंभुवेश.त.४टेंब.भर.वहेंब.त.७ंश.वे.व. के.चे.ज.लट.४घंब.वे.विव.. चर् र्रे रे नार्द्र मा उर्द मो क्रा मार भेदायादे तहनायहा। दे द्र माद्र प्रेमा प्र लेखानु न वे क्षितानु के दार का दार को बार का निया सर हो दाये । न्देशःस्र मुन पार्भेन पारे भारते भारते । त्रम विशेषा स्थित

दि विश्वानु विश्वाक देवां या नित्य विश्वानु विश्वान विश्वान मुक्षापुरायर केराया अट के रुवेनाक या प्रमुद्दे या अदे के लेखा नुष्य के देव मोका ୄୖୣଌ୰ ୳ଽୢୖୠୣ୵୳**ୢ୴୵ୖଽୣୖ୵୵ଽ୳ଵୢୣ୶**ଊୢ୶୳ୣ୵ୄୖୢୠଽ୕୵ଽ୲୳ଵ୕ୢ୶ୢୣଈ୕ୄୣ୶୳୶୳ଵୄୄଌ୲୳ଽୄ हिर्याच क्षेत्र के लेश मु पदे र्देन हों। दे ता सदित शुभ हेर गुरु से हमाय हैर केंबर राम विकेश हैं। बार पर खेर लेख हार की कि कर पर पर दें देश केंबर ैंडेन्' अप्राप्त अर्थित वे द्राप्त का का देश दिव प्राप्त देश में निव्ह मुक्ति छु भारहा। य देशनीशयान । मार्चना वार्शनीशयं में स्वा वार्के दाईनीशय में से हैं । दे ंचलैंद नु हिस सु न्यमा पस देश मा अस गुंद नुस सु स लेस नु मादी। शु द्वन यं स दे सं या भ्रद् है ना स द्व हों र दे वुदे द्व हुं य रह ना स्थे र या दे स्र द्र के के है। अर् के के के में के से देन से देन से देन से देन से देन से देन दे वस्त व दिस् व विद्यापत् रदाय विद्यास्त व विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास व निवंद मुझ महिना चर मुद्देर या द यदने हैद की निव्य यह रहा यविद उदायत्रा मार्शे बर्दे रदः बहुन छ द त्या होत यर विश्व स्वादा दे त्य सुनि संदूर में दे द्र विक्रित् गुर्भ वार्य वर्ते रद्र वर्ते कर व अदि विश्व मु व हिं है इर कर मी भेरा दन नी संभून वर्ष य हैन य स्निस य दे है र दर नाल र क्षेत्रपुरमहित्यम् व्यामा स्थापनि स्था

लेकानु न के केंका मार प्येका या दे क्षेत्री नहीं दे पर नु न केंद्र नु महनाका या है। रद मी मर्कि हैर वा नाद्य यह से हमाय हैर नार कि राय दे अह दे हैर वह राय राय दे : भर लेश नु न के सूरे दें हों। दे दे दें व दर देवे क नु न हेर भेर बी। यस लेश मु न के देवे दें कें केद दर देव यस है। पर के मानक केंद्र मी मार्खें थ व्यक्तर्वेश करे किन्द्रमाना वह केन्द्रन विश्व द्वार केन्द्रे स्वास्तर मुक्त स्वर किन देवे दर्देश वेंश है दे हैद दु दश्य पर प्रवण या भेदाया णु:बाह्य**स**:चर्ट्र ॥ म्मा है क्रिंश कर स्वर दिंद मुल्दर संस्थेद या में हैं प्राये मुद्देर हैं वेश मु या या नाय दे! ष्ट्रश्चा करा करा करा करा की सर 'द्रमुर'य देवे के देखा साम का क्षमा सुवे सु ্বৰিষ্ণ বৃত্তি হাট্য ক্লু ক্লিক্তৰ্য অধ্যাহৰ বাৰ্ষণ বৃত্তু হ'বা গ্ৰীব্য ক্লিক্তি ক্লিক্তি বিদ্যালয় বিশ্ব दे हराभदासाधीरार्वे। मदानी श्रीराञ्चारी वर्दिरायरा नुप्त दे हिराद्या स्वा *ॱकेद*'र्'म**्ट्र्र**'सर'नु'म्ब अत्राय केर प्रेत मु रूट मी अळव केर हेर वे अध्येत है। र्ह्ना परे शप्त पार्वे दाष्ट्री क्षा कर्म कर के दाय के **শ্রী বর্ণা ঈর তব্য শ্রী বর্লি র্লা বু মাতক্ষ্মী লোক্তির মান্দ্রকাশিক্তা।** ्र्या रामा उत्राक्षिणानुः सम्भाद्यमा याने प्राक्षेत्र स्थानिक । सम्भाद्य सम्भाद्य सम्भाद्य । सम्भाद्य सम्भाद्य य प्रेक्टो रामी महत्र हैर दार्व माउक हैर वन्या वरे हिर मा ୖୖୣୖଽୡ୕୶୕ଽଽ୕ୣଽ୕୰ଽୖୄ୴ଽ୕୵୴ଽ୕୕୴ଌ୕ୖ୶୕୴ୗ୕ୢୖଈ୕୶ୡ୕୴ୄୢ୷୷୕ୢୡ୕୕ଌ୕୷ୡ୕୵୴ଽ୕୳ଽ୷୕ୢଌ୕ୣ୵ୣ୕ଽ୴ - জুরান্ত্রান অংর্মনার্মানারে। স্বান্ধ দ্বান্ধ দ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ ·इहास्कारावदे विद्यासक्षित् यर हे त्या सक्ष्य द्वित् सम् हो न प्रते रहा विक्

प्ति. नर. रट. जेश. त. तथ. पर्य चीश. तर. प्रेर. य.इ.धूर.विर.वर.वशका.बर.ज.वर्ड्स.वश.चकुचा.कुर.लुब.ख्रा हे.चस.व. **न**र्ना के**र** चर्रा ने केर गुँ छिर धर सा खबा या इससाय यह तर्रेन्स यर चुँद्रा นร์ ระเลดิสาติราราจอะเลาติราพิสาติโ ราลู สูราสูรายารามรัสาผูมา मुश च≡द.च.४.मिर तर.रेट.र्ज्य त रुषु.ट्रश्च.चर.र्ल्यूच.श्च.भ.चक्रर.ततु रट.... বৰ্ষা কৰা জী হল বহু প্ৰীৰ হোঁ। ক্ৰি শাবাৰ সামৰ দ্ৰী ক্টিইৰ মু কু হু বু হু হু বু হু বু হু বু रट रचुवस मञ्जूदस मञ्जूद साम स्ट्राम स्ट्राम स्थापन स्राप्त मुन् व्यापन स्ट्राम न्द्रां त्रां त्रसः न्वतः सः प्रेत हे विसः नुः नः त्रां संन्या या । व्सः यः न्दः स्तः यः देश'तुस'म'दे'भ'यत्'सै'दर्गस'मदे'सुर्-'तुस'म ५८'सूत्र'म'देदे'तुस'म'फेत्र'' ब् बुंश पर्नेतानाश मीवाराष्ट्र होरा स्वरामियाश सर वि.च.रा. स्वर पर्नेत या बुकारा निरम्भार सम्बद्धा पर्दे निकार सम्बद्धा निकार होता सम्बद्धा निकार होती कार समित सम्बद्धा निकार समित स बुक्ष.च.म्र.२२.च.च/८.च्रीक्ष.क.चूर्य स स्मिक.त.च श्रे.मी.ज.सूर्यका.व.भ्री८.वर.... वेदान नुसायादे द्वायासायन त्रास्य स्वत्त्वसाय विद्वार विदाय हिन्द मिसाये द पर चे द पर दे के के पर द स्वर पर मिसायी सा वुद्या या या पर दिन्न सा नरामुद्राया बुक्षाय दृदाञ्च । पायका बुक्षाया दे त्यका यह निद्राय है । यह निद्र बुक्ष य दे ही मु ता क्रिम्काय व मुव यर हेर थ दे दे बुक्ष य दर वर वर वर द न.लुब.ब्रा वेश.त.क्ष्म.ज.लब.पट्चीश नर.चुर.चर्.वेश.व.लट.व.रेर. सं स्पर् का ने दिन दिन स्व के ना प्रति भाषा के ति मुक्त हो। दे ता स्व स्य द्रिन्य हेर्य र द्रिन्य र हेर्न य वर हेर्न य व्याप व्याप

यदै खुर बुन य सेर यर प्रचूर रें।। रे हैर है है खेर घरर यर ना हैर गुंबालेबानुःचामार्थे । बाह्यसार्थे वाक्षानुःवापारानुबानामार्दिःचा मेर्'याकिर्'तुं लेखान यादे है हि हर कुषायाय सक उर्देन्याय यर नेर्पय पर नेर्पय व यद्याक्षेद्रानु मुक्ता दे ख्रा । हु मु मार्थ प्रमुख पर्य दे स् लट. वेश्व.त.चेट.लुब.तष्. वेश्व.त.रट.र्घव.त.तश. ३.८८.त.भुट.त.कुट.वेश.त.... क्षयः प्रमात्वीर स्त्री देखा देखा विषयः श्र्रां खेश.वे.च.वे .पंचंत्राचे म.वेंबाताचे .लुव त.टे .लीम.टे.वीं .त.हं...... प्रश्नापट द्रिं सर्वेट पर्ते। हि. श्नर : पहें र उक्ष प्र प वे पर : वि. न मलिब दुर्दे । ब्रिंडिंग्स मर्दे । वेस म से द वेस मुन व के क्षायात्रना नासायात्र द्वा रेनासायात्र त्यासायात्र विष्या विषया निष्या विषया यत्।। अधयः चाक्रमः क्र्यः प्यान्ता पर्येत्रः न स्ट्राः स्प्राः स्ता उरलेश मु न रे पर्र अवर नाहे स दे हा द रे र पर्र लेग दश से र पर्रा देखः कॅर्न्यर हेन्या द राष्ट्रर ग्री पर्टेश वॉ ॲर्न्य फीर्र हे। व**रेश रे छैर** षा सं क्षेत्र पर होत पर देवर में स्था सन् र मा सन र मा न लेख न न में ब्रम्भ रने निर्देश विष्य में में निर्देश में में निर्देश में में निर्देश में में निर्देश में में שַ שַּׁ שִּׁרִים בּ בִּקֹים בּבַּקֹים בּבַּקֹים בּבִּקֹים בּבִּיבִם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִיבָּם בּבִיבָּם בּבִיבָם בּבִיבָּם בּבִיבָם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִיבָם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִיבָּם בּבִיבָּם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָּם בּבִּיבָם בּבִּיבָּם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבִּיבָם בּבְּיבָים בּבְּיבָים בּבְּיבָּם בּבְיבָּים בּבְיבָּים בּבְיבָים בּבְּיבָם בּבְּיבָם בּבְיבָים בּבְיבָים בּבְיבָים בּבְּיבָים בּבְּיבָּים בּבְיבָים בּבְּיבָים בּבְּיבָם בּבְיבָים בּבְּיבָים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּים בּבְיבָּים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְּיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבְיבים בּבּים בּבּים בּבּים בּבּים בּבּים בּבים בּבּים בּבים בּבים בּבים בּבים בּבים בּבים בּבים בּבים בּבים בּביבים בּבים בּבים בּביבים בּבים בביבים ב क् सेर्'य र्ट विनाक्स सेर्यान्न मेस र केर्य सर केर्य यह स्मि

देवे वर्ष्ट्र यावर् याना स्थेत यारे वे से दना या हैन ग्रे स्थ व्यक्त रहा लेख नु मदे देव हैं। रे. ३८. दु सम्बद নইবিবাশন বা শীৰ বী। क्षद्राद्रे क्षेत्र या मृहेश गुद्राधि द्रावसाद लेश वु च या संम्यास वस देहर पर वेर १क्रॅं नाडी क्रॅं पर्टे वेश मु पर्टी दे क्रिक्ट्रें मा दश मु मुक्ष की क्रें यति क्षु ति दे वे हिन्य बहुत य प्रें के वि । ने हर के प्रेंद्र य केंद्र ना वे লমান্ত্রর এম বন্ধুর দুঁ। ই স্থেম বেল বেল্লী আবা করা শ্রী উর্বা আ ক্টির শূরী সাম করা দুঁর मुं मतंद हैर न्या प्रेन म दे ने अवर महेकामुं केर माप्रेन ने लेखानु नर हुर र्दा १२ क्र ५८ मञ्जूष व उक् मी केर् धर मेर मेर पर समाप्त दे द्वा पर केर ताबुद्रायदेखेर हो। स्प्रान्त दाक्र मुक्ष स्रवत नाक्षेत्र मा स्प्रदाय हे स्ट्रेंदाय हिंदा रे. वर विर्द्धा १ वर्षा श्रम् श्रम् । वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व ्रवेश्वके द्रांसार्य देशसाया सा हमा या के दाना सा दर्दा सा दा दाना ता क्षी म्यादा केन प्राप्त प्राप्त विश्व विश् प्रमुद्देश न न न मून यदे अवद हूं नदेदें। विमान हे सेद पदे सुर देहें। र्रिकानुमान्यकार्रम् या मान्द्रदार्ट होशानुमान्यकुरार्ट्या दे प्यूर्य गुन न्सिल्सिन् न न के न्यें से संस्थित ये केन मार्चे मार्च लेश न न ने न ही क्रिक्ट द्रवेश वक्ष लेख मु क के अंदाय के दाव दें पाय दें पाय दें पाय के विकास के वि कर्म वर्षेत्र या वे प्यद्राय हेन वर्षेद्र या वर्षेत्र वी। मालवाया प्यालेका वा ्यावै प्राप्त वाकी वामिके वामिके वामिक वाम यादेषमानीतर क्वावसाय दाष्ट्रर वार्क्षद्रायर हेदायाध्येक व लेख्यु पाया

स्त्राधाया। दे.केर.य.भवत.द्व.रचा.यैवा.व.ज.स्वाथाता.श्रीर.च.सह्य. यःनादः भेतः यः देरः से 'द शुरः दें।। द्रसः यं द लेतः दुः हितः धरः यः सेदः यदे धुरारी लेकानु व के हिन्हर दिंकार्य भारतिकार्य मेरायारे शर्दा प्रतापते । राये कु कुर र जूर मासाक के र है। माकु हा गा या यार से र पर हिर पर से र चते होर दे वस्त सहर महिस हैस हर्त पर्राच हेर प्रेस हें लिस नु वर से त्युर र लेख मु नर प्रमें स्था स्था । अदाष्ट्र व से द त प्रमा विमा वस से द प रट विना वस सेर म रना हुँ र म हेर म स वा हेर र स्वर म स स स्पर्र म हेर ระเร้าระเชยีตานเพลเร็มเนเลเลน์สเลเน ลี้ะเนะเทเชนีระเร่ พลง. दमायाः व्यक्तियाः केता प्रस्ति यापतुः याष्ट्रतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतीयमा स्रोतीयमा चैर ले ना नर्देश वीं बलेश नु 'छन् पर मेन प्रते 'छेर हैं।। है 'हर 'तुमायरे' याप्यदाष्यकृते। सेदायाश्चर्तायते मुग्नाप्यकृत्य केदाद्वायकेदाकेदाकेदाके र्दे विकासियम् स्थापिता नार्द्वामा नार्द्वामा सम्बन्धान मेर् साम्या विकास मेरास्य विरायर भर्ताया क्रेराया पर्दर्गायर विरो देखा स भवाव हे खर बसा सम्मन ता.स्मीश.तर्.त्र.त्र.क्रेर.स्.तर.चेस्तर.चेस.तर.पवेर। संवर.क्रेस. र् के र्ट्स से दे नावस विवस केर्नास्य वर विदे वसा नावर प्रा लेंबानु न वा से विश्व वा सुर्वे के बार के वा के दान दान दान है वा के वा के

इश्र.च.च.ज.शूचा**श**.च.जा चाल्य.ची.वश्रश्र.वट..टे.येह्स.च्.केट.क्र्य.चट्र.ची. हैन भी र यर पर्रेन वर्षे अर्थे वे सुर्व सेन प न्यें अर्थे न्य प्रेम वर से प्रेम र्ने । १२ व्हर द नर्देश ये वे व्ह द केन य भेव द वे व न ने ने न न के द न े हैं है वर्ष में लूरे तर हैं न हैर लुरे नहें में रहा है कि न मेर्यायर्द्रायादेवे के। द्रासाय वे स्वान मेर्याय वे स्वान सम त.चंगेंच.बुंब.चुंश धुं क्ष तर चंबेंच.त.इ.चंच्य.च.इ.चूंच तर मेंचैंच्यंथ.धे.... पहर्ना निम्ने साम है । दे अन्तर हैं निम्ने पर दे । लूरे.च.चंट.लूबे.च.ट्र हेट झैं.इशका.ग्री.लट.भ.लूबे.ब्र . खेश.चे कता श्र्वीकात नम्राचेकार्त्। क्षाय वजाय लेजाजीका यम्रेयाचा व्याप्ता व्याप्ता व अंदाय दर लेगावस सेदाय केद से हनाय धेरायर द्वाराव । व र दें नालकः गुन्दु प्रमास प्राप्त है लेन हा दे होद्दार अद दे हैं स र् अंभेर्य मिश्च न्यर म नुर्वे॥ दे कर् यहर यदे हैर । दे हर द रैनाकायाने न्दें का मां का का के देवा के कि मां के के के मां के के की के ने देवा विश्वानु तरे द्वापर व क्षापर व क्षाप्त का क्षाप्त व व हैन बहुम व हैर मुस्यार म भेरामा े रे बर्र मा से व राष्ट्र व सुवायर विदानको द्रमे न्यादित्। विदान विदान स्थित माध्येद हे हे ब नु न वा र्सेन्स या वा ही न हा द के द के द के नि न वा से द वा ने प्रतायम्य व स्थार व से राय प्रायम्य व के प्रायम्य व के प्रायम्य व विकास व विद्रायायम्य पाद्यम्यायर्गे। व्यद्गायाकृत्राद्यानम् कुरिन्दे। व्यद्गिकृत नद्रां के दे नद्र हिन विश्व स्थान विश्व स्थान के न्या है है न

बै'हि**र**'गुँब'के'दर्'पदे'लेब'**ठ**'य'य'सँग्रायब'दड**र**'यर'हे**र'र्ने**। रे १९८ मु द्वेर प्रवेशन अदासा भेर हे लेस नुपा है ना पा है र मु दे हैं। वर्षेत्रं य पर्त या अदः मुलदः मुहेश हेमा थ हेर हु । दर्दर हो। माट अदे य दे चुका य अद दर्भावर दर्दर्भ नाट प्रेश्न पश्चर वा की ही दान की ना प्रेश्न वा लेक नु निर्देश हो। दे हैं दे नद्म है द व्यं म म के न न न कि व लेक नु व.ज.स्वांश.वंश.वंश व : उडीज.वर.टुर.ट्री चेट.वंशसं.श.लुरे.व.रु.व. क्षे-ह्ना-य-म-प्रेक्-हे-(बेक्ष-चु-त-प्र-क्रिन्ध-य-वे-क्रुक्-प्र-विकेक्ष-पर्वे। के-ह्ना य ৡ৾৾ঀৢ৻ড়৻ঀয়য়৻ঀৢ৽ৡ৾ঀৢ৾ঀৢ৾য়৻য়ৢঀ৻৸৻ড়৾৾য়৻য়৻৾৾৽৽৾ঀ৾৻ঀ৻৻য়য়৻ঀ৻৽৽৾ঀ৻৻ড়য়য়৻ঀৢ৽ १९ मः १९ व रे १ दे र व छितः यर छेर यः २ नायः व नायः व रही नायः द्वा त्याः व नायः व शन्द्र'यासेद्र'यादे खुरावा शन्द्रसेद्राद्ध्य सर्द्वित्दर्द्राख्या लेखानु ना वे समस उर् कोर्'यर विर्'यर केर्'य धेर के के केर्य पर लेन केर केर्य केर्य केर्य य दना तः देव च ददः प्यदः या साध्येव दे। मुख यर लेखा मुः वा के दस्या यर ह्यूंबा वस रहा े सहर न निर प्रवेश या दे वै दिनान सामा प्रवेश पा है साम व है सिद हैना मानितायते सेराम्या वितायराया वहेताय दरी हम हित की ৡয়য় য়**৾৽য়** ড়৾৾ঀৢ৽য়৾৾৾ঀৢয়৾৾৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৼঢ়৽য়য়ৢয়৽য়৽ড়৾ঀ ঀ**৽ড়**ৼ৽য়৾৽ य कुरानर.चक्ट.चपु.श्रु.रें.पपु.सुर.रू॥ ट्रश.श्रुर.चर.ग्रेट.चपु.खेश.ये.च. त्य स्क्रिंग्य होत्य होत्य हेत् केत्र केत्र होत्य विष्य प्रति होत्य स्वर्ध के स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य र्ह्स भन्दे केर क्रिस मुच सर वशुर हे लेख सु च च के हिर धर अर्वेद स्वरे खेश चर् खेन में इं दश्रा ह्या अर्घर व लेश न व दे हेर में देश वर व पर पर व दे

त्र के के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर के स्वर त्र के स्वर के



क्ट.स.क्स.चम्रेस.मी.चम्रेस.चन्टा चस.मू.क.क.क.स.मश्चिस.मी

भट्ट शिभ द्रवा त्रा.च.च.द्रवा.चे.र.जेश.वे व.ज.श्वाश व.जा भट्ट शिश ଌୖ 'मा हर सर्वेद 'च'र्भक 'व। हैना में सं है 'मा हैस 'दे 'हैद 'यदे 'हैद 'यदे हैं ंबुंश हिर् तर अर्थेट नेते ह्यें बंश नहट न प्येव है। विदेश ता मूर्य न निर प्येव याहे माने मात्यापट प्रवालेश न रहे हर्गे हिंदा है। इस माने माने महि हिंदा ही लेश.चे.च.बु विद.तर.भशूर च.ज.विद.तर.बी.झें.बश.हश.शी.वर्चो.च लूदे.च.भ.... लुब्बा हुंसाशुः दर्जे वासे दुवा नाहास हुवा न स्चास प भर्तेर. न.रेर. पर्देश. त. पीरे नहूरे. त. ज. स्वीस. तस. खेस. मे. व. स. हे. व. स. रे. व. स. स्त्र भार्श्वादा में हैं है है सावविता नहीं है नह मिटा साली माने हैं में ॻ न वे र र मा अटा है 'सूर रू न यूर यूर 'सु मा या स्वाहा चये ही वस ही 'नदे हुँर" दे व दिन्स मु हैद हो दे नस्य स प्येद हो। दे व स द दर य प्याय प्याय र ही है। र्त्याया रहें ब वहा ही रते हिर र्त्रा हे त्या अट व खुव व र्व्यावादा दे हे देते हा विचितान्त्रीत्राक्ष मिट स भी र माले सामितान है । सुन् मा सेन पर <u>୷୷ୗ୕୕୕୷୷ଽ୷ଌୖଌୡୖ୶୳ୢ୰ଽ୶ଽୢଌ୕୷ୄୄୠୄ୷୕ୄ୰୶୷ୖୄୠ</u>୕୰ୢଽୢୠ୵୕ଽୗ<u>୕</u>ୢୢୄୢୢୢ୷ୣୣ୷ व दवायायाया भे दि वर मी मु शकी या नहीं से वादे स्वर्ग पादे हुरावा नेसायाय द्व याकेदावनायायायाय्ये याक्षाये की देवे सुरावायाहे ह्यर नन्द्रमः नद्रमः सद्रात्तवीर हु, बुक्षः नि.म.म. शून्या स.म.म.म. त. त्रात्र ୩**ଵି' ମଞ୍**ଶ ମିଂଜିଷ' ପ୍ର' ସଂଶ୍ରଂ ଅନିନ୍ଦି ଶ୍ରଷ୍ଟ ନିଂ ଅର୍ଜି ' ଅନ୍ୟର୍ମ ଅନ୍ୟର୍ମ ଶ୍ରିକ: 新 १ंहेंना य दर वास व वब लेख डा नवे सहक हेद ग्रीश सहित सुमा महिंद

यर 'चे 'व 'खेर 'स्ये 'खेर 'स्ये दे हे ने 'खेर हुन 'व 'व 'दर 'त्र व 'व 'व दे दे दे व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व सद्राश्चम केर स्र्रायर नेराया भेरते। ह्माय राष्ट्र विसाय के सद्रा ख्रम'नी मेदारहब प्येष कें लेस मेदार्दा मेदारहम नी दर्शन या नेदाय हैन मेरी हेंना त.जश.च.च च.बुश.चे.च.बु.हो.च.२८ चेंश.च.२८.। चें्य.च बुश.चे.चश.के. वै'नाशुक्र'मदे'वर्द्या के ब्रॉक्स म्मेरिन मु'फेर लेख मु'च के देन वदे हुश्र.श्र.पचटश.यश.४८ मो.ची.ये..जश.यहो१.ट्री। पुरु.त.चीवश.मेश्र.वुश.चे.प.यु. म्बर मु.मबिट मुझ सुर हो मबर हु. जुझ रा मबर मुझ जुझ रा असम शे हूट. यर पर्रे पत्रे कुर र्रो । नाट में कें सु तक इस पर हैंना प से करें हैं। नाट त मिद्रमा है द र्प्यद्र र लेख हु च द्रव नालद हुँद र प्रेव दें। मह में कें द्रम सर हैंने य यस मु मु नि परे दे हैं। मेट मे हैं द लेस न प न न न परे दे दे मुरा न जी दे खु तु ते क्र स्पर द्यूर व अट मट ले वा क्र सर दें ना स यहेंदे य दूर प्रदेर क्षाचालेशाची चाला श्री ता श्री शाही दमा पर हिंचा पर हैं वे दमा पाउदा लेशाची म.वु.चर्न्याताष्ट्र.र्व.क्षेत्र.थ्री। श्रुष्ट्र.दम.त.च्रिच्चर्ट्र.च.क.पट्टेर.इट.च.बैट.च. रदानी महन १९८ में देशन देश मार्थ देश देश हैं हि का नु न देशम वनायते क्या यर देना यते सक्र केर केर जी महिंदा न व वेस न न के के स र्बेट, ता चा के बी के बी केट ता केटे .लाब बे .लाट ता हुट ता थेट .वा केट .वा केट .वा केट .वा केट .वा केट .वा केट यप्रक्षिरास् । पर्मा अर् प्राप्तस्त्रा वार्षा वार्षा वार्षा विष्या वार्षा स्त्रा वार्षा वार्ष र्वे । विविश्व ने विकास नियम के केंद्र मा क्रम यर देश या सका दे सुरे दे असा सिद

| इसेन्स में प्या इसेन्स से प्येत । विक्र से इसेन्स । NZ.991 त. पर्. थे। । भर्षे शिम. केर ग्रीस. वस्त्र वस्त्र . लेश. व. त. त. स्यास प्राप्त भ्रम् में हें हैर यह निर्माश कर में में चेश नहें रही। दे हैर णु खुर भ्रेन में लेख नु न देते **इस वर** दन्ने भारा है सेन ने दन्द ने हिंगिर यदे मासुमान भेर है। मैं मानी न्वर से दे हिं मार भेर प्रमालेश नुपाने हैं" ्रिट्-वस-विद-वस-विद-वस्त्र-वस्त्र-वस्त्र-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस ्मी द्वदः र्ये थे क्वें ब्वदः मीबः माइनाबः त्यः सुः वःदे वै द्वदः र्ये त्यकः क्वेबः पदे क्वें प्येव वे बेश नु न वे दमा मी प्येव वी। अद खुद न न के मा ब्रम पर हें मा वा हिं. च् दे.क्म.ह्ना.टे.पट्ट.पचीर.बुक्र.चे.च.ण.श्र्चम.त.ज.श्रमश.मी.चेर्य.... स्रेयमाय्यस्य विद्यापर विद्यापर विद्याप्त विद्यास्य स्रापर हिया मां क्षे पारेते के मि व ते क्षापर हैं नामारे तर् नर व मुर हे लेका माने प्राप्त म हत् यदे 'वेश'पश'रेन'पर'दगुर'र्रो। रे'पश'द'र्नेन'प'रा'रह'मेश'रेन'प' र्ट है हुर रेव य विषर् रुद्ध य प्रेष के विष हेव यर द्यूर है। थ्र.भ.श्रुट्.च.२४.च.भू.२८.चते.वुर.र्.। ३४४ थे.श्रुट्.च.लट.रट.रूचा. नेश च.च वर मीश अश्वर शु र्श्वर च र वे श र्थ र है। নম.পুৰ.মূ] त. भूरे. चर. वज. चर्. क्रेर. रू ॥ चाज. ट्रे. इश. चर. हूच, त. चर्सेश. तप्. चेरेश. भ्रवस व ला हैं।। रवह व दे दे वेश व इस वर हैं व वर व व हैं दे'न्यः हे'द्यर व देशः य दे'स्ये व यर द्युर व लेशः मु न हें र स् Ā٢.

Mz. खेश. मे. च. च हुन च. नहीं श. नजू श. में श्रा. में रट. हुनु चेश त. जश. वैट. चनु. टट. क्ज. कथ. कु दें ब. चश. ट्रंश. चर. प्रचीर वर्षे ॥ 통고, 그성로, 용점, 급, 다. 5 및 시작, 전환, 다고, 크로, 트리스로, 이 등고 다성로, मोर्श्यः भेरशः मुंशः बुंशः निः पदेः दशः परः दश्यः परः है गः पः नहीं सारा सामा से प्राप्त का में प्राप्त के सामा से के प्राप्त के सामा से के प्राप्त के सामा से के स्वाप्त के स मते वेश मश्राम् इत्वर प्रमुर ४ वेश मुनम के मार म मुर्मेर मते देव दे दे क्रां। र्व झु म धुर व उद वहूर य तर यहें साम व वर वर से कु स प हैं द गुँ भुँर दें। पर् हुँ र म भव व लेश न न वे हुदें। प्रमुर म वे पर्ने सिन् मी ही नर्देश वर्षेर मुराम ने अटान्स्ट में हैं से स्थान हुट सर हा ।।। माध्येष्रान् माध्यमा मुन्ति यह सुरान्यमा व है। मुन्तामा हर्ना मान्यमा चश. द. पर. चीच. च. पर. श्रीच. त. त्रेष. खे. थे . चीच. हें . ही . पर. ही . पर. ही . पर. च. चर. लेब.तम् मिट हेम. चे.च.ल. श्चिमान म्यास स्था श्वा मा के.म. के.च. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. नद्वन्य प्राप्ते के दे देश न व के प्राप्त के भर्ते । तर रंभातर पेश प पार्शेट पर सेंग्रें हुं हुं हुंस वे वाहु अभ्य शे हिंद ने देश तर ने शत पा है । रद मी भक्ष र है र में नन्ता हैन हे स न नि ने ने नि ने नि ता स होंने ने के लिस न न के सर्वेद नर्भक्षातर वेश न म इंदान् में दे राम में राम करें में ने में में भ्रवस् प्येत्रः है।। र्से स्रेर्ट्रा पर्वे खुमा हत हैर प्यतः प्या देश न वे रहा

नी मर्डं र हैं र गु छात्र उद है र में द यस दर्शी दे'द्वा'य'द्रवेय'व'वेस' न्दै न्नु न्दः देवं न्ना छेस नु न त्या न्दै न्नु न्दः देवं न्ना छेस मिवे।। नु न के निकार विकास कर विकास कर के निकास कर के निकास कर न र्ट मी सक्र हैराय वह से र पा हैर पश्र पर है हैर रि क्रैट य उर्व रही। इ.र्डर.थ.बुश.च.च.च.स्वांश.व.र्ड्स.व.जा शहर व.रेट.ह्स.व.जस. वन्यायाधीवावाधाविक मुनवादी प्रहेत् पर मुनवास्तर या वस्यावन्या पारता यहूर्तर नेर्पार्चिमाय वामावर्षायाची करलेश मुन्नर हुर रि। वाद मी कें र्व माल र लिमा प्रमेमा स्था देखा हैं सर हो पर से हु हुर पर हो प म् रट.र्ब.र्व.च्य.चु.पम्च.च रू.यम.च.म्र.चर.कुश.यर्व.हुर.व् स्रक्षं प्रमाद लिया यो स हो पर स्रक्षेत् वस स्र ५८ देव प्रमुख पा प्रमा यो स प्रमे स प्रो स प्रमा स दे.ज.चाट.जभ.रट.ची.भक्ष.१.३**८.**शैट.च ला.४.खुट.चाट. य सेर य भेर व यार्ट्साञ्चरे क्विरावाक्षर्णे र्वरर्गु निमायार्भे नमार्वे स्वर्णे विराम्हराण चुम्रायाक्ष्रस्त्रस्ति । पर्विद्रस्ति । पर्विद्रस्ति । पर्विद्रस्ति । पर्विद्रस्ति । नुस्र व'यद'रद'मी सक्रव'हेद'सर्घद'य'र्य्यद्म'स'येद'व। वाद'मीश'व'दे'य' यर मेर पर द्यार। रवह व नि व सेर पा कर मी लेख न न है रहा मी खुवा त्यान्यदः व्यात्राह्म वाद्मेन वेदःमःदःरहः हैदः ग्रीः व्येदः ग्रीक्षः वद्येवः यः वहेदः यदे । वदे वः ग्राहः रहः नीः

भक् हुर सिलामान मेरे निर्मात मान्य हो। असूर प्रवृत्त में पृष्ट पर स्था यदे. बुर र . (बेश च य. दे.ह. केर. भूचा . वो. देश तर . पेश तश पहार या हे . केर. हैं ... लम.वैद् पद्र क्षांचल.बैद पद्दूरतार विवीर रू. खेल.वे. वधू स.कूबे. व् ह्र-'द'लॅट'न'य'र्सेन्स'म से-'पर'ध्य'पर'द्युर'र्स 'हेस'मु'पर'**र**्द्रस्सासी। त्नुर वर वे दर्द से र की नाय हे अह इस वर हें ना वदे दस वर दे स्थाय से म्राया प्राया के वारे स्था के स्था वास्त्र वास्त्र वास्त्र वा वास्त्र केर मि ब रेदे 'खुवार 'वचुर रे 'ले ब। रेदे खैर खूर व शर्र पार पार लेब ব্ৰ'ব'অ র্মিশ্ব'র্ম্ম্রম'র্ম্ম । ত্রিব'বহ'র্ব্র'র দেশ্ব'রিশ'র্ব্র'র'র'র্ব্র'র' क्संयर दह्ना चर चुर पत्रा नाया है सर्वेद व रदा सहस्या वसा लेखा च यः वास्त्रीयाय वा नादः लेगा ५ द्या था दे साम्रामा यापी कार्य दे सुर्व प्यादः बुैश वनार (बना प्रमाने नर सर्जे ब क्या देश मुन प्राय स्मान रे वा स्वत्राया वतुवादाना वस्याय प्रमुद्धाय प्र चुद्रायावद्राध्येदावं बिह्य चुरवदे द्वार्ता। मानु मान्याया यहारहामी सर्वद ୬ଟ. ବ. ଘଞ୍ଝଟ. ଏକ. ସି. ବ. ୯୯ ପଞ୍ଝଟ. ଶକ. ବ୍ରିଟ. ଘଡ଼ି ଅ. ପ୍. ଫୁଏ. ପ୍. ଡ଼ିଶ . ସି. ଏକ. ଶିକ. . . . र्भ भरे. भर. उकर म. च्रारेट अरे म. च्रारेश तेश नर जेश नर जी ता जी ता जी है। दे द्वा नीस गुद वहूर वर वु व दद वहूर वर हुर वदे दि व लेंद्र सु वहूर चंद्रे.बुर रू ॥ भूबा.बु.ध्य तर वुश्व.चंद्र.ली.म.बु.चह्र्र.चर व च.लूब.ल. क्ष पत्र क्षा पर विश्व पत्र खुवा वे पहेंद्र पर विद प्रते हैं।

मुझ. ट्रें केंट. व.ज. लट. हें श.च. श्रम् श्रम् स्मा केंगे. श्रें श्रें रा. हें हे . खुर-र्सा दे:कृद-गुःखुर-स्रेमा-मे:दवद-सॅ दद:इ वदे:दवद-सॅ '**लेस**'दक**द**ः रे अर र नाम हे 'अर है अर र न निष्य प्रति पर ने न 4x'35'5" ्रमेना द्रायते दस यर वेश य द्रापि मोश वहेंद्र यर सु व द्राप्त वहेंद्र यर कुर्पये रूट में स रंद हैर पहेर यारे स्व का मार दे त्रका कुका कुट परे प्येर D. 44. 4x. 44. 4. 45. 4x. 2. 4. 2. 4. 2. 4x. 3. 4x. म्दार्भेर्यन्ते हुँदे इस मान्द्रिंग्या हैन कुस महर होन स सेन हो। मी भक्षत्र हिर ग्री दे भ भ्या दे हैं । है है है ने माल्य में स्पर हिर प्रस लेख ह न वार्सेन्सामकामकर्यम् नुद्रित्। र्ना न्नाम नुप्ताम नुप्ताम **८**देवे चन्द्राच के चक्षक पर मुख्य सेना पहुंस या उक् के लेख मुद्री। मर व व लेश व व ते मार त दें दे व हर पर व व व व व लेश व व व बे के मान मान सामिता सामिता निकार के मान वर्षिर द्वे । अर्थेट वर्ष म्रु दे दे दे हे वर मर्के र य है र प्रेर मर्के र प्रेर में प्रेर मर्के र प्रेर में प्र में प्रेर में प्र में प्रेर में प्र में प्रेर में प्र में प्रेर में प्र में प्रेर मुन्दर द्वास्त्र नर छेर प्रते से स्ट्रिंग नर छेर पर्यो हिरान प्रति । नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या พิ พิรามสัยานราชิรานชาผยปานาชวางางางราพิวาพิ พิรา พิจานชียานชุ้ इ.डे.भ.भूब.ब.बुश चे.च.बु.चाय.हे.चुश्व.त.चेड्रच.डॅंट.च चश्वा.च.इंश.तर..... हुं ची त की ब की अप विदान भी तर्हे रे.च. हे पे. खूं। अहू र.च. बे था तर करें तर. त्युर है। इस भर हैंना य कुर है स न दुर च से दर्द य रे दे हैं। सर्वेद मार्कमायर विकर्पमाय मुन्दि । इमायर हिंगायदे दुर्व व महिंद मासेद

यदे छैर र्सा क्ष यर हैं न य क्ष यर कर यर कर यर कर यर कि यह विषान प्राप्त मा चर्य क्षेत्र दिरा कृषा उर प्रेक्ष च माने का क्षेत्र चर्य क्षेत्र क्षेत्र विकासका चर्या मव्ट.च.दट. देश.चर हेना.च. देश.चर.कर.च. हेर.चर्सेच.चर. हीर। हें नाया भेरावश्रास्त्र सर्वेदाव सामेरावदे से दार्दा देश मुनाया संनिधाया हों साही सुर। इस पर हैं जाय प्रेश पर दास सर्वेट पर सुर ही ইলা এই বুঝ **ৰ ম**ৰ্থই বা**ৰ্ম** এই কৰে বা ইই স্ত্ৰীই মৰ্থই বা ত্ৰীৰ বাৰ্ম এই ব हैंनायासाधिक यहे सुर। सर्वेदायहे नुस्रात्तर हैंनाया इसायर कर् य भेव वी। नाय हे अर्थेट य दट इस यर हैना यद इस यर वेस य हैना हर ही नदे हैं र सेंद य मार्सिंग दें लिया दे निक्र हर हैना में बहुन पदे सुर र लिया नु पार्श्वेस पाया दे 'मारेस लेस नु पार्ने सर्वेद पार्टा। मंदे कुं के क्रूट न मंदर् द से प्रति महन के महन के महा की क्रूप सर हैं ना साम उद्यास नि क्यायर हें ना म से दे प्रति रूट प्रति व विव प्राप्त है । जैद लिया व पर हिर हैं। दे द्र दे हैं दर्द हैं दर केर दे ता स्वीस पदे इस थ नासका य है दे हैं समायर हैं ना मासेदायते विकासाधिक वाहिंग याददाहेशासु वर्रियाय के वहेंद्रायदे क्स यरा ह्या य हम श्राद्वेषायाम नामायाम प्रमान नेमायामहिनाया हिंदा या था श्च्यां नत्रे क्रिट न नि क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट न म

· दं क्रीमा द्र द दे चंद्रे दक्ष चर वेश्व च द्रवा गुर माडिना नु द्रमुद हो। ·अर्थेट् वर लेखामु व दे द्वारायर हें ने या द्वारायहरा या द्वारायर हें ने या श्रेन्यन्ता के निन्यर स्ता नार मी के वह भेर य लेश न य है । अर्थे प्रवेर पर्ये । क्षायदायास्त्रम् दात्रवाक्षेप्तर्भास्य सद्द्रस्य सान्त्रम् वावावावा स्निश्च प्रात्म। वनाके प्रत्रे लेखाया दासपुदादा नादस प्रते द्री। ध्राया लेखा वी.च. थु.च. क्षट्ट कर खेश च. भुटे चट. देहा च. हो। सर्ट्य श्रेस म. स्ट्रें चिटे. तहनाय नार जैन परि है नालक क्षेत्र क्षायर हेंना य केर जैन पर दर्र दें। सर्दि शुक्ष मु तहना पाने र्वा न पान महर्मिक वासन्दिन हुन वासक रिका माल्रानार व्यवस्थाने देश खुन्य उत्। देशे रेमाय वे शत्र प्रति द्वमायर हेना यह दे अर्दे कर्ने म्हें नश्चर प्रमुर प्र के हो नार में के प्र प्र व्यव्य स्वाधाय होना नवे दें के निर्मा निर्म पद्में या दें देश यर हें नाया नावदासर्व पुंचीर तालूरे व लाए के सी वारा नावदासर्व रें र्रेष पद्म लेखान्त वे न यह त्यास्त्राच्या द्वार पर नुमान पर्दे । न यह त्या स्वीता यः ब्रह्मद्यम् मुन्नः च व्रेन धर्मे क्षान्द्रमः यां मिल्यन् सुर्वेनः यान्द्रमः यान्त्रमः स् ख्रमा उदावहूर पर क्रिन पर दे हैर देन देने वहूर पर क्रिन पर खेन पर हैर व र महित्यामा भेतामा है हिरासे ।। महितामा हितामा भेतास है हि हि हि हिन श्च पत्रें भारत हैं मार्थ मिल्य स्थान हैं नाय निव्य निराधिय पर दें मार्थ हैं नाय निव्य निराधिय से मार्थ हैं नाय गुर य प्पेर व हो। नाट मी केंस निर्मा हुन पर मुद्द मुद्द पर मुद्द पर मुद्द पर मुद्द पर मुद्द पर मुद्द मुद मुद्द मुद्द मुद मुद्द मुद्द मुद्द मुद्द मुद मुद्द मुद मुद्द मुद

मानुदायदेश है रेमाश घर्द सदी दस यर हिंगा या सर्दे दु उत्वरे र्वे र्वे र्वे। सुन्म यर द्युर व लेश मु परे र्व ५ दे छेर नाम य पर मुर पा ध्व र्वा मा ३१ मी ख्राया विदाय हेद पर दे दस पर हें गृथा सदे र मुर्ग पर में मा अवस प्रेर'द'क्र'मी'अत्य'दहेँद'यदे'द्रद'हुत्य' हद्। प्राथट'ता स्वीकारा खना हे' यात तहनायानाटा भेर प्रेरी इसायर हेना यदे इसायर वेसायानाट भेराया दे भर दर्दश में अर्वेद पर मुखा येव माध्येव है। इसायर हेंगा न हेंद अर्वेद में हैंद र्षेत्रपर मश्चाहरशामते प्रेरास्या सर्दि शुक्र हैर तु पर्दे थाहे। हे दूर व यस क रें दे मालक थारेक व्यर्गे हो। क्षायर हें न य व्यर् क समुक क माक्षाय दे द्दशाचा त्याम्य स्थायराक रायाम की रायरामे विश्वराम्। दे हे द्वा य लहा हुंस नु न ता स्मिन र में स्मिन ने स मिन हुंस मिन ने स मिन हैं स मिन मिन से स मिन स म मर्चेट्-पश्चेट्-पाद्ये॥ देनाकेश गुर्भ-पेश गुन्य सर्वेट-पाद्या नीये॥ देते'स इंसस क्षेंर वरे पर कर चेर वर्म लेस चु न के सर्वेद व रे दन दिसस यर मेर भारता मुर मुक्ष अवेद न मुर मुक्ष प्रमुद न हैं नाय यर द्वार दें बेश.चस्रमस पर्ते।। देवस.च.चेर्यः पर्यः मह्ट.च.भूर.चस मह्ट च. मानेशानाने पर पर्वेशामाने प्रमान होता हो पर होता प्रमान प्रमान प्रमान वसःसर्वेदः य द्वा नी सर्दस्य स्ट्विंद्र य प्येत ले द्वा रेष्ठ क्षेर.**भ**र्ध्र.य.ज. नार्द्र नद् छेर लेश न न भ्रूर ने अर्थर न हैर है न व नोनार नु नदे हैर वुस प स्पूर्य स स्पूर्य लेस मु नदे र्द्र हैं। स माय से रे द विर से सर्वर

यःपविक वे विश्व प्राप्त के विश्व प्राप्त के समायः भुषु,प्रभूर.ल्. क्षेत्र.त्री। सर्वाम.भुषु,प्रभूर.ल्. पु. क.ज.क्र.भपु.सर्वर.म्रीक. भवा.वी.क्य.तर पुंथात भे वर.पवीर.बुटा डे.रेवा.वी. पक्षका ह्यूर.वर.वुर. यदे हिरास्। हैशालेर विस्रात्य वे इसायर विद्यापाय लेश वे लेशामालह द्रमा सेस्या स् ।। दे १९ दे द्रे दे दे दे द्र समाया सेदी द्रिक सं दी क सा लेश पु वाता श्र्वां शावशा हुँ अप में देर हो । अस्त्रशा हुँ रावा आर् सर्वेदावा ता अ พ.พูง.มู.ผูพ.นิ.น ชู.ฟพ.ป.พชุพพ.พี้ะ.น.พอัย.นพ.นิช.นะ.นนี้.น..... देते कें सर्वेद प्रमाध्या नाम व्याप्तर प्राप्त मुं ना वेद प्राप्त मुद्रा ल्ट्रा शुम्महर्म विवे नु विद्राय वे दि द्रमायवे मळमश हिंद व आर म्म भा वर'दनुर-री। ५२'सुर'सईवश'सूर'व'सर्वे: वस'वुश व'स'फेर्रे । ૬ેલે**.**લીઋ.કુે.વ.ક્ય.કુે**દે.જ્યે.**તથ.ક્રા.ક્રીંતુ.**ષજ્ઞના** શ્રુંન્.વતુ.યે.ત.ત.કુ**ટે.ટે**ટ.ચેંજા. यदे. द्वेर.र्रा। र्य. मेर.र्थायश्चामक्षमा ह्वेर. व. क्षेत्र वे लेश. प्राप्त रे भवशाधिक वायाने दे भूमा अदावा का विष्या विषय के अवा चै.प.ज.श्र्येश प.श्रूंश है। देश.प.पहे.लट.लेज.दे.वेश.प.जाशक्सश. ฐัร : จร : อิร : จ : พร : ริโ त.्रेर.ग्रे.द्वैर.स्। रे झ.स.ल्य.य.य.क्य.प्रम.प्रग्री वाशक. प्नायः नर्ने सुर र्हा। अर्थेट नर्ने ख्राय विद्या के क्या के क् नामका च न्दः मे नामका च न्द्रः मुक्तः न्द्रः सद्दे । अवः न्दः मर्द्रः नदे अवः वः म स्मम

र्श्वेर वर हिर सर छेर। तिर्वेर स्थित वर प्रति र स्था मुरा वर स्था मुरा य अ प्रेन मी देन गुर रेस मीस मान र र से मान स्थान र देन र रे दे केद के दे दन ने क्राय घरदाय कर केद भी काय है कि का अपने साम के का न्ना ने लेखानु माने अवेदान प्र इकाया प्या ने दें। 💎 ना या ने 'दार्थिक कि की सूरा न्याके नित्रकारा करानु त्यात है। ते निर्वेश हु स्टर्ग सर्वेदाय दहना त.रे..क्रे हुनेश्व.त हुनेश.त.ज.स्चेश.तपु. (बुश.वे.च.ह्यूश.हे। हिर.वे. सर्ह्रात्याया **८६ना पार्**टा छत्रः स्रेनासाया २ स्रेनासाया लेसाया या स्माराया हे स्त्रस ह्ये वर्ते। रे.केर.च.म.च.म.श्र्यास.च.म्ब.च.च.च.च.च.च.च.च.च. मार ग्रेश क्रों अर्थेट न सुर नु तहना या व ने भ सुर नु तहना या केन नि ড়য়৾৽য়৾ঀয়৽৸৽য়ৣ৽ঀয়৻৽য়ৼ৽ঀয়য়৽য়৽য়৽য়ঢ়৽য়ৣৼ৽৻ৢ৽ঀ**য়**ঀ৽য়৽ৡ৾ৼ৽য়৾৾৻৽য়৽ঢ়৽ नमः मा ृर्धेम र्यो स्मार्सन्म यानादाध्येतायाने देना मान्य हेना नु विदेश यदे लेदा सर प्रमुद्दा नालक भट लेख स स स्मार स स्मार स स चीया ने ना हे हैं सर् वे केन प्रदास मुना सवे हुन में इसस दर लेख में न वहें दर श्चेत्र मर वतर या भेद हो। व्यर् द अप लेख न पर दे के मर्दे हे केन प्येद ्रिष्टीशागु हे पर पर्णेद्रका स्पेद्रका स्पराष्ट्री स्पेद्राधरा सुरू वर्ते विश्व नु न तरेश व कर्या व निया हो। ह्या प्राय प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय त्रिम देश देश श्रास्त्र अंश वि.स.दे.रे.केर मि.स. १ वि.स. **୭**'ଔ୷'ଵୣଽୖଽ୕୷୷୷୴ୣ୵ୢୖୄ୕୴୕ୣ୳୕ୡ୕୷ୠ୕୳୷୴୴ୡ୕ୢଽୗ ୴୷୷୷ୢୖ୷ଽ୷୷୕୷ୢ୕ ने के दु:चुर:ची:खुन:डक:केन:स:प्येक:यदे:हुन:र्ना ने:खुर:वाक्स:यर:ह्ना: म नुद्र मुक्स मने फेन हैं नुद्रा हु खु य नु र दानी दें ने दिहें स स थे क नु दें न

् णुद**्र**वदः स् ते क्स पर तेश पते हेस सु त्व्दश क्स तह मा पर त्युर ही न्वट संशाक्ष्मसासु सिंट व अट स्नु र केन सा केन प्येत प्रेन। 3.35.33. ୖ**ଌ୕**ଂୟୖୖଽୡ୕ଂସଂ୴ୡ୕ଂସଂ**ଽ**ଂସଈଂୡ୲ ୴ୣୖ୳ୣଌୖୄଂ୬ଈଈ୕ୄୠୄୖଈ୕ଽ୕୕୳ୡୖୄଽ୕୩ଈଂସଂଯ*୍*୴ୡୄ୕ र्वे १६२ हिर हम १५ हम मी खुय उद है दर से की वर्ग वि ृ व भेर भा चुना म लेखा य ईर्न हे जा र् क्विं पर दे भेर म भेर है। यह दूर निष्यानी अभावत हैन न्या प्राची से किया में मी किया में मी है इर द्वर में हुन कर मु खुयाया दहना दा दे इर फीर गुरार हर दर हैं हरा । अर्यु प्रति वा वा वहना या दे वा व्यक्त प्रति । क्षेत्र वा श्रु पा श्रु वा श्रु वा श्रु वा श्री वा विवा श्री वा र हिर मी खुल उर हैर मिट द्वार व स न महिरा थ हैर के देश मार्क भारत ्रिर दे दे हुर द विश्व नु व स्वाय य र्स्स स्वा उद विव संस्था यह हुद य विक नु:च वर्दकावी ध्येदाणुदारदानी खुयाया वहना चर हिंदाचर नेदार्दी क्या ৾ন৴. ৬ৰ ব.ৰ দুৰ্খ এপ.ছেই.এ.পত্ৰেপ.৪.ব.খুৰ্বেব প্ৰান কুনাক**৴**.প भेरपराञ्चावरे के पर जेशयातुन रेशविशन ही पर के पर जेश परोरे शृंचि द्रना मोश र्द्ध प्राप्त के द्रिया प्राप्त के स्वर्ग प्राप्त के स्वर्ग प्राप्त के स्वर्ग के स्वर्ग के स्वर चि.च.बु.भु.च.च.सू.चेंब.चंडू.चेंब.चंट्र.चेंब.च.चंडू.कुंड्र.चुंड्र.चुंड्र.चेंच्य.च में अवर बुना मदे ये ने लेश द्वा प्राया थे में नहे ना है । अहर बुना यदे भी ने भेदाया दे उस दिद्वापर ने दाया के प्रोह्म या भी दारे भी में की र्शे वे ते सम्म दर्द पा हैद प्रेद प्रेद परि खेर मी। अमी १ हैंद परि पद न हेद

उद नाडेन<mark>' नु 'दर्देश' यर 'सुर 'य</mark>'दे'लेश'मु'च'दे' **भ**ेनो 'द**ेंद**' यदे 'यद्ना हे**र उद**'' पर्देश यर मुर पा लेश मु तिर पर्देश हैं। अर हैना स दहेंद या पा लेश मु य वै भी भ यते अद्भुद् हेन पड़ेश सुर हैं। इंद य लूर य अ लेश प्र प्र वेश g:न:य:र्श्रें; य:कै**:तूस:नालश:मी**:नाक्स:पद्रे 11 नाय हे प्ये ने ना हेन पहेंद लेशनानुस नाव र भी केंद्र सर क्यार में। यर से दाय के इस सर लेशना २**ऀना**शःसे**ॱसप्तुदःयशःस**ॱऋ**ॅ२ंदाःभेदःदेॱद्वः**यरःयरःदोद्यःयःठ्वनःनीःददःदसःलेसःठुःवः त्म संग्रह्म । स्रोम वास्त्रीय प्रत्रे द्रम पर विद्याप द्रम विद्याप चीट.ची.ष्ट्र. क्षेत्र तर . जेश्व. त. चीड्रच. रट.ची. लीज. ज. पेंश. ह. ही र ड्रचा. चैंब. परीट. चश वहना पर विषुर व विषे व वरे र्व हैं। दे हर व नाय हे इस पर वेसप र्च निके निके स्मार नर सेर पर सूर न सक्दिया व किर में हिर हो। अब केर **मे** ज.स्र्रे, तसावर्सेर त.ज.खेश.वे.च थे .लश.जबा.चेश.वे.सं.वश.मेट क्र्रे.त.ज । **ढॅर** य**ार्ट अं कॅर् प्रे क्रूट राम इर्** पर अर्थेट न प्रेर के लेश मध्य हैं। डेन दर इस पर विश्व पर प्रह्मा पर किश ये के पर हिंश पु वास स्मार प्रश्ना विश्व मी ... म्यान र्वाकान मुक्तान लीका नावकानी ह्यून सक्षान कर नाक्षेत्र प्राप्त स्थान पर्या। मान्य कें ग्रास दे 'वस द द्व दश पर देस य प्राप्त विश मीरा मानस भ्रवशायहें वर्षा भे वर्षा रही हैना हु हैं के वर व्रवशास्त्र वह दे वर विवा यर त्युर र लेश नु पत्र र्व र्वा । नाय ने इस यर वेश या वेश वा के ना उर

मुं पर मुं पर पेर प्रतायक्षा वर्षा या कर पा प्रकार दे स्टर दे प्रता प्रताय स्वाप विकास तार्थातर प्रेशतात्वि शयात्वि । स्वास्ति । से तहा की शासी । वारा में शासी हो । वारा में शासी हो । वारा में शासी मायाने रेस वलेकन हुं वाया हे स्राप्त हुं वर्ष से या वार लेखा नार में हिना बर दिस नु न व सेन्स म र्झू स स्वा नाय है भी र हेन स न र न स स था था था निवरं ताक्रमश्चारा सेर्परं सुर द अपा र्पट में दे मेशा पर र में खुला या है है प्रेर तहना पर भी त्रार ले का हे ख़र क्षा पर हें ना या नि लेखा नु माया स्वाया म्याया स्वाया विकास स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स र्वट. त्र त्र त्र में . जूब . च्र विट । हे . जट . जिया निवश . ज क्या सारा नुसा यासेर्यये कुर्। रे.स धना पर्वे कुर्रर त्राया प्रसार्व। स्थापानाल्या प्पट वेश य निवर हो 'च' म प्येश हो । दे हिंद गु हैर हो रहे 'हे प् मंशिदशः स्. (बेश.चे.च.बे) कि.इशका.इ.चंडू.ईश.चेश जश । १९.डेंडू. चित्रा देशश ह. पहुर हे . हेश माश्चित्र श्री। श्रमाय भे त्र श्रमाय होश ने. यः के 'या सः गुः तुना यः प्येकः हो। सनायः से 'या सनाश यः सुर तुः यहना या वा सेना में हेस हु तम् 'च लेस न नदे र्र र्र । े रे हैर ग्रे हैर छुम उट च द म्वस यर नुेद पर देर द से र पर नुेद य देश नु य है सन्या से या र्सिन स पर पर्से र यर.यी.य.लील.श्रट.य.थे.योथस य.ज.भुवी.योश.पष्टिवी.तर.पुटे.तस्। अट्ट्रेस्सेश. हॅन्। च र्रा त्राया च केरा र मूच चर्ते सुर। हरास गुरासस च रुसाम दे र स्मीया यत्तर् नेर्नावश्रास्य पृष्ट्व विष्य विषय । विषय मुरा वाका में मेर राष्ट्र पर्मा स् लेश न न वास्माय पा श्री का स् । रो

स्वायायात्राम् स्राम्भेनासायार्गीयराज्ञेदार्थाय्येतात्रा (विधानुग्याते स्रामे) देव विवादा ्ष्या विद्यार हिंद् पुर्वे स्टाम खर केर भेर भेर माने सुरा अप सुरा हिंद माने निहेंद ं चार्त प्रतिम वामावहरावर हुँरावर प्रहें गयर में प्रत्युर रें।। हुँ रेंदरें ं इस्तर्वञ्चरायर मुग्नाक मिनाय स्रेर् पर्य भेरेर मुग्ना मुग्ने रुमेन्स यादरे मि ्यर में में प्राप्त के लिया हुति। ने किर के ति स्मान के स न्तु द्र हुर द्र द्र द्र द्र द्र प्र द्र पात्र। वित पुर द्र प्र ये के या के यह ने हिंग पाया परिंद बारकानी कर सामिक की। पर्ने सामिक महै ज़िलाय हैंने साम से राम हैंन · लूब.नर.वर्षेव.नर.वेश.न भ लूब.ह। भ.वीव म.कूर.की क्रीर.रेट.हिस.न. ्रवांभ्येदायम् विहेत्राधमाठ्यप्रयोद्धेन्नमायमार्ग्नेत्राध्येप्रयो<mark>द्धेन</mark>ामा हिस्स्या देश वना हैर दे खूँब धर विश्वर है। नार दर नार देवर खें है विश्वर मानार थिव याहे वे हैंना या केराय थेंदाहे। देये राव है साय दे देवदाय के निकाय क्षेत्रक्ते॥ वर्ष क्षेत्रक्षाच वरेवे क्षेत्रक्षाच के वेश व क्षेत्रक्षाच व बर्देशके इस्तरे ह्मन यर नेतर्य। देश महिना सामार्केर से उन मी उद् अस्य वहुर व ने 'हुर का क्रेंना या भावे केंस अर्दर प्रमुद्दे हैं। दे हैं दे वे लुंद्र,मीट झैं गतार ट्रियोची चाला खुंद्राची चाह्य हुरी ट्रियोची चार हुरी मु से दसमाश यानध्व यानार व्यव च दे व्यव दिर मानुन ये व्यव विव लट. प्रेश स्था लेखा मुन ता स्विषाचा झुंधाचा ला नाइन केंग्रा गु । मुन पर ष्प्रमालेश मु:वाके ख्रियां वर्षा वर्षा मान्या ख्रुवा वर्षा चेता खेला वेता विवादा है। मान बुव य भे दि। विश्व प्रदेश व क्रिय पर देश प्रते प र्दे इर दे न्य ग्रेट ब्रिंग्य के विश्व के विश्व

य उन मी दम यर हेना य ही य हैन केन हैं। दम यर हेना य के दम या नहेंस है। इंब.मे. हैं के के ना रहा है बारी नहीं के वार है के वार हों। वर् तास विदाय तामदर्ग दे देस पर हेंगा य दे तामविद्याय पर हेंने यर हैं न व वर वहें न यर उद व प्येंद्र यात है स वस गुद सूर दिन हैं वि वहें य न'तहर्राच'अ'भेद'र्वे 'हेरा मु:मदे'नार्द्र'क्रेंनारा'तर्दे सामुच'मर'दमुर'र्द्र ॥ दे कुर.चर्रेर.चर.चे.चपु.कुरा ट्रेड्र.वे.चुस.च.खेस.चे.च.ज.स्वंश.चस.श्रेचस. विक्रेरामराबेरार्दे। क्षायर हेवायते वेशासार्द्र सेशास्तर्य केर हेशानु व बे इसायर हैं न यदे जे साय दूर वहे व से द व है र हैं। व व द व वह हैं न यहे वयशास्त्र ताक्षेत्र पराहें नायदे मुरासे वर्षा राष्ट्र से वर्षा वर्षा वे विद्या व मा अर्थान मुर्वे व तर विषय । या मा १ १ के दे सा मावा मा प्राप्त के वर के विषय । इस.चर.र्र्वाश.वर्.र्था.चर.पुंश.च.ध्.वुंश.च.ज.लट.ल्ट्.चर्.वुंर.र्.। वुंश. वादना मीश ह्याद्र देव मी पद्मे यातास महताव लेखानु व नालक मी नाहक केंग्रसः शु नहेंदे च स भेव वस व नहे विषय दि स्थान के स भेव वें लेव। पद्गार्थ्यत् संस्थित् हो। पद्मान्द्रम् क्षेत्रम् देवानीः प्रतेशः वास्तान्द्रम् वादेश्वे देवानीः पहुर्यः यपुं . धेयशः रेटः येण च. छेरं . ग्री. स्त्रीर ह्या व्यादायेणः वास वहार वेरानु तर्र वे वयस न्दान्य केर पहर है। वनशास्त्राचुरावरी क्यायर पर्धिर यरी क्यायर जेश य प्राप्त स्थायर हिरा क्रीक्ष वः में नदे सम्म मुना पर हैं पर हेंना यदे हैं पर मेक्ष यादा से स्वरं पर हैंद ह्र्य तर प्रजीर रू. (बुश. धला. प. प्रश्नेयश. प. ट्रे. ल. चीबर मीश था. चीय. पर पहर्रे...

यते हुर। ग्राने वर् याम हार वरे प्यार हेंबा न व या स्ति या ह्येंबा स्ति। वरे श्रे र र विश्वाच र ना त्या स्वर यह वे ववशा शु मुर ध द्वार पर र मुर्द पर र मि र में पर्देर् यादे वश्रा वश्रास्तर दे दे प्रमानिक विकास विकास विकास दे विकास देना विकास विकास विकास विकास विकास विकास दवर व ते वेशनाद व के दा ग्रेश दुर्ग या देश ख्रम या के दाये व देश खेर । रेत वस्त्र विस हिंदा वास क्षेत्र के लेश महत्र पर विष्टुर हो। हे से र न रेपट च दे नेशन्य र चुर्न धर चेर य हेर या हर यो नवर्ति था उन से के कर साम वहेर या रे होर 2. Lat. a g. ya. n. ann. 22. Lat. gl n. gl. m. a. t. z. na. uz. याक्षेद्राध्येत्र वे वे सायम् दाया मुन प्रते स्था प्रते स्था दे दे ष्ट्र ह.कंर.टु.ज लूट.चर.ज.श.वेट.च.बुब वे.च.ज.श्च्याश.च.श्च्रुंब श्री वस्त्रीय. त रेट.रंगचे.त.रंचे.म.पंपंत्रंजाय.रंट.पंजाताचाम.पश्चिव.तंत्र.ह्यूंट.ह्य. खेंस.चे.च. र्वट वे वेश याना प्रवेश या दे वे हेंना च सेर् या भेव वें वेश चुन य.हें। वस्त्रेय.तर वि.य.इ ल.पचेंत.व स.चहेंय.तपू.हेंर.रेट। वीट. न्वर सं दे वेश य के कर मेरे के हिंग य न्द हेश हु त्रेय मर द्युर य के के लेश.वे.वरु.रेचेच य.वश्चैव.वर.वे.व.र्.लापचेत्र.व.भ.वश्चेर.वरु.ब्रैर.र्.। दे त्यस मल्द वर्ष द्वरे कृद्रभादालेस व व व दे वह भावा व दे द्वर व ते देवर व ते ते से सार र्हेना वासेन या हैन वसून वर्ष न व नवे हैन केना हिन यर नि हिन यर है। मावै ता श्रमाश च तहें व मार्थे व दे से दि च उ व मी हुँ र नते क्या च नरे दमाना च ... ब्रु लेब पहुर प्रति हो । नार में हे दे हि क्षेर पा लेब पी पा रहें में स्ति र्श्वेस स्था वर्गा हैर है है न वर्ष है र वर्ष है से मु व मार्स न स व ।

보결리'라도 NE.다하나보집리.다.용 다고.화옷하다.나 등자. 문화. 구시. नुकामर्केक वायोक के। दे द्वामी यहेया वाया स्वामा धालेसानु वारी द्वापा याद्राद्रभुवादारुद्रभुवाद्यमुवाद्रभुव नाबुदःखनाशःशः**श्**नाशःयः हेः वरः सर्द्धेदःयः वेश्वः ग्रुः वरः श्वरः हो। इटाइम्पर स्टिन्ट केंद्र याचे दिटा दु ख्वा लेखा सु । या के वाखादट स्टिन हु दूरा (यस:द्राःहराःगुःद्रे:पश स्व:द्रश्नःप:२ले:य:२ह्रव:च् ले**गः**वल्द्रात्रस्य येदःपद्रः हैर री। दे नब करीन बाल संनिष्ठ पान विते हैं हिर क परे के रीन पान की व्यालेखानु वाया स्वाका प्रसाद्या र ने दे दे दे दे हैं। र ने वाया वाया स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्व ड र दे दि ख्रायायश्च द्रायर से प्रहेर या द देते प्रवेषाय प्रहेर या अट द्रा रेट नु नश्रीदश्राच हैन भी ब हो। हे हैन है दिल्ले च हक व नि न न न ने न सेद्'यरे सुर र लेक नु व र्र्स्य र हैं। दे अद लेक नु व के ह्यू रे हेंना पर्ता <u>ૄ૿ૺૹૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺ૱ઌૺૺૺૺ૾ઌ૽૱ૢઌૹૺઌ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱</u> भव द् . बुंश चे च का स्वाम वार हुमा न हा मा भव क् के के दे के की स्वाम रुवा वे निया में ते भी वाया प्येवा लिया है या मु द वे विषय में निया के निया के निया के निया के निया के निया के द्यदाचे दे नेस पासुक्षें द्रात्माण्याद्रमाधराहें नापादर वहमायामाभेगाहे। तहमा प्रावश्चा हे**र** थ'त्रे क्ष'में अ'गुर प्रवर वे ते क्ष' व हे**र प्र** वसायाम प्रेन हो। खुमाने पते हें दसामस हो न फ्रेन परे हीर नहा। नुस निवर क हूर्य त. इर्र. तपूर हिर ह्या लाट के हैं . से प्रति . प्रति . हे र तथ . ब्रेस.

वमा पह रेन्द्राप्तिर पर त्या स्वीका या प्रह्में प्रते हैं सामी सा प्रह्में प्रति। नाय हे कुष्र कुर रवह स् तु तु श व व हमा व स त्ये हे हो हो हिर य दरे द स मुस द्यःरं यक्ते. यर विद्रा चोवर मी. रूपाश व. रेट. त. यक्षेय. तर . एर्ट्र. तश हं श शु तर्त्त्राच रक्षे मु क्षे कर च लेख च च च व र्षे न्या स क्षें व र रे ॥ ञ्च द्रम्मस्य प्रतर द्वरा ञ्चरामस्य मान्य विद्याप्त विद्याप्त य वै.य सद सार्श्वाशायार्थे। दे.र्वा.रे हैंदा यह दूर हैं विश्वास विश्वा दावादाय दे द्वा की खूद व र्ष्यू त दे त्या दे अद हे सा मुद्दी क्या स दूद न'याट' वा र्श्वन्यं य वा नास्त्राय दे हमा यादिये हे सा सु दे तु वा स्त्रा मी विश्वाय है हर यर देश न'भेर ने चुन्द्र महारा व वहार दिन पदि देन से गु इस वर्के संपीत वॅ लेशन्त्रवरे दें दी। देने दे के के के दे त्या वायदानी मार्देना दट लेखा निक्षास्त्रीयस्थयं वक्षर्वत्यः चेत्रयः य। मिर्देन् न्दः द्वीवसः लेसः नुः व पर्श है नश्य पर इंदिय उद केर पर्य पर र्मे स्वीय से से लेख में में में में से से से से में मु न ल र्सिन्स प्र ता ते स पहे चर्ना हेर प्ये क क पर ना ह गर रहत हिर न मानसा मक्ष्यामाध्ये देव विकास माने देव हो। से से में इस महासे स्टार्स मुद्दा से में मी खुयाम्बर्य वर्षे में विश्व विश्व प्राप्त हो स्थान के से मानी क्या वर विश्व मक्ष्मुकानाह्यका नके दें ने निम्पिताय है नक्ष भारत्य पर लेखा के नके दे ही <u>ष्टिन्स्तर देवस दर से ने बेड्स यह टें जंड्य में वेस व के ति देवा</u> न्दान्तियमान्दाञ्चनि न्दान्व विवास्त विवास विवास विवास विवास विवास

वैदेश द्वेष या पहित या रे प्रवास प्राप्त का स्वास में प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प मु मै रमेन्यायर्गा विर्नेन तार्यन्य यते द्वार यते व्याप्त राम्य या यत द्वा व्यानीस लेखानु वा के ह्यार पर्दर या मि द्वा रहार ने वस रहा ह्या है हमा त्तांश्राचर श्रीट.च.जश्राचोश्राचार्यु.टू. चू.चि.टूचो.ज.हूचोश.त.व.चं.चं.हची... में इस वर में शबस महित वर मु व मार प्रेश या रे दना मीस लेश मु वरे रें रें हों। मेशन दे हैन है ने त्यक्ष व न्न पति निक्षा परे दें वें च क्रूट प हैन प्रेन हें लेका वि'चर दर्वोद्यास्त्रा वर्षे द्रायावर चर्चाया वर्षाया केराया वर्षाया केराया वर्षा दःवेशनुः नं वे मव्दर्भे । यहाँ र या यहा न वे हिशा शुः द्यमा या प्रेरायर । यहाँ र या हीं । क्रिंश कर मानुवाय में क्रिंश वहताय भेर के लेखा छाता के ह्राय साय में साहता च लेश छ न दे सु च ने दि र वें कर मी से क्या कर के दे न वें दे व है सि दे न विकार वर्रे इस वस सम्बुव व हैर हैं। हैर हो। सेना व के नु वरे वे सेना वर्षे। दे निवेद रुप्तर्वेद निवेश मुन्द है होट ने दुन न सर्वेद निवेदी। दे दुन ৡ *ঀয়ৢ৾ঽ*৾ঀ৸ঀ৾৾৾ঀ৸য়য়৸৸ঀ৾৽য়ৢ৾৽ড়য়৸ঀ৸য়৸৸৸৸ঀঀয়৸৸৸ व र क र मी र र कवाया व र द वाया या वाया व र र र वा वे दें।। माय'रे'उँदै' ब्रुर . ७. थ। टे.ज.लय.जमा.कय. ७ म.चे.च.च.च. श्वामा.न. ह्यूंस श्वा टे.वर्षिणान. रुषः मुः रः तार्श्वेरः प्रदे । यात्र वाया । यात्र वाया । Bिट. तर . क्व. टे. ट वैट. चत्र. क्षेत्र. का कुट. वु. क्षेत्र. वुट. में यू. हेव. लुवे . में . लवे. लवे. क्व. भी इस दे स प्रेंद दें लेस पहेंद धर त्युर रें। विन देन देन देने सुर प्राय

लेखानु न म स्नासाम र्र्ह्मिति। हुनामर नेनाम हैनाम स्रीताम स्नाम स् तर प्रत्रेत्र.व. वे.ट्रेप्ट्र.क्स.व.लूट्स.सी.वीर.व.टच .प.बुंश.वी.व.लूब.ट्री क्रस. दुत्रे शक्षेत्र नाट के शक्षा सु दि दा लेश दु वि दे दे दे हो। य तार लेश क्षा सुना प्यत यनाः इससः इमः करः रसे नासः शुः सेरः खेरः री। यः याः याः यः विसः नुः नयेः ह्य अदःमी वर्षेर्यः वर्षः २.५ मैं.चोर्बर.चर्डर.लयू.स्रुर.४८ूर.च.जट. म २.७४१.चे.च.स्रॅस.स्र्। ৸৴৽ড়৻ ৸৽ড়৻ৼড়৻৽ৡ৴৽ৡয়৽ঀ৽ঀ৾৻ড়৴৽৸৸৻য়ঢ়৽য়ৢ৾৾ঢ়ৢঀ৽ড়ৢ৽৸৴৽ঀৢ৾**ৢ৽**৽৽ मर्शा देकिर मुक्ति स्वेस न होता व साम स्वर न न न होता न स्वर में र्निषः सः मधुः चरः चेदः रे ।। र्देशः निष्यः मुः नेष्यः मः स्वाधः सः वे त्यवः भेक्ष ने जि.मालक के हेक अस मालक यह ना यद सक्क भेक हो। त्यार्देव माल्व मी हेव प्यर्पाय वे हेव उव प्येव त्या रे व्याय माल्य मी प्राया प्याप्त दे व พูब.जा व.क्षेट.प्रेट.लुब.बुट.रुषु.ब्रुट्र.लेज.बुब.चे.चर.कूच.क्ष.चर.क्रैर. र्. १८६स.च्याट.ज.जुस.च.वर्षितात.भूट.च.ट्र.ज.ट्र.सट.कुस.चेट्रा खेशत्यामार्ट्राचाराष्ट्रित्यर के हेशाश्चारम् चित्रक्षाले साम्या वित्रामा तर.पर्।। श्री.प.श्चीश.त.ध.रें..तप्.मिर.तर.चीय.तर.पंचीर.स्..बुंश. व. न. बु। ह. श्रद. ने. न पर. चप्र. चीर में कू चारा की स. श्री. च. स्त्री स. चर्रा विद. वर इस अस व दर् वर विर वर वीव वर प्री रहें। रे हेर व व वर

स्बेशन्तरमुन्तरम् नेशायरम् । विद्यायरम् रूरे रे ।। दे.पा. लेश.चे.च.पा. सूर्याश.च. वु. चीच. चर्च. भवर रहीं च. पूर्वे ।। न्द्रिं त्राप्तकाष्ट्राच्दर् कर्षा रेन्या वार्याकाता वे के न्द्रिं न्द्रिं न्द्रिं न्त्रा वार्या व र र पा उन वि । र वे र देश ये प्यक्ष व र र पर लेख व पा या व प्यक्ष प्रथ म भेर हे लेस मु व ते सर न्तर्मार प्र मु व र दि सर दि न्य र दे न्य स सर हो द पर । र्ट्य. त्र्रं हेंद्र. तप्र. देवेच. त. य. य. य. य. । इ. ह. परेचे. त्र्रं पर तर्याः **ढ़ेस.च.च.**पारचेचे.त.पकट.च.भुर.तर.लट.ट्र.॥ वीर.ह्य.त.पथ हेस.चे. नःमा र्ह्ने देश देश पर क्षेटान उत् रह्ने पर्ने पर होन पर्ने गुन हिन पर्ने देशः र् विन्नाशाया दे गुदा हिंदा यह रे हे दे ग्री हिंदा दशायर हें ना यहे ह्यसं यह न्या यदे 'सुर विसायहर्त हैं।। दे अहर हुन य दर हुन य उत् सबः दुवः तर्वेयः वदे म्वसः भ्रवसः ग्रुः विनः धरः ने यसः ने व मावरः नुः व ग्रुः चः सः ः ः लेब ता ही वराव मुरालेदा। देशालदार मी सक्षर है रालेब परे हीरा हुते। घःह्नन् णुः कुः सः भेदः ने। प्रदानी सर्वतः हिन्दाना स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप ल्ब्.मिट. हे जानावंबा श्रेयंबा नावंबा हैं हैं तर् वंबायर होरे तह वंबायर हें वी तह ह्य :क्षे:पर प्रमुर त्या रे इंदर य ह्या यह नाम प्रमे हे विकास की साम है है ही है चर् मी क्षु 'येर मी । र्मुन पते रूट मी सर्व रहेर या नहेर म के साथे के बें। नेते क्षेर न्युना य उन मु प्रकृत ग्राट क्षेर या मु ने देश में प्रकृत या मु उन्यास गा शन्त्रपाञ्चितः परः चितः पर्ते । हिसः श्वान्तवा पर्व्यत् य सः योतः वे विसः व ह्याः

चर द्युर रे ॥ दे १३९ देश दे द्ये स त्युर धर लेस तु र र से व्राह्म श्रुमार्ग्रा दूर्यास्यापटा प्रवास्यास्यामा ।श्रु स्मर्याणा ।श्री स्मर्याणा यु:वात्मार्स्वासायात्वा पूर्वासायात्वाद्यात्वाद्यात्वात्वाद्यात्यात्वाद्यात्यात्वाद्यात्वात्वाद्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वा हुस्र द्वे वर्षे । दे द्वा वहूर् यर हुद् यर हुद् वर्षे हुँ दे वर्षे वर्षे द्वे येदान वार्सन्मारावि स्त्राह्माह्मार स्त्री। स्त्राह्मार्स्य वि स्त्राह्मार्स्य वि स्त्राह्मार्स्य वि स्त्राह्मा निधायाया देवे खुया हरा नु पर्दे पा के दे गु खैर हैं।। हरा दूरा न्दर्भा समार्गा हैर्मा हिर्मरर्गा वर्षेम दर्भात्र त्राताला निर्म त्र दे मुक्षा पर्म प्रते स्ते मुन् द्रम द्रिम द्रम दे दे में दे में दे में विमर्श उद वहेर् यदे दर देव उद के वे । दे अर हे अर हे अप वर्षे प्रे क्रिना मो द्रें र से सं ता पहना सब मुर र र ।। जुर पर उद प्येद हैं लेस नु य है । तर त्याद लेवा ल तहना सरे सुर री। वाय हे अहा विहास साम अ यना उन मी हमारा प्येन यादे हिन्दा प्राता दे दहरा में केंद्रा प्येन हे खन यहे रदःचल्वरक्रेदःर्यवर्षे रले व। देते खेर ख्वरचाले घानु चाला संवास चार्झ्स सी। क्षुर रे लेख नु न ता । वह न नह स दे नावर नी दर्द प्रस प्येर न र प्येर वा मार लक्ष हे ता नालक कर वजहरू की खेर व लेख का वि वदे खेर कर लेंद्र वह वर्चेर-र्रा ट.स. ४.७४.च.४.घट.च के.सेट.च सेर्या र्श्वरायानेक यापटार्व मीका वहारायाप्य रहे। दे से दायर सु से तहना

नेम'य इर्ष पर चेर हो। वर्रर नेम य तर्वेर य तर्र च के के के के बिका नाया भटा स्वाना प्राप्ते का ने । विकास मानिका प्राप्ते का का प्राप्ते का कि स्वानिका स्वानिका स्वानिका स्व ततुः कुरः नदासम् हेश शुः प्रमू त उक्त मी मुं १३६ : ११४। मुं १३६ : ११४ व मा र्ष्य-गात नु नहनास न स्मिन न प्येका कर है प्येन स म प्येक के लेख न न ल. ध्रुचीश्र मा.को ् ल्यूचे २४ कुर्जे दे ८८ किटा है है जे से संसीश दा है कि ले ब वें। प्रिंत नव के व वें कि दासी के दासी का राज्ये हैं के कि दे के मिट व बहसा की खेट व.ज धूर्येश.व.रेत्य.ज.ल्र्स्.व.भ.क्रु.ब्रु.बुश.व.च.वर.ब्रीर.स्री विट.वज्राक. मु मिर व बर्श हिश मु मा स्विध मा स्थित स्था स्था स्था स्था स्थित सर से मेर यत क्षेर रे लेब नुप्त के मन्द्र सदी मुद्र यर के दिवा के कि सा यदै म क्रुन् हे पर पत्रम्स य उन् ध्येन ने लेस मल्द नम् क्रेसस हो। माध्येषः ब्रान्तिशः नह्यः पत्रेः सुर। नाव्यः तारमः नुः नान्यः पत्रेः द्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये र য়য়ৢঀৢঀ৻ঀ৾৽ৡ৾৾ঀৢ৻৽য়৾ৠৢ৾৻৻য়৾ৠয়৻ঀৼৢ৽ৠৼ৻ঀঀ৾ৼ৽ঀ৽৻ড়য়৻য়ৢ৽য়৽৻য়৻য়৾ঀয়৻য়*ৡ*৽য়ৼ৽৽৽৽ पर्नोर् धर नेर हैं। वनाश र 'लेश मु न पर पर पर पारश में कर केर चुट.चु.उर्ने.च.रट.कंर.च.हेर.कु.ची.चाटल ज.रचाल.बुल.चेर्न.बुल.चवर्गामश.जुरे. रे द्रन ल के हरा ल लेंद्र या भेक स के विष् विष व के के हिन द्रन 토선 교육비 씨. लेस.च.च.च.च.च.पटा। रहूम.म.स्याम स्वरं भटादे र्या प्रका

क्र-भ रभार जीवा मी त्योवाय भर । यभ में वि यक सम्बर्धा य

दे : इर : वेश यः भेर क : अर । व : ५८ : घ : ५८ : से ५ ईवा स : छे र : वेश : छ : य दे र अ है हिंग्स हु पठद पते क प्येत य। दे है है दे दे दे प्या मेर्स है प्रा है प्र है ् लेश नु न त संनुष्ठ प्रशास्त्र सुन्त्र शृष्ट्य अ के नर निर्मेत्र क्षा प्रकर पर निर्मेत्र । क्र प्रत्रक्ष तु क्रे पार्य प्र दर्भ मेर् पारे द्वा नेद पार्य पेत क्रि नु पारे वास्त्र । न्ते हिर्मर रे र्ना ने त्र्र र तुर्मर दे ते ते स्व र रे र्ना न्य रे न्या स्व व रे र्श्राच मान्याच विष्याच निष्याच ब्रेन्य हेन्याध्यक्षित्वे वर्ते। इन्निम्नेन्द्रेन्याध्येन् वेषानु न वे क्यू सक्त मुं वर्ष चर्या रेक्षेर मुं खेर विवे रे हेवास चर मुं सक्ष रे रे लेस निवस क्स पर त्मोवा पर ने रही। दे लस मीस द्मानी दें के लहिस ही में हैं नस यदे कुर दे द्वा मेश देश नु य श्रम् स ध ह्या है। श द्र य श्रद् व अट द्रसं च दिन्ना ने सं दिन के देन के ने देन से हो से दिन प्रति द्रवट में दे क्षायाने न्या क्षेत्रायम केरा केषा का यव दे दे दे हैं।। दे केरा मामाय यम का यव दे ब्रैर। दे.रेबा.धु. बुस.चे.व.ज.स्र्र.व.श्रॅस.टे। टु.से.वेर.चेर.वर्.चेस्य. य इसका गुरा विकास क्षेत्र या क्षेत्र या दे द्वा दे मादा नीका च द्वा दा का का या विकेता हैं ते यः श्चेदःयरः भेदः दे लेखान् न वे न सुर पदे देव प्यवः विशेषा विश्वः यात्रः इदायासेदाय लेखान्यावादी के देवासायरानेदायदेश सामार्थे । देखा नेदायसाम्बेमानु लेसानु प्रायासम्बद्धायसा हुद्दापर नेदा देवा प्रायासा हुद्दापर नेदा है। देवा प्रायासा हु

देशश अंतुर च लिश ये.च.४.चशण चट्ट प्रयंश ये.देशश.सू.। নাউনা' र् हॅन्स'यरे'कु'भे'खैर। वि दे'घर्र'सेर्'य'भेद। वि नहेन' मुं'भे'दर्स में भेस। । नासक'न इसस गुट में में दर हेस नु न देर नमून बेद्राय केद्र कुँ खेदर स्था दे प्रवस उर्द्र केद्र वर्षे स्था है सावर्षे, खेस के या है सावर्षे, खेस के या है सावर्षे हेर्मांश पा ता स्वान्त्र स्व त्रसा नु उदा दें।। देवे त्र शानु उदा सा प्येत पा देवे दे प्रत्यक्ष उत्र सं प्रेद हो नाट नीक दे स् वुर नुर प्रेट पर क्रिका सा क्रिका हु। ह्यात्र दस्य पर नेस पर क्षेत्र के के दिन म भेर के ने द्वात्मः हे हेश्वासुः तर्जे व : व्यद्धाः निष्यः । वस्य क्षात्यः व द्वारा निष्यः । लेशवा अका मूर्या पर हेर्ट्या ने स्मायका के द्वार पर से स्ट्रा व्यक्तकात्र क्षेत्रवाद्य विवादाणेश वादेवी वाद्या हेत्र पु वाद्या भेकाते । व्या य दहारे ख्वायकेश रूप या केर सके खेर हैं। रे दिर दरे वनाय में बेस ૭.વ.<u>ફ્રેન્ટ્રેન્ટ્રન્ટ્રન્ટ્રવ</u>ાલું કા<u>શ</u>ે. સંજ્ય કુર્ને શેટ. તો. જોજા. હવે. કુર્ને ટે. તિજ કીરજા સાર્ય કુરું र्भे । भुष्टिर रे भ्येन व अप्योव हे विश्वाचाव वार्सिव अवस्थित अध्याद विद र्देशः विश्वस्य में अळव के र वह र प्रते हो सम्बन्धा पार्टेश र्ये व्यापान विश्वाप इमा प्रामार्वेद पाया देना पाया में दें लेखा मा प्रकारी। भ्राप्त प्राप्त मा मा स्वाप्त हुर मुक्कान वसमी जेश न से से नह होन्य हु के बाद दूर जाता से नश न अर्थन सम् तान विक्र में के हैं। हे के खेरिया व्याप क्या माहर था। हिना या भेदानामान हो मा अवस्थित । वि से या शे रहा नी सकत् हिन शे रे रहा ने दि न्यसम्बद्धाः सम्पेष्ठः न वे स्त्रं स्त्रः देशः ववे स्त्रायः मृद्धाः विद्यान्य स्त्रायः मृद्धाः स्त्रायः स्त्रा

नाक्य.त.र्ट. मुख्यक्षर, कुनेकी, करकी क्षेप्र सीनीर ति चोट लिय तेन्त्र, सु हूँ त है। प्रेश्नी ता अका प्रकेश कुर्य तप्राप्तः कुर्त्य है का वा बुरड्रामा सि खिका र दिशकी कुर्त्य से कुर्वा सर प र्केट्टेन हिन कार हिन्द्र्या १००० दे केन्द्र केन के स्थान हो है र व सुख र द मी हा हर है है मारेना स मेर क्यार लेश कुमरे रेक्जी हैं है रेक्कि के के मी रेस में लेशह मिन्त्रमें स्क्रम्यक्षरकद् वहर केर्यूमा अविस् केलेक्ष्य वा वा वर्षे के संगापर वर्षे में य.धु। उ भट्स.स्यामस्यानस्याच्यानस्याद्वासम्यानाः प्रत्यान्त्राम्यान्त्रा नंसर्वेत्रायक्ष्मभाविद्यामदेख्यायान्त्राचा नहोत्तः क्षाःश्वेद्रावक्षहेत् वास्तितः क्रिया विकास प्रतिना माने स्विक्ष प्रति क्रिया है। स्वी देवा क्रिया है। यह है। यह है। नुक्रायस्य दे वे लेश श्रुम्पूर्व रेंग के हे हिम्मूस्य वे हेने स्वी मुक्स पंकरक्षेत्रस्ति वर्षावस्य स्राप्ति स्रोति विवाद वर्षात्रा कर्षा केत्र कुर्मित्य प्राचीस्व श्रीसंस्या हिन्द्र वे क्षरम्पुर्वक्षम् मिन्ने स्थानियम्पित स्थानियम्प्रमिन्ने स्थानियम् दिविकारकोर लेख सूचा के इसे पान्य अधिकार हुने माने माने स्थाप न्द्रस्क्रीतिक्ष्रभावाक्ष्रेतत्र्वाक्षेत्रक्षेत्रहे.हि. १४ नेट्रसंस् क्य तहर त्र्युर्यालेख लिया हर हिता हि दे रे स्ट्रिस हिंग क्षा स्टर इस सम् सर्वेन्स पर्वति स्ति विक्ति । स्ति क्षेत्र स्ति स्ति स्ति विकास हिन्द स्ति । स्त्रीक्षान्त्रीक्षित्रे विक्रिक्षेत्रम् स्त्रिक्षेत्रम् स्त्रिक्षेत्रम् स्त्रिक्षेत्रम् स्त्रिक्षेत्रम् 東京小學 智知、口信送教、知知以自思知地反於起、美私田、安林出野的、马山、安全地

भ्रद् नुःक्ष्यः द्वः नः न्दः द्वाः चरः नुः नः नहिनाः नुः नुसः दस। न्द्रः सः वः व दहनाः तर.वेर.व.८.के.वर.वीर.वपु.धॅ.बोट.लप्र.त.कुर.तर.वेर.ट् ७४.चर्चर.तर.... विमुरारी इस'यर हैंग'याय नाइस य दें दें मी नाइ गरा वह दें सी रेंप नुःब्रुटः वः रूट मी अळ १ के दे प्रे वे प्रे के दे माल १ द्दश्चान प्रतास प्राप्त निम्नुसान द्वान सामिन द्वानीसानुः रूजा मी रेट्श स् में पुर पहेंदे. यर विश में स्थापर प्रमीर स्था । विश यर हिंगी. মক পাৰুপথ নজ্ব নিৰ্দিশ মান্তিৰ ক'বৰ্ম নিৰ্দাণ নিৰ্দিশ নিৰ্দাণ নিৰ্দিশ নিৰ্দাণ यश क्षे र्या द्वेदे वहर्न पर नु वर वर्त थाया हिन वर है लेगा वर्ष । वर्ष गुद्राभेद्र या सेंद्राया प्रेक् कें 'बेस' चु' चेदे 'क्यिं या दे दे हें नास या पशु क्या । हे द्भर द लेश मु न व से मारा म हूं स से । वे रे अर द द सम पर हें म में ना ना हर पकुत वे इस वर हें ना नदे र एमी टें चें अका व ददाया सेदाया केद की कीर इस सर हेना यते रदानी दें ने प्रतिकृत निवान का या हैन प्रोदा वें। र्च्या पु^{र्}यहेर्<mark>क स</mark>र्पर देव मालक यश खूँचा य मार छक या दे के प्रष्टिया यश प्रश्न स भैदार्जि। यमुभायते नवदामीशामुद न्द्रशार्चि द्रमायराविनायासाधिकार्दे खेश मध्यायर विचार द्री। दे कि र ग्रेसिया असी या में बारा में बी शाया की शाया की शाया की शाया की शाया की शाया की र्देशनी नान ने रायरे प्रात्तिका रहा ने द्रारा के भी के विष्यान ने देश पर हैंना पद्मे ब्रूट व र्व नी क्रम यस थे र्व में द्व नी नु व क्र वर्ण प्रवित्व वर्ण व मेर्'र्रा। र्रेन्र्न्य पर रेम्ब्र्न्य प्रत्र्विंग्य मार्थेन्र्रे। लेम्रानु य

व्यद्भार व्याप्त व्यापत व्या महर्निम् नु व के जिस नु व के नि व नु व नु व नु व नु व के नि व क ब से दे पा है दे हैं । जा इब ही श्री श्री पुर दे पह से हैं दि दे ते दे दे हैं । रम् न पाकेर द्राप्येर या साम्येद वे लेखा न पर प्रमित्स वे । प्राप्त माया हे **इस यर हेंन्।य** दे रेंद् क्षे इस या **यहें**द् यर कु व क्षे रेंबा क सेंद्र या सकेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र गुः दे:वेशय हैर गुःर्द्शयं हैर भार या दे भर सुर वहर् สูาลาสิามาพิสาสาราสมาส ! ผูม สัยัฐานราสูาสารณีมาณักดิราฐานสูรา र्रे 'ले बा देरे 'कुर दे 'कुरे 'वहद्गायर' व व के माय्येक के 'लेश व व व क्रिंग यद्रवाकेद के मुद्दे वहूँद वर मुन्द के संध्येद है। रद वो सहद केद वा मुन्दे से <u>प्रमादित्यते हुर स्त</u> न्या हे इस पर ह्ना वते हुर पते इस पा हु स्त्र व सेर य हेर के हैर । रे वॅद में र दर कर वर वह र यर हुन स से वर यर म = ५ ग्री वह अदामा से हे रदा मी महंद है र भेद यर केर हैं। दे ७९.मी स्री.स्.मी.चाश्चाताचा**द्यश**ावहूर्तत्वराची.व.**लुश्चावचा**च्याद्वाताच्या व्यव वें। श्वे निर्देश वेंर गुर प के में पर्दे ने ने वें भी वें व सूर्य नहें पर नु न के प्रेक ले का र्क न्म नर कर नि मुद्द मे द दे लेख नहें दे । दें क इ.केर.४.स जारा वैट वर्य.व.सेर.बिष्ये वेंत्र.वर.जारव वें.चेंबेश.च रटा हर द्रम व हिंवा य हुई पर ने ने व सक्ष य प्रम है जिस पहरी व हिंद न.मै.पश.चैर वर्ष अ.केर.वे परिंतावर् र्यटाचेश.लेव.त र के.के. বাৰিৰ বু'ল্ল'এমাৰ্ম'এম ইব্ বৰীল্ল'ল্লি'বি লুম'এই'ৰ্নি'ৰ উব্'বু'ৰ বি

मुर्हिक्ट न लुर ब लुट हैं न्ये केर मुन्दिस मक्षेत्र मान है महिस मुन्हिल दं ने है जी नु ही कर स्थाप दहमाय कर सु कर दें र यह दिया प्रकृति कियी हा स्वीर किये हा वर्तेश्च वर्षा वर्षा सुर्वा सुरवर से दिया है। १० है है। विस्तर्वी से देवदा करिया वहितासराम् नापादराहितामराज्येस्य सम्भायेलमाणि व्यापिता हित्ये स्माप्तिये इ. १५ में विशेत्राक्षीय वे इ. जंगमिवक्ता मान्न क्रिये तुर्वाक्त प्रधीता प्र डेरे दिस् कर प्रेम्य कर के के मिल्रों में लोगे में हैं निर्मा के मिल्रों में हैं निर्मा कर मिल्रों में हैं निर्मा मिल्रों में हैं निर्मा कर मिल्रों में हैं निर्मा मिल्रों में मिल्रों मिल्रों में मिल्रों मिल्रों में मिल्रों में मिल्रों मिल्रों मिल्रों मिल्रों में मिल्रों म हेन्द्रप्रीत्वे लेशान्द्रविद्याः । हेन्द्री हैन्द्री हैन् दे हिं के अन्द्रिक की केंग वित्रहर्ष व लिया मुद्राया विश्वास प्राप्त कि निवार होंगी श्रीय शिवित ये हिर्द वस्व है। वेर्द्र पार्श्व के निर्देश कर है। विद्रार्थ कर है से विद्रार्थ कर है से विद्रार्थ कर है म्यु इत् विर्म करे की बंभ का रेट्सा श क्षेत्र महूरे का हर के मा तहे के किस है अंके के विन्ति दीरि। ेर्देव में क्षेप विकेष महिवास की ए देव में क्षेप पहिला इस चर ने मि चदे दस कर भीरा प्रश्ना चर्चे मिल्लिस च येते से रिया मिर्दा ने सर्व हैं जिलें। - - ने निष्ट नी से दे करा न विद्यायक ल्यां पा लेशां तुः बं बी दे हर्स बीरे वा ना इंसाधा जात्र सोमान्यहा बटा से से हरे हरे हरे मुन्द्रिक हैं देखालें। ने में कि के कि दे विश्व वर्ष विकालिक्ष्मित वर्ष विद्या मिन्ने म्ब्रुप्य प्रस्कुर मिन्ने। वर्ष मिन्ने स्वभूक त्रुं ने प्रमुश्चित्र विद्या के द्वारा के देखें स्वार्क के स्वर्ण के स्वार्क के स्वार्च के स्वार्क त्रक्षीर मण्डि हिंद अर्थ प्रथिति शक्ष स्मित्र शक्ष स्मित्र में विद्या में क्रिके क्रिके हिंदी श्चित्र केर्यं क

नु न ने दे भारता मुद्दार पर पर देश पर मुहर् यम्बुम व किन्म वहूर् यम त्वाराम्। दे म्म व देव हेन य देव हुन व देव हुन व देव वसःभ्रानहर्मः हर् भेरामाञ्चालेषा मानेते छैरानहर् भेरताम नामा कु हो देश पर हुने तह हैं तर हैं लट नी शत य क्षेत्र ता हा हार नी क्स ता ले हैं ने नहें देशक कर्नहें अपने के किया कर के निर्मा कर के निर्मा कर कर के किया है। अस अस ्रेप्ट्रे.हेर.क्य.वाड्रालट.क्यायर क्यी.वप्र.लेख.व्य व.य.का.स्यीय. नामात्राच्या करे हिमाश हरे माहि श्राट न नाट प्रेन पाट है न क्षा पर हिंग पाता है म परामुक्साम प्रिकारी हिन्दे ने निता केत वह प्रोक्ट निता है व्यामिकाने द्वान से द्वान मानमा सामिता है ना सूर्य या ने का व मानमा या । भक्त महोत्ते हो। क्षित हैं कर्ण दा महित्त में कर पार दें लेश छ पहित द्वानसायम् अते द्वानसायकायम् चन चन प्रति हा में से माना स्थेन में ने प्राप्ति म्बलायासीयार्के लेखान नदे हुन हुन। - नालाहे हुन हुन हुन बिनाडनाया पड़ेन इस.स.पम् वाकवाराक्षेत्रकार्यवाणवापार वर्षेत्र होता नुःवर क्ष्माने व सुदे हें की उद्भ हिर उना है । इर सूदे हें व क्रा पर पहें ना सामेक के का हिंदी हैं हैं हैं जिल्ला हैं नमा है मा ्रह्मायर हिंगास प्रति स्वाति । स्वाति स्वाति । केन्द्र में नन्मस्यस्ते हेन्य माने मिटा हुन्हर सर्वे ।। हेस झटा च इहा क्सामर बूबातर विवद्गानकुनि हैं हुर पर उद्देश ते व वावर तस हूं बात हैं हुर

ह्यासः कृष्टः ह्या पदे खुरार्ये। दे वे भराना या हे खेश न पाय स्वाधा पका बे हे हेर :भट त्वर : धाया धोद वि । वि चे :के या तरे हेरा हु पत्रों के साम वि वि वि वि वि । इमायर वर्षेयाय है द्रेस यं दे गायारे त्यस माल्याय है यर वर्द दस लेखा है व व्यव हो दे व्यवह्रवा वर कुर भाव हे हेश हु प्रत्यू वर व्युर हो। वाय हे शंक्षुत्रवृत्तुया गण्येदादार्देवादाः देवादाः देवादाः विकास वर्त्रेश्यान स्पेर् का अदामालक मी र्वे मी हेश हु द्वना च हेश हु द्वना च हैर हु है " यर.पट्रेचाम.तर.भट.श. नवींद्र.स् ।। प्रमित्न.तर.भवेटश.त.३८.लुब.ब. मे देवा ताता स्वा शत्र त्ये है है है देर दिन पाय स्वासाय है से देवा पाय स्वासाय है से देवा पाय स्वासाय है से प न् रचुर ले व। देवे श्वर देव प्राप्त प्रमा स्टिलेश मुन्य स्वारा स श्चर व.पा रचा पश चंश वेश वे.च.बु.चैंट.तश.ट्.के.वेर.चैंर.तपू.ट्रस. र्मा मार्थिक व्यवकृत वा वस् सेत् प्रश्निमाम देना प्रवे ना मुन्त्र पहन क्षेत्रकी नुसाद आद देशायर देवासायदे ना स्वासायक्ष्य केर दस्य पर देवा या स नश्र मु र्या था था सा थे दे दे दे में मिर में मु र म हर में मिर में में र म हर प्र मिर में में र्मान अर क्रेंट न न द क्षेत्र पर पर वा वा पर न वा वा पर वा वा वा के वा के न हिन के न बस्र इस धर हैना पर्दे मात्रनाम मह्रदाय भट पर्दे हिरायाता विद्यापमा है।

र्त्या ह्रेन्या यर प्रमुक्तर्र्ते॥ दे प्रमान है अर प्रकृत प्रमुक्त प्रमान विकार विक त.व शेर.ग्रे रेश.व.लट.खेर.त.शे.वर पचीर र.खेश.वर्थ.वर पचीर रू॥ वहूर. सर.चे.चरु.ट्र. क्ष.चर.चढर.चर. चीर च अश हुश चे.च.ज.चीट.श.लुर.च... म्बिर प्रश्न देश तर प्रदर्भ प्रति का स्वाधा त्या होते ता स्वीद प्रदर्भ पर ये त. कुर त. रे व . से त व कर व कर त. च विष अ से हर. रते मु धेश क्ष व रर्देश व र्देश व र्देश व र्देश व के प्रति क्षेत्र है। निष्य के देश व रेदेश वर्ष वहर् दश्र न्द्रंश व हुद वर ने देश न वर दे दे हैं। ଞ୍ଜି**ଶ**.ସିପ୍.**ଓ୍**ୟ.ମସ୍ଥ. दर्यट नेस दे अदं दु रेहिंद के ख़ु वस दिस में हैं नेस य है स' के दें। तदेश ୡୖଂଢ଼୕୶୳୕ଘ୕ଽ୕୕ୣଌ୕୕ୠ୕ଽ୕ୗ୕୲୕୷୷୷୷ଽୖୄଽ୴ଌ୕ୄ୕ଽ୷୷*୕ଌ୕ୄ୕*୶୷ୡ୕ୢଽ୷ୡ୕ୢ୵ हैस.श.वर्त्ते.च.चर्चर.शे। दे.कंट.मी.चेट ज.श्चीश.त.७स.चे.च.ज.र कंट. ब्रॉब पाने र्न के प केर प्यर पाकेर प्राचक्त पर नुषाय केर के छेर सा अंत महिना ह्विंस पर्स हेश सु दर्जी व नार्ड वे स प्रदाय प्रदेश है। व्यापि पर हो हैन मिश द्र द्रेच वर्ष क्षेर हा वर स्रेचिश नहुन ज कर हे जम स्चिन पाल हे स च न के के तिर म प्रेक् च य स्वास च त्यस स्वाप तिस च न ते कि च न ते कि के कि च इस पर महिर् परे देव वेस मु च के भीतामा भीवायाया समाया इमा पर पड़ेंग य.बे.चीट.ज.स्वास.चव.व्या वावबर्धसातर.वार्ट्स.वर.चेर्.व.स्व.त वर्धसः g.ឝ.dਜ਼ਖ਼.ਜ਼.ਜ਼.ਜ਼ਫ਼ਖ਼.ਜ਼ਜ਼.ਜ਼ਫ਼ਖ਼.ਲ਼ੑ॥ ਫ਼.ਖ਼.ਖ਼.๗ਖ਼.ਖ਼.ਸ਼ੑਫ਼ੑਜ਼**ਜ਼ਜ਼ਜ਼**ਜ਼ਜ਼ बेर्'यर'वशुर'र्दे। रे'कृष्य'फेर्दरे'दे'र्देस्य वासे'इटाट् लेसपुः यात्राक्षेत्रायात्रात्राच्यात् चक्रिंस च केर में खेर लेस न में मूर दस र विट हो। विट त्य संस्था चदे

र्वित्रमाचराम्बर्दाचरामुकाचार्युन्याम्बन्।च्यायामार्विताया क्रिक्त हुरार्ट्या व्यदेश हैं रहेश खे पर्मे प्राप्त हिंगा व हिंग है पहि वहा ह्रीं विचेत्व प्राचिक प्राचक विकानि प्राच के प्राचन प्राचिक प् मक्त्रमुन्त्रम् देवालेकानुः य है रेनाकाका स्वीकाय क्षेत्रका वर्षे मुन्नकं का नुस्ति का नि प्रकृति ान्तरिष्ट्रिक्ष्णकार्द्र्यत्वारात्राक्षभ्द्रत्यर व्याप्तरिक्षानु पराञ्चराही स्कात श्रीम्यावरा के पर अर्देश पते ह्या दे केदावर्दि वर मुन प्रेश ही लेखा दे श्रीर दुर्वहेंद्र प्रवेद्द ए सूर्ट वा नेव ने वा क्षेत्र या हरा केवा नो देव करा में अविद ब्रिट्यि में देश क्षान्त्र है। देन का वा की ना का ना मिंद या मा मा नि द्रावस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् । इत्स्रित्स्य स्त्रम् नामः क्रिन् नो देव स्त्रम् से साम् र्श्वस्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स क्रम्यावप्तत्वन्त्रेयाच द्वाया है। ज्ञान वर्षेयाच वर्षेत्र वर्षेयाच वर्षेत्र वर्षेयाच क्षिर्युक्तं येकार प्रेश्य दे द्वाक्षय वर्षे क्षेत्रं क्षात्र वर्षे ही। व्यक्तिम्बर्वाद्वेत्रमान्द्रम्भारा लेक्ष्यनुष्ठा विदेशमान्द्रम् क्ष्मदश्यवेयावये इसंपर देनायानिहस्तर। सुरे इसंपर देनाय दर प्रसायक है। इस पर हेना पाइमाप नाश्च मार्ग । में केर कुर बुका ने सुन किर तर प्रत्ये विश्व स्था है। दीर अहुमा हुन। असेविर अस्मान रा.यू. जेडा ने न्या का स्वर्धन रा चर्ने रास रा ।। अर्थिक से मेर करमा है न उद्ये लें का मान दे वह हो है का वास ने का का मान प्रवेता मानेश्वराम के अर्थन मार्थ पर्वा विकास होने पार्थ ।। पहें के माराम हे के सहना है द क्रिक्त विक्रार्य में क्रिक्त में क्रिक्त

यर 'वेद्र'यते 'रद' पद्धेद'ठद'र्दे 'देशमु प्रायः स्वाधायस प्रकद्य पर 'वेद्र'र्दे ।। ହୂଁ ଓ ୬ ଅଷ୍ଟ ଥି : ଅଟି : हुना स लहानाहाले वा र्थे**पम** न र्झे स र्थे ।। ५ र . लेक नका लेख नु न के तर्थ प्रते र्थे क्रिक न लेक न च ३ 'तुश्र' सश्च 'मुच' स' प्येत' स' त्या' दे 'द्रा' द्रामाय' व' प्या ' प्या ' स्था स्थित ' स' मार प्येत ' स' **दे** 'कुर 'क' चित्र यर 'हेद्र' य 'द्रमाथ 'त 'दृशेवाक 'यद्र ।। क्रायर 'हेवा' य 'देश' देशका। देव दे लेख मुन्य है द दूर मुन्द के मान में समा महर यर मुन्य मार ষ্পৰ-শৰ্ম।। अर्बेट'यदे'रूट'यदेक'र्थेद्'क'यदा। दे'देश'तु'त'दे<mark>'द्रम</mark>'यर' र्देना'य'माहेश'यद् ॥ दे'यद्'लेश'यु'व'त्र'य'यद्'हे'त्रु'हेर्'य'धेहर्हे ॥ *ୖଽୖ୕ୢ*ୢଵଽୢୖୄ୰ୖୢୄ୰ଽୣୢୣୣୄଌଽ**୕୳ଽ**୕ଵୢୄୣ୷ଽ୳ୡୖ୵ଵୣୄ୕ଌୄୖୢ୴ୡୣୄ୷୷ୡ୵ଵୄୡ୶ୠ୕୳୶ୡ୵ୡ୕ୣୡ୵୳ଽ୷ ह्न य सेन्य उद गुन्द्र दे सेन मीस न्याय यर दह्द हें विस गु 35511 देवे के देश व भूवे द्वाची खुवा हव है द खेव य लेश हैं य वै ववै देव हैं। नाम् में के नियम में ते ख़िल लालमा में नहिनाया ने ते के नियम में ते नियम का लाम मार्थित के नियम में कि नियम का म्रित र्वेद भी द्वार व सम्मेश्वरायानार वा खुवारे भिर्म दे द्वार दे मुदी र्देन की खुम उन प्येन मा देने नहें में दे दे है न नहें मा माम ने नवह चॅ वे दे दे र र दे ने मह के दे के दे वा मु वहना या दे खं मा मु से स्वामी दे दे हैं के ता वा ૡૢૼૼ**ૹ**૾ઌ**૾૽ઌઌ**૾૽ઌ૾ૺૹૹ૾૽૽ૢૢૺૹ૾ઌ૽૽૾૽ૺઌ૾ૢૹઌ૽૽૽૽ૺૡૢ૱ૡૢૼૢ૽ૼઌઌ૾૽૾૽ઌ૽૽ૹૡૢઌૢ૽ઌ૱૾ શ્ચિત દ્વાના ત્રામાં કર્યા એવા વા ખદા શ્વેત્ર પાયા કર્યા છે. વધા ત્રામાં ત્રામા **ন্**শুম্

मत् भेशायामाराष्ट्रवाराने वर्षे राये प्राचीशायह माना वर्षे स्ता मी स्त #र्च्य केट. की ती ता कर की दिवार हो ते की सामा वर्दर पाये प्राचे साम साम कर रैमारा सामाध्येत वस्र। ५६ स्मर् नु माया ने र दा मी सक्य हैन गुदा स्मरी र दें भेदाय देवे के दे सद्यामल रायवे हुते देव पत्रे देवे पत्रे के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व त्नुर लेट झूटे पेशपाया शे ह्या पापा भेता पार के असे हे हि से से भेता है। न ଵୖ୵**ୡୖଽ୕**ଽ୕୳୲**୰ଈ**ୄୢୢୠୄ୕ୢ୷ଌୡ୲ୖୢଵଽ୴ୖଵଽ୴ୡ୕ଽୠୖଽ**ୖ୷ଈ**୲୴ୖୣଽ**୴**୲ଞ୍ଖୢ**୳ଢ଼**୕ଵଽ୵ୡୖଽ୕ଽ୷ୖଋ୴ मुं उव नु त्युर रे। ने देख वुर मुर यते विश्व या वा सु दे रेव हैर नु र निरम ସ୍ ଟ୍ରୁଟ୍ରେମ୍ବ୍ରମ୍ବ୍ର ବ୍ୟାପ୍ୟ ନୁସ୍ଥା ପଦ୍ର ମ୍ବର୍ଗ୍ର ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ଓଡ଼ିଶ୍ୟ ନ୍ତ୍ର ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ वर्द्द्रयात्वसामी मु क्वाद्राविष्या देश मु द्वर मु द्वर मु द्वर विष्या वहना यर मुराया दादर्दा या दशामी मुख्य पुरादे द्वार रे क्षेत्र केंग्रेस स्था स्था । प्रसा य'य'र्सेन्स'य'लेस'मु'त'रे क्वे द्वादिर देव प्रदेश ही बेद **गु**दःयदना हैर गुसर नुपुर ... दश्यान्तर् हेर्यर त्युर रे लेश हर हे भूर्त व वर्ष से सुरे ही मत्र च्रुकः के द्वेकः य प्राप्तः के द्वः य प्राप्तः ह्वः प्राप्तः च्रुकः य प्राप्तः विकारः विकारः विकारः विकार मु दिर्भ में प्रमाय है। विमाय विभाग क्या मार्स्म सामा हुँद ଔ**୷**ୖୠ୕ଽ୕ଽ୶.ଶ୍ରୁଟ୬.ଶ ୧୯.ଜୁଘ.ଶ.ଖ.ଖୁଏ.ଶ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ. ळे. पर्टा सं. प. हेर ह्यूर्र सिक मी. रहूश या क्षश्न वर्श या हो। म्रिया वे . मा में मा अप मा विद्यार । मा मा मा प्राप्त के प्राप्त के स्वार के स्वर के स्वार क **५५स'य'भेक्'क्'हे। ५**२६ वेंस्र ५हें न्यर द्वरं य केंद्र दायाय भेक्क के लेस 9.निर्देश्वा विकास स्थापक केराया केर में देशुर वस्ति व राष्ट्रेदाय हे दर दम्याय व राष्ट्र त्युर व रे हिर द

ট্রব:ঘহ:ব্রিংঘ:৫নাঝ:ব:২য়ৢবায়:ঘর্টা चिडिंद क.शून्थां व.पंटूर्य तप् .१८. द्धा दब मी मि महर् न द ह विना प्येता देते प्याय द मी दम मेर पदे हुर सर्वेद पर हेर स प्रेंद है। से दे हुस वस्तर रह है ना लह मी हैंना य इटायहरू।यर अर्देशर्दे ॥ क्रिं हेंनाया क्षेर् साहे हें हुर द लेखा नु य ता र्स्नास'सम्बंद्रंद्र'यर'द्वेद'र्द्र ।। दे 'चल्द्र'तु'लेस'द्व'य'दे 'द्वेर'र्द्र ' यवैक पूर्वे । दे वहनाय वेश मु म के दिस सम देना यह नेश पर्वे । नाडनास.पहुंच, नाडनास.सहूट.च म.ह्यूस.च.च.ल. श्र्मास.च.ल। है.ह्यूस म्बन्नास द्र म्ब न्या म्बन्नास लेस दे स्य प्र क्रा पर क्रिना स प्र हिना स मले क दूर माल्याका अर्थेद 'व' सं' प्येद 'वे सं' तु 'पने 'दें दें हैं ।। हे सुर 'व ' মর্বি ব'ম'%মম'য়ৢ'য়ৢ৾৻'ম'ম'য়ৢব'ম'ঀৢ৾য়'**ঢ়**'য়'ঀৢ'য়'ঀৢ৾'য়ৢয়য়'য়য়ৢ৾৻'য়৾৾য়৾ ું સાય.ભાદ ૪૫૪ શે. શૂ. નાર. જુ. તર્ડ્રા તા. તુંત્રે જુ. જાર્શે દાવા છે. પ્રારંત નાયું જોય. તા. दरे नडिनेश अर्थेट न के. हे. के. शास्त्र के श के के. चे. च. हे. ती के. चे. च. हे. ती के. चे. च. हे. ती के. चे. च नहूर्रिं। लर.य.रपु.मांडियोश भहेर्. व.यु.दे.सं.वी.र्यं.मी.यंश.तश.के वर. मह्यूराय दे हेर् भेर लेट ट्रे महिन्स सर्वे य है दि मी रन्तर या स्मि उन मु निमान देन या हित भेन हैं।। मालन दमा ने हैंना या दूर यह का यह र ୖ୶୶**ୢ୷୷୷୕୶ୄୡ୶ୢଌ୵ଢ଼୶୷୵ୣ୷୕ୣ୕ଽ୷**ୖୣଽ୷ଽୖୄ୵୷୶୵ଽୖୡୖ୷ୖ୷୷ୖୣ୷୷ୄୖୢୠୣ୵୷ୣ୕ଽ୕୷୷ ঀ৾৾ঀৼৣঀ৾৻য়ৢয়৾৽ৼৢ৾ঀ৾৾৻ঀ**৾৻ৼ৽ঽ৽**য়৾৻য়৽ৡ৾ৼ৽ঀৢঢ়ঀ৾৻ঀৼ৾য়৾৻ঀয়ৣৼ৽ড়ৢ৾য়৽ঢ়ৢ৾৾৻

नाय हे हिंद केद हो नाबुद नी नाबनाय सर्दे ताय क्रमस सुर हिंदा नाम प्येत के हैं ना য়**৾ঀ**৾৻ঀড়য়৻য়৾ঀৢ৾৽য়ঢ়৾৾ঀ৾৾৽য়য়৾৽৸ৼ৾৽৸ঢ়৻৸ৼ৾৽য়৾৽৸ৼ৾৽য়৾৽৸ৼ৾৽য়৾৽৸ৼ৾৽ क्षर हे दे के रेना मर नु न केर प्रेक समे सुर हैं। मु दे नम के दे अमन शु हींद न प्रेंद्र व लेश नु न त स्र्मिश न स्र्मिश स्रों। दे न स द लेश नु न त स है'भ्रद.चत्रद.तपु.सुँद.लूर.तपु.सुँद.खेश.चै.च.यु.स.बीबेबेश. র্মন্থ'ন'মা ঀৼৢ৾ঀ৾৾৽ঀঢ়ৢ৾৽ঀয়৾ঀয়ৣ৾৽ঀৢ৽ড়ড়য়ড়য়য়৸ৼড়ৢ৾ঀ৽য়৽য়ৼয়য়ৢয়ৢ৽ঀঢ়ৢ৾ঀয়ৼয়য়৽ वर्षे खुर र्हा। दे वस व स् दे एक मा कि की असम श सिंदा में ना मा से द चर 'वनुर रो। वाष'हे 'देवे 'नादश 'श्रेवश द ह्ये 'सर्व श्रुस 'हेद'स 'फेव ह्ये ' ले'द। देन्सर्देन सुम्र केदास प्येत वे लेस मुन्य तास मिस या स्मिर है। महत पहेंद्र यदे 'तुस्र व मात्तुत' सर्वेद 'यदे 'धुस्र 'ठ३' कु स्मः यद 'ठ्वां य' खेंद्र 'दि 'खेंद्र 'दि ' नायाने स्वयायान्त्रमयान्त्रमयान्त्र स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षः स्वरं स्वरं स्वर्षः स्वरं <u>बिक्षा इम्मायर हेन्।य अर बेस नु व य अर्थन्य य श्रेंस स्वा</u> ब्रिंग्लेब्'ब'बु'बेब'चे व'ल'स्रेह'च'झ्र्ब'च'ल। नीडित्नीडेह लेब'चे व ८हूब' लेक्षा देखाः वेष यामहेशायदे मञ्जूनायर पुःव स केश्रवे। द्वाणूर **दमः परः**ह्नाः च नृष्टाहेसः सुः वह्नेसः य १ ससः सुः सुष्टः वसः गहन् स सट् वः सुसः नुः ः न केर ने देश मा केर हिंग धर होर हैं।। नहमाश के हिंग मार मीश देश है नःषःस्याद्यास्यःदे दस्यः धरः पत्तीयः चरः द्वेदः दे। इसः चरः देवः चःदे छेदः

ปิ.ปรู.นีพ.กะ. รูป, ก.ษูป,พฐะ. ป.มพพ.ที. ฺฺฺฐะ. ป.ญน. ชุ. ฺษูพ. บิ.ป.พ. เช่. ं। भ्रेंनारु मुरायाकेरारायरहायायेरायाकेराराकेरार्ये विश्वासाय है । रमारा सर सुर पर पुर हो। सिंग रु. मूर प दे माल र मी मुर पा ना रहा यंद्रे दर्द कुष कु के के कि का वर्ष या है रह में कुर प्रका मान्य पदे ह्मार्ख्या छत्र सेदाया केदा दुर्वे। क्रमाय माववादा प्राप्त केदा स्टामी रैनाम नमा कुमसासु हुँद नारम हो हिं लेस दु न है से से से स्टानी रैना सामे । रदः रेना'यसः ऋसः सुः र्सेटः व'नादः सः प्रॅन् यः देः स**ः नेः भ्रदः हे सः** नुर्वे। श्रिम र्नेनायास्त्रेन्य अटारटारेनायासायस्य प्रायता हुमान्वे सामी हो या चे बना नु क्षु न सर्दे सुम हेन या मेर भाषा र र देन के तर्हे हो। य. पेश. य. चीलर मुका असका शुं श्रूट पर निका से वे पत्रे मुद्दे हो। वर्षा पत्रे माञ्चनाश्चात्राःश्चाश्चाराः सर्वेदः च लेशः छः च ले । च ने के 'न् स्ट्राः मुः नाञ्चाराः सर्वेदः च देवे के दे लेग मर्दे शुक्र क रेवे दे । निवर में वा ना हिना है के पान रेना रूर द्वार में नाय निष्ठ राये हैं राये हैं राये । रह रेन या है रह नी ই। বা চৰ ই। এব বই বী হ'ব। वेश पा मा वेश प हेना हर त युद्द वदे दर दिया रुष मी कूर न से पर से र रही। निर नी के से से से पहेंद्र तर हिर त र . जुंब सप् . जुंब व क्षे . यर प्रचीर . य. रेप्टे . ष्ट्र. मडिबंब प्राप्त . श्र्यं व व . प्रे सर्हेर.च.परेश.त लुर.बूरी कुर्श.बर जुंश.च.च. हुश.श्र.रेचचे पर.चे.च. त्य । दे : ऑर् रिन्म्स : श्रम्स : उर् ग्री : देव स मूर्य स्टर् : द्रमु र दे । ड्य. पृश्व. ता. भेर श. मीय. तप हीर. रा। क्रुश. १४. १८८ वर्ष प्राप्त है. हिंग् श.मी. क्र संकुर्द्रा महिनास तार्सन्सामान्त्र

ोर्.केर.ब.र्ब.पंचाचा तर प्यौर.तशरदा ची देश.त.व्य.की.पुंधायः શું**ર**. ધર. છુંર. તા. કુઝ. જુર. જુંશ. તા કુ. ખા. અંકિયા**શ. ખા. જ્યાં અ**. વા. કાયા છે. વડુ. કુંશ. શ્રી. चुर यह दर द्वा क्य देश नम्ब हैं। नार मी कें सुर दु सर्वेद न सर में लक्षानु न के महामीका के द्वहा से दे तेकाय के मुक् नु के न क लेका नु नदे हें हीं रिट लिया देश देश लेया केम शाहीं टा लेस नि न में ही दे रि स्था रहते ही। ୖଽୖଽୖ*ଌ*ୖଽୄ୕୶ଽୄୢ୴୷୷ୖୡ୕ୣ୶ଽ୴ୡ୕୳୶**୴**୲ୡ୕୴୷୷୷ୡୄ୷ୠ୷ୡୄ୷ୡୄ୕ୢ୷୷୷ୡୄ୷୷ ૻદ**્**ઝમ**શ**ાશાસુંદાના રહાદ્દેશાસામાનુકાન છે**દ**ાએકાનનું છુંદા દ્વી ड़॓ॱड़ॕज़ॱय़ॱॸ॒ॸॱय़॒ॺॱॺॱॸऀॺॱय़ॱऄढ़ॱय़ॱड़॓ॱय़क़ॱढ़ॱॶॗॺॱॶक़क़ॱढ़ॖॖॗॱॹॖॕॸॱय़**ॱ**ॴॸॱड़॓ॱॿॖॸॱ मुवासाम्भेदार्वे। ज्ञूदी सुभागामा भेदारी दे दे दे विकास माना भेदारी स्थापन द्वार्यात्स्य स् ॥ द्वार्यात्रात्म स्मतंत् हिद्राणी 'स्प्राया उत्राधित दावे हिद्राया महाताना क्याना क्यान क् - अ**दः यरः मेः रेलाबः** स्वा 🔰 🔻 इसः यरः हेनाः यः ५८ व्यवशः यः ५८ हे **सः** शुः ५ होवः वःषाःचीश्रायः वरः ह्रादः वर्षः हेरः त्वायः वरः ह्रादः वर्षः स्त्रेरः रे ।। **इ**शःचर देनाया शे.माश्रमा वर ख्रीया च दे क्षेत्र हैं । हेरा भार में नाशाया भी देशी दे ख़ॱॱॺॱऄॳ**ज़क़ॖॱऄॸ**ॖॺॱढ़ॳऄॖॸॱऄॳॳॱॿ॓ॿॎ॓ॺॱय़ॖॱय़ॱऄॱऄॱढ़ॸॖॱय़ॱ**ॺॺॱॻॖ**ॸॱॸ॓ॱढ़ॸॖॱॱॱ च.पचैट.च.केंडू, ऱ्र्य.में.इंब.में.इंब.से सु चेंट.चंट्र.द्वेर.पचेंब.चें.केंट्र.च.कच.केंट्र.कुंब. বহন্তবুহ হী। श्चर गु रुवाद रहें सार्व हे तर से नार्य पदे खेर रहा। सु वया हु । निर्मे नेसाम वाञ्चराम सेर्पित सुरारे यानर नेर्पिया सामा में वार्ती।

स लेख हु न के निर्देश में स्पर्ने । न न कुन हु न न मुन न हु न न मुन न न चन्-द्वायावीम् अवायाने विशेषाकेतायाने ख्रावम् क्रीम् विवासायायाने देते कें। ্বুষ:ঘম:দ্রীম:ড়ৢয়:য়:য়:য়:য়য়য়য়য়য়। ঢ়য়:ৢয়য়য়য়য়ড়ৢয়য়য়ড়ৢ৾য়য়য়ড়ৢ৾য়য়য় चांचनाश्व.धच.दे.चश.मेट.इ.७म.रेचट.घू पु.जेश.च.शुर.त.श.लूब.मी। एब. ण्य रदः चर रहत य हैर क्रेर सर होर रही। दे नश द रहें दे दे दे रहे स् यदे क्रुर विशुर शु विशायदे के साथेक की। इक् या समान्यर वि वेका भ'दम्बुर'मश'मार्देव'से'झ'झ'यर'यश्चेद'धर'यु च'स'भेद'लेश'यु'मदे'द्वेदस्य य'''' तरे के मार नार में निमास दे के अभाग हुन भरी मु कन हे न प्येन स ने में कें ने ने "" वना १ निर्मा देश होता चर्या स्थापन देश देश देश देश देश देश देश वि ধম র্মুর্ বু র্মুর বন্দী কাবা নর্ব্ব ধমা নে দ্বা বা বিদ্যালা ক্রিবা বা র্মুর বাদী নি ক্রিবা বা রাম্বর বিদ্যালা घ दर सेर परे देश व र दे मालक मीस सर हैन स हैन स पर पर पर पर पर पर ब्राचायायायनेवावस्य वस्य प्राच्यायस्य प्राची विद्याय प्राची प्राच हे के अर्दे प्रेक पा अर के मा अर के पा अर के मा अर प्रेक पा अर प्रेक के मा अर प्रेक पा अर प्रेक के मा अर प्रेक के मा अर प्रेक के मा अर प्रेक के मा अर के मा मेश स्नियंश केर धेर यदे छैर स्विमानके न वा हुर वस वकर यर हेर हैं। ଽୖଵୣ୷**ୖ୴୵**ୣଌ୴**୴୷୷୕ୢ୷୰୷ପୢ**ୢୠ୕୷୶ୢୢଌୄୢଌ୷୳ୄ୷ୄଌୖୄ୴୶୷୷୷୯୷ଔ୶୷ୖୠ୷୷୷ स्विधायसार्भेर. यर. युरे. हु।। लार. थ. बुंब. ये. या. जा स्वाधारा स्था. येट. सेर. उना सदे खुँनास य स्नर् उना सृ खुँदे हिर पर हैर गुँ क्स य नहे ना हुँर पर हेर र्दाः "दे'ल'प्तिर'चर'ची'ट्रं वॅ'स'च≣८'च'ल'चरे'र्लेद्'ध'स'लेक'कॅ'लेक'नु'च' के'वरे'सूर'द्यद'र्य दे' केस'यस'सूर'डे न' स'नाहेस'य'वहिंद य'प्येद'र्दे' लेस'''''

मन्दर्भारेषे सुरक्षिराञ्चरकेवासाद्दर्स्य म<u>न</u>्दरामायाचर पर्दर्भासायके स्थि। हर्षे यवदायामायदेवे परे हिंदायर क्षेत्राया के कर्ते वेश मुन्यवे यह वहराया के कर्ती। विरायर के द्वा व्याविका विषय के प्रायम केराय के कि पार्ट का प्रायम केरा में मर्चर हैर या यर देर व में दिर यर से से रहा ये से रहें।। दे आर रे ने पार मार्थ र में **बेश**'मु'च'के'चर्र'म् मुस् यते रेंब र्श्वेर मुै'चर्'त'र्मेन्स पदे 'त्र ब'यस'दहेंद्र' प माध्येय हो। इंब.मी.मी.व.ताचह्रं ना.रट.रम्ब्रा.च.क्र्य.हे। इ.स्विधः **ॻॖऀ**ॱऄॖॱय़ॴॱमो**ॺ**ॱढ़क़ड़ॱय़ॸॱऄॗड़ॱय़ॱॴ र्दर **७४ॱॴ**टॱॿ॓**ॺॱय़ॖॱ**ॻॱढ़ॆॱॡॺ॓ॱॶॺॱ ब्यं भी द्वितासान्त्रिसाना हेसान हैसान हैस र्घे ता हो। अर् हेन सरे हेन्स ता अर हेन साम दि वे नि ता से देन य'यक्षेत्र'यर'तेत्र'यर'वर्द्रद्र'य'**लेब'तुःचाव्यःस्मृबः यब'नाटावळद्र'य**वे'रे'केर् **अ**र.कुचामामात्र्यत्ते. स्त्रेचामात्रा वर्षेत्रा वर्षा देः वाद्वाया खुत्राको दाया उद्या के दिन द्वारा के पार का दिन खुत्रा उद्या द्राविद्रातरामुद्धार्थात्राच्या याद्रायायदाखेदायद्रीय। यद्रायाप्रसा यात्राद्व वर्षे सुक्ष हैन सेन वर्षे सुर है। देवे सुव स्निन हेना स नहेंस याभदासाभिक्ते। देके मुकायीशयाकेत् मुखेर नदायहर सामुकायाकेत् मु 3×311 लतः व द्वेशति वैदावदुः स्रदासानात् त्रावालेश वालेशावायाः ्रेना राष्ट्रे **सुँचा सः सः** राष्ट्रेश । वसः रे । कुँ ना शुक्रः वनदःयःचः जेतः यत्र्या तालक्ष्यं । नार नीकान्यां कारा प्रवेश विकानु वार्ते ता व्यवसानु केरा धारक मारी **नदे अः जुक् अः वर्त्तुः वर्ते अद्भद्धनाः मः नेकः यकः वर्षे अः यनः वर्ते । वर्षः इकः इकः यः**

ঀৣ৾ঀॱয়ॱয়৾৻৸৾৾ঀ৾৾৻য়৾ৼ৾৻য়য়৻ড়ৼ৾ৼ৾৻য়ৢঀ৻য়৻৸য়৻৸৾ঀ৻য়ৼ৾৽ড়ৢৼ৻ঀ৻ৼ৾৾৻য়<u>ৼ</u>য়ৢঀ<mark>৻য়৽৽৽৽</mark> दश्यात्रात्रेर्था ४ वराणेर्वे। दे :WE.ह. श्रावना नृ :च न्तर हेर ने निहेश ना :WE. म क्षेत्र वें लेश न न वे खेता लट म क्षेत्र लेट न में स कर कर मा के वें लेश न पर र्रें १ हैं। से ने अप ने श्रिष्ठ चर्ट में इं नाट के इस है है र र ट र दे हैं से हिन हैं के हैं र र ट र दे हैं है र्क्किन दु नहीं दिर के न प्रेन है।। देन हैं हैं पर है दे हैं के कि कि कि कि कि कि कि कि कि त. ११ मी. रेक्ट. सु हो. पुश्रास देशासर हुशासर विचेट हो। शहूर श्रिश हूं तो. नार्यक्ष संस्था अस. ३८. ग्रेश. ८ ग्रीय. वर. ७ ग्रीय. बुंश. ये. य. ज. विष्यु ने लेखा नु निर्म मुना निर्म क्षा विष्यु मिलु द निर्म कर स गुर त्यस "" व्युक्तःस्की मुनुदाहै र सः प्रापदाया है प्रापदाया भेरते हो। सह व सुसाह पी द्वा इमासकर ब्राचि रा श्रेयक शि. येश वेश ब्राचि या म सूर्याश ता जा क्षेत्र, हुं गंदर वजात क्या । भूर दर मुनेश श्रुचेश श्रुचेश श्रुचेश व रे क्षु वे र्व रूप प्रेय प्रेय कु सक्ष कर प्रेय वें लेख केर हों। मालव र्ग वै देन से के के से प्राप्त के के का की का कि के कि के कि के के कि कि नाहात्मार्ट्ना पारे द्वा सेराहा हे वे कार्ट्व सुकाध्येव वे लेश मु च नालुदा परे """ द्भायक्र,त.लूब.स्। ट्रेंड्र,ब्रेंड्र्च,त.र्थात.वेश्वमःह्र्रे,तर भह्रदाया देवांशाय श्वांशाय रे हेंबाय इसाय बाबुस हेंब्यर होतायरे वायुर हेंब् सेरा यत्र भ र भेर देश देश है र देश मुकायत्र या भेर दे हे स्थान न हास र्को विकिन्दे के देवा मार्के मा स्मा अक्षा अक्ष के प्राप्त के अनु

नेस य देते में वर वेद यदवः ये दे से वस शक्ष द दु वेद य प्रव वसा विद ने खुन मुः क्षे दश भे र वेश ने स्ट्र- दनदा से ते वेश स से द सर मे द सदे स्नित्रा शुन्ति वर वेत् वर्षेत्र दे वे द्वर व वे सु यस मेंद्र व प्रेक्किं। १ हि दे हर र न्वर वे वे इस वर वेश व केश वहेंद्र या के हैं के सेद वर द्वर वे के से स क्रिनेशायर वर्गुर में विश्व देश्वर पृत्वस्त्रयात वेशायर परेंदायवे देव हेंना यर विशु र्रोष देविश्व अस्ति श्रुम लेश निविश श्रुन रेन्श य प्रेन भी लिम.मी.पुंश न. बुश हु भा लेश हुता हे. के क पहूरे ता थ हुश तर देवट ता हु. विश्वास हैना पर विशुर् हों ये ये हो ग्री देश वर विश्वास खाया खुवा ग्री दसायर नेश्वरपाकृत्यादाती हुँद दे वे प्याया पहेंदा के प्रदेश के दिला में क्षुपा हुंदा पाता नम्बर्गी। विक्रिसियो भेरीय रे क्रिक्रिया भेरीय रे क्रिक्रिया विक्रिक्रिया विक्रिक्रिय विक् र्घ दे: वेश्वर म हॅन्स च त्याने वर होर पा हैर दु वहूर हो। दे ख़र द ख़ुया है ळूर.मे.क्य.तर.पुन.त.र.मेंद्र.मावर मी.क्य.तर पुषात.वेर.सूट.मी.मी.क्य. लेखाम वर माना प्रेक शका खाया निकार केंद्र के केंद्र का केंद्र की का मुद्रादेश हिंद नेद्र देश मु.म.दे मिं नर नेद्र मादे दे रद्रा मिंद्र ने मुद्र यथ है सा देशचर ह्येर सर रेग्रहार्स बेश नु नदे रेंद रेंगी में नर नुर स प्रियर नुरायस साहसामर हिरायर द्राय प ता लेश ने वाया स्वीधावस है तकर यर । मुर्दाना अपि देश पर श्रुर पर देश पर के में देश पर श्रुर पर देनाश

भारें। यहर्त्यर मु.व.वहर्षायर मुर्ग य हेर् ने देश यर हिंद वर देवास य है द व्येव हैं। दे व्यान विर हे द य हिव यर हे द वस हिव या व्येव कि रे देर व रेनाय हैं के रु निर्दे व ठक हा हैंदि व नार कि र य रे के ने वर है र य हैर दु चुर पाय भेर है। श्रु श्रुर पार पेहर पर पर्देर पर दें श्रुर पर हैं यते'अर वनाकेर'येर येरे छेर रा । रे'अर में वर हैर य केर रे ने क्षेत्र मुक्त हैन विकान के मा भेता है। मि वर पुरे याम क्षेत्र या देश वर हुँर बार्डेना धार्खेब पुरानिहें वाक्षेत्र क्रमसाधर विश्वरार्थी देश्वसाव निया है मि वरे नुदासामाध्येरायर विश्वेराता भे हेवायार्थेरातु विहिरावाञ्चारेशायर र्श्वेरावा प्रतेष्ट्रेर हें ग य हें र दु गर्देर पा ठर सु देश प्रत हुँ र प्रत देश य उस दूर हेश . शुं वर्त्रेय व रुम्नु मिंवर हुन व के दिते हुन वर हिन व के रवर विनु र र्वे परेश के श्वर पति दर्भ प्रवर पर ने र प्रवर्श के शह व ता परेर श्वर न वे क्यां या नाके था हे 'श्रुवे पा देट' हना ग पार्व 'श्रीं व्या रहीं हो त्या में लिना श्रुवा य ने नाद लेना च रहूर नाद त्य हेंना च र्ह्य ने नार्नेद य रहें ह्या देनेंद य है दे दे तथा में नर छेर य मिं बर वचुर है। विरोध कर दे भे में दे के की मु नु रे में कर ल.६.८८.४स.मे.झे.खेस.एक.सर.स्ट्रीर व.के.वेर्डा २४८.१ पुर.वंस.चयु.ध. क्षुन् वरे या अदारें ना या श्रिक नु नार्नेदान उक् सादिका सदा र्सेंद दें। बैं र द विषेत्र के नित्र के निष्ठ की मिनर के र पर देन पर देन के बाक्षर विंद'भेद'यर'न|दश'र्से। **र**न|न|'यदे'र्स्से'दश'गुट'न|ट'वेन'र्ने वर'ठेर'य' हैद गु के त्युर व दे वे दे ल देश वर बुर वर वस व म भेर हैं। देश र र

द्ये च्च द्र अस्तु मुर्ग श्रुप्त हुन या ग्रें हेस वहेत् हुन वर्षे च्च द्राया स स्रुभः चर् स्रु स्रु त्र त्रु स्रुप्ता स्वरास् दे दस्य यर विश्वास स्रुपः यर वेदिः **ଘ**ଟି.^ଅଏକ.ज.लट.लेज.मी.सै.ब.केर.ज.च.च.च.च.द.दीर.तर.पमीर.च भ.लू.१.स्.... बुंब ै.य.बु.बिय.सर.मुरे संभारश्चेत्रस्य संस्ति हे.ल.स्ट.म्. क्रेर.सर्.केर. <u>ଽୢ୰ଽ୶ୖ୷ଽୢ୳ୠୣଽୖୠଽ୕୳୶ୄ୴୕ୣ୰ଽୖୠଽ୕୷୲ୖଌୣ୰୷ୢଡ଼୶ୖୠ୷୶୶ୡ୷ୡୡୢ୵ୢୗ</u> ୵ୄ୰୰ୢଌ୕ୢ୷ୡୢ୷ୡୢ୵ଢ଼୶୳ଽୄୖୢଌ୕ୣ୵୕ଡ଼୕୶ୣୠ୕୳ୠୖ୷ୠ୷ୠୖ୷ୠୢ୷୷୕ୢୠ୷ୢୢୣୠ୷ୢୣ୷୷୷ୢୢୣୠୣ୷୷ सर हेर्स्ये ह्वेर व व पर ही। व व वर हेर्स्ये र द व वेर हमार वे देश वर् स्वास हुर वर व वरे देव हो। रह वर्षे १ लेख व वरे स्वास है। श्रीर. य. रे. जूत्यं तर क्यीं र. रू. जुंश में या जा श्रुचे श पश्चरी चा प्राचा ची देश कूर्ण था. मे दम्ने न्या य वस्त हो। दे के द की से रादे दे स्ट का मी सर हो दा पदे वा कुद મું અનુક રા ખેત મું શ્રુપાશ શુ: ત્વા સવે દ્વ દેવાયા ત્ર : મુંદ્ર પા સ ખેત પા વાલન . .. मुक्षा वे साम्रेक में लेखा में मान्य क्षेत्र राम्य स्थित या नट निवा माने स्थित राम होत तः देशः व बहुशः गुः ह्यूरः चतः श्रीयः तरः हुरः यत्रः पवश्यः वः देशः यः बहुशः हूर्यः परः नुर्देश्री ्ष्ट्रिंग्यामेराजय चरेशाताजय कु.चस्रैवातपु.स्र्वित स्टास्येश स्था हिराया प्रवाह । विवाह सामा प्रवाह से क्या जा प्रवाह से प महर् है। र्वर वह व देवे के निर्देश के निर्दे ने लाया हैं के पिन की पीन हैं। हैं ना हैं कर ना कि का का का का की पान हैं के पान है के पा न्द्रिं चन्द्रे र्व क्षात्म शहर अर्थेद्र व नाट खेर व दे के ना वट छेर व बुक् ब्रह्म स्थित प केड के ब्रिंग विश्व विष्य विश्व व

वस्त्राचर नु न प्येष वि । प्यापा धरे से विश्व स्वाप्त देव नुसा वस्त्र ही। हे दूर द रे ता मुद में द मार में द मार में देश गुट विश्व मार में मु दे हे स । । । तक्ष्यविद्याः भूषः हो। विश्व सूरः सामान्यः व विश्व सुद्धः विश्व स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे मु.स्.रक्ष भ.लुर.बु. ७४०.चे चटु.ट्रक.चर.चेंडिट.चटु.वंचंठा वे.सू.चर.चेंटे.च.भ. लुब काइमाराम ख्रीम प्रशास्त्राच प्रथम पालुब ख्री प्राच प्राच व्याच व्याच प्राच व्याच प्राच व्याच तर नेश रातिए एम व या रास्तिका तका क्रांच में वाका प्रवृक्षा विकारी वर क्लेंद्र य रे द्रमीय य हेन् बस्र वस्रवास्य लेस नु व व स्र्रेवस वस वस्तु मर केर हैं। वालुक विश्वाद मास है अर्दे शुमा हैंना व दे प्रमान प्रवेश बुस् नि.वर् स्रवस पर्देश वर्देश हो। रिया संस्व पर्देश वार्ष वार्ष वस्त्र मा . लुकालाः हे. लाहः क्रुवासायाः क्षेत्रमस्त्रक्र हीते ह्रा व्हारी क्रिक् हिंद दे ता देशमास मिन्ने मुक्ते भीराद्यायाया दिन्द्रमायर प्रथाया है। हिनायाद्या यह सम्माय है। दिनाया विशामावत रना रोगर स्था नाय है देखाई नार क्षेत्र सर नेशाय का स्वा कर है हे कुरु उद्देश सामु पर दे WE कद्भागा का यनुस्त्र सहि मालुद्देश कि कि विशया खादे निर्माण या प्रमाश या प्रश्नाविश साम सम्मा अकेद्रे के रामित्र कर केद्रे दे ता रहा में महर्क केद्र के प्राप्त कर दे द्रा महर्म निस यह केना ए दाय कर्न के हरा की सक्ष केन वा के साथ के ते नमन याना द धेव'म'न्विक परे 'अट' कर्न सम्मुक्ष संयम् संयम् संयम् संयम् संयम् संयम् हैं ग बान्दर हम नन्दर नामा बाज़िन हों का किया हैं हिंगा पाड़िन हों का

मिट हुंश वे व.स.सून्स.तर हुँ म.सर व्यंतर त.लुव र् ॥ दगद लेग. દ્રમાવાનાકુના નુષા મુનાના ક્ષ્મા વરા ખેશાવાલા શૂના શાવ વસુરાતર વગેરા હુદા ৾ঀঀঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀ৾ঀ৾৾৾৽য়৾৾৽য়৾ৼৼ৾ৼয়৾ৼ৽য়৾৽৸য়৾ঀ৸য়৾ঀয়৾৽ঀয়৽ঀয়৽ঀয়৽ঀৢয়৽ঢ়৽য়৾য়৽৽৽ सर्दे.तरं.वर्षे प्रवृश्य शिक्षातर विवास विकास विकास है। चीविष्य दर ञ्च 'य'र्स्र ब्राय प्रते 'क्र्यां व'र क्रियं पर 'येस' पर्व 'क्र्यं स'स्'र देशेवास'द' WE'हे स्ट्रा ब दे द्वा रदायी अर्द्ध केदाकी श्वास कर केदाया मार्के स्वर की त्या र विकासन्य वर्रे। देन्याञ्चर्यं प्रदेश प्रदेश विश्व के कि सके प्रति के कि सके प्रति के कि राक्ष्र हैद प्र 'रद'में 'सर्क्षर हैद'णे 'ख्राय रुद हैद'द वहेंद जे हमा खे 'सर्क्द हैद'या' कें भाषीक माना के माना विदेश के के साम माना के के के के माना के के न्सर में व संवाध य वस्र उर् से संद्र यम् य यम् व के दे हैं है व यहिन है " क्सार्य विश्व य क्षेत्रय प्रेत्य के के वि देव वे क्षेत्र सकेत स्थेव दें। दे देव वे र् ट.मी.सक्त.हेर.बे.मी.सक्रेर.नावर.चस्त.च व्रेंग.रा.लेर.ब्रॉ। विश्ववास.रट. ञ्चापा **स्वारा** एवं प्रतानु न्वे ना में नासा समुदाया नवा के यन ना के दाहे व्यापा विवरा नुप्तार्व दे देशमार नेयाय क्षेत्रयर वेत्रयदे दे वे व्यव दे ॥ सूट म लुव ता व लट हैं। इंद्रेड चिवर जश पर्डे व देश ह चेश अविश प बंधश कर 의 원·되게·허숙·디자·조도·취·저소석·경독·장·시·티론숙·즉 ١١ 문제·원 조도·취·저소석· मः दि दि रहे हि दे हर ग्री रद मी अर्डन है द प्येन हिट दे त्या है हे द्वा रह मी मर्क १ कि र में खिया कर मार्थिक है ना विश्व मार्थ मार्थ ना मार्थ ना मार्थ है हो ना से स्थाप है

त्रे के दश दे द्वा रह में सळव के ख्या वे स व्यव वे ॥ व्यव गुर देवा स พยื่อ.ก.ขับเพื่อ.สะ.พูป.สะ.สะ.ปู.พชุจ.อูป.นี.สะ.สู.สนู.ลูร.รู.เปีย यःश्र्वायायरे श्रुदे द व य भ्रुप्ति हे ग्रुप्ति प्रक्रिया में प्रक्रिया में प्रक्रिया या स्त्रिया में प्रक्रिया द्रुं क्षेत्र. रे श्रमश श्री यसनामानः राने व. व. व. व. व. श्रीश राष्ट्र क्रियासः सर्.सह्द.तथ.स्रेंचेश के.सड्.वशंभात.हेंबे.तर.भह्द.ह्यी शु.चढर्.चस्र। द्रमायर क्षाय भीतायर होत यह यह तुषायह रात विव होत यह होत वह होता लेश मुन्द के इसायर भेस व क्षेत्र वर मेत्र व मुन्द रव में रेट वले क्षेत्र व नार भिक्र म देते क्रिक् हो। इक्क होना छेद यानार भिक्र या दे हैं निक्र नु नदे दिन हैं। दे द्वां यद दुवं है ने दे दे नूँ न ता से नहा न ता कहें दे हैं है ॱ**लेस** नु न न ता सेन्स पद क्षेत्र के अर्डे दे च देहा खुवा रहे । या के ना क्साय लेस नु न ्यःस्वारायाम्बद्धाः चित्रस्य स्थिति सुनु । यायास्य स्थिते हे विरा दर्नी वाता सन्माया वहेन वाली वाहे त्याहे साह हेस नुद्री। ल्ट्र श्रु मुन्द्र या अटा हे वर 'बेर्ड पदि स्नि हैं ने स हूं स स्नि हैं में हैं से दे हैं से या क्षेत्रायमा खेत्राय के क्षेत्राय प्रेत विश्वास्त्राय के नियन विश्वास्त्राय के श्रीषा सर्हेद्र या व मावसाया स्यास्य स्यामालव द्रायाया हो। 🐪 े वीसाया दे वै दे'वार्यमभाउदाणीय ग्राम्बदेस । दे'वार्द्वर् महाक्षेत्रं भेरा समाहित ल हैं। हैंद खुल उद लेश है नदें हैंद मागुद लस नद्स नदें नालुद द दें नदि स ध्येव वे

क्रद्भाद्भात्रम् अने विश्वासी स्त्रीय ने विश्वासी विश्वासी स्त्रीय ।

्रश्चेरःदे दनाः बस्रकः उद्दे दे दिवानु च वः स्वाधः चस्रामी बुदः चर्हेद्रः चरः चेद्राधः की क्षा बन्द तेश राजार जा होर हा केर राजा है यह राज संस्कर स्वा ब्रुन् खुन् भर्ता व के के ब्रुन् के ब्रुन् खुन कर लेक नुःव के में नर नेराय केर भर सके खुर माले मान्द्र सके क मुगमा के निर्मा के के मार्च के कर न्त्री त्रमान ना विकास में देश में देश महारा हा ता हुई स्त्री हैं। विकास में देश में देश में पर्क मात्या हैते क्षा पहेंद्र या के देवा खर पर्य कार मी महत हैत पर्व परि निर्देश नार अर्थे नेर्यास स्वानु स्वीत स्वान्य में दिन स्वान स्वान कुन देश सर सर सर है। इस में रह मानविक्त में सर प्राप्त है के निवाद है क्रुचा वहुंगा कर हो अर्थ हुट हो शिक्ष कर हुट हो र दा बिट्या ता व हो ए ती मा वर्ष . भेराता र सम्बद्ध सम्वद्ध सम्बद्ध सम्वद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्य सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्य रहर्ने अप्ता होते होते । ज्याने क्षेत्र प्राप्त होते । ज्याने । ज् #35:8×1 सूर्व ात्रीता देश त्र करे. व. यस्तिका त. यस्त्री इस विकास हता हुस सा मुक् नम् हिर्देश ने व व के स्थान हिर्देश विष्य हैं में विष्य स्थान किन्य हैं मान्य " भेक्का व सेन यहां क्षेत्र त सब से हा बार प्रेंत्र या है के स्व क्रिना लेक्ष के के के विवास के किया के ભૂચા.જૂવા.લુશ.વે.વર.શ્રુર.ટ્રા ક્રેડ.વશ્વ. કરે.વ્રે.લુશ.વે.વ.કુ.કુમા

बर इस्यायर विश्वास ही वासुवासर होतासदे स्रवशास्य स्यादिर र्वेष गुनादर हेना " रूर है। तर्शा उत्राद्ध सम्मार्ग्द द आद लेश मु न त स र्माश एश र राम बिर ध हिर गुँ किर रें।। रुष अर्द्ध रश उद हैं वसरा उद गुँ। बर श्रद हैना स हेर दे प्रका केंद्र में स्टें सेंद्र में । निवर हिंद दें पहिना या हर र्टा हुर है। वर् के रेस से के प्राय मान मान सालेश मान के दे के मारे मा विषे यर लेब पत्। कु स से व सि के लेब में च ता स ब ब स में स मि स মছূৰ শ্ৰী.ছূৰ্মপ্ৰ.ট্ৰিপ্ৰ বৰ্শীৰ বৰ্শীৰ নে লে ই.লুৰ ল. ধ্ৰপ্ৰ ই. হে.লি. গ্ৰ্ড্ৰ-तपु.विद.तर.रेमां.मुश्च.श्रैज.थठ.रूमश.श्रै.शू.मश.त.जश.लेश.ये.च.यू.विर.... चरः में वर्षे वर्षे । दे रचा में स्वानिसः वर्षे दे वर्षे दे वर्षे दे हैं स्वानिस्य वर्षे लब न ने न्वान्द वर नुमान वादाय लेंद्र या ने त्या ने स्मृद्र हम नुके । इता म इ.५.के. क्र्यंथाता.पाक्ष पर्मियका.य. क्रिंशा**ता.ये. द्रायाका.या.या.ये.** प्रतिया.पी.या. प्रतिया. श्राह्म प्रमाणम् त्यम् उद्ग्वी हमाने न पर प्रमुक्त पर दे दे दे हो। अन यमा उद स्तर्भः अदः अदः अव विदेशे विदेश दे·षःषटःषदःषवानानान्त्रवाह्यकाःगुःस्वादः दुःसःह्यटः य भेदःद्वे लेखःम्लदःगुसः ग्रीट मिश्र सिट्स तर मिर्जा। विवास नाल स्था मिश्र माश्र प्रसेनाश पट सिंहिल मिरा मि यः स्ट्रास्त्रः मह्र्यः पर्द्यः प्राप्तः महिम्यः त्यसः मल्यः प्राप्तः महिर्द्यः महिर्द्यः मिल्यः न्त्रा दे.ज. भु. रश्चाचार हो जूटमा श्व.चावर. तर वी. वह.चाडवाश.चाडुचा ल. रशुमाश... यदी इस्रायर हेना यदी हिंदा लेखा न तरी दें दर्गा दे दना वा लेखा न दे हैं दर्ग ५= केर र्च त्यत् ॥ दे रम्बायाय देश मुन्य के क्रायर से क्या पहें वि स्वर्ता हिंदा

वहिर्यः अर्थः दे**न्द्रमः दान्नुयः** यमः द्वेद्रायायवायः वाद्रम्भरः वर्षे ।। वर्ष्यः वाद्रगः ছুন'শ.গ মীন লম.ৠড্..ড়েগ.ঘী.ঘ.ধু.শ.বী.ল.ধুনাশ লড়.মা\এনাগ.মীম.র্ছিখ.দু. .. মার্মনাধ্য বার.**২২.**বরু,ৠ্রেশ,ৠ্রমারমারমার্মন্থ আঞ্জন্মন্মর্মু, ড্রমার্মনার্ম म् नायात हेर में हिरास्ता दे ताया प्रतासन हेर सामा हर से नाह नहा समा प्रतास हो तहा ભય.ઋતા.ની.નીલવાશ્વ.નીલદ.વ.નીદ.જુય.ત.ડું.યુ.રે.જા.કેટ. में विदेव उँटा। र् पर्टर्यः दे सुन्यः श्रु हीराय व मूचायायाया श्रुवयाया प्यवार्वे वियाशेमयार्थे ॥ ଽ୕**ୣ୷୶**ଽଽଽ୵୳ୡୖ୕ଽ୶ୢୢୄ୕୴୶୵ୣୄୣୣୄୣୠୣ୷ଽ୲ଽୖ୶୷୶ଽୣ୵୷ୖ୶୷ୣ୷ୡ୵୳ୡୖ୵୷ୡୄ୵ୢୄଌୢ୷ यन दे नाट या अव यन उद मी हरा मुडेना ऑर् ना स से के वी। नुसामद्भारम के के दे दे ले साम निया स्त्रीय नाया दे दे मी दस मार्ग दे दे दे ना मु देश त.रेट रेश ह्या है चेट ज. ह.रे ने अष्टिश त.लूरे त.हे ज.हे सेरे डेश नुद्रा देश द्रास द्रास देश है देश देश देश देश मु इस या सहित्स र याडवाकी होंका में निराह्मेर संस्था होंसा संस्थान पात्र निराधा होर पाकी रही रही। नुसामहित्साच उदा दे निष्ठे नाथायर में नेमामेदायर वहेंदाय हैं। हरें सेमामेदायर चर् क्षेत्र हो। चर्च भर् हे सामेच वालेश नु च वा स्वास परा हे हि प्रकर नर नुर्देश चाकु ना अर लेश नु न दे नहें सा हर नहें सा सा अर प्रे न न द्वा पर्।। र्रेंद र्.ज.श्र्वश्चरायरु.ट्.य्.श्रं.श्र्वशः च.वर्.श.ल्यं.च.वर.ल्या.च न ३. ही स. जुन वि चू ज सूर्यका नपु हू . चू . हैं . कू . कू या स. त. दे स. कूर मी . पूर्य . मी . मार्भे 'प्यक् प्रमा उक् मी माह्यक क्ष कें माह्य कें माह्य कें माह्य कें माह्य कें प्रमा कें माह्य कें प्रमा कें माह्य कें प्रमा कें माह्य के माह्य के माह्य कें माह्य कें माह्य के माह्य कें माह्य कें माह्य कें माह्य कें माह्य के माह्य कें माह्य के

र्देव ध्येव वे ॥ র্ শ্ব:হুন্ধ:শ্বর ভ্রান্ত:বার্ নাল্ব:ন্ত্রনাল্ভ নী:ন্:মাণ্ড্রম सेर सद दें दें र रें। रे हिर के देवे खुय अब अव का का में हिर की ह ८४.४.चा.६४.४८२.५८ केश.च.चाञ्चना**स.**की.कू.कू.चश्चनानामा लना नी नी हिन्स से रस दस स शिका मा प्येत हैं कि स ही नते हैं ना नर दिनु र नार " रे लेग दर ये दस धर हेंना य के स थे र है। दे ल अक अना चै.च.ज.स्यांस.त.श्रूंस.स्या दे.भुट.वरु.द्वेर. लेश.चे.च.ज.स्यांस्याः यर 'वाक्रेश्राय' से दायर 'वसूत्र' दे। अतायन 'उत्र' मी माहनाश है 'अतायन 'उत्र' मी ट् र्यः हो नाट दे वा तर् पर दि हा स्वरं पर्या। विकासना उदानी ट्रें व्याप्य प्रदेश ता.चाडुचा.मीट.लारे.बुंश.ची.च हे.तासा.पहारे.वर्.। लट.ई.क्र्यंश.चट्र.से. र्षायस वहेर् यं केर वर्षे । रे वस से समाय सार्व सार्व द्वापि पर्य पर्य य नुर्वे। पर क्षम नु नुर्वे र ने नाय ने प्रव प्रमा कर मी हरा ही लब्रामान्नाम् नार्ड्सायर प्रमुक्त यारी देरे हे राउदालका सम् मु द र्रे प्य प्रमानी प्र १ ५ १ मुर्थ गुट हैं अध्य प्र प्रमु र १ । हे द से द य उद मुःलूब् २४.वक्ष्म.तरः भुःवश्चाताः भुरः मुःसुरः ह्या ह्यूब्रः त्या ख्यां वा ता ह्यूब्रः त्या वा ह्यूब्रः वा वा ह्यूब्रः मार भेद स दे द्वा गुर लेख न य अ केंद्र यक इस यर देवा य वाह्य स द वा वा यर नुर् र्रा रेन उर र्रेन र से पहें पर मिश्र से मे दे से हैर दस यर हैंन य निवेश भेर्या भेराम भेरा में ।। दे खुर ने दे वेस नु न के यह यह ॥ दरे दूर खे मायेव या प्यक्ष मा उदा मी दं ने व्राप्त के प्यक्ष के विद्या निक बे ह्वि चे ता स्वास पदे अव समा नु महिंद्र स स्वित्स सु सूट वर मुर य स स्वि

WE' द'रेंदर में मिंद की शामा राष्ट्र नद्र न्या अदाया खड़ स्मी दें ने क्षा के हैं ने या नाद व्यक्ताया दे व्यक्ता त्या क्षेत्र है। विष्युत्त मुद्दा के द्राच के द्राय के ना भ रहे ना है ज्ये रे भ र हैं जिं व रहर य है नर नह ना स यह न्यु प्ये द दि ले स नु न दे क्षुंका सेन वि वे अब सम् १६४ वि वे वि नि से प्रतास के मार्थ स्व वि से वि स વલે અનુ અનુ ને દેં સું કુ <mark>- દ</mark>્રા નાદ એનુ વ દે - દ્રના નાકુ નાદે અદ ના<u>ત્ર</u> નામ કુ મા क्रूचाश्चातानाटालायात् दे वे स्वरंताता हे त्या प्रत्ये विश्वा माध्येम हे ले सानु पाया संग्राम या के त्यक ध्येक है। ये अ त्येव वि वे ते गावणहा ' या भ्रार्केन साम केरा सेर परे खेरारी वेसान पर के लिंदा के प्राप्त प्रमालका की लेंदि निरुप् केर'र्'ग्राइ'र्'वर ग्रम'यानार'भेर'य रे'व्याङ्कार्ळेन् श्रायकेर'सेर'यते 'स्रीका र्दा १२.भ्र.ज स्वामा व.ज.लर.के.प्र्यूचमा वर्द ह्र. व्यामा वर्द ह्य. नु न है है है ने लेन के लेन अब सन उदा से प्रति है के अब सन उद है हैं न क्षे क्षेत्र मान क्षेत्र से पर्दे दें। दें क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र ्रब्दानर वर्त्तुरार्थे। दे न्यार्सिस्यायराष्ट्र ह्वीसायाकेन स्पर्धायाम हिरा। श्रु केंनास य द्वा है झू केंनास या है र है रूप यह प्राय या अर यना स क्षेत्रहो केना कर दुः साय हित यर महासासी प्रोता यह सुरा। नाय हे दे हा **ૐનશ.**તર.ક્રેદ.વ.૧૧૫ કે.સું.ઝ.ક્રેદ વ.**ટ્રેડ**.જું.કે.વર.**વર્ડ્**વશ.વવે.મુંર.વસુંર र्दें । दिंब निवनाया रखेंद्राय पर्ने वदे हीर हे नर नम्माय पर प्रमुद्र के लेखा ्च प्रश्ने हरामार सम्बन्धा है वर प्रमास वर्षे कु पर्पतरर हरा हराय है है**र** स द्भार्याभ्यात्र्वत्त्रात्रात्र्वत्याभेकाव। हुतिहित्ष्याक्वत्तिकायरः वेशयः

लेस.च.च.लट.चीय प्रचीर जेश.चे यह स्थाय रट.सैर.ड्रा इ.ज्या से.ज्या है.कु. हे.कु.च. हैन'ल'हे'हर नु'स'झूर'वर'त्यूर'वेशनु'व'दी पदे हुस'नु सेस्स'ने मुन यदै अवर क्षु न मुँद गुम क्षे क्षाय दम नरुष य क्षेत्र रहेंद हैं। व इ र्क्षेन्याय देशमा दे हिंदी प्रमान केर न मुराय येव मारे स्राव हिंदी नु न के नाट केना सू केनास माध्ये के ना केना मी नट न के का भे के हे ले हा नु यदे नाइक हैं नाहा सार्य सार्य के देश से हो। हो नाहे ना नी रहा सलिक हे दे प्येक के प्राप्त श्रः क्र्यं वाद्याता श्रेटा गुः द्वेर ग्रेटा गुः द्वेर ग्रेटा गुः विद्या है । द्वेर हे द्वेर प्रयम् सार देश नु वाबु हो ह्या ही हों द वा दा सेर वा वा स्वासावि । देव हों साव दे का पर क्षायात्रकार्त्यायम्बितायाः चेदायाः भेदानी द्रवायाः वेषायानावदानी द्रवाया यन्नाकृद् वे व श्रेव व । दे अदार्त्ना वसा खूव यर द्यूर र्रो। हे खु हे खुर <u>बेस मु न है न द र र स है द गुस र्रे । र र न वे र न न द ने न भ वेस मु न दे</u> खुैं र्रे य य स प्रेन बिट क्स यर **बेस प्रेन पर्ये पर्या है र या प्रदास प्रेन** है। कनास यर ह्याद वते दम वर में नाइक की लेक नु वते दें हो। हे हुर दम पर की नादसाया ने स्टूर ने साधना केंद्र नु सूर्व यह तसुर हो। र्ह्स द्रमसायदना स्रोद'य'लेख'नु'न'य'स्वास'य'य। श्रमस'स्द'सेद'सेदे केंस'**इसस'य**दन्न मेर्'या केर्'मा केर् मा केर्म केर्म केर्म केर्म मार्म स्रेर.चर.वर्षा.चर्. क्रेर.दर.। क्रिंग.इ.सेर.रे.चर्चर.च.चर्चर.रे.वीर.इच. देनस्य य हेर् गु खेर सें। दे गुर गुर गुर पुर प्राप्त पर महर व दर दिंद यदै दि वेंश द्वेद्य रद सेन्श व डंग दे आदा वसूद वर्ष महि वर्र हैं

ฏิช.ซูฟ.ซุฟ.ซุฟ.ซุพ.สะ.ฟชต.สะ.พะุป.สะ.ชพี้ ปู่ไ ปัง <u>થ</u>્ર. ક્રી. જૂત્ર લાતાનું ક્ષ. તેટ્ર બ. ત્રા. જાતા. ક્રી. જૂત્ર લાતા. તે ત્રીતા તત. તે ત્રીતા તત. તે ત્રીતા ત ব'ল র্জুবারা এই স্থেম ব্রম ব্রম ব্রম বর্ম বর্ম বর্ম বর্ম করিবারা বর্মী क्स य उर दे सु तुर नु र पर दे हैं दे हैं पु स सि पर द नु र दें।। ٩٤٦٠٩٠٠٠ عَرَبُونَ مِنْ الْمَارِينَ مِنْ الْمَارِينَ الْمَارِي दम्वरायर दम्बर र्रो। दे पलैकर देशे। इ र्ह्मर यरे हैं या उक् मी में निवेदा पलेक नु परेद पर प्रमुर वि दा देवे के ला पर में प्रमुर र विश्व मु म है महिन व พदः झुः र्ढेवारा भारते दे हैं है। के स्वार हो। क्वें नाहेना द्वार हा दर या हो द या दे । स्वार नाहेना हो। भे त्वुर रे लेशनु नदे रे हो। नहेन न्द लेशनु न व संन्याय रास दे पकर पर चे**र** राष्ट्र के ने के के प्रमान के प् माल्र माल्र मार्डमा हैन प्रेर प्रेर पर पर देरे दें। दे प्रेर मार्ड क्रिन्य पाम प्रेन पापट लेखानु नारट नले राष्ट्र क्रिन्य पाम प्रेन प्रापट हो। हें वें क्रार्केन्स पंकृत भेज अन्तरेन हेन रन्य वर्ते क्षेत्र हो। वें जुट व्युव यते दवर नीस झ र्जेन स पर इस य हेर र इस वर द्यार हो। वह न दर र् सं द्वा मोश नार्थ पद लेश मु न स्व सं स्व स । स्व से स्व स मा केर दिन महिना म हेन न नावश या हो। इस यर प्रविना या नाट प्रवेश पा ने के ने के ने के निकार यर द्वारा व दर प दर व दर या सेर य स निर्देश यर विना प निष्ठ प्रचार लेगा गुर प्यार प्यार प्रकार के लेखा नु चर्ते हैं। दे न्यार के दूस यर दशया श्रीत्राय द्वा केंग्राय केरात् नावशायते हेव प्येत लेट महिन केरात्

ने क्रिं यार्चे के प्रमाय के क्रिया वार्च के क्रिया के मारेषा हेन भेर द्रिंद्र द्रिंद्र सम्म द्रिंग प्राप्त द्रिंग प्राप्त देश दे**ॱइर '**से' तद्द्र' द'रेल' नहेन' दु'दनुर 'र्से' वेस' तह्र र पदे 'हुर। दे'ल' नाल' हेर्द्रान्म पर हों लेख उपाय संग्राय संस्था हो। हे सूर व हे गुर र हो य'म'र्सेन्स यदे क्विं प्पॅर्'र् लेस नुच के देशका कर की कि मारेन के ना के र ୴୶**୕୶**୕୶ୠୖଵ୲୴ୖୄ<u>ଞ୍ଜ</u>ୖ୷**୕୷୷୷ୖ୴୶୕୷ୖଽ**ୢଌୣ୵ୠ୶ୡ୲୕ଌୣଽୄ୕୷୕ୄ୷୴୶୷୕୷୷୷ୣ୷୕୷ୣ୕୷ र्श्वेर पर प्रत्युर र्शे रेने सेर महिमा हैर भेर कर इस पर दूर कर हर साथे र माकेश गुणे दि संधाद्वेद या स्मार सेमा या संस्कृति व्या केता के स्मार्थ के मुक्ते से स्मार्थ के स्मार्थ के स्मार्थ के स्मार्थ के स्मार्थ के स्मार्थ के सम्मार्थ के समार्थ के सम्मार्थ के सम्मार्थ के सम्मार्थ के समार्थ के सम्मार्थ के समार्थ के स ন্ত্ৰ ব্ৰহ্ম ক্ৰি नाय हे हु रू वा नी निर्देश सं क्षे कें नाक या के दा है दा हूं ह्म क्रेंग्रायदे द्वार वद न्देन से दाद दि दे हे हिर ख्राय दिर नुसारे साथ वद । मुं दुं र्र्य मुं ना इनास हेर र बूद न प्येत लेश रे अर र प्रत्नास या र्रेन गुम्माय हे दरे द्वार्व दर्द के बिश वु वाय स्वास मा क्रिंस है। क्रिया या सि ढ़ऻॿॗॖॖॖॖ[ॖ]ॱॻढ़॓ॱॕॱज़ॕढ़ॱॸॕॖढ़ॱॸॗॱक़ॾॕढ़ॱय़ॸॱढ़॓ढ़ॱय़ॱॺॺॱॸॕढ़ॱढ़॓ॺॱय़ॾॕ**ॸ॔ॱॻऀॱॸ॓ॱॸ**ॖॿॱ क्रैर वे अ सेव है। गुन नु यन्यास सदी रहा स्वीत के यान्त क्सा सेन स हैन ल्र्नियते क्षेत्र हो। पर्ने प्राची प् देवै दें वें खब स.ल्य. तर त्यीर त.रेवा.मेट रेप स्थित वशाया खेखा च व स्थित वा हेपे. ट्र. च्र. १४ भ. १९४१ त. १९४१ ते. १९८१ में ह्र. च्र. १४ भ. १९४१ मा. १८४१ त. १८४१ मी. १८५४ मी. १८५४ मी. १८५४ मी. गिराह्य। देव ह व व अस्व निराहित के रवा मिराह व व अस्व निराय

ने दरादेवे दें बद्यायमानवसाय में मिन है दारेब के विका लेट:ब्रूट:बर्ग<u>।</u> च वारे देवे दें वें कर म व्यवस्थर इदाव दे दें व नमायर हे दर्दे सु मार्ग स्विक्ति है से से स्वित या सामित है। दरेर है रिया है रिव है रिव है दें ससामार्वेदायाकृदानुष्टिरादाम्बिताकृदासाध्येत वे विषानुष्यराद्यारवाद्यार्खा मारा मी. क्रें क्री ह्या मी. ह्यं अहूर व. वे. प्रिंका व. क्रेंट क्रांचे तर हु वंश मी. शायिका व. बै'स' भेद' है। हैन स'द' दे' व्यासी ख़ेद सेंद ग्री। हिं वें कद सस ना हेंद् पदे व्यव चर्ते क्रायर हैं ग्रम्स से हें रच दर्मना पर दे रच के वा दे पस द रच रुच. ग्रीश.विधित. चर्च. श्रुचा. वर ज सि. चेट. देट. श्रुट. श्रुट. च. श्रुट. च. श्रुट. च. श्रुट. न न विवर्षा सारेना यरे रन रेन गु विकास के सेना कवा था है। रेस मी रेस विर मेन् न अट कूट ट विस ने मन् नु नक्ष म ने नस में हैन के न पर नक्ष महिना वह स मह्यान्तर्भात्र विकानु वराद्येत्वर्थे। दे द्राद्यं द्रमायराम्य य दे सिंब है दे प्येब के बिंब मु माना देते हैं में च चक्र सा प्येब मान्या मुहा देते हैं म क्षेत्र मु द्रे पुर द्रे दम पर है। द्रे सु सु सु दें द्रे प्र प्र पर पर पर है। मिं क्रिके हैं अर्थेन वा अर्थ मार्चे स्ट्रम न। सुन है विन है विन है निर्मा तरेश हे या महना नेश हैनाश यश दिसा धरी हैं दे दे ने ने ना सं है होना है। है यहां व है हिन्दर है वासाय है दे दे जार देवा राजा जीवा या है वायर विवास या लेखा है। वर देमेंद्र अर्थ विश्व वु व देश व न्यवित प्येव विशे हे दिना है दिना है दे वेश वु न वदिये इस यर प्रमुख या ने नियम यह इस पारे ही तु लेस न पर भी ने

माया अहारे वे हिं वे महिमार्स्स्य मार्श्व का के का मान माने हिं वे बी देकत्राह्मत्तानिकार्यात्रहेशकात्रासार्येकास्य रचार्यस्य क्रिया च्राप्तस्य स्यासा ल्याने संक्रास्त्र संक्रास्त्र में देवा से स्वा के स्वा सके क्रानाक्ष्यं में भीशानिहास्यास्य स्यात्येकाश्वाक्षयाः हे । से स्यातिकासाः भेदानिहास कुंसरा कुरा हुसा कर हु जुरा है। असा सा माधर हुसा सा तमा देश ता ना विदा हुद . रासे होत्र स्ते होता होता होता साम केस वर प्रमुद्द हो। श्रीमश्राच निर्देशस्त्रीश्राच द्राष्ट्रमा त. त्रे देरावटा दे व व द्राप्त क्षेत्र हिन्दे स्था बद्राचेश्वर्यप्रसित्राच्याक्षेत्रहे। द्रियायः स्व प्रेश्रहे नर ज्ञात्यायास्त्रयः थ.करे.तर्शिकान्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्त्र्याची विश्वस्थित्याची विभालाद्या व म् स्यान्याने द्वारी स्वार्के स्वार्के स्वार्के सामानिक विकास के मानिक मानिक नद्माकेद्राध्यस्य क्यांग्री स्मेन न ने माट्य द्या स्व उस हेद द वसुर स्व नभार कुर दे प्रचा है पर प्रश्नास र नमा मा मासि । स्था में स्था है सा है सा है सा है सर दिर प्रकार प्राप्त के प्रमुक्त की । जार प्यार की कि प्रकृत के प्रकार प्रकार त्रभु देश भारत हैंदा वा साद भारत कर के प्रतिभाग की रे हो। वार कर में वारत हुने तर भे नेश त हैर के हैर रा। लेश र अर दे वहरे वर व्याप व अर्था पदेश्च क्रा क्षेत्रका इस्मी क्रेन क्रिन क्रा कर में क्रेन वा के क्रा का क्रा के क्रा न्द्रीतर ने स देवे विषय नर नेद देंग अवादे दुश स रव वहेंदू यर नेद व हुर. रे. स्ट्रेर्ट. तम् तम् । स्थाना सह सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सन्तर्भ के के सम्मेद्रिकामा कर की नेशा रहा समासामा की ना

गल्द में क्रा य कद में ज़े र न न न न न ज़ र खु य म प्रेद है। রুম'র্জ্বর यदे खेर दें लेख वत्र केर हैं। हु असं रव में देख व दर में ने देश या दे कुं रूपा अहिंद यात्वा व विवा नी साग्राद्या अपार दे ग्रास मा प्रवे कें। दे वसं क्ष्मान्यान्यां सर्देक्षस्यामु अव्यासायिक लिटाहेसासु द्राप्ता वदी खुवा अटा यर मु न अद दें। विदर्भन दे अद दि ने नम् हना म के नुस म अद यर श्चायाचे क्रिय करो अह देशे हर संध्येत की। विश्व र वर के वर्षे करें के सहें क सुमानु वर्तेन पति रमास परे क्या या के मार्के गान्दानु ससान्ध्र से वर्षेन पर्दे । क्षेर देश दम पर मेर प हैर भेर प देश है। दुवा सार प के विकास है। मन्द्राचारे क्षा प्राप्त के पुरस्ति पुरस्ति वादा के के वादी के ले के विद्या कर के नुसानी दे हैं या निर्देश पार के मी कर में पहुंचा ये मा भी करें। है के मेर पार है मिसामारेन में दिहान बिन क्षेत्र पदी सुराही के नाय है है ते संसुत्य पर हिन्दा कर भेद ई क्षम वा दे केद के खेर हे केम जान न वर्ष रही। हे खुर व प्यार हे केम मेन् पर क्रम्भ कर है किंश हमस निम्न मेन् नर् मानक्षेत्र पर त्तुर रे ले न पर्दे र वहिंद्र पर अ है। दे अप पुर देश ग्रह मार्द्र से अ अ पर दूर्व स् स्या अस क्षेत्र पुरे पुरे स्थर मा भी । अस क्ष्र मा भी वा वा वे स्था स र पा है द र्-स्य क्रिं क्रि माभार्द्रपाद्वार्य हेर् पुरेषे केर हिन्सायर में नेता मिर्देशका वर स्त्रेन्य दर हैं से वर्ष पर दे से र दे से र दे से र दे हैं। मान्दान्य व पदा इस पर विश्व च विश्व देश हर है र ने के उदा विश्व हैं।

र्युम्यार्द्दाक्ष मे र्द्दाय केर्पित के प्राप्त कर्द्दा यह से पार्के राष्ट्री मे से सुर नहिनाद्दरं रुस्स द्युद् से नर्बेद्र य हैद गु सुर रन्स य नहिन दु सूमा रव वाध्यदान्त्र वर वनु र र्वा वर प्या हिंव दिन दिन दिन विकास मा यामव के यादमस गुर्मा जैया जैया में सामद्राय देवें सुरा खे रिया में रिवास मार्थ व्यव वि ॥ विद्यामी वि इसायर खे दश स्र्रायर वेद दें। कायर नाद सामाल का लेखा वा ना के दर नुः बूदः वदे दहें पदे द्रमः यायसः नल्या के हिंद वे द्रारा से मार्स मार्स । निस्मा हिंस य वे तिविक यादन मिंव तादे खुर बूट परे खुर रें। उट हन श्रम्भ द्वत कें स दूसर वद्या सेद वदे सिंह दे सिंह दे महिस के महिस दे महिस के सिंह देव के स रेनाश दा र मानि व मानिव हैं।। वह दह से देश हैं। इह देश देश देश प्रेव वें। े देख्र वर्षे रेव मी देव प्रेच के पर वेश माइम पार्ट पर्या मिश्रा ब्रिट पर पु हो। क्या पा से दे प्रथा पहेंद्र पा के श्रीत पर खेर हो। वि र्भ मि हिंद मेर् न अर न अर में के पार केर दे हैं दे में में स्कार में कि बर्द हैं हैं कि कि माहिक पा उद भी कि विक ग्राह हैं में किर माहिक पा उद ही चेश.म.ट्र.लट.चट्रेश.स.श.लुश.चर.प्रचित चर् रेचट चेश.ध्र.तर.चल्च.त.... हे ख़र अद्दर्भ पर लेब प्यापलेब पु विकास कार्या प्रतिक प्राप्त विकास विकास कार्या चल्वाचर हुरूर्। देखर अधिक है है है र के ब्रह्म नहिना यह विनिक्र निरेश-तर विश्वा विशेष दे हैं है, नम्भा निर्देश के मिंह मां विश्वान न थार्सिन्सायाञ्चर्सास्त्री। अस्ति कुल्लि कुल्लि कुल्लिसाया उन

वर् से हुल में हुं से सह्येत्तर वुषे संसी के हैं लेह वुष में में सार वुष ने पर्देश पाला सर्वेते लेक मानरे भेक वे 'लेक चु प के ना बाद कर कर्दे राजक र्षेत्रच त्राक्षेत्रच वर्षेत्रके विकास पर्यक्षित्रच विकास सम्बार् निर्मात स्त्रिक्ट के स्त्रिक के स न्त्रे देशान हो हे सहार्थ सम्बद्ध देश तथ वटाई स्टिश्य हो। विश्वास्त्रे न्यत्र हुन् हुन्यस्य सः सर् । वायन् हुन्हुन्य पायन् पर्ना । वर्त्र सन् नुस्यानुस्य प्राचानाम् यह्नास्य यह स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व मुद्रास्त्रे सुर हो। हे अद्वास र त्युर हे समाने सामाने सामाने क्षान सक्षित होत् कर्ड्टर प्रतास न स्त्रेक्ष स्त्र देश साहे स्वासम् निःसिः दरः न नेपुन्त स्थानिकः रूपा विकास स्थानिकः स्थानिकः स्थानिकः नहना हुन सहन सहन है । इस मान स्थाप में से मान है । ना कर मान स्थाप त्रवार मान्य के ब्रिन शक्ष । नावित संदर्भ स्त्री के सामार्थिक नव हैं से साबर है के इस सहिंद में स्थाश की स्थर देन में में हैं। प्पट्ट त्या पर ब्रेट व पट हो मिंद के हैं हा ब्रेट के के हैं है हैं हैं। द्राधिक द्रश्ति त्रात्त्र हु के छेड तर सुसायक विकार हू ॥ हे विकास रेचेशामका मैन चर्ने हुंशाना रेनेचा चार्ने हुं साजूर चाया जारे हो।

चर्चर,केर.चर्षेय.तर.चे.चर्.केर र्सा प्रचश.चेर,स्वाश.पश क्रेश.त.तर. म. भूष. हे। इ. च्. च. क्रम. श्री. भूर. त. र द. मी. र द. प्याय प्याय ही प्र. च्. मी. म. यर.चुेर्.सपु.सर्ड्,श्रिस.र्ट.भु.र्भ्रम्स.त.भ.मीय.सपु.सुर्ट्रा। प्यस्. ব্ৰ ঐ্লি'মন্ মঠক १९८ তক শ্ৰী শ্ৰু ব্দের্ম ব্ৰশ্বনাথ অদে অবি । । पर्यक्ष.वे.केर.श्र मैंव.तषु.क्वेर.र्स्। हे.केर.ब.क्ष पर्वेर.श्चेर.तपु.चेक्रश ୡୢ୲ୖୠ୵୷୵ଽୖ୲୷୕ୣ୶୵ୣ୕୕୕୶୷ୣଌଽ୕୵ୣ୕ୠୄ୕୷୵୷ୖୄଢ଼୷୕୶ୖଽ୕୷୷୷ୡ୕୵୷ୡ୲ୣୄୣୣୣୣ୷୷୷୷୷୶୷ ૽ૢૡૺ૾ૢૺૹ**ૻૹૢૻ૽ૣૹૣઽ૽**ૡ૽ૡૺ**ઽ૽**ઌ૿૽૱ૡ૽૽ઽ૽૾ૡ૾ૺ૾૽૱ૡૼૼઽ૽ૡ૽૽૱ૢૻૼઽ૽ૡ૽૽૾૽૱૽૿ૢ૽ૺ૱૿૽૽ૢ૽૾૽ क्षेर प्रवश्य व मा प्रवश्य व विष्य । प्रवेर महिंद पर व हे । यसःमानेशःभेराभेरायः नमामीसः ५६ वहर्षः याप्येतः है। ५६ वहर्षः स्टूरः पट्टेरः स्टूरः ৽ ৽ वर्षेट.च.वर्र-रट.रूचा.चर.श्र.चह्र्र.था तट.चूश.व.र्.लट.श्रुरं.दर.वर्षेत्रीर । मार धेर या दे नाहेन नर दु अर द्युद से नहेंद या हेद गी है र दे मिं व हेद सा याः व्यद्भायाः व्यव्यक्षेत्र हो। देश्येद्भायते श्री मान्य देशान्य हो। मप्रे.ह्बाक्ष मप्रे.ह. च्याविटाय पर्षेत्र पहेंच मप्रे.ह. च्यापर क्षेत्र ख्रेश वे स्वे पहिन्यादे स्प्रिं यास स्पेन वि विशापहिन दे। होन या सिन्दा समासन देन कुंब नक्षें अवसारे न्या इमानर नव्या स्वे कुर रे विसान यर पार्य वे । हेंया यते दि व र र र मेना या उसा अदा यहे व यते : सूस यहे द र या स प्येव | <u>र</u>्जाः

यरे दि व व पर्द्राय में शावसार व प्रार्ट्न व साथ साथ दे हैं। रहा में मु हैनशरिदे दे स्मा हैनश्र हैं कर हैं दे हैं है दर र्ना'च'र्बस'र्नु'नाइब'र्ह्या है'स्नर्'र्नु'चत्र'यदे'नाहर'न'र्न्द्र्य'य'र्न्द्र म्य न केर की खेर न के स सेर प लेस कहेर हैं। रे भर र अर र अर र इटासेर संग्रास्त्र विश्वासम्। विष्टे स्थान विष्टा होटा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा यदेव'स'भेव'दे' स्वैर खै। ।दे 'कृद'द्'हे से द' हेस' छ। ।दे 'ब्रें स' हेद'य' स् प्रहा । रेमा.सर.पर्टेर.स.सीट.लुब.सा । रे.सिट.हे. हेर्-सेर्-देवे-सुर। । स्र्राच-महेश-सेर्-लेश-देश-वनुर-लेश-वन्-र्ना र्ट्रेनिश नपुंद्र, त्य्, त्या स्टार्ट्रमा सप्टे शहर् । श्रिश मीश मीव ताय स्थाय थर मीश हे. मिं ब केद सबेंद निय वियान सेद दें। यह किद हिंग सबे दें के दें ते से क मेर्ना केर्न मुं खेराना हरानु हेत्र मुदाया सुभाय से स से देव नदा है सासु प्रसेया परी र्रो १ दे दश ४.च हे स.भंद. यर्रे. ट्र.च बि.च बि.च.च.च.च. पर्ना प्रति । पर्ने क्षा मुक्त हेन्स प्रति दि पर्ने प्रति हु हैंस कर क्षा हु मामुपायास प्रेक्ति। रेप्ट्रमाक कें कि के कि कि प्रमानिक प महेशस्त्रिन्यदे दि हैं र अदाया हे स्वा में दे र देश य से द यदे हैं र बुसाय माध्येव दें। दे दूर व स्त्रा व स्ट्रिंग वा वा प्रदास का मुनाव व स्त्रा व बुचा.भ.रटा. सर. कुच.भ.भ.भ.भ.भ. तपु. विर. तर. जी. स्. . वश. तहर ता व. तीस. हुस.श.रवच.म.पहचा.चर.पचीर.ह्या हुस.श.रवच.त.जश हर.सेर.हचास.

भःश्रृभःपदे दि वि वि धरामान्युवायाः हेन् ग्रु खेराळेशाख्याः प्रदेशायाः स्वापायाः भेद दें 'बेश' महिंद पर से 'बुस'व। म्ह तस्य मा बे सम्युच पदे मा हव हें हे र.केर.लेर.व.क्र्र.नपु.चेबर.चीर तपु.क्र्य.मीट बट.चु.क्र्य. . કરાંદ્રશાનવે નુશ્વા કેરાલ દેશાયર પ્રસુદા તે કે કે કે સામાસુશ્વાય કે નાયા **રે** લ माकेरामार्द्दां सेर् परायणुरार्द्रा। रे वे से सेरायर्द्दाराष्ट्र हीराद्वायाया র্মনার বাংদে শ্বর এই ক্রিষ তর দ্বনার বাংমার প্রমানীর দ্বান্ত নাুব মির্ণী য়য়ৢয়য়ড়ড়য়য়য়ৢয়য়ৢয়য়**ৢয়য়৻য়য়ৼঢ়য়য়ঢ়য়য়ড়ঢ়য়য়ঢ়ৢঢ়** मत्रे क्षेत्र हेश श्रु द्वना म दहन पर द्वीर ही। क्षेत्र म अर नार लेन हें विषामित्र्यादे के देवे विषय में प्रान्ते का प्राप्त के मार्बेर्-य र्ह्-य-मार-यते-रूर-पतिक्रम्भः निवेर्-य-प्येव-य-भूविक्री। ह्निस्य-यदे ଝି:ସିଂ୬୯:ଝି:ୠୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୄୠୣୣୣୣୣ୵୳ୠୣୠ୴୷ୠ୴୷ୠ୴୷ୠ୷୷୷ୠୣ୕ୣୣ୵୷ୠୣୡ୕୷୷ लेखानु न ते निवासर नेराया वाषा वार विवास सर्वे। **रे**ग्वस वाराया ने याकुर् द्रमाहे भर त्राच वर्षाय रे माहेश गुरुष रवेश परे केंश इससा वर्षा सेर्पाय ल्य मी। र्ट्स र्च वसस उर मीस के स लिय में विस्त मानस सी। इस्मानिवन्दर्नुसदैर्दे व्याम्बन्दर्भाषाम्य द्वेत्रयान्दराः दे प्रविद्वु दे र्बेन्स य दर्ने न सर देर य नार के द्यारे अहा गुरु दु य दि स् चॅं १९ ना वट दश प्रेय नी नावर नी न्यट में टें व्यं मार्रेश सेट य वे स प्रेय वी। हे.केंस.बे.चोकेश शे.बेंस.चपु.बेंश.चर.चेंश.च.च्.बे.बेंश.च.कुं.च.ज.स्चेंश.चपु.चें...

चना हेर हो रूट रेना व दश नी शहे शा के दे । न हे से खे हिट व अट न हे द य हैर भेर पते केर देश दश पर नविग परे दें ने भर नह र य हैर भी रे। दे.केर.मेबात्तरावहेश.तर्.बेरा दे.षु.संर.त.केर.लुब.ब.लट.खेबाचाचाता र्स्रन्थःयःश्लेंशःस्। नात्रन्थःद्रः देः यः यः स्व शःयः ध्यु यः दर**ः ध्य**यः रुदः मु द्रमायरे हे व मु द्वीं द्रश्व ले सम्याय के नाइनासाध्य मानु द्रमायर प्रवास किया। क्रूर.च.ज.स्य्येश.च.लेज.द्ये.ची.क्ष्य.चर.ट्रा चीट.चीय.८श्रुर.चश.लेब.चे.च. ୡୖ^{ୄୣୣୠ୕}ସମ୍ୟାୟ ଅଧି 'ଶ୍ରିମ୍ୟ ଅଧି 'ସିଂହ୍ୟ ଅଧି । ସମ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ଅଧି । ସମ୍ୟ ଅଧି । ही. रूप वर्षे १. दे हैं . चर वर्षे १. च. च च । इंग्रु. के ही. च. ज. शूर्म थ. व द्भैन्षायते देव उत्रामा भेदाया लेखानु या वाया नारा ने के मा नारा न दिया प्रदेश स्ते "" इस्र य व्याप्त य प्रेर च देवे कें दे सु तुर वुर प्रेर क्षे च प्र किंव्राय रहेव यरे हेद उर सेद दें लेश मु वरे देंद हों। यह दे दे वह वह वा व हे दे तर वह द हुं। १ क्षातर जुबातर वुरासवाय क्षातर जुबात जुबात ह्या संस पहेर्रायाः केर्रार्युः क्वां यह ग्रह्म यहै स्वर्ध केर्रा विद्युष्ट माञ्चनासायाः स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर् ଊଽ୕୲୴ଽ୕ଊୢ୰ଽୢ୕୳ୢ୕ୠଽ୕୳୳ୖଢ଼୕୶୳ୠ୕୳୰୷ଢ଼୕୶୳ୖୄ<mark>ଌଽ୕୳ଢ଼୕୶ୢଽ୕୵ୠ୕ଽ୕୳୶୶୷</mark>୴୴୴ ର୍ଷ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ୟ ଧ**୍ୟ ପ୍ର** କଂଭିଷ ଧ୍ୟ ଅନ୍ତି । କ୍ରିଷ **ସିଂ** ମ<u>ଞ</u>୍ଚ କ୍ରିମ ମୁଞ୍ଜି यर गर्भा राष्ट्र सक्ष केट. यहेर हो। मिन्न द्यार द्यार हर पर देश या समा लेख स य वे चीचर य रेट. वहूरे. यंद्र, ब्रं. त. प्रश्न यंध्रें चे त. ही। चीचर च रेट. वहूरे. तंद्र, वर्षेत्राचस द्वेद पर्वे सर्वद भेद भेद भेद भेद पास प्रे द देश व महर प्रत्स पहेद पा ८८. प्रमुख. मक्ष. भक्ष. पर. प्रमुख. पर. प्रमुख. प्रमुख. प्रमुख. प्रमुख. भक्ष. भेट. प्रेर देशकार्य माल र दू वलना यर से दुषाय के दि गु हिर दें। दे वस द सक्दे

୬ଟ.୯.୯.୯୯୯୬ ଲିକ.ଶୂକ.ଛୁ୯. ମଫୁ ନି.୯.ଡ଼କ ସି.୯.୯.୯.୯.୯.୯.୯୯୯.ଅ.ଖ.୯୯୯ଅ. च द्वारा प्रतानिक स्तर स्ति स्त्री स मुर परे रद्भावित देश हुँद परे सुर विश्व मुर परे दें । दें रूट रेम् परे दें र्चेश्व देश के के है। वेश यं मालव मीश मर्केव यर भे वृश यदे सेर ही। मर्केद यर चेर् प्रसाद लेश न प्रसाद सेस्स प्रमाय स्था निर्म केर. यर नुर्ने य लेखान वरे र्ने र्ने । वर्षे क्रिया क्रिया वर्षे क्रिया क्रिय मिबिट मार्टा रहित सर अहर्य सर खेर मध्या हुए हिर खेर खेर से मार्थ मध्ये म् र्यातह्वातर त्मुर लेष लेया मान में में र्या मी र्याय में या यहें या यहें या यहें भेक का भुवा निष्य वा क्षेत्र वा च मका कर दि क्षा वर सेना वा र्चन वि क्षेत्र दि क्षेत्र की ૹૼ_ૺ૽ૺ૾૽ૢૻૢૡ૽ૹૹૢ૱ૻૹ૽ૹૹ૽૽ઌૹ૽૽૽૽ૢ૿ૢ૽ૢ૽૽૽ઌ૽૽૱ઌૹૢ૽<mark>૽૽ઌ૽૽૽ઌ૽૽૽૽ૺઌ૽ૺ૱</mark>ઌ૾ૺ૱ दप्ष.क्रीर.स्.७४१.च.५.द्रुम.५चीं..चप्र.टट.प्रुम.६४.मी .शुभभ.८८.शुभश जम. वैदान क्षेत्र रहा है । अधिकार के अभ्यान हो । रट.ची.चिर.ज.रचा.जश्राचा.श्रुभशाद्द श्रेमश्राजशाचिट,चप्र.श्रेर दुवी.श.र्छ.शर्रे। शः वर्त्र नारायः नेते स्ट व किन स्पर्नाय ने सान के शाम के सान के साम वर्षा लेखा न न न लक् खटा जर गुटा पर्ने प्रांस प्रेक मी। वर्ष गुटा हेना पर्ने टिं वर BL: বर এই র ম.র্ম. ম.ৡ८. প্রব.ব. ८. বর এ. ४८. ५ এ. ব. ৪ ८. প্রব. বর জী । ୢୖଵ୶.चଛୖ୕୕ୡ.ମ୕ଽ.୴ୢଌୖ**୶**.ଖୂ<u>. ଔୣ୶ୖ</u>ଞ୍ଚି.चङ ୬.୯୩୯.ଅ.୯୯.ଅ.ଖୁ.୯୯.ଅ.ଖୁ.୯୬୯.

बुद्धः स्ट्रंबः तरः स्राद्धम्। यस्वः तरः स्रात्सः पदेः रदः पत्वे व रदेः है स्ट्रः र्देष चर्द. ब्रैड. इ. ब्रेड. चर्मा नर्दा। चामा हे. हे. से चर प्रचीर च. खेडा चे. च वै.म्वायाये.भवतः स्याये.स्या पर्या पर्यास्त्राच्यायाः र्सेन्सायार्सीस्टिम्सिम्मेन्यायात्रीयर् १३९५ प्रमुक्यायर वुसायाक्तावस्य क्ष्र रु विकासामा क्षेत्र है। रे के रे उस रु के रामा मा के वर्षे । वस्ति मत्रसम्बद्धाः भारत् भारा भेरा मा भेरत् हिंद प्रार्थित मा क्षा भारत् भारत हॅम्बारा-प्यान् सेर्पर प्रमुद्ध हैं। दे प्रसाद रहा देना या उसाप्या सेर् र्'न्द्र'यर'व्युर'र्रे।। म्ह्र'में कें'रे'क्षे'व'ऄ६'**यरे**दे कें से**न्यर**'हिन ત્ર- છું - તું - કું કું - કું વસ કું તુમાન તું કું માતું કું માતું કું માતું કું માત્ર કું · · · · मादः तमातः लेमाः क्षेतः ददः दकै वरः दक्षेमाश्च यः ददः। दे विवे तुः माल्यः दमाः मोश्रान्सव य न्यामुन्य र उव मी नव्य न्निय श विताय न्ये न्या न्याम्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् हे रेता. बु. श्र. तम. पे. देशू त्रीय राजू ।। श्र. तम. वे. खु. श्र. तम. ती. तांवस. श्रेयस. बहुरीत् नुःक्षेत्रानुः सर्वेदः व व रदेः सासन् स देःश्चेन् नुः ने त्यादेः स्टू निक्राक्तेः च.ज.सूर्याकाना रेभूषाकाना इ.जेर में में ये बहुत्य हा सर्.व.व.व.लता इ.रेया. ମି'ଝି' ଜଣ' ବ'ଟ୍ରିମ୍ୟ' ୟଦି 'ଖିଷ' ପ ୧୯' **୯**ଛି' ପ ଲ' **ଝି**ମ୍ୟ' ଏହି 'ସ'ଛ୍ଟ 'ସ୍ଟ୍ରୟ' ଓଟ୍'' ' प्राचित्र त्र प्राचित्र हो। भ्रेष चे सब्द य स् प्रवेष हो। भ्रेष चे स्थाप मर्वेट् त. त्. रेप्टे हि.केर मर् तर् तर् का श्रेवश में वश वे श्रे व रेट प्रकृत वा श्रव्या यदे प्र श्रु**्न हुन भार हे 'ब्रुर ।** के 'लस कु 'हुं श वु 'सर्वेद 'व' वे क्सर जुट स्

यदै नात्रभ भ्रवस द अद त्वुर हे लिस व वरे हे द हैं। से से द य द रेन त्य लेखा नु न है के समान नमिया या नि ही सान महिता में ति माने पर । मर्देष् पर दर्र प्रते क्षेष चु चब्रि क्ष बेश चु च है। मद्भी यद्र दि दर्भः परे : क्षेत्रः वुर्भे ॥ त्यु मानम् वे पर्भे में में में क्षेत्रः वी प्रेव परः ষ্ট্র ব ম অল'বল্ম'ব'বেই'মার্ড্রেম ব'ত্রের'ট্র বই'ল্লের'ইর'র্ল্ ব্ল'র্ম্ন स्वारा मा रम्बर ह्वार माध्य लेख छ च न मा स्वार प्राप्त प्राप्त स्वार क्षेप्ता वर वर वर को ने पा के ने क्षेप्र के ने के विष्ट मी मान पर पर पर के ने विष्ट के ने कि के ने कि के ने कि हैन नु मर्द्धदश य प्रेश व वेते धेर हों व दि दि दि वे ता सेर में य सेर्माश पा ध्याप दि नुस देश यास्त्रा भ्री वाद्यायहेनायाद्यान्यसायाद्रमायराष्ट्रीयवे दिवी नास्यायर ह्यदायर त्यु : मुं। दे विदामी दाया श्रेमाय दे साधीदार्व ले दा वन्त्राय पर्दे सक्षरकारामाध्यक्षाते। पर् सम् द्वित हास्यान् नु इत्यान क्षान्य स्यान् श्रेम्स १८ संस्थायस वुराव १८ सर्वेद्यायते हो हो हिं । द्वा प्रमाधर परि याप्येद दे लद वस प्र स्र रहे सम हर ले दे ही। वुस प से स्र र देश्व यादे त्रश्च गुटा द्वे व के व्यव नी विष्य या ही यादे व द्वा यह रहा है नाया दश मी पर्मा हैन उन प्रेम न प्राप्त । नि मी प्रश्लेन पर में प्रश्लेन प्रम्य में प र्च ता श्रीत ता सेन नु में के जिट ही में ता का निक्स ता न देव नु ही जान दिना ता ता श्चिशाय नेट करे य पड़ेश ने. हैंश की ह्य ते. नेट अर सू क श्चिश ता क ही हूं त

यालटारे खे.वेर वीर व र्षेष तर वीर की र वट्ट मी र ला स्वाधार के सार् के है। मीरायत्रार्टायंबुब्कुर्युद्धः अत्राचिराचिरायप्रास्त्राच्याः स्त्रीशायप्राद्धेरार्ट्या मेर्मार्ड्न्यम् छेर्मार्यः तिस्यायः द्वा हिन्द्रम् त्वादः विषाः सेर्भः सार् देव वस्रकारुद् है साधिक है। द्वीर क्रार्य रेवा साक्ष्य स्र यम्भेर.यपु. विधिताता के विष् . विशावी या कु र या ने . यो या व ता ले थे हूं। कै.चीट.म.र्विताता.भूटे. कुट.पर्वितातपु.ती.मा.मट.भूटे. वुका.वशका.बट.भूटे.... मर ह्यान म ल्रेन्स म में के विनान विका निका निका में कि नाम श्च.त.प्र.कुन.मुश्च.ट्र.किर.पिश.संटश.त.लुव ख्रा क्य.प्रतेर.श्चेर.त.चलव. न्ना वै र्ह्ये वे नि से ने वि ता से निस्ता वा सस्त स्त से ने वा सामित है। **ਜ਼**.ਜ਼ **શ્**र्यक्ष.म.चढुर.में.साक्षक.चर.३सका.से.श्रिट.म.३२.मी.हीर.ट्री मिटार्झ्ये.स्.ज.स्यांश्वाराःक्वे.र्जार्चे.स्.यं.केर्ट्रे.स्.यं.भाषाये.खेटा। येश मानहिन यर पर्दे पानाकेना मी आट कानाकेस यर मुक्त य पर्दे पा सा प्रे के हैं। निर्माद्यायाय के ते सामायाय मान्याय है द्वार पर क्षेत्राय विष्याय वाय प्राया होते १ रे केर में हिर जेश याम लेश मायते पर्य पर्देश यह कर हैं । हे देर वट में वरे व पार्श्विश रायर है रहें नहा यह रहा র্মি বেশ্বর ব্যা पत्रिक्षाम् विक्राम् मु नद्म हेद छव हेद प्येव प्येद सुर हो। गुव द पद्मका सदी महिट पद् **८९५ प्रे क्याम र्टा म्याम १९८ क्या मार्डे अस्तर मार्डे अस्तर मार्टी हैं विदेश हैं वि** वं 'ल' स्रें न 'स' सह दे हैं ने हैं ने 'सर्वे 'यदना है न 'खब स्रे 'स्री मालव सी कर सी स्रा

हे**ॱ**श्नर्-तु-प्यर्-प्रश्नेष्यः पशः ग्रुष्यः ५८:य्रथः यः १९८ ग्रुः ष्पेर चर्ते सुर र्सा द्यैर महेश हु से द पर् ॥ ब.इ.लूर ७.व। ह्य.त्. प्र.४.३मम.श.श्र.ह्य.त.ह्यर.त्.३मम.श.श.ह्य.त. भेर वे . बेश चे . चं . चेश . जर व हिं सर देव माल्य त्र त्र त्र त्र व्या । माय हे हुं है कि हिं में है। हिंद है पेय पर वयःवरःवनुर। ।रे.क्रं.वर्रे.हेर.हिंदःस्र्रं सेदःलेश.वु.व.र्टः। उर दक्षेत्रसाय देश यदे हुर। । ह्वि ये दे ह्वे प्रदासे देश नुपाय स्वास यः नश्चिरकारमः भेष क्रा। शः ५५ त्यानाः चः ४ अः देः वङ्ग्यतः यसः नुः नः भेष Ð̈ί म द्राया सेर् दें लेखा मुन्य के साधिक है। दे अप व व व व यह्रद:यहंद्रा:सहंद्र य: में मामस:यर ह्रद्र:यर त्युर:रा ह्र्य: स्वाध: याने न्ना गुटारे विंदानी कुन्दा न भेदाद ने भेदाद ने याना ना या के लेना न ऑर् पार्केर अप्येष वे 'बेश नहें र पर नुवें। हे 'हर 'द प्रेष नुवे नुवे नि मारेन'न्सेन'य'धेर'ले'र्वा र्ह्हेन'र्न्स'ग्रे म्राट मेंर्स'ग्राटा चुम.चेर्. ट्. यू । वि र्ज.केर.कैट.वट.कर.ट्री ।र्व.लुव.क्म.जुम.ट्. र्थेश्यां ता र्श्वन्य ता त्या र द्वार हित दु हैं न्या पते हैं चे त्येत वी। न्या है ८.४.२.भ.४.४.१४.म.ध्य.तर.४चीर.<u>५</u>.५५४.४५५.५३८.मी.खेर.सी्र... त्रै प्पॅर् प्रमाणे मुर्गे विष प्रमाण कर्म क्षापर विष प्रमाण

डिना च उद प्रेद खेर । दस्य चर्मा स्थाप र ही दस्य चर प्रेस च पर में दिया दस्य मिश्चरश्चरत्ते. द्वेर-प्रमायायाको र र्षः माया हे त्र त्राचे क्षा या मार्थर स्वापके मार्थ क्षा या य. ब्रे लेब. बे. बे. वे. के. के. वं. तं. ते. तं. लेट. केंग्र सं चीलवे. केंग्र र यहूर यर भी वेश न अभाग अभाग शी स्टूट य से दे या मार्से या से दिट यते खेर हर। वेश य के असस सु खेर यते हें में के द से द खेर ही म् इस्तराय दे से इस्तराय लूर पार दे साला दे हैं। इस अभार शिस्तर से सिंह याक्षा स्मार संक्रित्मका सेवायदे हुनार्त्र । नाम हे द्वावरे वामार्क्षम् याचित्र दुः होत् सं त्या ह्यां सामा स्थान स्थान हो हो से दे न दे.बु.५.७८-५ चोश. १४ श्रुष. बु.सु.च.ता. सूचीश.च.ज.ट्र.च्यू.१५.च्यू.४ श्रु.शु.सु. य हैर ह व र न पाया भी द विष्ट । सहें द खुम द व साम से द त से साम से दे अदः देश द्वा मार दमा मीश लेश दे प दे पदी मही महर म र्दः ५ हें दार 'बेव' य' अदः र्वा' यर कर्' ध' अर्के व' **अर्के दः है।** हिर्' धर र् त्यन्कः सः क्रेनः प्रेवः प्रवे : स्वे : देशे । निवे : स्वे क्रेनः क्रेनः स्वे : हेनः निवः स्वे : स्वे : स्वे : 리로다.다. (अहं . पर . भट्ये. पर . हिंदे ता अ. झंटश. ता र्श्या है। त्रां निट. देवी. ता. . सर्ह्य सर्हेट न से दे ता दे अद हे स नुर्ता दे है है दे सहस नुष्य ता स नावर त बुश न ता स्वास तरा तकर तर होर है। वस्स उर हाँस परा दे 34. 25x 2c.xc xcx. 40x.24. 4j. mc 3. 4x. 1. 2xx 2c.2. 32. 63xx 2x. 2x. बु लुंस प्रहें हो। अदश मेश पर्ष्य जिय पर्या के प्राप्त में प्रिय के प्राप्त स्थान

พ.พะพ.นิส. นาฐพ. สง. ระพ.นิ. นิง. ระพ.นา. นา. เล้า. พ.ส. เล้า. พ.ส. เล้า. พ.ส. हे.श्रेट.ड्रेश.चेड्रा हे श्रेट.टे.चोट.चुश.कुर.श्रदश.चेश.पालंब.चं.चं.चेश्चट. यदी मात्रका स्नावका उव रमेत्र य देवे सुर । सह से द्वा मी सर्वे प्रवे प्रवे हें सह द থাবে। বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব এই প্রমান্তি ছি এই শেষ এই বে বে এছুব বিশ্ব প্রমান ব वलम् यः सहर गुः र्मि व किर्ने के से से में व लेखा वह व पर प्रमुद में। नु दिर प्रिया प्रसार मह्त पर हूर महर्ष महर्ष पर कर्ष पार महर्ष स्था महर्ष यते. होर ले र व. में सारत वते. में वहर तर तमुर र ॥ तरे में में मा प्रेस में म इवेक पति सर्वक केद कर प्येक पति क्षेत्र रें लेख नु प के नार मी खेर मकेश गुरे : वेद क्रमश्रास्त्र सिंद केद मर्सि व केद मर्सि व प्येद र्वे॥ दे प्रसाद मावेश ग्रीस र्वेन पते सेश व केर शिकाय हे देश कर मिन केर महिर पर प्रमुद्द रेग है हिन र्वटः च 'लस्र' च ह्रिंच' यः त्य द्रिंद्र' यर 'लेश मु 'च 'वे 'यर्ना 'त' ह्रिंच सर 'द्रिंब 'यर ' र्दे । भेरे हर दम्भ पर मल्या य अद लेख नु म के हि दूर कर मी महना के द उद मु भि भ के द र देश तर हो विश्व देश तर प्रविता में । रेल सूर प्रहूर त ल सूर त. मह्मिन्यते लेख नु न के ना बहा ता खेंहा या नु स के ना नह न या नह ना नह ना र्टः रंगः त. केर् त. खर्षः तर वहूने त. ख्रेंना तर विचेरः हो। मोबेरः हैं कूरे निर्टा ब्रिट्स क्रियासायाद्या दे विषया न्यामाया स्वीति विषया लु बु हिर चन्द्र प्रम् पर्श हिंद सर्देष्य ताल कुर्य ताल है समस वर् गुरु वे केना वर क्राट नर नीर ना क्रिं ने ने लका ने का नहीं नर्मा ११ है ना कर .. चतुः सुरार् हेशान् इतायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स् सहरायत तुसाया के प्रति स्तायत हैता स्तायत स्ताय स्



'পুৰা মান 'দ্ৰী'ম্বা**ল ক্ষাৰ' দ্ৰ সৰ্ভা**ষ্ট্ৰ ক্ৰীৰ মান 'দ্ৰীৰ 'দ্ৰ' প্ৰাৰ্থ 'দ্ৰ' দ্ৰাৰ মান 'দ্ৰাৰ মান 'দ্ৰা यदना केंद्र दु नु र पा अदा दे ते वदन केंद्र दु नु स्वार साम्ये का समा यदमा हैन महिंद् धर देन सामा के व लेश विद सर यहेंद्र धर के व महिमा য়৾৽য়ৄৼ বয় য়ৢৼ৽ঀ৻ঀয়৽৸ৼ৽য়৾৽য়ৄৼ৽য়৻৽ঀৢ৾য়৽য়৾৽ঀয়৽য়৽ঀ৽য়৾৽ঀড়ঀ ঽয়৽ৢঢ়য়ঢ়৽৽৽ पर मुर न क्र पर पेश पते पर्न केर कर हाँ पर में का समी पर कर कर का वारु वा से स्थूट न व प्यट वा बाद से स्थूट वि से से हा चोश्ची.चझ्चैरश्च.त. बर्भाट हु अरङ्काट म केंद्र अ खेद दस ले वा हे के खेद साम खेद है। पदे लेब ने जेब पालबारवर मालवायि कान में विश्व पार है ने की खेर है। म् रूश पर् हे हे हैं रूश है र य प्रमुर है। खुय व र र य व नावश य रे या ध्यया वाहिना वाहिन े के पर क्षार्क्ष मा सु क्षुट न अट क्रम धर हे न पर दिन विभाव है के सामा निक्रा यशःगुःम्नाव्राध्याः श्रेष्टायदे खेः र्या वेशःगुःयः अभ्यातः स्वरं र्या रेदे द्वीर पर्दे भ्रेर मार मी कें 'बेश में मार में मार मार में मार मार में मार मार में मार मार में मुै केश पुन्व है इस पर हैं मृत्य दृष्ट हेश हा द्वेत्य वस स् ॥ वेस य दे ଝିଂଘ ପ୍ୟ ପ୍ରିଟ୍ ପଂକ୍ଷ 'ଭିଷ' ନ୍ର' ପ୍ର' ପ୍ର' ଶ୍ୱିଷ' ପ୍ରୟ' ହିଁ ମି ' ପ୍ରତ୍ରି ' ସାଞ୍ଜି ମ୍ୟା ସ୍ଥର୍ଗ ' ସାଞ୍ଜି ସ हिन्य देर ह्वा वर्नामाय पे किर है। द्वर व वे के के पा पा हा हैं नामाय प्राप्त ना

दे.बै.देबे.ह्.व्.व्.केर.भ.लुब.सवे.क्रेर. मीर से नेर रेस नु नि रें ढ़ऀয়ॱक़ॖॱॻॱढ़ऀॱऄ॒য়ॱय़ॱख़ॖऀॱয়য়ॱढ़ॸऀॱढ़ऀॱक़ॕ॒ॱॱॻॕॱऒढ़ॱढ़ॕॱॱढ़॓ॺॱॴ॒**ॾ**ढ़ॱॱॻॱऄॖॸॱॸॗॱढ़য়ॱॻॸॱ क्वे'न'नाद'णेब'च'देवे'द्र'चॅ'चब'बे'द्राचं वे'वेश'म'म'णेब'द'लेश नु'नरे'''' क्सायर खेराने दे तेशय खेरा नाहर नते क केर र त्यार खेर 59.511 रू:सार्वे'सा भेव है। रहार मा या दस मुहे हें रहें रहें राये हैं हैं राये हैं हैं राये हैं हैं राये ङ**ৢ৴**৸৻ঀৼঀ৾য়৾৴৻ঀয়৾ৼ৻ৼ৾৻ড়য়৻ঀ৻য়ৢ৻৻ৼৢ৻৻ क्ट्र.त.७४.वे.च. के.चर्सेनश्रत्र्।। १.**ल**ट.के.रूप.के.रूप.मश्र.सटश.वश.चर्य. भ्र.स.चर. थिव है। सु दूस है नि के है न स्वाप्त स्वीप र दें। दे हिर नि के न ची.ट्.चूर.पचीर.खेश.चे.च.ज.श्चीश.च.ज। श्रुभश.कै.कू्चीश.शे.कैट. य.चोट.लूब.च.ट्र.वेशक.शि.बूट.चर्ट.ट्र.च्र्यंश.तर.चुंश-चर्ट्र.चरेच.कुंटे.टे.चौट.त. है 'भेट. टे. चत्र तप्र 'क्षा त. चाडुचा टे. पर्ची र ची. की. हु हूंच का की. ही हो हा व. चाटा . . . थेर'य'रे'दै'स'थेर'दें 'लेश'नु'यदे 'र्दर'र्दे ।। र्ज्ञाः क्षेत्रार्थ देस'य' ८इ१.च.चबुर.रे.क्य.तर.क्य.४.वेर.च.य.लुर.रे.ल्य.क् वे.च.स्योश.च.बुर्य.वे. य वे अ नु व र्श्वाश परे दें मिट भेर य दे पहें व य मिट प्रे य दे है क्या यर प्रतेतुर्धर से प्रताहर हो। विश्व तु प्रते र्देव हो। मुं है. पूर्वश. यपै क्सायर पहेंदाय ववेद नु विसानु व केंश में सनु र या केंदा रहत मी द्ये पेदा र्वे। प्राप्त विष्टे प्राप्त विष्टे प्राप्त क्षा के का कि विष्टे के प्राप्त के कि कि

यारेरावहेंत्या है। क्षायर है। यार्पा हेरावहेंत्या हेरावहेंत्या हेरावहें र्दे हैं। दे ता लेश नि न वा स्वीधा पत्रा देश नर है। वहा वहार है न हैं दे हैं। क्षे द्वा मीश रश रदः विश मु: म के मविश मी प्रे के ॥ परेश के परे अर ने.चीज.टे.लय.जा ची ट्.च्.जा.चर्डेश.यश। चाट.श्र क्यूचाश.त.यंश.तर.ही.चर. तुसायास्त्रा दे वे लेस नु या परि पहिंदा या देवे के । मूर्याया सुरायदम । है है अव यन उर मे दें ने मह्त पहें के महत हैं न महत है न महत हैं न चरुराच'स'मुव'च'प्रेक'र्के 'लेस'र्स्चर्रा। माय'हे 'हे'सूर 'लेश'तु'च'य'र्स्वास य.वु.सीय.राष्ट्र.श्राय.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू.राष्ट्र.यू. यःसेर्'याः छक् केर्'र्'र्'त्युर रहें 'लेश'तु'य'के 'अक्'यम्। मी माह्यम्स स्टेर् य'क्'अर'' พลาผาเลงเมิเรา รู เพาะเามะเกา ผู้ราชิ เมิรา ผู้สานานารสัยสมญ์ म्बिरम्भे खेर के प्राप्त कर्म कर प्राप्त के मानवार में निकास के नि चेदःह्या पद्गाला विश्वाचाना स्त्राम्या से सम्प्रेय स्त्रा ह्य . च. २२. न. ज. जुरा . च. क्रु. च. क्रु. च. च. हे । र्शेर व्याप सेर डेस नु पदे र्देव हैं। नाय हे से सेर हुस खुय नुद विस नु न ने अर् 'योद र्व ॥ दे 'या र्व 'र्व दे मु ह्विंश यदे रेव प्येद यद प्याप्त । तपु.हिरा लार श्.श्.श्.श्र.हिश.श्रीं हेर्ट, हेर है. र.हे. लेस'मु'न'फेंद'ने। सें 'सें 'सें 'सें 'सें 'सें 'सु'युव' मुद्द' लेस'मु'न'वर्द 'नूद' हुर' हो। ८६ अद नुः सं केंप्स पदे नावस व सं सं व्याय सेन पा के दिन व केंद्र यर चैर.त.४.वैश.त.भै.हो। रेज.त.रव.१शश.शेर.इच.श.ला.४.तुर.र्.।

लेश नह र पर प्रमुद्द हो। दे दमा मी सुत्य दु मुद्द अद मार अह अह के हो। सर देव है र र पर्यो पर में र पर लेश न पर हैं र र है । है पर पर में र पर है भक्तिश्चास्यास्य रवास्य रहेत् भटेत् पुर्वाकायकात्वी वराके वराव्यी वर्ते॥ श्र्यकाराष्ट्र, स्रिका कु.लीजा केटा या का ज्यान येटा का प्र्यूर राष्ट्र, मुवारे, कुरे या बटा ही। र्वास्यास्याम्बिकामी सार्केन्यवे स्थ्रायान्यान्यस्यायस्यस्याने केषास्याने । ... **यसः लेसः मुः नदे रेंत रें।।** पाल्यः प्रः पाल्यः लेसः मुः पः वे स्थ्रः हेना मुर मामकाष्ट्रियार दे प्लेक के लेक दे स्मर दु स्ट्रें पर हिन ही। इस पर पर हिन यर वृद्धारहे कु केर के खेल के के कि कि निया । कुल स्ट क ही कि त.बरे.ची.चेश.त हेट.दंशचंश.त.अ.लुब.वंश ह.र्जर.व.सं.सं.सं.सं.सं. मी. इस. त. पहुंची. तर विशेष पर विशेष हो पहुंचेर हुंचे सू ता स्वीषा भा है। र्भास्य रच गु देश ताला र मी विश्व स्ताला स्वाला स्व रयःभः मीयः तः केर. मी. सीर. हार् स्यायः स्थायः त्रायः भीषायः भेदायादे सूराद त्यादारवा खुवा हेरातु विष्यादर्गी स्थार्थे। मः हैना उर पहेंद्र या मेर दिं लेख न नर या प्रेत का लेखा दे ते पुरमा हैना बर.चडिट.च.भ.लुब.खुब चर्चरेन । खुब.चे.च.ज. शूर्चब्र.च.झूंश.शू ॥ वादानी के स्मरायना हिरायर रे मीरायान हुवा हेर ग्रेस लेखा ने व है। वहित्रपर विष्य दे निविद्य किया विषय के प्राप्त के प्राप लेखानु न के निरासर नु साम्य भाषा कर की प्रदेश न नार के नार देश साह ना रुर मेर्नि तर से बुराय हेर के खेर रें।। दे सर व हिरायर स्वर द्वा मेरा

तृ नुर यां भार्मेदायाने अप्तापादे केना उरावहेंद्रायर न्वत्र नुस्का से पर्दि हैं। देॱहैद्'वै'दे ख़र-द', अव-वन दे-दना-हेस-मु-च-क्राक्र-च-क्क्री विमुद्द-चर-वै'वर्र्भ र्रेन्'ग्रे प्यद्र'र्द्धद अद व्यवा देश प्रद्राध्य स्वेत्य केन्य केन्य विद्राध्य प्रदेश अद लना कर नहेना ल हिर पर केर मश्र लेर पते हैर तहेंद्र पर द्वीर र लेड़ा रेते केर लय वात कर लार लेख च न वार्मिक मार्श्विक है। दे हर व नार में ર્ક્કે અન ભવા વિરાધ રાતું વવારા વાતા કેવા કેર્યો છે. બેશા ધરાવ **વુરાવા લેશા છ**ાવા प्रदेते अपन प्रेन व्रा प्रमान समस पर्येन निमान स्वास प्रेम स्वास चि.च.बु.लब.जचा.बंश्वरा.जालब.जचा.चेट.उचेजा.च.क्ये.चु.लूब्.२४.टंट.जशाल.... स्चित्राचारते चार्टात्र्य धर्मा अवायमा उदानी स्व ग्राटा अवायमा दे हे त्याप्येत्राहे। वर्ष्येत्राच वर्ष्याच्याम्बरायेत्राच्येत्राह्येत्राह्या नाटावनावालेनाः मो तनात लेना वहें नर तमुर है लेश मु न के के न व संस्थास य वर् न दि स्क त्तर् त्त्र्रम् भे त्यं त्यं त्यं त्रम् द्रम् विष्यात्रे त्या मात्रात्र त्या मात्रात्र विष्या कु ल्यू न र लाह क्यू न हो। वकु न विश्व प्र के કેર.ભય.ખય.વય. છે. ખેતા ભય.ખય.ખય. વય. વર્ડા વ. વે. વંદા ક્રયા ત જોય જો অনাওর ৸ে পর এনা ক্ষম অ অব ব ই শ্বেম ব নুম্ব বমা পর এনা তর অ । । । । नांश पर्राथशण्टावर् पर्टावर्षापर्रापद्रीत्य द्राय द्रायायश्यश्यम् याः "" प्रमुख माधीरावा। माटामी कें द्वी पर हे पु हे साम माने पर कार केंद्र दें। हिमा हरे नु स वहित पर मुन्स में हिंद माल र दे नार नेश हैं हैना उर लेश नु पर या सनास न हैंब हो। हैन हर ने स मु पहुँ नर हैं ने म म हैं में स होन स होन सर हैन उदं विहेत् यदः नालुद् से विहेद् या केदा साधीत दस्या मालुदा सर्वेदा

वते भर वुस्राया स्वसायते न्द्राच हेना हर लेस वु न रहे है रे हुर पहें रा परे.सेर.रे.स्ट.जश.वैभाव.ज.स्चीश.तपु.ध.क्षेर.त.चिथ्यः पर्ट्र. माने प्रमाद दे में भारत है ना के ना लेस-दर्नोदस-स्र्। भराक्केनाकर ह्या नहेना दनुर लेस मु न उदे दि हुर ही। ·ଌୖ**୩**:ଌଽୄୣୠୖ୕ଈ୕୳୳ୖୖୡ୕ୠ୲ୠ୕ୠ୕୳୷ୠୖଽ୕ୣ୶୳ୠୖ୵ୣୖଽ୶^{ୄୄୄ}ଊୗ୶ୖୄ୵୕ୢୄଌ୕ଈ୕ୠ୕୶୶୕ୠ୕୷ୠୖ୕ୣ୷ वहेंद्र यर में वहेंद्र य नार प्येद यहे वा क्रिंद रहे प्ये प्याम प्येद दें। प्रेद रहे बै मारामा≝साधार्त् यसै कर्झेर्ययावरुपराधर्परायारेखारेश्चर डे**सा** मुर्वे**। रे**प्**सर**ा व म्वव य भव राष्ट्र केव ये पर्ने नर्द सव यार्ट म्वव र्या न्या स्ट या हि या है व व व ने ख़र विकेश नु ह भामाल भाभा वायर मी ही हैन निर्मालक व्यान हैन वार्सिंग्स मा प्येशक्षा श्चायास्य विश्व द्वाय हेन् नाडे गानु पर्दे प्ये हे साम विश्व मानु पर्दे । य सेन्स य भेर ५ र न्सुस ऑर असुनुर य १९६ मेर द अर व गर वर्गे द य नहेना ঀৣ৽ঀয়য়৾৽ঀঀ৾৾*ঀ*৽৻ড়য়৽ড়য়৽ড়য়৽ড়য়৽য়য়ড়য়৽ড়য়৽য়ড়য়৽ড়য়৽ঢ়য়ড়৾ঀ ङ्कार्के**नसः भूटः च**्लेशः चुःच रे केंन्सर ने के सर्वे भी सर्वे ।। केंसर करा निकेता ल लट खुश व करा श्रुपेश प्रश्न दक , पर वेर हो । देश दे.श्वे.रेट्श. चॅर-पॅर्-स-चणना च-प्येक कॅ. लेख नु: च के हुं । सुयक्ति र नु प्पेर-म-प्येक के हु । र्ज्ञ मिर्ट्र हे वायामा व हें बादा है दाल है पर है वह । है दार बाद है दा ন্স:প্রার বাব: বর্ষুর বাব: ব্রামুল বাব: ব্রামুল বাব: ୢୖୢୠ<mark>ୠଽ୕ଽୣ୷ଽୖଽ୕୕ୢ୶ୠ</mark>ୣ୷ଊୖ୶୶ଡ଼୶ୄୠ୳ୢୠ୕୳ୣୢଈ୕ୡ୕୵ଊୗ୕ୢ୲୕୷୷ୠୖ୵ୢୠ୵ୣଈ୕୵୳୳୳ୠୣୠ ठत्रकृदः प्यतः स्वेदः द्वा देवे स्वाप्तः स्वेदः स्वाप्तः स्वेदः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स ସମ୍ପ୍ର ଲି. ସ୍. ହୁଏ. ପ୍ରଶ.ମନ. ଧାଞ୍ଚିମ.ସନ ସି.ସ.୬ୁମ.ଯୁବ.ଯିବ.ସ.ଲୁଏ.ଖ । र्टात्मावायायायायात्राद्राद्राचे द्राचे द्राच्या हेना ঐর **ন'**ই'স্কেম'র'ট্রিব ঘম'ট্রই'ম এবাঝ'ন ব্রীবাধামর্।। मालद'मी'स्पर कुर.लुब च.बुब.चे.च.बु.लूर.कु.चहुब.लुब.बु.। दश्य.त.प्याय.बुना.ची.हुब. श्रि.चेर.तपु. क्षेर.वेश.चे.च.प। पर्.केर.क्र्य.च्.प.स्वम.दपु श्रै.वस.पुस. ฅ.ษ.ปพพ.ษ.ผี. ส.ช. พะ. โล้ง. ฮุ. พ.ชุปผ.น. วิชผา. ผี. พีร. ป . ปะ. ช วี. ปรู... हिसास हेराना १४ है। यर प्रचीर सा वावर हे सि प्राप्त प्रचीर प्राप्त है विस च.च.बु ट्र.च्र.कु चाबाजाचत्। चाताडे.स् ताबाचिटाच.रटार्च द्र.चेबा य'दना'नेस'देस नु'द वे मालुक् मी'प्येव'हे। दुःशःस्निध'य'द्रद्राख्व पदे र्ट्र म्हाराध्येष,तार्ट्र,यात्यराख्याची,यार्ट्र क्षेत्राञ्च,त्यशाचित,यप्राप्त <u>र</u>ूपेशाता. र्रे माराधित रसारे स्राप्तर मुर यदे प्रमुश्य वसामार मी के हें राय रे हैं र मु लश विद्युत र्मे माना नामा प्रति विद्युत माना महिंद न नि स्थ पा मीम विद्युत माना मुश्र अर्ह्स् नर प्रमुर हो। अर्ह्स्य अश्र है वर्ह्मिन ए प्रह्म नपे रामनिक वसार्वे ने सामानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक इम. मर. विम. मर्जे नरेच हेर. रे. हर. पहेर. हुर. हुं अ. च. पट रे रे हें। मर्जेट. नसार् दिर नेशायर दिशुर विश्व माने पर्दे में लाया दिर सर्वेद प्रा दिस मुन दे कर मार पका लेका नु पर दे कर मार पका भेक पर का मुर का प्रेक पार के क्ष गर दानी महंदर हिंदा भारते न पासे दाय दे खेर में। हे क्षेत्र दें दे दे किया न

नः के 'द्रमदः व दे : खुवा मी दे के : धे के दे : व के के दे सर : के 'द्रमुद्र : दे के सिंग नु नदि : स्थाप्तर्भातर मुरायर दे लेश मु प हे हे निया में ते खुला मु चीर.त.ह. खेश.तपु. हशाशि.वीर.तर.वचीर.रश. खेश.वे.तर.श्रीर.हू।। हुस. য়ৢॱवेदःयरः से 'व्युरः रें 'लेस वु वदे 'दॅद हैं।। देंद 'स्दि या सू 'हेद गुरेस स नमून'य'र्रुर'गुः खुर'र्र्सा हेस सु'दर्जो नरुन'गुं इस'यर हेना'य'नहर्र्पते श्ची खिका भूषे वार विश्व सिर्ध प्रशासित्त प्रशासे प्रतास हो ती खिल हेर लेव सामा विश्व दे'वे'दे'केद्'वधवःववे 'खेद । देश हेश सु'वर्जे व रहा में दहा देश देश प.लट. बुंश.चे.च.ष. श्चिश्व. च. श्रुं ।। लिक. ट्रे. रेट. ट्रे. पुंश. तर प्रचीर. र्रे 'हेश'नु 'नदे 'स्रुनश'र्ट 'सुर'रे । सु 'र्ट'र्ट्र 'वार्श्नाक'यदे 'सुवारे 'र्ट्र हे अभग श हिंदा न र प्रचित्र हो। विश्व में दि हैं हैं। निमार्स है। .चुम.चप्र.तीया.मु. र्ष. रट. रेश.भष्टरमात्तर प्रचिट.च.वर रेश. **ड्रा.**च. यु रट... ं वे 'चे 'चं न दुः भ्रुं पदे 'म रूट मो हे थ सु 'द व्हर्य 'वस' वह दें। दिन हुं । विश्व प्र दुहर पद्गारम क्षेत्र क्षेत्र पर लेश नु पर है। क्षेत्र वर खेत्र सर पद्गेत्र न'नम'नुसम्हर त्रुः नरे दरार्द्धय ठरा फैन्यर रिं। रेवे मर्ने हेते. म्बुदःम् देशस्य उद्दर्भ न पायहे । दे द्वा के पदे भूद दे स् भूग.रट.चंडिचेश.रट द्वेश.भूग.चू रेश.तर.चुंश.च.लूर.वू. खुंश विश्व.चं लूर. देश त.च.के.च. अट.वश्रेषाताल्य श्रेदानादे हीर हिश वि.च.चे.र हेन विना नट मी हे सेना ल. श्र्वांश. नपु. र्थंश. तर. पुंस च.लश. क्रंर. चिड्डेचेश. ल. श्र्वांश. चर्ड. लेब. बुट...... **अदः देना अप्येदः यः दे २ कें अदः देना अ**द्दः येदः ना स्वतः य स्वादा यः दृदः मार्डे सः । नर्भिनात्य स्मिम्प्राचि देशायर जेशाय द्रावश्यायात्य भी मुन्स्यायर मिश्र य प्रेन वर्षे हुर न स्नूद रेना स निहेश य यत्र य छैत गु श्रेर द्वर में दे खुभ कु दूर्व नम्भय न भिर्व वी। हे न्न न दु न्य न दे हु न स त मिन हे न स न्द द्विभागित्रः। मञ्जासन्दःस्रीनानीत्स्यायरःभीसायाञ्चराधिकाया मानुकारात्माक्षरामु द्वारायर विकास प्रवास दे व्हर दापा हुन है माना समादेमा वन्द्रात केन भेद प्रवे छेर नियद से वे खुता वह्नव य भेद दें। नुःह्यं प्रते सुन् माया द्वरास् वे सुरा द्वापाया प्राचीर प्राप्त मी क्षापा रुष मी लुक् में व्यापर जे शास क्या मेर क्या प्राप्त वार्य प्राप्त वार्य प्राप्त वार्य वार वार्य व यात्मात्त्रम् यरात्रहेन्। यरानुसायते मु हैराणुकास्यवा हैराने पायासाये र दशाले मिसः येत्र त : भर सेना नो 'द्रमः यर 'वेस याय स्ट्रिंग्यर 'खुय 'भर 'दे नुर 'दे नुर 'दे नुर 'दे नुर 'दे नुर 'दे नु वा द्विष्ठान्त्रयाये द्वार् प्रदेश विषय वामा माने वा वा मुक्त सर दिन नु को नेन या प्रेन या दे खुरान मिनायर नेन या प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय वर्गी। वर्ग मदे दह्य में दे क्षा लेख में में से से हिमा सामा के मा समार्थी। दे आदा भुष.है। वि.चर.भु.वेब.तपु.विर.तर.वेग.वे.वर्.वेब.तपु अष्व.केट ने भारी भार के सं निर्देश ने ने किर गी मुस्या ने नुस्य ने निर मेर पार्टे लेस मन्दर्श देशके लेश न न के दे सं प्रमाधि मुद्देश के माना स्क्रि लेकानुःयाने नगराया दे जेकायदे नक्षेत्रकाराहे में न हैन फेन या हरायां हों। ने दे

कुंदानिक गुद्द लेक नुष्य के द्वाद व दे दे इस वद विकास दे साम में मान प्रदे के मीका १८वट स् पु.रेश तर ज़ेश तपु.लेण जम लेज विष हेट कुर में या पू মা; र्यट स् तु र्यु स्थान्त्र र भारत्य र युटा प्रते राटा द्वाय र अ मीश या मुनास र यत्। देख्र वर्ष अपत्रदेशे वर्ष देशे वर्ष वर्षे व ल्ये ब्रु. ब्रुंस चि.व ह स्विञ्च वार्याता स्वीता ता स्वीता ता स्वीता स्व लेद देवे देव वे दवः व वे भेश य भेद व । दे भार विदे व व रे म्या व ल्र्यामाल्युरायाने वे स्तुरा कुमाळदावायमार्थेदावायार्भेन्माव याने प्रा वंदाव्यावते हों दार्थेदायं से से के विश्वान के वश्वसाय दे देन से दार्थेदाय न्यः हे द्वर व हे द्वर व हे देश है । के श्वर के ति के ति है है । के ति दवदः वेंदिद दें दें की अद हैना अद्दर में देश अर्द्ध स्थाय करे 45'35'SII केन्यित्यते खेन भ्रम् केवास १८ व व नवर व रे दस वर मेश य नदा अन हुना मा ना केश तार राज्य देश तर राज्य सार राज् **ढ़॓.ॳ**ॴॱॸॗढ़ॱऄॖ.¥ॳ.तर्. ॳॖॳ.त४ॖ.लीम.८वट.त् ५,४४ तर.५४४.त.स.१९८४.त. मक्ष्रियायासेदायाक्षेत्रावद्वात्रीया व्याप्तिमान्यास्य विकान्यास्य हैं। इस में अपने पी क्रायर में अपने विश्व में ने दे दे दे में में किया में मार्केस पर्वति विद्यादेर प्रवृद्धान व्यक्तियाने व्यक्ति स्वानि स् डेमा मानिकाया भावुदा विते पदा दुवा उदा लेका वा विते देवा हो। 💛 विदे देवा देवा है। दिवार र्घ दे दे दे भारत पुरान है से दे त्या के कि है। विकास के दे ती है कि दे ती है कि दे ती है कि दे ती है कि दे ती है इस्रायर विशायते खुकानी र्देश र्रो। त्याप्रशाय केरानी खैर र्रो विश्वान या बै'फ्रे**न** ग्रै'इस'सर'वेस'मदे'छाय ग्रै 'नुस'द'न्वद'र्स वे**'इस**'सर'वेस'स विन य हैंद गु हुर रें वे स ह वर देंदर हो। वरे हुर द्वर रें दे सम पर वेस मन्दर्द् ने मु स्पेन पदे क्षेत्र स्ट्र स्प्र मा सेन ता लेख ना त से से मान नेश पते मुं हेर भेर पते छैर। रवद ये वे द्रम पर नेश पर्द भेर गुर इस'यर'नेश'यते'ख्यार्द्रदे दे द्वार में दे इस'यर नेश व द्वार्द्र दे द्वारे भेर गुँ दम पर वेश प ताय हर भेर पाये व वा। दे अर द अर हे न स द्रदः व् व सेना द्रदः ना हुन् सः द्रदः । मा है सः वः त्रः सेना नो द्रमः वदः दो सः वः द्रदः सेद मु दसातर पुरायद सिया द्राये स्पार्ट दे स्थापन दे निया में विद्या स्थापन स्थापन ઽ૯ૻઌૻઽ૽**ઌ૽૾૾૱**ૻ૽ઌ૱ૻૡૺૹઌ૽૽૽૽૾ૡ૽૱૾ૺ૱ૹૡૡ૽૽૱૽૽૱૽૽ૺૡ૽ૺ૱૽ मान्त्रित्त्र देना मा व्यवस्त्र लेश मध्य मर प्रमुद्द हो। दे स्था व्यवस्त्र व मुद्द स्त्रे त्तुर लेट लेख न व के नाय हे प्येत हैं इस चर मेश चरे खुल दें प्येत हैं कि नम नुबान हर्रिटर निमामक्रिया वर विद्यान मार्ने के के मुक्त में विद्या है। देवे ક્રુપ્ટ, તું. લોખા ભારા મા ભૂષ છું. હું મારા તું કર્યા છે. ત્યા જુના મારા કર્યા છે. તું કર્યા છે. કર્યા છે. તુ में त्रद्भार दे हुर वह द ये हुर। दे हुर १ वह या लेस मुन्य सर्माया यःश्चेंब.श्च ।। प्रवश्चित्र.वे.लट.रे.रेट.कश्चेंट्य.तर.खेश.वे.व.वे.वेंट.ट्रे.रेट. डेना उर विश्व नु मदे दें व हैं। देश देश देश पर है व पा है दें व महिः पर नु मालक अदा ते के प्राप्त के के प्राप्त के प्र

या क्रिका क्षा । दे अने पर प्रमानदे प्राप्ता क्षा मा लेका मुः स ने दे दिना स **५५:बःॐ५:झःॵढ़ःदादैःॐ**५ःम्ॐन दम्मग्रःयःदःन्**ग्रेःनःअदःदम्मग्रःय**देशुँ५ः र्रो । । इति द्वासुन्छेन पहिनायन दिन वर्गद्दा देन सहनाय हो। नद्यस्य पदे नवद विद्याद्य केन क्षेत्र क लेखानु विदेश हैं भारा विद्यान्य स यः **मः शुर्धिश्वा**रा हुशः वरः द्वेर. त. त्रुषः तप्रे. त्रुषः वेषः वे. त. वे. प्रेशः व स्थाः श्रुषः सः रदानुबासकी मुंदिनकानी प्रेंद हरायपुरा गुरायदी। ब्राम्याय केंब्रिया नमानुः त्वा द्वा द्वा द्वा प्रमान्य प्र त्यःर्स्त्रम्थः भारते प्रतास्त्र प्रतास्त्र स्वाप्ते । सामे प्रतास स्वीप्त स्वाप्ते । सामे प्रतास स्वीप्त स्वाप <u> लेस-नु:व:बाः व्यक्द्वःलेस-नु:व:बे:के:वरः मर्द्धःव:व:दमःयेक्टोः सेमसः</u> त्रस्य क्रि. विद्याचर दुःस्य त्याहर स्टा स्ट्रास्य स्ट्राहर स्टा विद्यान स्त्रीय : क्रियामान्य स्रेमस्त्र प्रमस्त्रम् स्रम् दुराव न्य न्य न्य न्य दिन हित्रम् दिन प्रमान शेमसम्माल्य द्वा गुरा भेषावि । वारामे सेराद्विश वीत्य सेवा उर रहा विवेद मिर्देश र्ये दे से के द्वारा मिर्टेश मिर्टेश कर कहा यहिन में शहेर वर "" पर्वेद . बुट . चेंबेर . चेंबर चे . जुरा है . चरा व . चें . चेंदर दे दे के के चेंदर स न्युक्तान कुर्द्भय स्वत्र प्रभावत व्युक्त हो। हे द्वर्ति वर्दि वर्दि श्रेच रहित मिर्ट र्व्यक संसम दिर श्रेमम वस विद्या में रेट पर वर्टर य है.... विराहेनासान्दराहेर याद्याच्येश्वस्यानुकाचाच्यद्यक्तन्त्रदर् यर वसुरार्देश लें बा कर मी मुद्दे छिद सर मीश लेश छ न के द्वार से दर छन्। द विद्यादे वद्मा १८५ गुर य १६८ वस्य स्वय दुव्य वद् से र र विश्व स्टर्

र्दे रहें। दरे अर रे तर्ने सिया रे विष्य ने सिया है से के सिया सिया है से हैं से सिया सिया है से हैं से सिया सिया है से सिया सिया है सिया सिया है सिया <u>বু রুষ মের নার্থ মের জুলা মছু ম'লী মের্লা ৡর জুর মের জুর রুলাঞ্চ মারাল্র আ</u> श्रद्रियासारे रेरारदाविदासन्दर्धरान्द्राच्यानुद्रात्ते में मु भ्रद्र हिमा स दे दे त्या शर्द्र दा कीद् व कार हिमा या क्षेत्र यदि श्रुद्र सदि मी वुद्याया ঀয়৽য়৽ঀৼয়৽ঀৼ৴৽ঀ৾ঀঀ৾৽য়য়৽ঀ৾৾য়য়৽ঀৼ৾৽য়৽৸ৼ৽ৠৢ৾ৼ৽য়ৼ৽ঀৢ৾**ৼ**৽ঢ়৽ৼৼৢ৾ঀয়৽৽ ଽୠଽ୶ୣ୶୕ଊୢୠ୕୶୰୕ୡ୕୶ଢ଼୕**୷୶୕୵୷ୠୄୠଽ୕୳ଽୄ**ୠୡ୕ୣଌ୷ୢୄ୕୵ୢୠ୕୕୷୳୵ଽୄ୕ୡୡ୕୳୶ प्रहणाय वे खेर रहें 'लेख' पश्च पर प्रमुद्दार हो। दे 'केद' खेंद 'यर 'चेद 'यर केदियर ' बुलिसानु वाका स्ट्रा प्रसादि प्रमादि प्रमादि प्रमाधिकार्वे ॥ माका है दुसा मादि दुसा मादि । ฒः नाबसः पद्, ८८. थ्रिंज. २३.मी. शुम्रसः ८८. शुम्रसः तमः चैटः यः मीटः लुबे सः ट्रे.८नाः हैं हिन्द्र बन दुन शर्दाय ध्येन हो न दिन ध्येट यह दिन स्ट है। देना यादे हैं दे दिरामी विदायक मीका निकास है दाय है दे दें वि यर दिर संब ता है जा है ना सा रा शहर या हीर यर त मुरा न है हिर द ना ना वा के लेमा पर्द। कु प्रविकानु दुःसामका के सिर देश प्रवे र दा मले द उदा प्रविका

वलेक दर्शे व कर व दर्श सु हो हो र माया हे सु दे र दि व व के रहें र **୳**ॱୡୣୠୡୄ୕ୢ୳୵୕ୡୄୢ୕୴୷୕୵୲ୖୄଽୡୖ୕୵ଌୖ୕୕ୄୡ୵୕ୡ୕୵ଽ୕୵ୠ୕ୡ୕୶ୠୖ୶୲ଐୡ୳ୢ୕ୢ୵ୡୄୢୠୖୣ୵୕୳୵᠁ प्रमुर लेखान्य प्रमायापार्दर प्रमुद्धा रहा प्रलेख मारे मार प्रमाय होता । यादर्शिय मादाणिकायादेवे का मिल्या मात्रिया हो हो हो के राम स्थानी स्थित स्थानी त्र्व नरः त्युर। वर्षे च केदः प्रेदः प्रेदः प्रदेशः सः दाविषः मृहेना च छ । द त्रमुर:र्रो। नाट:मीख:र्ळ:मु:प्रहाका:मु:मा:मु:पा:मु:र:पर:मु:र-व:रे:सुर:यर: चेद्र'यदे'रूद'विदेक्' पा**र्यमानीस'सेद्र**'यर'चेद्र्य'प्येद्र'य'देदे'के । प्रमा ુ રે.સ.ફ્રુટે.તર. કુેટે.તરુ.દુષ.તડુ. રદાવહું યે.કે.વ. શ્રુપા કો. તર્ચ થાં કે. તર્ચ થાં કો. તર્ચ થાં કો. તર્ચ થાં કો. ત तर प्रीर र मेर मेर मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त प्राप्त प्राप्त मेर प्राप्त प्र प्राप्त ५५.त.**भू८.त.स्व.च्या.वयः वयः १८.४.२८.त.स्थ.**त.त.च्याचारः त्राचारः त पर्- १९८१ व पर्- व पर्न प्राप्त स्थान के प्राप्त के प् यश्चरात्रुवः वः प्राचार्षः वाद्यात्रः स्टाय्वेवः ह्ये वरः विवृत्तः रा। वावः ें १९७५ मा क्षेत्रायर चेतायते देशायते स्टायते १ यश्चाया प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त देते.ळें.**क्वु**'सेद'सर'त्यूर'रें॥ वाय'दे'रद'वत्तेद'**नठेव** हे'हर'तु'स'क्चेद'सर' नुराय भवाले वा रे वे रे ले नुरानुराम् रामे राम विवास के भीवा में मुराने रा दे दे अ रे दे व मे हमे मुद्दा है वर व मुर दे र अट हे हे र दे र र दे र अट है है र पर्य र वहा की र पर होता माया है वें ब हुन्यायान निहार् ने सामा सामा स्थान प्रति । सामा सिहार सिहार सिहार सिहार सामा सिहार पासा सिहार पासा सिहार पासा भेक्ष बिका का स्मेक् हे हे के हें नास या होता यह देश यह रहा यह के कि से के द मते हिर रें। नाय हे दे हा तुर मुर मदे रह मलि के हे नाह सका प्येत ले ता

रत्मी कु त्यश्राप्ये अवि । देते प्यतः रत्मी कु नाव्यं यश्राप्ये अवः पादे सुर व कु ते . वक्तुद्र व र्विन स सेद य उत्र त्येत्र वि । दे वस द हेनास य वस्तुद्र पर छेद वरे देश'य'र्प्येर्'क'र्हेन्।श'य'श'र्र यर क्चेर'यदे'र्द्रा'यहेक'कु'**श**र्क्ष'कुर'नालक'कु' ' ' **ভিব্'ন্ম-'ন্দ'ৰ্যক'ন্ক'ন্ক'ন'ন বিন্দি'ন'ন বিন্দি**। ह्याश य दट र्हेन्। सामान्यामा स्वापन स व्यः हिंद्र व्याः व्याः व्याः विकार व'ल'र्से दिर'वरे'व'ल'स्विध'य'लेस'वु'व'दे स्ति ॥ ନ୍ଥିବ । ଶିଷ ପ୍ର ପ । ଶିଂ ପଦ୍ର ପ । ଅଧିକାଷ । ଧ୍ୟ ମ୍ୟୁଷ ଓ ଶ୍ୱା : ଖ୍ରିଷ । ଧର । ଖୁଷ । ସ୍ଥ ମ୍ୟୁଷ । ସ୍ଥ ମ୍ୟୁଷ । ସ୍ଥ ମ୍ୟୁଷ । मह्त्रश्चमार् छेर यार वसार् सा क्षेत्रा येर की सामार की स र्ष्यदशः शुःनिहर् पर ने देन पर ने स्थर के स्थानी सामित हैं दे पर ने सामित हैं सामित सामित हैं सामित सामित सामित मुकारहार दुका चि नव अस् ते हुना न पर न ला के हो। मु का कि का के न गु.दीर, यट्र.प.ज.स्यं श.त.२८.केंब, दुबी.भेंब. तप्र. क्ष.तर. पुंबातप्र. लीज.च.... चर् मि.केट.ग्रिस.संभ तर.जेश.त.झेट.त.ज.चट्.च.ज.स्चेश.च.वेश.त.केट.ल्य. ୕୕୶ୄ୷ୣଽୖ୵୷୶ୢ୶ୄୣୣୣୄ୴୷ୢୖଌୣ**ଽୢ୵୴**୷ୣୣ୷ୄୢ୷୶୷ୡ୕୶୷ୣୖଌ୷ୄ यशः गुटः देशः नुः नः र्ह्वेसः ने। दे सेन्दर सेन्दर सेन्दर हैं हिंसा वर सेन्दर सेन्दर सेन्दर सेन्दर सेन्दर सेन् ध्यय प्रहेंब य सेन पर बिस मु न का संनास पाय नाय ने हीं संन स न बिना नवटार्वे वे इसम्बर्धे वे स्वाया होताया यहे या वा स्वाया यहे न व श्री राज्य होते. क्रें है हिन्दर पर पर वाका क्षेत्र पर हिंदर पर केराया वाक्ष्र पर वाका क्षेत्र पर वाका क्षेत्र पर वाका क्षेत्र नाद्रशः अवश त्वाद लेना नृ र्सेट वर द्युर व दे पति दे द्रार्थ द्रार्थ व

लश्र.भुंस.चट्र.चर्.च.म.स्वांश.त.पंचंप. हुंचा.ग्रेट.चंश.तर. जेश.चश्र.मुंट.चर.. प्रमुद्रः हो। दे खेर व होंब से ल खेंबाब सायक सदे साथ खेंबा साय है व खा साय है। र्ट. तर. ह्याश. तर. प्रचीर. ह्या वेश. त. ध. दर. त. हश. त. थ. लट. लीज. रट. झेब. हिमा यदी बुक्ष य हॅं हे पर होते य बे प्याप प्रमाय से दे हों। हैं वे ये दि हो के र इ.ज.स्रे.त.स्.स्.ज.लट.वेश.त.रेश्चे.तंज,द्वेर.क्ष्रे.च.ज.लट.वेश.त.पंचेल. वर में वशुर रें।। रे केर के खेंब वें ता संवास मारे रे ता लेश नु न ता संवास त.श्रुष.श्रा चील.टे.वट्.च.ज.श्र्यका.व.पंचर.खेच श्रुट.व.विश.श्रीटश. श्चेंस स्था हेन्स य सेन यर लेस यु य दे मा हर य सेन यर स्था ब्र.लट. ४८ . जम् न्यं त्र श्रुचीश्व. त. बुंश. वे. चुं. चुं. चुं. जे. जं न्यं न्यं त्र त्र ज्या त्र चुं. त्र ज्या त्र य तर्वे । रवट में दे हैं ने निमान व देश के लेख न मार्थ निमान माना मायाने नियम वर्षा यहे या सार्थे समा से विष्यु मायाने विष्यु हैं विश्वास्तरे दुसा ब.चट्र.च.जाःश्र्म्थाःच.इ.चेश्व.चर.श्र.वचीर.इ. खेश.चे.चर.टेत्र्एश.श्री ट्र.लट. लेस.व.च व.चट्.च.ण.श्रम्भाराज् । चर्चान्ट क्षेट्रक्ष्याताम् प्रचीट चर् EC.र्चुयारुव मी'र्यूद'ग्री'क्यायर'त्येष'यस'लेस'मु'यदे'र्देव'र्दे। लिल. हेर. ज व. मुंश चट्र. बुंश. चे. च. चू. मुं. रूज. मी. चंडियंश ज. सूर्यंश. चंटु. हूँ पश.... गुराश्चेत्रपाद्यर विवे हमायर विवासाद्या द्वारा विवासाद्या विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास कुंताक्ष हो। रे किर बे खेला ला रे मुन्या वा लाट वर्ना रेट छोर रेट रेवट च्.संर. त. जम्.वैट. यद्. दट. क्षेत्र.वर. मुझ. नेश. त. मुर. तर हिश. वे. प्रटा... च् च क्षात्र जेशता से हेर पर लेश में पव में से होना में विशास है आहा

ବିଷ-ସି.ସ ଥୁ.୧୯୯ ପୂ. ଓ 🕏 ଅ.ମ.୧. ଏହା ନଧ୍ୟ। . भेरामहैस यादे भॅरास भेद'द'वेस'नु'न'दे'दनद'र्दे दे'द्रम'चर'देश'ध'दद'दुस'मद्धदस य'दन दद'भेद चर मिस्र भेर पट क्षेत्र हो। विश्व क्षेत्र पट पट पट पट क्षेत्र कर मुस्र पेस य'र्पेर्'पवे 'नुस्र'द'वेस'तु'व'दे वदे 'व व'र्स्वास य'दहेद'पर'वर्रे प्यते दस्र'यर ्वेशना व्यद्भाव दे न्या दे दे । यदे ना वा स्वीता वा व्यद्भाव सा व्यद्भाव सा व्यद्भाव स्वीता स इर पर वेश थ दर इन हैन द न न सर दे हुर री दे प्राप्त स्मा न हे द न अहा न हैन वै दें र यह र पर देव हार वे स्वा मालक के पर समास मास हार व दे के दे थे है नर मेक्स के कि के निय दे अप कि मि है के से दें में निस्तुत सरे " अन्य सु नध्य चे के ज़ि दे सु र के देव अद द्वा यह सु र न स्व के लेखा मु न दे नदे न व र्बन्थ स्त्री नद्ना है न नु सुर सरे द्व द्र न द्र न सु न स्त्रे तर्म दे नदे न व स्वाका न हे मिं के हित न क्षा स स सिं न न या: भेर : या अ : भेर विका मु: या के : अससा ह्या ह्या दि : यह : यह या हिर के : अससा ह्या ह्या : न'दमा'यस प्र'दर्' यदै देव दमा य पर्दे स्याम प्येव विश्व हो। हे हिंदान वा प्रदः लेखानु ना के दिक्षान्ति पुंचीर पा श्विंदायर मिश्वासे का के श्विंदा यदी सक्ता के प्रा त्यद्भायाम् प्रमाणकार्ते केते पुरे केते के अवसास स्मार्थे स्मार्ये स्मार्ये स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थे स्मार्थ र्टे के हिर भेर परे खेर के लिस नु व र्रेस है। रह रे व परे वर्ष हैर स वहिं

यर १३ मार शु हिंद पर पर्ना १३८ मालक के पहिंद पर मी तुस है। दे हिंद पर भी यदना है द ख्र है द ख्रे द पदे खेर दर। हैं तथा खर र दिन पदे दें वें हि द ख्रे द क्षेर हो। मलक् सिंट म भेर के प्रत्म सिंट पर से प्रमुद्द हो। मलक् सिंट प हेर बे'यदना ह्यॅद'व'स'प्रेब'हे। रूट दटा शद्दार प्रेच प्रक्ति र हे हे र प्रेब प्रेच प्रेच र हे र प्रेव प्रेच र हे र र्भे भरे केर है र दर्म बिहा ही यह मा केर रेमा या तमाय यह ही र र्भे बेहा है मा श्रुंबाड़ी जेशना जस रट रूवां या रट नाविश रूवा वरे हिराचर कुंबा ट्रांचे विशेषा र्ष्यरमान्नरम्बर्गेन विकासान्ने निकासान्ने निकासी विकासी व दे.ज.चीरंथ.श्रूर.चर.विश्व.जुर.४.४८.४ची.चठु.ट्. चूर.**श.पची**र.बूट.दे.चिश.जुर. यर द्वेद द खॅद य स्पर्ध स स्पेद र्वे ॥ माय हे र्वेद गुट वेस य मावर रेना यदै यद्ना केन कर केन नुः र्भेन या प्रेय के लिखा रहारेना या प्रदान मिन्द्र के स यर सुर र लेश नु य के सर्दे सुम म प्येक यदे दसेवास थ कर मी र्वे महेंद य श्री द्राप्त के स्वाप्त के स्वाप् यरे.च.ज.श्रम्भ.च.चाबुद.च रद.उहुर यह रक्ष.च.रच मुश्र.चेश्व.च.चलुव.र.व. ५५'यर'र्बूट'यर'दर्न्'र्ने। दे'वस'५ महैम'य'श'५५'यर'र्बूट वर्दे'य ह्वट'य' केर विविधान र से साम मार्ट का ना स्थान हिकानु न ता के निहास के प्राप्त के निहास के निह रव दुःद्रम्यः वये द्रमः य दे यहेद्र यये दुमः वर्ते। वि <u>฿ฺ.๔ฺ๙.๔๖.๓.๓.๗๕๛ฺ เต๋ฆ.ฅ.๓.๓.๗๖ฺฑ.ฑฺ</u>๘.๓ะ.ฒีฺล.๓ะ.๚ํษฺ**.๛**๛ मधुब्या ध्येत वें। वर्देर् या वे सर्देव यम प्रदेर् यदें। से प्रदेर

त.यु.मीच.ग्रीश.स्त्रेचंथ.तप्रा। चटेट.श्रूषश.श्री.चोथश.त.यु. तर. भर.चोथश. यत्। वर्रायान्यास्य वर्षायाः वर्षायः वर लेखानु न के ज्ञुकार ने प्रति। ने र्ना केर के से स्वर उक्क क्रा स्वर केर ष्पेदाय। वॉक्सायानादायाददायलेदादे १३८ की सहदा ३८ व्यदि यादे । भर् डेश नुत्री रेर क्रा न उद का भेद ने। लेश नु न है ने हैं र्स मिर्नायर उदास प्रेंदायर इंदाय उद्गार्न से त्वीर रें खें साम प्रेंदि प् र्भा केर दर दे अस हिर पर क्रिट व उठ केर भेर या। केर भेर व किर मेर व শ্লুষ্পান্য নিৰ্বাহন প্ৰথমে বিশ্বাহন প্ৰথম বিশ্বাহন उद्गः केन का द्वार के त्या के त्या के त्या का स्वार केन त्या का स्वार के त्या का स्वार के त्या के त्या के त्या व्यं प्रव ११ किन सेन प्रते सुर दें लेख नु न वे भ्रेख नु ने ते खेसस मु दें वे ने न ल र्माश पर रेप्स दे साली दें।। मु दि त्र सा चु लेस नु म है खुल मुह ह्र्यश.जश.लीज.मी.क्ष.च.कर.रे.पहेच.चप्र.चरंना.केर.रे.चीर.चप्र.च्यूर.पचीर.. १२ नमान हों के तम्मान प्रेन मा खुवा के मु जी हों। रे के ଞ୍ଜିଷ:ସି.ଜ ଜଣ:ଲୂर.च.लूब त.बुब.चे.च.बू.लीज.चु.बंब.तर.पचेंद्रच्यू।। कर न में ता नायका राष्ट्र तीया में देश र भेका वी या पहूर्या तर होता है। ₹4.44.01.43 . 4.44.1. £.44.4.8 4.3. Mr. ₹ 42.02. यर खेषा देशका ग्री त्यंश वी. लूप बूंट दें न्यी. लंश ग्रीट र योश भी संवेद ता. लूपे.... यादे द्वर क्या देशाया प्रेष के ॥ मायादे हे रहा यह विकास के ना असरा

स्रिमः दरः स्रेमसः दना नेसः परः दः स्रिमः मी दमः यः उदः मी दूरं स्रोमसः 35.511 माध्येद्र था है विस्तर है विदेश हैं यर 'य वा स्मास धरे 'लेस नु य वा समास धर्मास प्रसाद प्रकर स्चित्र.घट्।। र्**वे 'र्ट**' क्षेत्रक 'र्ना' अट व 'र्ना 'र्ये 'र्ने 45.35.511 शर्ष्यक्षेत्र,रेथ.तपु.क्षाता.क्षे.खुबा.चे.च.जा.सूच्याता.स्र्यूबाता.ज शर्द्र स्थित.रेथ. तपु र्भात क छिन मित प्रमाह महार श्रिम मिन्न मात क्यार हरे विकास कर नि चंशक,चर.बैट.चप्रे.टट.क्श.वर.बु.सट्व.शैस. लेख अ न न न न न न न नी देश ताली र जो विश्व हैं से कर्ट हैं में कर्ट हैं हैं अं खें पड़े के पड़े हैं से पड़ हैं से पड़े हैं से से पड़े हैं से पड़े हैं से पड़ हैं से से पड़ हैं से पड़ हैं से से पड़ हैं से पड़ हैं से से पड़ हैं से से पड़ हैं से से पड़ हैं स इस'यर हॅना'यदे'लेस'य प्रसम्भाउन वे'न्द्र यदे' दे यर ह्वा य भेर है। र्वे धेन मदि कुर र्रा न्नाय पान्दामे न्नाय पाना स्नार्का स्तर् द्वार पाउद यत्तर्हे। र्यायत्र द्रमाय वय लेखान वार्स्ट व स्ट्रिंट यम् त्यापार हें लेखा न्याय क्षेत्र में। विशेष वै द्वायते द्वाय वेश न करे य विद्याय की । है दिरावरे माल स्वीसाव स्ट्रिंट व लेस विकास क्षा माल स्वार देश पाउन । न्दा सद्व सुस्रानी दस्याय उद्योदे वर्ष केन् ग्रीस सिंदा य पहिनाय यस्स य विस् 95558545B551 लूर पर पाल स्वामाराष्ट्राभक्ष केर दुस नि.प. वे कर्दर श्रुम मी दम य उदामी महना सूर्य भेदावी विकास ल्ये द्वारे प्रे सुमानम् है। यरे प्राप्त में क्या पर प्रेम प्राप्त क्या पर चल्याचाकृत्रामु द्वाकाच सेत् चर्चे सर्द्रासुस मी देश वाह्याकृत्यवे सिक्षा र्दे ् । विन्यासिक्त महाते में मालेब वें लेबा मु मा बै हिमा परें।

नेद.रे.पंतर प्रमु.वाड्यांश्वां त्राच्यां त्राच्यां त्राच्यां क्षां व्याप्त त्राच्यां व्याप्त व्याप्त व्याप्त व यर **अ**द्रे लेख नु व दे से प्रति य दश्चेत्र यदे 'सुन्य में ह में सं भट भेर पार्के दे प्रतिस्थ से दे प्रति स्थित हो से स्थाप के स्थाप के साम के साम के साम के साम के साम के साम के स बुन्यून पर्दे अवद ही पर्दे हो। अन्य स्वीद सिर्म अदः से न्दर देवेया सम सर्ना क्ना में विना क्या ना हुना संग्वाल का नु क्षा पर पर विना का ना वना च भार सेन केर प्रेर व भार दे से प्रदे से स्वर् से निका । निम्हिस स्मा हैना हर स्रेसस यस हुद न सद से लेस हु न हैं र न नद स्रेमस न तर् नेस न्दा वर्ष न्दार है नेस न है ज़िस न है नेस न स से नस त. १ अ. १ ४ . विश्वा त्र त्र विश्वा विश्वा के स्था विश्वा हूंट सर नुश र्सा केर है है न न न किर न न है से सर सर ने दान नार नी क्रेन खुत्य व्यव्यं व्यव्यं स्वर्धन के देन देन प्राप्त होते । विका नरे र्विरी। रेदे के अरामदे हिर्यमान्य वर हेनामा वर विश्वरामा नुःसः हेर्रनुः श्रूदः वरः वसुरः र्सा वेशनुः व देः वरः स्रेससः सर्देदः परः वरुः चेद्र'यदे दुस द संसम प्रमान निमान प्रमान की विष्य की निमानी केंद्र सेनास य नह्रम्यम प्रहेर् यते अर्द्ध हैन उद्ये से संस्थाय प्रेर् हो। हे प्रहेर प्रावित द्वा:अ:WE देवाश ध:डेवा:देवाश:घर:वहूद:घर:वुद्रा। वाडेवा:कें लेश:वु:च: इसायर देनोया या वै वियामी सामार्वे पदी नुसाद लेखा नु प से दि । मेरुवे.क्र्.चेश्वा.चश्चरम्भैचश्च.ता.लट च्च्या.मेश्च.वोश्च.वार्षे.तपु.हश्चावी चड्.न.ज.

श्रीमार्गा अयोश वार्श्चेशातशाबु श्रीमार्गे त्येष्ट्रां प्रश्ने विश्वाला अवीशा य.मिंडिट.हू. बुद्याने.य.कः वर्ट.केर.पध्र.जू.चबुद्र.वे.वक्षर. यायस द्रिस र्यामार्था व सेर् या अदानार्थी व वले इ दू नास्त्र वर दसेनास यर र क्षाणी श्री १ वर् १ द्रार्थ रहा स्था दा साध्ये स सर्वेदायर वर्ष्युरार्थो दे दिहा हुश.श्री.भवें १.तर.ऄंच.व.ज.७ुंश चे च.षु.**४भ तर.चेलज.च.८८.हुश.शी**.श**वी**र..... यदे हिंस य रूटा रमाय पर रहा से र्माय पर से से से से में हैं र सिंही यह से हें से उद्देश्ह्यायर ह्नियाय भेद वाल्यान या देशान वाला मानुदाव दे हमायर हें ना वे यद्वे हेन उर्फेर्जी। दे सूर हैंके दस य उर में दस यर हेंना य य नानस मन्दर् नुर्यं भेर हो। यह है ज्ञा के सार नुष्य हो। यह है ज्ञा के सार नुष्य है सार नु ढ़ॕज़ॱय़ॱय़ड़ॱॺॱॗढ़ॱज़ॱॸॖग़ॱॺऀॱढ़ऀॱक़ॱज़ड़क़ऀॱढ़॓ढ़ॱऒ॔ॸ॔ॱय़ॺॱढ़ॱॺड़ढ़ऀॱड़॓ढ़ॱढ़ग़ढ़ॊ॔ऻ र्देशनाकुर्थास् र्देन्स्राचन्नुस्यच्यास्येष्यस्यच्यान्यस्युर्वा। क्रे सम्बन्धस्य द्वारा त्या । रे.वे दे परंप्र. र्.च. कर भाग । क्ष. प्रम. मी. वा रक्ष. श्रेनक वे प्रम. माचुदायानाद व्यवस्थ इक्षायर विद्यार हो। इक्षाय देक्षायर मी मार्था भे प्राची सम पर श्रीट पट है लिखाया ही पर दें प्राचा है । तर्नातारे कर्ने देवे देवे प्रतास्त्र कार्य स्थाप की विद्यार है। महामार के कार्य मासे देश मुनदे शक्ता में । है प्रमान लेश मुन शक्ता प्राप्त कर नर में रें। के लम न नमें नहां मारा पार के ना नहां नर के नहीं नर के य.लट.लु. तस्य.व.लु.स.चे.व.वे.विर.तर.कु.वर्षेर.त्र्रा हे.देट.सर्वेटस.तर

र्देव न्याम्बर पात्रक हुनेवाम विकानुष्य के नुकान्य के क्षामा वार्ष्य पात्र हिम्स पा म्स्रामात्रस वुदान बदायर सामास्ति यही सीटा उदार्शी हे हे दे है। हिंद है है इद्राच संभित्र य द्वा इस पर देना य द्वा य के देन व वहन य के दे वहन य के दे विहा म्बिर मुं र्निश न भूर श्री म्हिर या व्यवसाय हे र भूर में बेस में या है से स नालक मी केन का केर न नहां मा स्पेष कें। न निष्यान मालक हैं न मेरा मा निष्यान **े हेश.रेत्र्याः हेश.शे.रेत्**य्या.जश.वैट.बेश.वेश्य.ज.स्यां श्र्यां श्र.त.क्रेरे-श्र.पीय्,जश.चर्यं श त.लस.च वर वह, अह्र शिंस केर केंद्र च हुने। भट्ट शिंस केर केंद्र व लेका 3 मामा क्रिम्का मक्षा प्रकृत यह है है है। 💎 है। क्लिक नामदायाँ क्रमायहा र्दे । भरे दस्य पर नार्केन प्रयोग्य सम्बन्ध ने हेन हेना हेस्य नियम स्मर्थ । भारे कारे अर हेश निर्देश निर्देश निर्देश पर लेश पर हेश निर्देश पर र्देन य वह गायर २ गुर रे लेश तु वर अवशन्द श्वर री। दे श्वरतुर गुर य स प्रेंद्र यर देश पर में रूरे या मानहर निसास वा लेश निमाद है होट र ही नहें कक्ष उद्देश भेर भर्म प्रत्य निर्देश वास वर्ष निर्देश वर्षे प्रत्य हैर द र्षेत् धर विरायते देव धर हैं नाय पायहना धर विष्यु र रें देव वाय कर हैं रे दिर रन रे हे वहा नर्दे हे र हर लेख ने न जान होन्य वहा है रहे सर रे हिंदी इसायर हैंन पास नार्ने नास यर इस यर हैंना परे केश पानाल राना हुन है प्येंन म'स'भेष'मी। विक्रित्र सुदेर्ग माहित इस मादम्ब लिमाने हे पाव कर्णमा

वश्चिम नु दस्य पर प्रविन य प्रवेद दे विश्व प्रवेद में। इ.स. प्रवेद प्रवेद प्रवेद र वृष्ट्वायायर्र पुरायायायायः ११वयावेस प्रायाः रेपन्दे रेवा वर्गे में यह्या मारायाः ढ़ अ र्श्विश र दे पर प्रसाय केर अ प्रायुक्त या अ र विश्वित यदे हें नाय प्रकेश प्रति हें ना तर प्रचीर ब्रेटा श्रीवा ची. मार्श्वाश पार विद्याप देश पा विशास स्तर प्रमुद्दर्श दें हैं दें प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद प याम्तूरायादेखालेशानु व श्रिरायायाचहायामहेत्रादशालेशानु न हो यदेत मते हाम हते ह्मते मह नद नद प्रेश महेश कर हो। व मुद्दान द का मारे भा विश्व तु न वे दुनै न न ने हैं। संभारत हैं ग तु य र्शेन श य यर्गे । दे हर न हिंग १ मा शा ही राज रे र हु दा से र नु संस्य हर रे य यह मान यह ना नर विवाद:र्गी नाव (र्या वे। परे अर् रूप कर्रे । यरे था क्ते अर्ते वर्र होर्यस इवरेश्य रेंक्ते वर्रेश हैं। देंदर सर्दर्भ य हैं त्वुदःवःवःक्षाय भेशयादेः इरःवःदेः यायदेशः चरावन्त्रवः का विदानि वदः वहेवः या देशस्य ह या स्ट्रंट य दराह्य सम्बुरायदे हुर स्विस नु य दे दिन में देश भी ही क्रमानाश्चित वर् देर सेयाम हे हिंसा श्वाप्य माना प्राप्त हे ग्राय हर ही से या व हे हरा श्चान्यम सामाय द्वार ने देश मार्ग में मार्ग मुन्य मार्ग मार् लियानु नार्वे प्रति भागायहित पर्यः नुषातार्देश सर्वे नायते ह्यां वसामारे मानु ह्यां सर्वासायायात्वत्वायात्रेष्ठेराते अर्पुत्वरङ्गराज्यवा शास्त्रा हिसास्याद्यान ननु नेस मर्ट देव व्यव मिन्स पर् । कुर क्रेर मेर हुन मार मि स देश माम्बुमानु इसामर से ले ना ने दे है र ने ता द्वार है न से न मह से पान है न दे ने हुंस.चे.च.ज.स् ।स.च.झूंस.च.ज। हा.स.चेहुंस च.जस.हुंस.चे.च.हुं.चर्.ज.

हिंतु मते इसायर हिंगामते जेश मन्दर। र्वेत मल्दर नुं ह्ये परिनास सहि ्रह्मायर हैंना यदे भेषायदें। दे हैर हम पर नहेंन्य में हैर लेख छ न है। ୍ଚିଛ୍ଲିମ୍ 'ଶୁଦ୍ଧି ଦିଷ' ସ' **ଶ୍**ଷ' ପ୍ୟ'ମ୍ବର୍ଟ୍ଟ ପଦ୍ଧି ଥିୟ ହିଁ । । । ଅନୁବାଷ୍ଟ୍ରମ ଅଧି ଅଧ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତି । ଅଧି ्ष्ठर्यं वृह्ययायां सेर्यायका विकायहर रिं विकास के रुस्ट में इट हिंदू सर् तालक विद्यात्री तेश वालकाकर्त्व श्रुक व्ह्रा न मेर्दा प्रमितान मेर्दा व्या ्रिन यदे यहाम के र स्थे के वे लेख अयर है। विदेश सिन मुन सुर यदे हैं तार्द्ना यरे वेशमाहिश हुर्पनायाया स्वासाया नहिंस हेद्रे हुर प्यवद हे न ुर्द्भाष्ट्रीर हुराश्चर्यनायायालेशन्यनायार्थन्यसायाञ्चरार्था 💮 हुर्द्भार्था तामावर, रे. सैर. वर्ष . धुरा चे. व. व. सैंव. सैर ड्रेस. वर्ष . सर् हैं . क. हैं . पर्र . रेटस. पा ्रह्मामारेकारे देवसाम्याय देवा वर्षा व ्य म स्वीयक्षेत्राच वदे विचेत्राच वेद्वाचा हो। ह्याचा यास्वीयायदे वद्या ्रेर्र्स्। र्म्नश्रामदे स्था मह्र्याम तर्राया माना हे स्त्रातहा र्हा वर्द्ध पर्युष्ट्रम यात्रार्श्वन स्वाप्त्रायात् विकासातु मार्का मार्क्ष ्र्रा । । पर्वे श्रुष **र**हाक्षण या वेखाँ व श्रुषा साधिव या है हासीवाय। रेश विचाय के हिं। असरा की हिंद यह दिन पर हिंदम ही विचार मां भेका या दे हर ब्राद्यायायसान्त्रियायाद्रभेषायाद्री। रश्चेत्राया गुरुपार गुरुपार गार्थियायः ्रेन पर नु न र म देश मु न है। र दे शुक्ष हैं न य र द न न देश मु ्यः श्वेरः यत्रः पात्रते । यात्रीत्रायाणी प्राप्तः व दे । त्रुषः विद्यः सुर्यः दे । व्यापितः स्थार्यः स्थार्यः ्मसाक्षेराचन्यना वहना यस र्नेना यान्यान्य विदाद्वीय यासेन् यरे वेसायाने या

य नहर् च ही निक्ति मान स्था म



्दर्भ इस दम्रेय में दम्रेय न वर्ष वर्ष स्तर्भ वर्ष स्तर्भ वर्ष स्तर्भ वर्ष

् दे खुःस प्रोदाद प्रदेश प्रवेश य है रहा नाहा ग्रीस प्राप्त खेस ग्राम प्रदेश सामित्र ्यर ह्वा य रेहाया मा स्पेत ही विश्व न विष्य ने वार्य न विश्व य विश्व मा स्थित विष्य ्रेश्यायाची १ केराकी वाका करें में स्थान हैं हैं स्थान हैं से हैं हैं से हैं के हैं से हैं के हैं से हैं के हैं हैंना याद्याय या वन लेखा मु प्रदेश मक्त हैन पर वन मी हैं या पहिल या में रहेंन मदै नेश्वायास्त्रान्तान् पदे छैर। दर्रेर तले यः हे दसन्याणे नार लेश उ ्चतः हैना ने नाल र मीश ग्राम्य म्बरम् मु र मेर पेर पेर ने नार भय सेना पर । हुन याया रे. हर केर के हिमा विकार हर गुर हिन विकास दरा। हैसर्मन् हेंस् स्रिन्थ एस वुः लेख व न अर्सन्य सामा विश्व व नम इस यर वर्द देश लेंबा केंच के देश पर्वेट वहूर में पर्व पर्वेट लेंबा के पर सर्भ सम हर इंटरन रेन प्रस लेस नु नरे में ने में ने ने ने में निः न केर हम नि नि र देन हैं। सम्मान नि ने लेम नि न दे दे र ने ने सम्मान ंदे न न वस्त कर के लेस न न स्पेत्रे हैं। सर्हे दे तस्त के लें न सर्हे केन नु पहिंद् पर अदे लेस हैं। है। वाक्षद या सहेत मदे हीं नम लेस न न ने ्रिक परिवे हिनायाय परि भेक के लेश खुम के के ते इक्ष धर रलगाय नार भेव ्याने त्यानने वार्त क्षां व्याप्ये वि । विश्व विश्व वार्त वार्त विष्टा वार्त विष्टा वार्त विष्टा वार्त विष्टा न्यते निर्देश विश्व स्थान ने से उद्य वर्ष खेर हैं। ने क् लेशनिय के छ सर निय है सियानर हिराय है हैन की है।

हॅर्न्यःसेर्न्यन्त्रमुवासरावनुरावार्न्यम् सुवासरानेर् वार्नेक्त्रमु दे है र भे न रे रे हे र भन्न हम पर च विना पर्यय पा भे न विना किया है । वलम मदी हे । मल र त्या वर्षे सं यर वसुर व लेश मु म है र्रे रू दि दि व व म विद्यापर त्रिशुर विद्या। देश नुषा पर्दे तेश पात्र दिन पात्र विषान वि ्रतार्यं भारति विश्वका नुकाराते विकासाध १५ राते हिमारावे सळवा है । यार भेता य ने वे ह्व में दिस्सेन में ति स्वास परे द्वादि हुत स्टि के प्रेतावि हुन में। ्रेष य त्रा नावन ही दर्भ केत् तुर्दर्भ य ते यस्य सदि हैन विद्या ्रेष्ट्रेन्द्रेन्द्रक्त्वाल्या विते द्वे वित्रे वित्राच्या वित्राचा व्यवस्थान्य वित्राचा विषाया महिला में दिन्त निष्या न वे किल्यान प्रमित्य र मिनि विष्या ना है। बिर. तर रेट. बिर. तर की ताबुर बिर. तपे रेट्स स् रेश्वे प्राय प्रायत के के किस है ... न्ताप्त, तृत्राप्ते 'खुम'क्त्रक्षित्य रे क्षेत्र रे ति । विकास से खेर ति क्षर सि जुंश त हो यान दुना ता दश दुंश नि न ता सुन्ध तथ ने श हिर ने दे तर देश उन्'र्कर्'मानेर्'त्मा पुरा खेसाय हुमानये ममाखुमानन नेरक्षा स्त्रे स्वस्था खु: भेद वें ॥ ं प्रेट्स्स्यूर पर्ने दुमः प्रत्न र विनाय प्रह्माय स्वरंदा विश्व नु महिन्दिंस वें इस्मेद सहित्व है न्या हिन्द विश्व है न भी विश्व नु वर् द्यूर्य श्री चुम.त.फ.भुम.तद्र.पुम तद्र.मुं वुम.च.च.मू.पुमात. ह. म.जश्रुःश्चेश.च.धु.से.अ.द्र.चे.कुथ.च्.. (वृक्ष.चे.च.ठ. व.कूक्षेच् । कार्रेष्यम् नेत्रात्रेष्यान्य वेत्रात्रात्रेष्य स्वर्तात्र म्याप्य स्वर्तात्र विद्या ्याके तर है त्य महेब बबा लेख मु म के में पहें नाब मर में दे पाय पर है दिया

ट्र.ज.चड्रेथ.त.खेश.चे.चपु श्र.कूच.च्र् इ.क्र.थ.के.इपु.हंश.कुंट.धूच.रे मैंथ. भु. ५७८. तर . पर्वेट. च. रेभू बाह्य थी हैं ट. पूर्वा. रे. मैं . वर्ष . वे. वर्ष . वे. तर्ष . विराधर . तर होत.त.व.स्. प्रदेशकातर.होर वायु.पुराया श्री.वर.प्रचीर.हू॥ हे.केर.से ह. २८. पंजुल. तस. पुट. ज. सूचीश. त. लीज. व. २८. तम. देशचीश. वंश. चक्ट. त ज. सूरे... मदे न न हों विद्वास मदे केस मही मर विषु र दें। देव देव में न न द्र नेत्र मर क्यायर मल्या मा प्येत के ।। द्र ने मल्या मुनाय है । ऑर्'म'म'भेर'वे वेश'नु'म'वै'म्उन्यू नु'न'न्द्रन्यम् नु'न'म्रेंद्र्यम नुेर् ्यसम्बन्दर् यर है। दे दसे ग्रायत स्म हंदर हैद गुर मुर या यस से दसे ग्राय यते क्षेर रें। रे मेर् यदे क्षेर हेर्द्र नावर तुम्य यदे क्षेर यदे क्षेर यदे क्षेर रे।। नाट तम् नेत्र न प्रेष लेखा द्वापा के साधिक न निष्य के निष नते के त्र तर है र र । दे हर दर लेग है र म में दे र मक हर कर दर दे देरे या वे प्रमा ने प्रमा दें प्रमा दें प्रमा के प्रमान के प्रम नु: भे १ वें वे अ न न न दें। दे के खे रें य मी दें के त्वीं न य हैं ६ दु से दें प लेब.ची। रट.इचा.च.ब.व.लब.चे.लब.चे.च क.सूर्यतपु.चलेट.वक्ट.वर. चले द दशा दशायर भेशाय है द हैशा चाया शाया संग्राया स्था मालया च अंशबा शि. शुर्य पात्रा चार्ट्रेप पार अंशबा शि. शुर्या पार्ट्राचा कार्या पार विवास विवास र्सर्याने मु र्रेन प्रेन्याने र्रेन प्रेन्यर मु ने वे रे वि ने वे रे वे रे वि ने वे रे वे [୍]ଜ**଼ି ଅ**ଟି ସହି 'ସ୍ତିୟ' ବି**ୟ'** ମ୍ବ' ଦ ବି 'ବୃକ୍ଷୟ' ଷ୍ଟା ହିଁଦ ସଦ 'ମ୍ବ' ଦ୍ୱି ଅଟି 'ଔ୍ଶ ବିଦ'ର୍ ବିଜି '''' १ मा शु हिंदान के तर प्रेम विश्व दे मु नुके लिय है। महिंद है। महिंद है कि पर्

च.बर्टिः र्ज्ञ्च, च.बर्टें पर्कैं चेंट बेंब्र चें.च ब्रुं भक्ष्यं चेंब्र सामि वाता विदः यते खेर लेर् य उद्दर्भ महेंद्र यर दर्दे थ मा मा भेर या मा मेर द्येर क्रिंग या उक दे विव या सेदाय दार पिक पु विव हैसाय दे स्वाय लेस यु नार मी कुर दारा केर प्रायन रेदे कुर वर्ष या नेर या साम कर है। रमानुः स्व द्वास वे क्षराय से क्षराय से क्षराय के क्षराय बुर पर्यः वाचेर या भागति है। द्वास्य म्यार्च वार्मिश्रासदे स्वावदे क्या वा बुं ज़ेशरा ता श्रूरा व सेतृ खुंर हीं। देवे के ह्वा सर्हर श व समी लेश मु न'य'र्सेन्स'रा'य'ख्य'स्रुट्रंस'रा'रुद्र'ल्स'तु'र्दे द्वार्ता दे अद्'त् नार' मीकें खुभार्क्षेर्यो भाक्ष्म र खुर्खेरावदे इस महाक्षेत्र मास्की वासर्द्धार्य देखा " वणायते ने दादिस हैं दा अस्य शु हिंदा या दे जैदा यह में दा यह से स इन्य दे वे क्वि क्विक्स सु ब्विट य दृद्ध स्था महित्य य उन् केट स्थे पर स्थे खेटा त्र नार्ट हे त्यसामहित्साया पर्ट ना भिन्हो। सहित्साया हे माधना यदि । च्.ज.श्रुचेश.न.रंभुचेश.च.रु.२४ च.ल.न.३भश.श्रु.श्रुट.चपु.जेश च.क्.स.लेज... मी. ट्रां व्यापर प्रमीर ह्रां लेश वहरे तर विधिर ही। देश व धरश वरे. मुैं हिश्रासु नुेद्रायामाणेर्यायाने १८दे दुराव्यसासु सुँदायदे वेशाय वे नासयाः । यर द्रूट व भेद भ द्रु व दे हैं ही न्यूया व भेद द सहित्य व दे हा व ने परे के ्लेश:इ:म के मध्र माध्रमायदे इक्ष के मुं रें माध्री हैं के मालेश पर लिहा पदे

दे वा वहेब बबा व बुदाव बेबा नु व बे की र्रे मानी देव वा बहेब " श्चेर:र्रे॥ लेश पारे वर्षान्त्राचारा अवस्तात्राचारा अवस्तात्रा दे दे खुल मुँ सर्द्ध के**द** नदेब प'औक'**ले**स म पाँके सर्वेद म दूद विसाध दे दन '''' ख्रिय में अंदर्भ केर महेब माहे। इस पर दहना पर में दार दे हर द दे ख्रव में सक्र किर परे पर्या महेन यानि मारेन स्विम के नाम के मारे के प्याप स्व हिसामु च के पर्ने मर्दे मेर्टे ।। पर्ने में सार्थे हिसाहित वाया चर्ने के स्मामर्थे पा इट म्रा च द्वा खुवा दट वर्षेया या बुवाय की है। दे व्या महेब इस गुट रद'विषेद'ने अस्य होंद'ने प्यद्रिय नु'च'कै'चे दे 'च'त' स्र्रेट च'न्द्र स्र होंब "" य .ज.स्येश्वाचनु,राट.वधुब,केट,वेशकाशि श्रेट.व श्रे.वर,पंचीर,रू॥ हे वसः के हिंदे त् व श्चेष तर मर निष्य हैन निष्य श श हिंद न लेद है। हेंद से दे निष्य स श्च श्चर न ने हिन से ते अमस श्चरीर न स लेन हा। विन प्राप्त महिर रही द्वर मेश क्र पर प्रविमाय ध्ये के लेख न पर दे ति हु य पर प्रविश्व पर में साही रिक अभवः शःश्रुर्: व.लट रे.र्जर:रुवाव च.लूरे टे.खेब चे.च.**यी**च.चप्र:श्रव**प**ःश्री:वशः. माश्चरका वास्पे १ है। विकास दे वर्ग केर क्रमका शुः शुँदः वाक स्मार देव क्रमका शुः श्रुट. च. लट. ३ मश्र.श श्रुट. चत्रे. चरचा. ३८ म्. न. त. लुब. चे. चप्र. स. कुच. च्यां र्ह्म ते देश राघार्यर या या सर्हेश या सेराय हैर ही हैर है लिश **ना वा है। रॉश** ही र र्व.रे. श्र.च लुरे हे। श्रे श्रे श्रे श्रे श्रे श्रे श्रे हिंद त. दे . ट्रेंच में देश. त. प चहुंस. त. मेर्पायके है। रामे हैं ना वेद या रमायकाय हैर सेदाय से र्मा नि प्रिक्षायस्थिता सेर्या क्रिया क्रिया विश्वान प्रिक्षा

दे.ज. ७ श.चे.च ४.३४**४.**शे.शे.ट्.च.ज.ू ॥ के**र** प्येव वे ।! वाशःहे : म् वे. दे. देशका १८३. वेश व. च.च व स्ट त. चीव त दे. शहर मिं वर्ष. ची। dIZ. व इमायरे हिर्पर वर्षि यारे के इमायते हिर्पर उक् कें। रेक्रेर के हिंक वर् वास्त्रीश नर् क्षान रहा सर्मान हिंग निवस क्षानर प्रमेत्रा नर हिं। तारुका लेका दी वार्ष हों हो तो त्या खें गुका परि हम पर्वा स्था । हा सामले ह न लेसामु व के छे हुर रहर अरे क्या पर वलमाय व पराया प्रेक है। बराय क्रमश्रासु सुर नदे नद्मा केर र छिर पर सेर पदे र्व दर पर सेर ... মংলেশ স্থা প্রত্তি প্রকাশের ইবু বের প্রত্তির হয় বিশ্বর্তির হয় ਛੂ.ਭੈਂ≭.<u>શ</u>੍ਰੈट.ਰ≠.ਹੈ. वर् दश्यायायशावर्त्त्रेगायालेशानु वर्षे भीशायते द्वराय केराह्या हु हींदावर्षे यर है। विश्वास हैर हिर्मर लेब यस द सर्वेट दले हिर्मर हैं। य'मालग'यर र्वे रेन ग'रु रेनिश धरे छैर ने अर रु वहुई ने पर दे पा सेर पर न्द्रमा भाग रे सुर र लेख न वरे र्दर हैं लेख न व रे मान्दर हैं हैं ने मासय यर वेर म प्रेरिते। विवेश रुप्तिनास मारे केर लेखा न वर्षे हें हो। म् जि स्वासामा ने से नासामा से कि । जि मुद्द महासामा के के स्वीत म् .य. श्वीश त लाब होता हिंदे.ता. अ.स्वीश ता. हेट्यीट केश ताय . **रश्चिश्यः यः प्रवर्ते ।** क्रिंबः च . प्राः श्चिशः य र . वे स्वर्धः श्चाः स्वर्ते च स्वर्णः य स्वर्णे स्वर्णः य मर न्व वर सेन वर्षेन्स मदे इस मर देश म वर्षे पास केर हैं। नुर्मित्रम् श्रदः व केर् प्योव व प्यद्वेश नु पा वे हे हुर विविधाय पविव नु

लेकायाव्यायहेक क्षारे अन्तु यहेंदारी। दे मिंक के नुके यहे या संम्याया शुराम हेर हिंद ये ता समिक पते शिर मालरामहिका श मेर या हेर लेवा मुक्ष'यर'य इक् भेर हैं।। निहेना हैर'र् रसेनाक परे छेर लेक छ न के 'स र्द म क्षेर् मर दक्षेत्र मदे क्षेर र लेक न नदे र्दे हो। रे नक दरमानी ี่ พีพพ.พพ.อีะ.จ.ปะ.ชุพพ.พพ.อีะ.ฉ ปป.ป.ซี. ปพ.ชโป้ม.สบ.ปัฐป. द्रमेष्य सं व्याप्त नामा व्यव है। व्यव स्वयः हर्से से वाद राधन वदना हैद १ अर शु हिंद नदे नद्वा १ दे उद प्रेर नदे हिंद हो। महिन १ हे र दु दसेना यदे नार्त्र केवासामा दवाया वर वहेंद्राया अहारेदा दु नास्त्र व प्रेत्र कें। हैन दर रक्षेत्रस यह दिर लेख व यह नाइन हैं नाह में हैं न स त्वाय पर हैं नह सर विमुराने। डेम डराय वाङ्ग केंग्राया हैन विस्वाया होने परि खुराने। वर्ष क्षेर्र्स्। पर्वेश्य नहेन्याय नहेन्यायान्त्राष्ठ्राक्ष्यास्य व्यक्ष श्रे. क्रूट व से दिर हुं बुका नहीं हुन है। विकास र दाव विकास र दाव विकास है स क्षेत्रक्षां मिं चे उनामी र्द्रा दरे स्मानावत नु कुरायर रग्नु देवर अपने विना नवगःग वि:नगःसः नवद्गार्वे वेशः उःनदी द्रेरः दः प्रम्यः स्रातः व माकेशन वेशन्य महिनानु न्रेमेन्सं चसारे असाधान्य सेन्य सेन्य है न्राय हिन लेख चु नते : रॅब र्रें। रुष : यं बूद रिते : दि खु क कर मु : पेब या दि दिश्य चुर :

मैंर.च. बुश.चे वर. कूपे. क्य वर. शैर. र्रो। अंगर. बुग. क्यार. पुश. वर. वे. <u> बुश्च.चे.च.बु.पट्टेचा.राष्ट्रे.क्श.रर.जुङ्ग रा.प्रश्च.चीट.लट.पट्टी.चट्टी.चट्</u>रा.च्या. क्ष्मां लेखा चे.च.बे. गीब.चाह्य श्रमः नामः नुष्यः च व्यक्षः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श रे.बर.तर.वेर त.वे.विर.तर.०व.मी.वश.तर. जेब.त.पश्चेर तर.वी.व.च. व.व. ৽ ৽ পূর্ব বি নে প্রাম্বার্ম বার্ম বা প্রি বাম বার্দ্দির প্রবা প্রবি বাম ব্রুদ্ধির প্রবার্থ বাম ব্রুদ্ধির প্রবা चुंश्रायानाराष्ट्रेरायायव र्र्वाश्चर्यायाय चुंद्रायाय वुद्धायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्याय नि श्वर मां अर हेन मर रे रे दे बुर मदे रा मले मालक र मालक में मालक है। श्रेन सं विन पर उन खें स के समाविन क्षेत्र पर वेद पर स् शुं गुर य लेश व व के प्रवस्थ व हो होत यदे मह्म के तर हो। के पर प्रमें व वै गुनःमाले लेखा उपने देशाचर मेलायले वर्षा हैरा पुरेश वर्षा होते होरा ेव्रायाम्बेद्देन्'याम्मेर्द्रन्'याम्यापश्चर्यात्रेत्र्याम्बेद्धाःयान्त्रेत्राय्याः स्वायाम्बेद्धाःयान्याः स्वय स्त्रायाया द्वाराष्ट्रिया वहार ने स्टूर विकास के साम्हर्ते है। हु.केर.उचित्रातायबुरिटे थ्यातरामवितायपुरिद्धराष्ट्रा मार्क्स भ केंद्र के स व्यव हे मार्क्स से द पर केंद्र प्यव प्यव है है स्त्री माद्र मी के मीव. य.रेवे ट्रंब तेश व च.ज.श्रीशत व ते.हे.रू.न.के.ट्रब प्रश्न वित्रावश हे.शर.टे. महेंद्रिःह्या दुसः यर हैना य हेते हे खुर छहा व स्थेता वहेंद्र य दिस तर्रे.तरु.स् ब्यालिय अध्यश्मित्रित्व व.ख्या.वे.य बु.क्यातर हुवी.व.कुरे.लीव... १मश्रासु सुर न स्पेत् र्वे त्रि ग्राट खिल ह्रेन्श धर नि न न लेव न स्था वर्ष रे.ज.अम्ब.श. होट्.च.लेम.व.श्रेर.टे.विम.त लूब.ब्रा टे.टंट.टेम.हो ट्र्ल.हो.

र्देर या दी र्राय मी नावया नुर र्हेना य दे यह सानु प्येद मी। रे'लेवा'रद'रे**वा**' मान मामिन में लेखाम प्राप्त मामिन में मिन मामिन यर हेंना म मुरेश मन पर पर था की बिस मु न हैं ने स मु बिर मी प्रेर सर ही यर प्रचंश वेष में मेर हेंग या लायहूँ वह माड़ेश य लेश पहंद हों। मार में कें मुराय दे दे दिस लेश मुन्य ता स्मार ये में लुट दि सा यदसः परः र्हेन्सः प १६ दुर। क्रं स्रोते त्र्सा ११ १८ त्युरः परे लेस नुः यः ल.श्र्मेश.च.क्र्यं भ.र्पेये लश.चर्यं शह्यं श्रिभ.मी. ५४४५ सिविट.री.ह.हेर..... वर में र नर् वर्ष में अर्द् र पर वर्ष र र ने र पर पर पर पर पर वर्ष र रदःरेनाचि त्रासान देश्याप्ति र्सा । देश्या देश्या देश स्त्रा माणुदासमा यनुषादते मानुष्या था कुर्रे मे मी र्दे रहेंग्याय वह्य साम्याय विषय पर प्रविषा या दे वह यः भर्मा भरेता क्रि.संगुर्श्यसं य दुसं यदे निबुद्दः निष्ट भरे यः वदे संनिद्दः मी कें मुं र्रे म मुं रें ब नाव म मुं प्य देवे कें। खुल ब्रूट म परेंदे कर स प्येर लेशनु नः भः सें('च'ने हुँ स्य नुँ **र्**व प्रें('चर हूं 'न व्य' अट'रट'रेग च'दन्नस''' नु प्येद पर देर से दिस वहस नुदे हैं पर हैं नं प न सुस प सूर्व पर हिंद पर प्रेद वैं। १२ अट देन वस वस पर विष्य हो। से देन मी देव से पान रह रैमा'य'कै'२ प्रश्च तु'फेद'वेस पहेंद्'दस । र्द्दिरेस'य'कै'दे'द्देस'फेद'वेस र्देते वन्त्रेयायके प्रदानी कें ध्रुतार्दा वहसायते के सार र्देव प्रेवः ୰୰ୖୣୠ୵ୖୢୠ୵ଽ୷୵ୡ୕ଵ୲୰୵୷ୢୖୄଌ୶ୢଊ୵୶ୢୠ୶୰୵ୖୢୠୖ୵ୣୖ୵ୡ୵ୖୢୄ୕୵୵୰୲ୡୖୣଽ୕ୄ୵୴ୣ୵୷ଈୖ*୲*ୡୖୣଽ୕୵୵ म लेख र र भी र लें। दे हैं र है मार हें खुम च र र में स र र हे स र र र है श्री पः श्री । ध्रायाद्वा प्रकार प्रति । विश्व विष्य विश्व व

दें। विकास रेना या हमा हैर ग्री प्रत्य स्वर हैं राजिर प्रति दें विकास मन्द्रे रहारेनामान्द्रे त्यावासान क्षेत्रं वेश्वाना देश्वरेशा रहारेना मार्वसानी त्याव वुरे दैं यर हैं न या नट भे र यर रे र्ने देश य है रे र्ने सं अद लेख वुर य स र् रे यते'ना नुष्यं नेषायत्वत हिष्य ह्में त्या ह्में न्या लेखा नुष्य देव हैं।। **इस्य** पर सेना या द्भः १३८ में । कर त्यं १ तय्रा तय्रा त्यं १ द्रमा यर १ ह्रें न । या समा १८ १ तय्र । त्यं १ त्यं १ त्यं १ त्यं यर हिंगा य नाव्र प्ये । व विश्व प्रकृतर से नुद्रा हे हे दिसे पष्ट पर पर से से र्रो १८ देर दर्भ १५ हेना कर सामुदायसाय दुस समाय स्वीक समादम हेना य मीं अन्यत्राय। से र्या मीं र्यामश स्टार्थ में र्या मीं र्य हिंद्य त्रम्भानु प्येन लिट देन हेन या ता रह रेना या तह सानु प्येन में ।। ल्रिन अर लेश में व र जीश मार्श्वेश ही निहुन मार्थ र मार्थ र 5'दिनुर वश' व'र्वे भर क्याया 5' संख्या वर दिनु ' है। देश के बिका के व वै दि ही द्वार मी भाक्ष मायक वर्षना याक हिनाका नामा दि है वहा ही वहा । इम्मान है होत हूर न दे न वस्त कर देन देन पर वस्त कर देन दे स्रात र्त अट क्मं पर्रा के उत्र र प्रमात के प्रात्त के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प वि.च.ज.श्र्माश.च.वे.चीच.नपु.भवउ श्री.चपु.लुब र्शी अश्र.रट.श्रभश ग्री. त्नुर म दवद से दे दस्य पर नेश भ वत् मु वके व हें व हें । पर हेद या है । निवर हैर रेने लेश न न हैं से स् ।। स्नि कन स की हिर नर लेश न न है ব্ৰিন্ত্ৰ বি'ব্ৰাহ্ম শৃষ্টা ছম শত ল' অ'ক্ৰব'লীম স্ত্ৰিল্ম' ব মীদ্ বেৰ প্ৰীদ স্থা

मायाने ने के न्या में ता मार्वेद या उस या प्याप्येक के लि का ना या ये पद ही म्ब्रुच क्यांश में विराधर हरा त्या र लेवा वा मुच में म्ब्रुंट या बार क्येर या हे दह्रा । त्रं दे.ज.र्ड्र देवटात्रं जावीक्रं वाचिश्वातशाचिव में ख्रिप्तादे वश्वाव हे अर्वेद्धा लश.रेटु.रेंब.स.सर.तश.भूर.के जुंश.त क्वेच.के ह्यूबोशं.स.र्टर.४डुंल.च.डी.चर... नियुर मी। नियद में दे नेशाम वियुर माने माने के माने में होती। मान ने दे कु र्र्य मु द्वारा कुराव प्रवास मान प्रवास मान प्रवास किया है। देव कुरा के दा का प्रवास के दार के प्रवास के दार कुर्वानन वन्ना हिन खेल हिन खेल थने छैर नहा हैं न नहान निर्मा निर्मा खुल हैर सेन यदे बुर रे लेन। हेरे बुर रेन रून हमा लुब लड बुब छ च ल खून हा से स च लुब लिस है अस ही स बुब है ठाय वे नारमो छैर देव देश या वे रहा मी देन यर यहना हेर प्यवस्थ कार हेरे दशम्भेश न यर यह है । वेश वेश गुर्य के हें ईश यर यवना सदे क्यू अव सदे हैं है हैं देश हैं य देश है वर वर्ग साम प्रेम हैं। इर सामुद प्रसावर्त समाना में हैं। मुद्भामी र्राम्बिय न क्षेत्र हे बुंबा माना स्वाया ता पर के प्रायम न मान यर् हैं मा या महासामा या निर्धा थी के हैं । रेश के पर है सिर् हुं मिर में हैं हैं र् य मुद्दे के म्वावय मुख्या रे दे हैं है। एत इस म दिन है के सामी ्**षेश** क्षेत्र देशमुरायदे क्षर्यं मात्र व्यवस्था वर्ष यदे मालुवामा प्रदेशके मिति है समाय दे कर्र पर देना पर ने हैं। पर में कें खें रूप है दें के ्रम्बर्भमुष्पेक् तॅ 'हेस'नु मुम्। विते क्वे के अदः ने क्वे व देन प्रेक नी

रेन नदे नत गारी के बुं बुंब ने नर हिर हो। हुं हु हु हिर बंस र ने नर नु न भेद दें। देश द दन ने दें दें ने नि में के हैं रें ये मी दें प्राप्त में माल्यान की पादेरे की राट्ये माय द्रमाय द्रमा ना की की की नाम प्रमान विं । १२ वहार १ वदे वद्य १ स्वयं देश वर हिंग य गहास पर प्रमुद्ध है। हर हु र्ला ही र्व अन्य र ट रेना य तत्र भारत है द द निष्य में द या दे हिर पहें देश.त. १२ भर किश शिट तर देशी । जुंश ने वेट मी लुब तर श्री तपे. त्रिनामा गु र् नामा य वसमा पर मु पत्रे मुर। अप मूर पर देवे कर म येन त्रम्भ त भेर पाया वहेराच राख्य न ह्राटा हेन केरावा वने दे करामा हेन स्मेर मु पहर्म पद इस य दे स प्यार दें। हे हुर दे पहर पाल पालक पद मुद है प द <u> बुश.चे.च.इ.चाड्याश.८८.क्षट.च.ज.क्र्याश.च.३.च.वर्षा</u> डे.**घट.४.७४.त.** वैन्द्रमः में सेन् वर्षे च दे स्रम्मे लेना र्व अप मु अव वे लेख मु म अप मुर न्वर व र्र पर भर् में ने र था है न क किर हैं र वें ये सेन्स व हैं र वर्र स बुचाबाला जुंबाचा ही नरा से बच्चारार्थी कर हा स्नर् मान्दर या विवर् हा स्नर मी नवा कवास ग्रैस नुसारा या अटा ५६ र १५ त्रसा नु क्वी । या नहें ५ १ वर्ष से में ५ ... क्री.श्रेट. चर. मिर्स. सिर्स. वेश. रे. चहेब. च. भूब. स् । हे. सेर. प्रहूब. सर् **इ**स.स.क्र.स.क्रेर.लाहे.स.प्रेट्र.स.प्रकर.स.च.चीर.स.बुंश.चे.स.ला न्नाः कन् स्वः त्र्राचुः अदः। द्वाः न्यते : क्वः यः होतः यः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स त्यः दह्नु द्वार देशः यः वे क्रं साध्येष क्रां क्रुं स्वार हें निवसः निवसः विकास वे.व.ज सूर्यास वर्ष. श्रेयस.रेट. ह्यूर.वर.वेर.व र्षस.वे.वे.जा क्रेर.स.र्योग्.जा

नर्शनायायाञ्चरान्यदे निवयानु नायाश्चित्रायान्तरायरान्यदे निव्दर मो अन्यान्दायेषान् न्याने न्दार्श्वेरान्दरहेन् छेषान न्ये द्वेर्त् भ.श्चीश.तप्.बुश.चे.च.ज.श्चीश त जा जनी.च.ख.श्चीश.चर्.प्रट.चबुर. न्'त्युद्र'म्ब्रा मद्मी'सेर'दे भु'प्येद'च देवे'सेर द्वंद्रस'यर'प्येद्र'व'सेद माठेना ऑर् नाम भेरादा लेखा नु निर्मा प्रमान निर्माण प्रमान निर्मा प्रमान निर्माण प्रम निर्माण प्रमान निर्माण प्रम निर्माण प्रमाण प्रमान निर्माण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रम निर्माण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण माइबाया लेबा नु वा वा वा या ने व्यू र या सा क्षेत्राया रे व्यू र वा व्या या विश्व मु र दरा खर क ऑर पर मिर धर के पर अर्देक पर चिर पं लेख न व के दिस सं मार वा र्ष्य्र प हो रे मिं ब हैर नु पर्रेर पर मिं ब हैर नु पर मिं ब हैर पर बुद्रचन्नै क्वार्क्स में न्याया में न्याया से सादे अद्रेश विदेश कर्ता करी न रदः स्वा नर्या या स्वा शाया में मुद्रे लेश मु न है है है पर है र्ये पर है र मुँ दुर र्भा दे खर द सम पर प्रेश या निह ना ता पर निया है द्यना पर दु व वार्स्सन्स प्रते हिन् पर व्यो पर त्यार क्षा वरे व वार्सन्स विकास न्द्रात्रा केन्द्र ने हेश्र श्रान्यना यर ने निया के विष्य निया ने विष्य वार्येन् प्रते ष्टिर.तर.जी. क्षेत्र.त.रेट. कंष्य.त.त्रेय.त.त्रेय. त्रेट. वाड्य. केर. टे. पंट्रेट. तंर्ट्र. तंर. यदे व त स्त्रीं म्राया ता त्या न के मा हे द दें। दे त्या है त हैं दें। दे बै नदे न व संग्राय न न व न व विकास न स्वाय स्वय स्वाय स्व कृद्रियेदायर अदारेन्साय स भी हे लेस मुन्त हैं निर्देश सु सेर्पेट दें वें (A) मारेना केन्द्रिमान्य संध्येत्र हो हिल्द्र ह्याँस प्रेट्स स् प्रवद् भादे ल्द्र हों

वर्षे देश दे नहिना भीद यर भी दुरार्टी लेख दे अपूर्त मुंदे यर प्रमुद र्ह्मा च्योद्दमामध्रात्य म्य वर्षे वर्षे क्षेत्र हैर रहे लेश उप तारिष्व वर्ष हैर लेश उः म मिंद वहार नुष्टि हो। वहेंब मिंदे हम म दे के दे ते नद्ना हे द के खे द र प्रिंस खु'नार्डर्'सदे'रूट:पत्नेष'केर'धेर'यरे' र्युर हे रूट'केर हें नहां सदे रूट पत्नेष'धेर वरे क्षेर्र्स लेस व नरे र्रे र्ना कुरे से स्वर्ग रेग है। मर्दे देश पर्दे देश यर मेलिया या प्रेय दी। लेश न पर मिर दश द्यार ही । क्स म अर्था के रूप रेवा मान्यका तुर मुरामारे किया पर अहिंवा मर केरा माने ्रहेंबु यदे दम्मायाध्येषार्वे लेखानु यह हेंबु हो। हे हेन्दे हमसासु स्ट्रायदे पन्ना हिन दे नास भावर प्येद दे लेश नु प भारत संग्रास प्रसाद हु पर ने ने दे । देने चनमा खु य उन द्वाना याका लेखा च चार हो । साम प्रतिस पहुस पर्य देन वेश विश्व विश्व कर के हो हो स्पर्व सुनिहाल। वाल्य विश्व विश्व स्थेर ब्रिनाशाः नाल्यानु तह्यानु द्वारा नात्रमा पाले मान्य पाला मान्य पा . ब्रि. र्ज्य म्री. र्व. र्जे. य. कालार पर्टर. क्योकाला स्कृता स्ट र्चा तर्रा भट्टर श्रीका. ्रहर प्रतिरास स हीर पर पेते है। स्टार्सन संदेशका स्टार्स के कि स्टार्स के स् मी भेर पर ह्याचा मालभ छ दर तहमा है दे दि तहस छ पानलम पास हिस्स खःर्पेदः विश्व 3 न पर पर भेदः विशेष के दि है पर दे है भार पर किया पर किया था द्भःग्रीमः ब्रेशः नः त तः स्नाम मधः पक्ष पर ने दे दे । वत्र विना यनायः े**ले** जे के दिनाय न भे के हैं क्षम नु सेमस यदे लेश वु न के र्सिन र दें हुन स है ... ब्रिट में र पर्दे र कग्रा थ स्वेन र पर र र में पर प्रेर हें लेख मुख्य सारा मु पदे

र्ने भे विशे देहें देहें दे पर देश मालेश नु माउदा मालेन कर के हैं देहें के हैं ने पर याने खर विनाया पार्य व क्रिय द सेम माने व देवाया है व के विना दे हैं व देन रदारीना वालिशायन्तरावानाता धनावारी भारति से विकास নত্ব স্ত্রী হ श्चिम् न्यं के मीक तर्दे दे किया के त्या के प्रायति निर्मा के ति विकास सि प्रायति के लिक वस्र नामार प्रेक्षित्र विद्या हिन्स हिन्स विद्यान कर के विद्या प्रेक्ष कर विद्यान के विद्या प्रेक्ष इस यदे सक् के के ते के दिन के देन के दे के देन के द शुक्र मने रहारेन मालेक महे हुँर प्रेक ही। श्रुट चर्य से रेट्र र ज्येत. धासामिक की अम्म द्वा खें के हैं दे दे दे हैं है कि मुन के मालक द्वा में त्यः र्स्वन्यः वः इसः वरः विश्वः वदे कुः १९ द्रान् अर्द्धार्यः वः प्यारः ह्यू १ वर्षः स्वान्यः धः । स्रिया केर स्त्र पर तर्र र की रवट राज्य राज्य मारा ह स राज र ते लेख निय निय र दे र्हों (यद्श्रामाधना पर्या द्रमायश हो द्रुया महिला हिन्दु मुनाया भेदादे विशा वि.च.बू.लेज.रेब.लेज.३२.टे.क्स तर.च्लेब.तस.स्र्री इस्यर सेर्प द्वर मी. इस. तर प्रेम. त. प्र. त्रिया स्र स्रूर हिस. प्रते दस्य पर प्रविमा पा है दे से रे.चम.व.लेल.ची.क्स.च.क्य.चुस.च.रट.ट्र.लस.वेमस.स.झूट. यते क्या य भेर या दे ख्रें क्रिक्स महिसाय हेन मुक्त य भेर हैं। देने ख्रें या दु ब्रूट नदे लेख न न न से न्या राय देवे हें लेख न न न ने ही रेख मी देवा यायदी भी ने संग्वी ने संग्वी के साथ के हों के साम प्रवास के किया में कि से सिंह में कि से में कि से में में के हते.के खुतारमान्य या हेन में हिर री नाय हे इस धर हेन सर्वे इस धर विशायान्द्रानुसाम्बद्धद्रसायद्रायद्रात्म् विदेशायान्द्रात्मा विदेशायान्द्रात्मा विदेशायान्द्रात्मा विदेशायान्द्रात्मा लिया मी लाइ सर विचार र दे दे न हे होर लिया मी इस वर ईट वर हे देश

ସି.ପ.ज.स्चार त.श्रूस.है। ंत्रेस मार्टरार्टेश सञ्चेदस दा हुट ग्रेश द डिन क्रेन्न् क्रूट न वेद्रों र्द्र स्व य वे प्रेक् लेट ने सामाया पट देव मी क्रायर र्मिश्रायान्द्राञ्चयामाकृदासाध्येदार्वे हेशानुगमाके हे सूरासेनायास्निशास्ते प्रेसा मार्द्र-दि स्रि । मार्थार्श्वर मार्थाया सम्माराय ते समायर प्रे हे हे में मार्थी हे र ला ही र दे र ले का मु द्रमायर विषायर मा भेवावा हिस् दे सुर देवायाय दे नहिन द्रा प्रदर्श च.ज.रेश्वेबेश.तपु.रंश.तर.रेरे.तरं.तुंश.च.परु.ज.ला.लट.ट्रेंश.ची.र्थं भारतु.ट्रेंय. यान्द्राच १ व माध्ये हो। कुर्रिय व व्यन्ति देव देव देव व व्यन्ति व ने स्वरमेन लेश पुरव के र्ह्य में दे क्याय ना स्वर याम प्येन हीं। व्याय पर्वाया लेखानु वा वे इस पर हिंगा धरी इस यर के साथर मे साथरी वा पायर्गा हिंदा - म्री.वेंबात.बुबाची.च ्राक्नी. रूजामी.लीजामी.वेंबातप्रा। वर्थाता जार्यभूमाथातप्र. નુંશ વર્ષ પ્રાયાનુ લેશના વાયા સંગ્રાય કે ગલક છે. જાય કે! ેનું સાયા સાયા 'ગું' ક્રમાયા **હવે. જે** તા તાહે માતા જોવા તા કે ક્રા કે હે સા ગુ વધે દેવ કે મા अभवाशि म् : प है. मूचा ने इस तर प्रेश ताला मूं र ताली जा की देश ता कर तार । ्रवे. खेंबाची यह बहारका रूपी हा क्षा या भूरे तर प्रचीर पार क्षेत्र सह केराय ा लाट लिया २३ मी प्रेशान समहा उट दिया माहेशायर मामूनाय प्रेश हें हास है। ... ्रश्रम् स्था तर् देन हेस विदायामार्थे वारायमायम परिवयायर वेर दे। देन मु:इस व'न्यादायस'सेद लेस'नु'व दे'द्र्रायानद'येद्र'व'वददेवे'ख्यासे'न्याय '" न्दे दुमाया हे नारा यहा प्रदेश हे त्या प्रदानी हु वि देमाया नाव दे हैं हुर ना प्रदेश

देवा वर मुर्ते। देश क प्रमामी देव के माध्या यह क्रायस द्वेव यह क्षेर प्राप्त स्वाप्त क्षेर प्राप्त क्षेर प्राप्त र्देशमेर्नियते कुरालदा लेखा निया परि हो कि हो। देश में कि मार्थित मार्थित में लेश.चे.च.वु.इं.चु.केश.तत्। पट्ट.चर्डिश.तपु.इं.वु.हु.डे.हु.स्.श्रेच.त. श्रवाश पदे खुवा मु देव मु देव मु दे व नीहे ना नीश हें नाश पदे दूश व नावर मुक्षामुद्दार्द्देषु यादे चल्काद्वार्थित मुन्देश यह से सम्बद्धार्थित स्वार्थित से सम्बद्धार्थित स्वार्थित से स र्या मु दें वें प्रेक्ष प देवें कें। हुं श्रामु मि हें न श्राम दें न श्राम हैं ଞ୍ଜିଷ:ସି.ଲି**ଜା.ଅ^{ଫ୍}ଟେମ.ସ.୪.ଘଟମ.ମ.**ଧାରହ ସ୍ଥିମ.ସି୯.ଧାରହ.ଜ**ମ**.ଅୁଣ.ମ.ଅ୯.ମ.ମ. लिहामहिदायर त्युर व पहारा प्राप्त के दिन्हा या सेर् यदे हुर हैं। दे द्रर द दे दे है है रिया मु केद प्रदेश महार देवारा यर हिने विरास मार है। दे⁻१९८-४-८ . ज. हूर्न. त. छुर. त. त. ह्यू. त. ह्यू. त. ह्यू. त. ह्यू. त. ह्यू. श्रेन ग्रेट.ष्ट्रंत.त्रुव.तपु. ख्रेट.ह्. खेश.चे.च.वु.चंबर.ची.जेश.मी.वट.व.चवर्थ... ี่ นลิ รุ๊ะัฆ ซั เล่ะัง นาณ ผู้ๆ ๆ พี่พรายะ ซั ณ ฐม นา ซั รู นาพิจานลิ ซึ่ง รั [] यन्तान्दः प्रतेयः यदे क्षेत्रः प्रहेवः यः सः धोवः व 'लेखः नु पावः केदः सः धोवः व लेखः मुन के नहिं गुर के नमर से द्युर रे लेश मुन नमें मानुर मीश वह के र स के र नर वहेर तर हैर र्। भैंश व वस्त हर हुल व व व स्रूर वर माल्य में वसं वदे दे तत्रसं व ले र स् । वसं व ले र सं र द मी स ले स न व दे र सं र द मी स लट्टिंग नर श्रिट न ने । श्रेश व श्रेर ने ने ने ने ने ने ने ने ने ୕ଵୖୡୖଽ୕୶ଽୗୗ<u>ୖ</u>ଽୡୖୠଽ୕ଵୣଵୢୠଡ଼ୠୠ୷ୠୡ୕ रेमा पाये के प दिश मुन के मार में के थिक मुन था में दें प्रकर पाये का मार्ट का य

<u> सर:585,4श.साल१:त कुना नेशाई शरूर होता संदेश के तकता सार्यश्रहीत.....</u> मद्रे:र्ब ११ व संस्था ह्वारा पर प्रश्न स्थ्रे ग्री विक मुन प्रति । मति देव है माना भेक वे जिस् इ नियम के यर के विवीर हैं खेश ने न ज स्वीय न न पर न न न जिंदा न न न न न न तकर् याचिंशार्युर्यते र्वे ता १३ या विकादि वा से रामि ब्रिंगर्स विश्व च नम् नश्च स्था भन् ॥ ना या है। है। प्रे क्या बेहा छ। वा है। नाय ने प्येत की इस बर केस बरे खुल ईंद खर्द य हैंड दु वकत य बें दूर हुन य:चूर्र हुँग्रस:स:स्रोत:सर्गा वर्मा:हुद:हु:सुर तचुत्र:व:खेर्राच:बुर्राच:बुर्राच:बुर्राच:बुर्राच:बुर्राच:बुर्राच मारायानेयारा जलेका व्यानामा लेब.ने जुश.चे.च.ब.बे.वे.चंट.भ.कु.ब.त.ज.वे.च्या.चे.च मार्भिक सार् है। इस सामा हैना साहक लेखा है नहें सहिमार्गा ૡઌ૽૽ૺૺ૾૱ૢ૱**ૢૺ૾ૡૢૺૣ૽૽ૢ૱ૢ૽૽ૢઌૢ૽ૺઽ૽**ઌ૽ૢ૽ઌ૽૽ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૽૽ઌૺૹ૽૽૽ઌૢ૽૱ઌ૱૱ઌ૽૽૽૽ૹ૽૽૾ૢ૱ઌ૽૽૽ૢૺૹ खेब न हुते और जेश वहां देश मारीय शेर शाओब अंहेर फेब वहां हैंग है अर वै.चचर.चनु.चकर्यास्.रट.वेय.त.स्र्याम्,अध्ययायप्रथमः श्रीर पर नेरातः म. तेर ब्रु. खे.चे. टे.ज. तुमा नर्छ. द. तर श्री. च.रच. ज.वे. खेम.चे.च. ज. श्रूर. च श्रिस. भी भिक्षर पर्द वेश वर्द के स्थापक्षर पारक मी प्येश पार्वेश प्राच के के राह्य गुड़ेश्चान लेक व लेक छ प्रते दें हो। यह में ब्रुक्ष के हें दें या में हें दें या बहुर्यः वर विवासायानाया है। त्रीहाणी क्यापरा नेशायका महाराज्य है। यह वर्षिका

न्न्यर मुर्या नेति के है कर के अपने त्वार लेगा मे द्वार करेते क्या वर हैंगा धर विश्वर रे । देते इस धर देंना धर वश्वर वरे हरा वर् रापते इस य दे नाल्य में भ ग्रोट देने सामर तमुर रे लेस स्र नित्र में दे अह से से है दे न बु र बु दे में देश मर वेस पायस व दि मा से दायर देश मु पाय सेवाय । त्रश्चित्रं श्री दे लहा अभया शु रहिंद लेश ने न त स्वाम न स हिंग स सु वहद य के पर कार्रिका के मार्क के प्रकर संविद्य है न प्रकर वर्ष मार्थ प्रकर वर्ष रे विमा खुमा नेस देव भेग यह। वि विमा गर्म के द्वारा महिमा हैन **उस** मु न ता स्प्रीय या स्प्राम मु र वस वनुस पदि निवुद्य ने ने स्पर्य स ୬ଟ-ୠ୷ୖ୳୶**୷**ୢଌ୷ଵୣ୷୶୷ୖ୶ୣୣ୕୶୷୷୷ୡୄ୕ୣଽ୷ୣଌୗ भूमे.ज.श्रूचेश.तप्र. इमः धरः भेशः चर्गा बेस.व.च.च.स्वाश.तस.तस्तर.तर.वेर हा। છુત્ય વૈશ્વાન ૧૯૧૬ વેશ વાદના ગેલું સુના હેશ વર્તોલાવ લેક લામ હેના નો ક્રિકા **५**ने निर्मे के में देश की देश की देश निर्मा ना की नाम हें ना सार्थी। देनारायात्रायोद्देते। नारामी क्षेत्र द्रमाया मेदाया क्षेत्र द प्याद द्रमा वा र्ट हैंने य भेर य रहे ने मळ हिंदे प्रति पर हैं देश खेश मेस य रहे दे में श याद्र गानी के ज्ञान नाल र मी अदिने के नहिंद पर कुषाचा दिने खुर पहुंच नाल क पद्मायम क्रिं एक्य मेर्स माल हेरे मेराय के एक मेरा मेर्दि मेराय है। लिक संभाव का रेट्र केंबाव देश ये यह में हैंद्र पर में ये वा वा वा वर्ष के ये वा देश ये पदेश्वर् माने पर बहुत हैं। लुक् मी के पादसे र पर मुर पदे हैं पर देश ल्युम में ब्रु. मर प्रमें स प केंचल शि ब्रूट पड़े . प्रेशाया वह लेश व . व . व . व . व .

विते महत् केन के भार इनाय के या र वुदा व हैंना या दार वर्षा वर्षा के सामाने स्रीया केंग्राचारे दे केंग्राचा लेशा नहें दे देशा निया केंग्राचा केंग्राच केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा के स्रै.श्रूभ.त.पर्यथ.ये.८८ कंश.तर.पचीर.पश लीज.मी.पुश.त.खे.भ.पचीर. चयु. पुंत्रानमा चिह्नाचा वा तीया की क्षाना नह हंश शि. पंत्राचा तीय की खेंगाना दर्भने वें लेश 3 प्रते क्षा पादरेश प्रहेष पर केर दे लेश दें के पे प्रते परे रे हिर बर्द्य हिंब व नेब सर्ट केर ही नेब स न नुद्र न के ब बुंश श्रेथ में । देश या देशहेश श्रे र वेश वर्ष खारा मीं । येश या मीट अदार देशहें तर.चेर.नद्र.जेश.तश.चिट. वर.वचीर.र्रा डे.केर.चशज.वर.चे.चेर.केर. लिक. के. क्ष तर . जुंश त रूची त जुंश ने व श्रुंश हो लीक के. क्षेत्र के श्रुंश श्रुं र्सिन्दे नेस प्रके नदे पी र दे लिस मुनदे दमा पादिस है माय लिस मुनदे द्र हीं रिकेर हैं जिना भैद है लिया है न दे खुल हैं ज़ेब वा है ने बाद है है है हिना भेर हैं लेस ह नस है अस प्रहेर पार्च हे रहें । कि अप हो मेस पासीय हो क्याय दर हे भा शिक्षेत्र व केर प्रस्त वहेंद्र स्रामित सर्वे जिया स्रामित स्रामित न्द्रम् भेर्या हे हे हे जे जना भेर हैं। का क्षेत्र के साथ दे के साथ नहार पदे इसारा हेर रे लिस में में स्वाप में है स्वाप है हैर पर है हैर रे । अम्म अर्खें निर्देश नि मि दम य अस्य शु सिंद यदे भे साय प्रोक्त हैं लेखा न पदी देश या पदी सामे सायदे चेंबायावहणायाध्यमानेवा यदे असमाधार्येदानदे द्वाय दहिन यर छेदाया लेखा उत्तर्भात्र विरायर रे जुर या भेषाते। ह्रिं ये या सम्माय देश माया महिरा કુ<mark>ર છે.શૂ</mark>ર્યાત્રિક કુય. નું સત્તાર ક્વાતર પ્રદૂધ તરું કુર સ્થા કું પ્રથાય કું.

श्चेर रु खुवा के इस या १९ र रु खुवा के सेश या रहा रहेंद्र यर केराया है। खुवा મું **ક્યા**વાક્યામું લેયા ને **યા**વાખેયાવાનું કેટ ક્યા ના કેથાવા ખેરા લું ક્યા નન્ त दे. होर. दे। सिना चुंस. दे. भी. नेस. त भी वि. सना च. खं. खंन. नाकेश केर दुस न न में दूर है स न सम न न न न के हैं न स में है स न सम न यर वेद.तर प्रचीर हूं। इर्ड क्षेर लेज के ह्य मुंच प्रायश केश य दे खेल देते हैं रहा मा वर्दे हों हैं है लेंग हा नाम स्वार मा हैंस है। प्राप्त हैं ना हैं के अस्य शु हिंद नदे देश म से वर्दे देश हैं। हें नुष मदे दें के दे हैं พูง ผมาวรุง นามส่รายาฐัง นา อิราร์แ รัง อิราฮิงาระ ৡ৾ঀ৾*ড়*৾ঀয় য়য়৾ঢ়৾৾৾ড়৾ড়৾ঀয়৽য়য় ঀয়ৣয়৽য়য় য়ৢঢ়৽য়ড়৾৽ড়য়৽য়ড়৾ঢ়য়ঢ়ড়ঢ়৽য়৽৽ ष्पेदःवें ॥ दे 'स्ट्र-'द'र्देव'में 'द्रम्य'य'केद'में 'च 'दे 'दे 'द्रम्य'य' प्रस्तु 'द्रम्य'य' प्रस्तु 'द य य व द पर प्रत्युर र्ह्या व द्व पु खूट य द्व र र र र कूट य वे स मु स के प्रसुका मदी देव के व व ।। देव दु रूट ब्रूट न लेब न व व देश न व व माना शहर के मा भेद वे 'लेस.व.च.पर, दर खुर विकास के खुर पर वेद खेर प्रवास व खेर पर । नेद हेस न पर देन हो। क्विं पर देश देश वर्ष पर विकास क्विं पर विकास कि क्र यस पर्त पर्त मानुदा रे दे । विदेश पर्य दे प्राय के खार मी देश पर्दे । तत् रद्दः द्वा क्व मी रहेनाश पह दिश में न क्षेत्र है। स्वा मी में मार . -अभश्राश्चार्यात्रे . पुत्रायालेश.ये.यपू . स्थायायहरू अपद्रियायहरू । स्थाया

र्भन्य ने भन्ने सन्देशन्तरी दे.वे.लेक.देदः हु**स.शे.**घरीय.तपुरीय.व. बैदान दश्वेश में के अप दे हिंग शिमधेश व है। तिम में देश पर है। वरावश्चिराक्षभ्रम्थाश्चिर्यावस्त्रेभावाश्चिषायाः विषायाः वाद्यात्रः वाद्यात्रः वाद्यात्रः वत्रक्षाक्राक्र्यं वादे कादेश्वद हैं श्रावस्त हैं। देन वादा वादा खाया है इस्य उक्ष में इस्य य दे वे स्टाय दिसेन प्राय के ए हैं दे हैं र दे ले स्टाय व में निहरी क्रुवाश मु:र्द्र भेराकु विश व व भेराने व से अने व क्रुवा व रामका का स्ट वि स्थायात्र द्रिन्य यानाव्यार्थेन् याने साने स्निन्छेश प्रति। र्व स्थेन व देवे हुँ र दी। निक्किन के देव दूर स हुन सर हुन सर न'नात्र केंग्र भो दें ते हैं।। नात्र केंग्र में दें के दें से ये दे दे प्रकार केंग्र तर देनी तर में कि राज्य प्रति के राज्य प्रति के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध क के परावर्ष्णु कार्या विद्यान के र ग्री स्थिर स्थाय में भिकाय नो हार परी है का या रहें राजा श्रद्भ लेंग व पर्व गुर मरावनुष धरे बाबुक की र वें। रक्षेर हिंगारा सर्वे : हिं हर ब्रह्म के परे हर र पहले . पर्मी है है है र वे लिए में के पर कर्ति साम स्टूर्म र मुद्देश मु ते य मार्थिय विकास स्टूर्म पर में देश पर्याण्ड विधायदे के मायामान इटायदे इसायश वसुर व हैन यह वर महरू नमून है। दे अभियन नाय दे खुवा नी में दे मि द विशासर प्रमुद् म केंब्रिक् रहानी हिंदि में सामिक्ष मालेश मुन मेरे मुन मेरा महिमालुहा पर्वे के अपनिता प्रभाव विकास कर में प्रमाण के स्वाय के श्चित्र में व प्रवाद होने से के किया में किया है किया है कि कि किया है किय

ं चॅ 'म'र्भेद पदम। असम सु सुर पद देम दी'प'य'र्सेट 'पद सेय'दस दस दर् य.लुब.बुं। स्रिल ब्री.ट्. च् चि.ब.चेंब.चंट प्रीट.च.लुब.बी खुब.चेंच.इं ब्रु.क्. **୶୬୬.୯୩.ପଞ୍ଜାପ.୧୭.**୪ପ.୧.ଅନ୍ଧ୍ୟପ୍ତ ସ୍ଥିୟ.ଅ.୩.୩୬.ଅ.୯ଏଟ.ଜିଏ.ଲି.୯ ् ख्रेयाची हें विश्व के प्रमाणीय पर पर्दर हो। े ख्रियाची हें वि केर विवय 'बिना'भेद'र्जे। र्हेन परे दें र्वें मुर पायुवा प्रबे र प्रें से में से भेद परे परे परे परे परे परे परे परे परे ्षयायदे खुर स्थि रहानी हैं वें लेख तु व वे वहर पर मिलें चुर य हैं र ग्रीकाने पर प्राप्ति पार्योक हो। दिन्दर के ज़ेकाय क्रम के बेद बार्यक के लेका ह्यून्यायाया स्वाया स्वार्त्ते निकास्य दिने हें तेका सदी के सारा भारा है। लिया चेश तर् नेश राजा लिया चेश तर नेश स्टि चेश स्टि चे स्वा से र पर देवीर ... ଷ୍ଟ ଅଟି ସେଦି ସମ୍ବା ୬ ମ ଔବ ଶିଂ ଔ କ ଶିଂ କ୍ଷୟ ସଂହର ବି ଅ ଔବ ବି ' ଜିଷ ପ୍ର ସଂ ମିକ୍ଷ ये वाता हा वर मुर्गा चु ज्ञान के रायर विष्ठ हो वे श मु न वर दि रे पन पर न.वु.विर.चर.भुर ब.बुझ.चे.च.लुब.बु॥ लीज.चु.पुझ.न.रभुवाश.चर.चीर. त्रस्य पहुर्य तर षर्ट्र तत्र पुरा पदि पुरा पर्या पुरा सुवा मु हुमा पर पर विसायर भूदाव द्रा ने ना से दायर विषुर रें विश न वि दें दें हों। अभका शि. श्रुट् . यद् . देभ च क्ये व्ययत . बुची . लीका . जुका च . लाये . ता. देने . क्रुट्र . यहाँ य यर मेर्ने प्रते भेषाम अपाध्य ते शाय दि असम शु हार प्रते क्राय हता अहे ... ୬ୁ. **ଓ୍ୟ**.ସି.<mark>ପ.୯</mark>.୧୍ୟ.ସ୍ଥ.ଖୁ.୧୯.ଖି.ସະ.୯ଘିଂ ଗ୍ରା ମିଜ.ସି.୧୍ୟ.ଘ.୬୪୪.ଖି. र्बेट वर्षे नेस म भेद दे लेश न नरे दस्य म न देश है म भेद दें लेश न नहें न्यस्यतः द्वं भवे ह्या दश्मित्रः पर्याप्त मान्य सेर् प्रते क्षा पर्राप्त हिंद

यर वेर पार्वाय व सेर वाया वहँवा यर वेर वास भेर हो। रे किर वास्य ं के विष्टे देश तर कुंश चंडे, कुंश च विष्ट भारत विष्ट भारत कि भारत के अधि के स्था ही हिंदा विद्रे देश तर् तिन दर में श हैं र तर भ्रावचीर है। तिन में पुर पर हैं र भर भ्रा ंवनुरार्के वेशनु वर्ष कर्ना ने अयानी वेशन के देवे खुय भेव हैं। हे यस क लेख मुन्न व स्वारास्य प्रमेश या मेन प्रमा हैन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रमा में प्रमा में प्रम लैंग.में. तुमन्तर चुंस.स.लेंग.भ्रमश.से.श्र्ट्र.चट्र.इम.सर. यश्चेर सर.में.क्रे लेक्स प्रत्य लेक् हु स: इंडिंगी खुया है। येस प्रदेश प्रति खुया ही इस वार्टा हुन न हेर खेर व लिया हुव सं ता स्राया हमसा हा हिराम हेर त मुदासक की बशुक है देव दर २५ व भेर सर स्थाप असल हा हिंद पर से प्रश्न हो। वर हिंद ख्यानेशन् वे बेशन व यार्शन्य प्राचे केन वश्या वरा नेतृत्व कार्या . बुंश २ न है . लेंस . बुं**श** न र हुई . तर . नुदः तपु . जुंश नहीं । विकास के कि कि कि ता.चुर्ने.न.४डूरे. रेट्रे.टर देल.क्षेरे वुका द्यांच क्रांक क्रीका ता अथवा शास्त्र मते मेश म लेश च त नहें पते हर दुवाना त संद मारे मारे भर देश नुत् ट्रे.कर.य.र मुन्नम् नाइट हेश श्रामध्यात्ते, जेश महाजेश साम्रीतर तिस् ही। ने अस्तर भेर के लेखान पर है अस मी नेषान खार मी इस प नह मार केन प्रकार <u> पर पर्ट्र व के स पर्ट के स पट्ट खे स पट्टर खे स म उत्र के ते के स म उत्र के स</u> ध्यम में निम य पहें पर में प्रमुक्त है। अहा में तिम के देव द मारव है क्षर तपु होर हा। लीय में देश राज्य लेव पर मिन्दाय ला लेवा में देश

य हेर्ने अहा क्षित्रां कार्या क्षेत्र विश्वा विश्व विश् गुराखायानी केसाम ने ज्ञाना है। 💎 नहार नहीं क्या मार्थ ब.रेर.चयु.चिक्ट.चयु.र्थम.सब.लीज.ची.र्जमान.विर.तर वीर.च.रे.भ.र्यूथ.र्थ. लेस-च-न्द्रे-इन् ना हिन-च लास्त्रीया च अस्य ही हिन्दर ही है र हे हे.सिक.मी.चेश.तर.श.पर्केर.हे। ह्ये.देर ४२.व.श्रेर.वर्डिस.सी देश हैं हर प्रत्र पर दे दें हैं शर्य प्रत्य हैं । ষদ্যন মুন্ত্রীনান. रद्भविष् ७३. १९ व.च. लुस.चे.च. वे . सयाचा चर्चेच . वा लेव ह्या। इस य वेस य हैर र वेस वदा वेस के दहें र स्ट्रेडिर य रटा। श्रूर् निर्मात्र त्रीम नार के हिन्त्र दे वर्षेत्र परि मान वर्षेत्र प्राप्त के वर्षेत्र परि नाम वरम वर्षेत्र परि नाम वरम वर्षेत्र परि नाम वर्येत्र परि नाम वर्षेत्र प क्र. व. लिया मी. पेश. त. दे. व. क्रिक्ट्य मा. स्त्र चे व. वे मा श. श. श. वं ट. पटी रट. पटी व. 5.นีขึ้น.รู้ || र्यु.सुर.रु.ज.लट.हु.३मश.श ब्रुट्.यप्.पृश्न.न ज.लेज. મું ક્રમાના ખુટ્ટાના ભુયા હું !! ક્રાના ક્રેશાન જ્ઞાના કરા મું છું **જા.વે.વે.**ધ. तर्र विश्व च.ली त्राम्नी रेश तथ चर्लीर विश्व श्रास्त्री श्रुट्ट च.पर क्रुये हु . बुर्श प्रथित. त.बे.ली.ज.मी.पुश.वर् बांबेट.चप्र.क.बेट.उह्बे.वर्.क्ष.ज.वंश्वेषाव.लाःभी..... दह्र यह का प्रता हिना था है साथि हुई। वह है है है दार्य दे ना हुस य द्रमायान्त्रेना महानिरासर छवा लेखानु सानि सानि स्वार् धेरवे॥ सप्, भक्ष. केट. की. चश्चिम. त. त्रुव. ब्र्.। अध्यशः श्च. श्चेर. चप्, व्या. त. चहना. जवा. **चिर.तर.** टे.चैर.त.ब.लेल.ची.श्या.त.लुब.हे.बुब.चे.च.बु.इ.बुब.लेख.चेंश्च.चंटु.

म्बर् प्रते मुहर् प्रते क्ष्म स्वरं स्वरं स्वरं क्षेत्र हो स्वरं प्रते स्वरं स्वरं प्रते स्वरं स्वरं



क्र्यास्मायनोषानी त्रेत्रेषाच्या प्रमायास्यात्राच्या

૬ે વ્યાવક્રેર <u>'</u>કૃત**સ' સું** સુંદ ' વર્ષ ' બે**સ**' ધ' કૈ ' કે ' વર ' સર્જે ક' વા **હં** સ' પ્યેક ' કે | लेख पु न के केंन्य शु यकर पते असस शु र्ह्हेट नदे केस पामट पेक प क्रिस सी र्स्युर्न्यते वेश्व य भट लेश नु न हे दुर्म पर ह्र्म पत्रे वेश पा भट हें भी हेते. लेखानक लेखान न के नर्जे नर्जे नियते लेखा न वहिक पर नेत परे लेखानका स्था <u>ଛି ୱ୍ଟ 'ବଷ୍ୟ'ସଦ୍ଧି 'ବ୍ର୍ୟୁ 'ବ୍ୟ'ସ '୨ଷଷ' ଷ୍ଟ୍ରାଫ୍ରି 'ସ'ବ୍ୟସ'ବ୍ରଷ'ସ୍ତ'ସ'ର୍ବିଛି '''''</u> इन्द्राच्यास्य पादे द्रापी द्रमाय क्रमसा हा हिंदाच द्रित्य पे साय के दिन्ता सा ସରି ୮୯ - ବିକ୍ ଔକ ପରି ଅଞ୍ଚିକ ବୃହଣ ଶ୍ର ଅଟି । । ୢୖଽ_ୖୡଽॱପଈ୶ଈଂଧରିଂ୍ଦ୍ର ଶ୍ରିଂଶ୍ୟଂଧଂ୬୍ୟଶଂଶ୍ରଂହିଁ**ଽଂ**ପ ଜିଷଂସ୍ତ**ଂପରିଂ**ଶର୍ଜ୍ୟ^୬୨<u>୮</u>ୢଟः… ब्रूट च लेश नु च में र्द्द हैं। दे सुर द दुर्द पदे पेश प द हैं र पदे पेश ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼ੵੑਖ਼ੑਜ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੵਖ਼੶ਜ਼੶ਲ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ੑੑਜ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ਲ਼ਜ਼ਸ਼੶ਫ਼ਜ਼ੵੑਸ਼੶੶ ¡मालक'र्माके'रद'मी'द्वॅ 'लेख'दर्क'यर'मे<u>र</u>'रे। พะ नश्यापते द्वामी द्याप क्षया शु हार नते रहा मी हैं न्यूर ही या दे कि रा व्य दे रे 'रदः नी दिं 'वें 'प्रेब 'यर 'यह 'यर 'युवें ॥ रदः नी 'खुव्य रुब' मी 'बेंबर' नु'न'बै'न्द्रॅन'पदे'केस'पदे'खुवा'ठक'मुैद्रे। दे'वस'क्'न्ट्रॅन'पदे'केस'यः aहर्नचेत्र वेश व अट न्युन्ये वेश वान्ति श्रादेश श्रादेश वान्त्रेन के स्वान्त नुरायादे स्वराव दुर्जि सदी भेषाया अदा खुवानी देश या उदा खेदा वे ॥ मान्द्रीत्र निर्देश रहास्य सर त्युरार्ट विशावान वार्द्र द्राप्ट स्वापा वेशावा व'दर्भ'म् ब्राप्त क्रिंग्य प्रमान क्रिंग्य प्रमान क्रिंग्य व व दर्भ

के पहें के त्राच हो के त्राच हो के त्राच के त्र नर मुर हें 'बेशमु'न'वे हें अंगु इस मार्ट प्राच हे। देश वे नहान दे क्स या महिन्द्री यसमाया लेखानु चार्ते तहे व मते क्साया महिन्द्री मी.ब्रेंस्पर्.केंस्त्रिका.मी.क्षात.वय.को.पोश.पोश.पार.ट्र.पोश.पश.रश्चाशायर. प्रमुर्गनः लेबा न त्रो देवे विकासमाधुः वेदायः मुद्दायर मुद्दायर मुद्दायमा रिश्चाका स्पृष्ट प्रहर्षे सर प्रश्चीर हूं। स्पृष्ट खेरा से क्षा से क्षेत्र से हु में बार तर तर्र तर्रा इ.स.वर मीर त. बुचा इ.व। तिषा मी क्या त व्या है। र्ह्न स्प्त र्म्य सप् क्ष्म प्रमाने पर निष्टी में स्प्ती हैं स्प्ती स्प्रमा स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्रमा स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्रमा स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्ती स्प्रमा स्प्ती स्पती स्प क्षाया द्वराणेदार्व . खुंबा चे. या दे लीजा ची. जेबा तार्ता। टेट्रा क्षाया द्वराण टेश्रेचीका द्धर-द-देवे दश्याय उदाया-दिमेनादा यदे हुर वेदा न पदे देवा व हिन के ना व र्देशम्बर्भा द्री। देवे म्बर्भाय उर्भाय द्रमेनामाय विभानु नवे म्बर्भाय र नविन मातरे के दमका शु नुरामार्क देव देव क्षा माउक नी नु सक्क छेर छक प्येक है। इॅंक्'ल'ऑर्'पदे'क्**स'पस'**रे'क्स'पर'पल्ना'स'क्रेर'फेक्'सदे'स्र्रेर'र्दे।। दे'क्रे**र**' वैर्देशरेते क्र या उव मी मु केर प्येर पते मिर से के अंका है। र्देश में क्र त.मैंर.मैंर.प.चर्मैव.तर वे.व.इ.ज.ह.भेट.टे.चलट तप ह्येंचश मी कुश.वट्ट.डे.. दर्भ विते निर्देशके मान्य है दर्मी स्ति स्ति के के स्ट मान्य मी सिर्देश के स्ट मान्य मी सिर्देश के स्ट मान्य मी क्रेन् भः र्श्वः लेश्च-वुःव-वे नाय-दे है म्नू- दुःव-वदः धवे कुः दः वश्वराव कुर्- दुः है । । पर्देर परिवे के रूप वले व मी नाइव के नाय है द में व है। नेते द्वाया उद मिन्द्रकेन्त्र द्वीन्य प्राप्त वास्तर दाने देव द्वार पाके दाने द्वार पर प्रतिन पाने दे दे द्वार

मु.मै.व्य.भूर.लुर.तप्र.बुर.स्। कुर.कुर.र्.केर.लट.वर्मैर त.लुर. य. ७ अ. मे. य. ज. स्वास. तस. पर्टे. य. पर्योर. तस. पर्ट्ये, ये. यो रूरे. म. १४ वि. १४ व वस्र वस्य मात्र कें जे स्वाप्त कें प्रस्ता वस्य कें प्रस्ता विकास कें प्रस्ता वस्य कें प्रस्ता के प्रस्ता कें प्रस्ता के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता वर्द्रायर वर्षुरार्द्र लेख प्वहर्गपदे हुर। वेषायर हु सा हु सा लेखा ये न जा श्रुचीका न है। क्रें मा गी में जाका न ने का न सहंदे न का न हे हैं जा है। जे का मु, ध्यात, रंट येज, व, पंड, लिज मु, प्राय, जुर, तर, प्रमीर, व, पंड, प्राय, प्राय, न्ये. प्रायाख्याक्षेत्राच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षा दनदःलेना नुःदनुष्टः मरः सः वर् ग्री दर्गग्रदः हुई। नाल्य दर्भाषदः सः स्पेदः ટ્રી. તુલ.વ.ક્રુ.મ.ક્રુ.મ.ક્ષુશ વર.વીર.ત.જોગ.ર્જા.થ.વ**ર્ષળ.વર.કૌવ.વ.વર.ટે...** भु,रचीर खूर ह्य.तर भु,रचीर र खुल वि.यपु,र्य हु। हु,धूर बु,खु,भान्ने भा हैं। अध्यासी शुरावपु जेमावाजानेत्राचेसावाजास्वीसावादी साही वराधाः पनुर्देश है हिर दे लेश न या स्मिश पर नासक पर ने रेश य. बु. अस स. श्र. श्रट्ट. ते स. त. ज. दे प्रे. जे स. त. बुस. ये. त. प्र. स्वास त. त्रु र. ख्री। अससासु स्ट्रिं निर्दे निस मात्रा देवे के या लेस नित्र मित्र निस्त मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र नर्ने, च.स.लुब.चत्रे.क्षेर.ह्या वेश.चत्र.चेश.स.क्षे.श.लुब.ख्या शपु.सीप.बुश.चे.च.बु.पुश.च.रट.त् पर्वैट.चपु.सील.र्ड्ड्य.त्.प.छ्य्थाय.य.बु। . चुंश.त. मुंश.य. पहुँश.यश. पश्चात. पार्ता वि.स. मुंश.य. पहुँब. पर. भु.प वीर.

र्रे. बुश्न-वे.चश्चेत्रभ्यात्वर् त्यीतात्वर् हुश श्चित्यं त्यात्वर् वे. व्यीद्राह्या नु पत्रे दें के दें। त्रभ्न या पत्रे खुयाया दे तहें दे पर तहें दे पास खे के दें। दे देगा बु.ट्.थ.वच.पपु.पुंश.पषु.लेग.३ट.लुब.तर्.कुंट.स् ॥ ट्रंपु.लेब.३ट.स. ୴୶୕ୣଌୠ୕୷ୖଽ୕୕ୢଵ୕୶ୢୠ୕୷ୠ୕୷ୢ୶୷୶୷୷ୢ୕୶୷୷ୣ୵୴ୄୠ୷ୖୣୠ୷୷ୠ୷ୠୖ୷୕ୢ୶ୄଌ୕ मन्ते नेमायासुमासुमादी मते खायामाय्ये स्वर्धि रहें विकानायायी कर्ता। દુ.चश. થ. क्री. દ્રખ. मी. ले.ज. मी. चे.च. च.च. ' जेश. त. प. प. चश्चेल. चढ़. खेल..... इदान संभित्र वे लेश नु नर द्विष्य से ॥ वरे देर लेश नु न ता स्वास प के वलायायार्चितायार्हेष् यराष्ट्रीरायाय्येकार्षे । दे वसायाय्याया क्याया क्याया मि देश या भेर पर परें र पर परें ।। नार भारत्रेमाश पर हेर तप्र. मेश.त.रेबे.ज.इं.श.वश्चेष गप्र. ती.स.हाट.व.लुबे.ब्रु बुश्व.वे.चर.रेब्र्स.... श्री तिलामी, पुंचारा जमाचैं : यपु : लिलामी : यमा राष्ट्र : हें यमा के दे में आपि । ୕ଧ**ୖ୵ୣ୰ଽ୲୕୰୕୰୴୷**୕୳ୡୖ**ୄ୰୷**୕ୄ୵ୢୢ୕ୣୣଌ୕୕ଌ୕୕ଌଽୖଽ୕୶୲୰ୖ୴ୢଽୄୖୢୠ୕୶୲ଵୄଽୢ୕୵ୡୖୄ୶୴୴ୡ୷୷ र्वे । १इम्मान के के इस्मान लेखानु माने के के मान माने के का माने के के कि माने के के कि माने के कि माने के कि बस्तमञ्जूना । सुब पालक्री। विभागानेशमा शा श्रूट पर्र विशापर विशापरा विश्व मु न के मुक्त मदे क्रम म कुमका खु छेट मदे चिर्माम नाट भेक म म ने दिसे मुक्त । , तर प्रेट्रे, तथ बुंश प्र. च ८ प्र. च हुना च् विश्व च १ विश्व स्तुध प्रतिश्व च १ विश्व च १ विश्व च १ विश्व च १ विश्व च चह्र्ये प्रते, प्रेम प्राप्त स्थाप्त स्थापा निष्ठ ना निष्ठ प्राप्त स्थापित स्याप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप स्वांश मानके हुं हु। विभाव देश निभाव देश मी जेश मान कर ही जेश मान कर हैं विश्व हुं विश्व हुं विश्व

ब्रिट:ब्रेश:य:प्येद:वॅ: बेश:हॅन्श:यर:प्युर:र्मा दे:यश:द:वेश:य:दट:यॅ दे: म्बिट्-व:देट्-वहर्षे,त्वः,क्षायःबट्-क्षेत्रःयःदे-देवाःवेशःयःबक्नेशःवदेःवदेः **इस.**त.लुब.तर.पर्ट्र.त.र.ट्र.च.च.देर.त.त.पु.चेस.त.लस.चेस.त.च.चेस.त.दस्य. त.चेश्ची.चोश.क्रेचे.च.लार थ्रा टे.चेश.तप्र.चेश.चश.वेश.च.भ्रमश.श्रीश्रूर. य.रे.पू. पु.स.त.चाट.लूब.य.रे.पू. पु.स.य.क्रे.चिश्वस.तस.स्। विस.य.पू. पुस. चदैःवेसः यःभेरार्दे नुः च कै नुसः यदैः वेसः यः नादः धेरः यदे दे वेसः यरः नुरः वः ने प्रशान के प्रमान के प्रमान के सम्बद्ध के साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ की सम्बद्ध की साथ की सम्बद्ध की साथ लेब वा विभायते. वेशाया वेशायते दशाया है। महाशाया दे देवा दे वेशा च महिला सदे महिट पर दिल्ला रेर्गि रेने है है है से सदे किया सदे है से सह प्रकार यर विश्वः सप्ते : वेश्वः सप्ते : वेश्वः सः द्वांशः स्त्याः स्त्याः स्त्रः वेश्वः नः स्त्रः स्त्राः हे : नविष: र् नाविष:र्ना त्या भटा विषा छ न विष्यान निष्यान निष्यान स्थान त्या भटा क्या यारे रेस ह्रवाय केर त्येश यर रेवा यर मुर्दे । वेस मु पदे प्र केंबा माँ रे ପଶ୍ୟ 'ଝ୍ୟ'ପ'ସାମ'ଟ୍ରମ'ର୍ଥ୍ୟ 'ପ୍ରଶ୍ୟ ପ'ସ୍ତି' ଅପ୍ର' ପ୍ରଶ୍ୟ ପ'ଞ୍ଲ୍ୟ' ଅଧିକ ଅ'ସ୍ଥି 'ଶ ସଦ୍ଧ ପ୍ରିମ୍ୟ ଦ୍ଧି : इस : ସଂଝ୍ର : ବ୍ୟ : ସଂଧ୍ୟ ହିଂ । ଜିଷ : ପ୍ର : ସଂକ୍ରମ : ଦିଷ : ଧ୍ୟ : ଅଷ୍ଟ : ଜିଷ : ପ୍ର : ସଂକ୍ରମ दे ख़ स प्येद दे चे चु दे दे चे चे प्येद प्येद के स व क्षेत्र प्येद के स्व ପଞ୍ଜିଲା.ଏ.ଲାଡୁଧ୍.ଲ.୧୯.ଲି.୧୯.୯.**୯ ଅନୁ**ଦ.ପଟ୍ଟ ନ୍ଦିନ୍ନ ସିପ.ମ.ଲିସ.ସ.ଜୁଏ.ଖୁ। नेस य नाकृत य दे के खाय नेस य वहें यह के बार वहें 481.23C.C. र्ने मी द्वार व्यापेश विश्व वि ल्र्ने प्रते पहिराम द्राप्त होने प्रते क्षापा माहेश द्रमा गुरा वेश पाय हेन प्रते वेश

यते.चड्डद्राचदे द्रम्म पर वचुर है। दे.ल.हे.द्वा नाह्य त.केंद्र द्रुं ह्राद्य परे खेर र्भ भेट. स् रंश. त्राच. एक. च. एक. चे. च. प्रेची स. चर. चीर. त. तीया. प्रेश. तर्र. स्. वसार्वेदसायवे । लिलाने सिटायाने स्टार्स स्वरायवे सक्ता हेन छवाने व हेसा मे य के माह्य न दि प्रायदे क्षा यदे अर्द के दिना माँ स्रायदे के दिना माँ य हिन्द के द र देशे । इंद मी र वें स लेख है य द दे दे दे ते वे य प्याप के वि मशिभातकार्स्, बुंद्रानी पार्य, जुंद्रानय, जुंद्रान्त, पर्द्रान्य, व्हार्य, व्हार्य, व्हार्य, व्हार्य, व्हार्य, तपु.पु.। हे क्रि. व. लीजा की. क्ष्म व. वक् की. जेशाचर हैए. व. पट्टे. जेशाचा चीशिस. तर लिया पुरा प दहूर पट , टटा क्षेत्र कर मी. पुरा म मिडिट पर , ये . प लूट्रा शि. महर्नामा प्रमान में वार्षिय में देशाया विश्व मारा है वार्षिया ने व वर्षान्तित्वाति क्षाय रटाहेशासु त्रेत्रेयाच स्टाहेशासु त्रेयाच स्टाहेशासु त्रेयाच स्टाहेशासु त्रेयाच स्टाहेशासु खेश.त. बुंश.चे.च.परेश.वु.र ह हैंद च.३८ लुंब. थ्रा वामा.टे.लें स. मी. क्रांचर. क्ष. खुंश. चे. च. ज. सूची थ. तथ चीव रे मी. चश्रभ. च. ट्वीश. च. चश्च. च. ले हे. ब्री. ୠୖୣଽ୕୶ୖୣଽ୶_୕ୡ୶ୡ୶ୣ୰୵୵ୄଌୣ୶୰୵ୢୠ୕୳୵ୠ୕୵୰ଊ୶ୖ୶୕ଢ଼୕୶ଢ଼୶ୠ୳ୠୖଽ୕୶*᠁* क्र-मूर-पदे इस यादेश इसाय दि स्वायर स्वायर से पर प्रेराय प्रेर प्रेर म देश म भेर मा भेर अर अर देश मार्ट स्व मर पहें पर मेर केश मु वर रें हैं। दे हैं दे दे हैं दे हैं । अया था है वर ह्या दे वा से वा से वर हिंदा नु न ने खिलाल हैं वर ह्यूर न इस पर जेस पायार में इस पर पर दिन् यारे क्षा रेना या भेदायर है। इसाया प्रहेंने यर छेदाया भेदायहा प्रेसायसा

लेस.चे.चदे.ब.कूच म् ।टे.केंट.ब.चेंस.च.क्य.च.मुट.च.केंट.लुब.बी **ले**ज. ME. \$4.4.4 (كِوْمَا ، طد ، كَاحٌ ، طد ، هم ، حق مر الله ، في الله ब्रूट'न'ल'र्सन्थाय'मु'केर्'स प्येद'लेश'नु'नर'र्न्न्ट्स स्र्रा। श्रुर्टाचर हेश चत्र देश चर जेशचाया मुंदी हे ह्या माराया लूर् चारे है हे अससा हु ... शुर्यते देश तर जेश तर में हे हिं में र सर लेब मा बब मी पेश मा भा लेश मा न हैं भी इस मा से दा मी स प्रवृद्य वर्षे भी संदर्भ लेक हेट हुँ वर्ष्म् सं मेश्वर्म वामाल सं सं दे सारे सारे सारे ड्रम.चेत्रा । लट.य.र्य.ची.दम.नर.खेय.च प्रवितातश.सर.च.ख्याच. यर क्रुंग, इस यर ख़िर रू ॥ रह रू ३ अस . शु . शु ह . यह . तुंश य है . हेमा त सेन्'न्देंस'भेद'द'लेस'मु'न देप्नाहर न'न्देंद'न'न्ना देस'मु'नदे देंद'ने ॥ म्माने ने अस्य सु सु दि नदे दि न्दे कि न्द्र नदे ने नित्र न्द्र न् नर् । अस्य श्र.श्र. चर्न वर्ना हेर की हू च्या निवन ने निवस पर प्रमीर मही रदः ब्रूटः व केर्नु त्वयुरः र्दे 'बेब्ब' मुः वदे 'ब' केंब' में अपने प्रे 'क्रूर' दे 'द्रार दे दे दे त्रे**श.**च.क्स.च.स्र-.च.लेक्.से.चलेक्.से.से.स.ची.लट.लाक्.क.के.से.स.चेश चट्ट.व्हेंवा. <u> ह्या त.भ.का ब. खू. खुश ने सूरश सू ।</u> तीमा देर हुम अधिव . यद् पुषा तप्र. ब्राट.च.भ.लुर ब्र्. बुरा.चे.च.बु.लीय.रेट. हुरा.श्री.भरीय.त.रु.अभस.श्री.श्रूट.चटु.... दर्भ भेसायाता व्यर् पर्दा माहारावान्या प्रहेताया नामा व्यक्षा सादी द्वा के हो त्या नाहार स

यत्र दस्याय केरानु द्वाराय साम्येव वे विष्य नु यत्र प्राक्षेत्र वे विष्य नु यत्र प्राक्षेत्र विष्य प्राक्षेत्र यासाल्य बुधानी मार्थ देये देश तर प्रमेलामा है। तिय में देश मार्थ में जेस माम इदान उद्देश द्राप्त प्रमान दिन पार में के हे हिसा मुग्न पद हैं। मी.क्षाताक्ष्य,भ्रमकाशी.मूट्तपष्ट, जैकाता लेका मी. या मेरा मेंटा या नाटा पा रहेते. या दे 'लादे 'श्रेद 'हें रा पुर्वे ।। इ 'त्र पर 'लेश नु 'च हें ब पर दे दे से ते दे से पर 'स सामा सामा म वरे के पहें परि क्या यात्रवत लेगा वहें के या दे के परहें के 55 45 F 11 मते मक्ष के के दार के दार में दार है दार के दार के देश हैं। दार के देश हैं। दार के दार के दार के दार के दार के क्रेन् इट नते दे नहेना य उद केन प्रेन यहे हिर र लेश न इस र ॥ र्देश मु देश व १ ८ हैं द य देश है । व दे रहें मु देश य प्रदेश है। हि निकृषाया के देव में क्षा का केर्द्र शासी मिल्ट दे पार्ट स्वर पार के के लिखा मुन्य दे हा स केनामी । । । अदा द देव नी द से दाये द हैंद पर देव मी द से पर दि द पा है । अभवाशिस्ट्रिं नपूरे तेशामालय है। ट्रेडेन व पर्रामा है। महिता नते क्रा भ क्रिक है। विशेष हैं क्रिक हैं क्रिक क्रिक हैं क्रिक क्र र्रा । मिंगिटामाने प्र्रापाने ताने ता श्रीन हिंसा निर्धा । खेला में किसामान निर्धिन यद्र असम् श्र श्रुर यद्र वेशन वेशन दे वेशन ताम विश्व यद्र समान हेर न बैंद.तर.पर्मीर.सू । विश्व त्यीद.व.१४.मी.पुश्व.पा.श्वांश.पा. दर है स प्येद हैं विश्व मु न दे नेश पदे नेश म दहेंद मदे रर है य उद नेश य नश्चिम् य प्रति लेश नु नदी महिला मि । रह दह दि दिला न क्व. रे. रेट. हैंर. चर. वेर. केश. लेश. वे. च. वे. ट्व. क्व. च चीर. च. रेट. ट्र.। स्त्रीत. निर्वेशास्त्री देशस्य लटा लेशाची पान है लिया मी देश पान है से पान है से साम निर्वेश

रेशन्तु प्रदेश द्वेन म् । ह्यूर्यायाया विद्यान्यायायायाया हिना नुहर्मायर द्राम्य सदे सुर लेखा ५ वर्र मान्य क्रेंग्या वर्र के देव है वर्र वर्षे केरामास्वितारार्ट विवायाचार्टामाहरा चाक्षेरायास्वासाचरामाद्वीराचाहे हेरा म्हिः वृद्धनि मुक्षः स्टर्भव स्टर् स्टर् स्टर् न अपट संचित्र हो। विदेश पर्द्रस महर्माकागुम्यत् पुरित्रायान्वरार्वितायान्वर्गायाः । रे बै 'हुन' यः ५२ क्रि.स.इस.स.र. हेश.य.जेस.**लेश**.ये.य.स्रॅस.स्.।। 至 3. 基 4. क्यं कुर्स . मर्दाता कुर ज़िमान य व क्रिया स्था स्था स्था स्ट्रा पर्य सास्त्रीया खुः लेक म वन नर्गाम्स मा। सहित यह वह विते हर्व द्वार व उर्द वार हर्व द्वार व कर सेवा था र्स्त्रिकायदे हम यह विसाय निहासित यादेवे ही वाचा ध्रेत यादेवे वन केन्सं ... लूट्स. श्री. श्रीय. त. हो। वस्त व श्रीर त. ज. ये स. च. लूरे. वस्त । वस्त मी स र्वे प्ये द ता ने द व प्ये द र व प्ये द य नेदायते स्वाद्याय विदेश या निर्देश साम्या के स्वना सेदायर विसाना विदेश सामा व्यक्तिमाराअम्बर्त्ता भन्ने कु निराष्ट्र द व्यत्रे दे। ने सम्भायक दास मुन य लेश न व व मुन्द्र राष्ट्री मुन्द्र व वर न व व वा मान र हैं व स व वे हैंस अपने अपना वारा की रहें। निया है प्या मित है प्य मित है प्या मित है प्य मित है प्या मित है प्या मित है प्या मित है प्या मित है पित है प्या मित है प्या मालेश.व.च.तः स्त्रीम यस.वेष में त्री प्रमायदे में वीस या प्रमाय प्रमाय इस यर विश्व व दश्चेन्य य सेन्यर सर हा नवे स वे न न ह सु मु दे न न नर व्यन्तिकार्काक्षेत्रम् विद्वाणाद्यास्य द्वाद्यास्य मुद्दास्य मुद्दास्य मुद्दास्य मुद्दास्य मुद्दास्य मुद्दास्य वामकासार्वत दर शु.मी देश पर प्रवित प्राप्त वें॥ हिं ते महिर प्रति देश

य'WE दे मिं 'ब' हैद' दु ऑद' म' स थेब' वे ॥ दे हैं दे हों स पॅब 'सस हा : मीर क्रिट व प्रवित्र व केर क्षेत्र वहा केर में दे केर क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र हो है दे भार्चे (प्रामु मुर ब्रूट न नर भेद य रे प्रामु भारा है प्रामेद प्रामेद पा है द भेद पत से में में विषा न पत रे दें हों। रे के से म में में में का में में में में में त्य र्श्नेन्य त्य सु नु हु व लेश द्वाप है हुई य य दे है इस पर पल्ना प हे हु दुई " ে বলু হ'ৰি ব । অ ম'ৰ্ম্বাইনে ছা'নাই ক্লেনে বলা ম'ৰ প্ৰিম'ন বা ন' মাৰ্ম্বাম'ন ्रह्मॅर्स है। संत्रें दु दूर न कु संपेद लिट ही नुर दूर न त्र्य संतु संपेद है दे अद्रायते क्षेत्र हो। ५ दुन्न क्षायते दुस क्षे **ऑ**द्य सामेद्र या लेसानुः ् नः ते देनास सुः सुर प्यते नु नः झूट २ ते नुस द मेस मु द्रार मो ध्येत पर ह्या परे नुः नर इंदि नदे हों रे. न त्येष वा रे. हेर हो नर वर्ग र न रेट महिष्ट स्वार ्राष्ट्री र्रिय में से व्येर्प पास भी रहे। रिवास से त्येर पर से से रहें रहें। रेवेर ळें सेर इंदानते क्वें भदार्रेद न माणे करी है के है मान वृद्य निर्देश रहा ्री: इंद्रेश में सेद्रात अदः द्वेश में र इंद्रानि ही रहें भार्य र हें नश्राम अदः लेटा दे मानदेव शास्त्री दे हिन्दे हैं विश्व सान विश्व मान विश्व विश्व नहें विश्व महें विश्व महें विश्व महें विश्व महें स्त्री देवे द्वार लेश साय अवाश स्था। सायवास स्वी चना नुःसूर वर्षे स्त्रां त्य ने संभावन नुः य वुरः है : स्त्रे : ते लेश वुः व य ने सं वे सः वे न ्रेचेत्रचत्रे सर्देव स्थान दर से न्योन संग्वेत प्राप्त स्थान स्था

रमा'गुट'न्टेंश'र्से 'क़ैन'फ़ैक'यदै 'क्षेत्र' क्युं 'न्ट दश्य सुदे 'न्टेंश'र्सेन दमाय न'सेन्' श्रम र नर्यादश रही। है हिर स पूर्व प्रश्न से मी लेश मि न हैं न रहू श मू मे लेशन नाम स्राम्य मान में ना लेशन ना निर्मा में की नर प्रमुर रें लेश सुर रें॥ र्स संरादेश परे हिर लेस व पर है देहें हेस पर्चे पर राजना या देश परे हेस सु वेद्राव से देर्द्रा दे स्ट्र दे लेस न न व कर राम दे से प्रवेद प्रवेद दे दे व व दे र मार्थक है। सार्चक नुः ह्वा नुका मुद्दा मुका मार्थक नुका मार्थक है सु वर्त्यात्र न्यात्र वर्षेत्र हो। श्रु. मी में द्वार तर की विश्व पा वर्षेट तर वर्षे ৾ৡৼ৻৸৾৾ঀ৻য়ৣ৾৻ড়৾য়৻ঀৣ৾৻ঀ৻ঀ৾৻ঀৼ৾৻য়৻য়৻য়৾ৼৢ৻য়ড়ড়য়য়৻য়ৼ৻য়ৼ৻ঢ়৻ৼয়ৼ৻৻ " प्रकारित मिर स्रीय पर होर य के प्रति रे स्री के अर्दिक हैं हो कर यह स्रीय पर विराही द्रेशमान्याय वर्षे हो राही लेखा वा वर्षे। सहवा है नहा हे हु न्यमा यानना मेश कुर्रे मु र्रे अमुवाये कुर रे विश्व नुपर रे खूर पर् है वर ्यल्गाय मार्डेना वॅर इस वेस पु वा यासँनास पाया है सूर सु र्या नु र्वे र्या नु नरे क्म पर वेश पर क्म पर नवना य व्र वशनावर नी है रूप मी र्द्रक्म चर 'दल्ग' स' स' प्रेड़ के 'क्स' सु र्रेक्स मु र्रेक्स मुव 'सर्दे 'सळक्' हेर 'ग्रेडिंक प्रेर्' स' " देख्र सेश व र ने भेर पर हा पर समाधर प्रवास नहीं पर में के रूज में रूब दे दे दे दे हैं तार विवास मूर्य शि. यर देश देश पर विवास मिल्य तान्देर्तातालसाम्बुद्धाताराज्यात्रात्रसान्त्रात्रसान्त्रमानुद् ्यायसाम्बद्धाः नारुषा धुना निता निता होसा ना स्रोता सर्वत केत्र के प्राती केसा नामा पर् भाष्ट्रमाय माध्येत्र है। अर्थेन के स्वानु हेन्यान्त्र भाषान्त्र मा

ं याकृराणुष्टिर दर वरिषा भराष्ट्रराच वर् बेबावरी खेरीरी। वं उर्व की वेश या श्रम प्रवृद्ध वं मार प्रमुद्ध है। न्दर में विश्व प्रमुद्ध सामा हैन पर्वे खेर हो। विशादनास मिल हो। द्वार स देस प्राप्त ना पर्वे से राष्ट्र पर बर्गामी वेसाम वर्षेट्राचर वर्षीर चारे केर व । चर वर वर्षा व केर वर्ष यं भेद हैं दु वर क्रूट य रुद हो देश य दि दि य दे प्रति है दि य दे से वु है द भेद य दे हैं द र्रा । बुशन्तु भेर हे सेर ब्राट व के में वेश व नु हेर द नावर नु मते हिर र्स्। दे वे रे नास य माध्ये व वे वेस पहल पर पु पति है मा वे दास न में भेर लेट देश न पर भर क्रिंस हों। देहें के देश में पर के देनांस खुना र च.दे.च.ह्नेश सपू, देश थर्।। चार एड्डा दे वर हैं र व वशक्ती: जुंबा क प्रवास वुर दूर्वास धर त्युर वेंश वं व व ग्यार देन सं सु कुर पहें नास है न हर सर इट मेरे खेराय वट अ हिंद वर वित्र से के के के के कि कि कि कि क्षेत्र वर मु द्वर क्षेट पर केट पर वेश वर्ष में इस्वेश वर प्रीट ह्या वर्ष का के बद ने हैं पर मेर्ड या मेर्ड या है यह मार्ड वदना हैद खेंच दु चूर यह महिन के लेड मिर्या में दे बुर्ब या भेदाया हो। ही वार्की मार्ट मार्थि मार्ट मार्टिया देश वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे देश वर्षे देश वर्षे व्यवस्तित् विस्ति विस्ति प्रिक्ति । विस्ति गुन् इसं वर विसे विसे विसे निर्मे के मार्थ प्रभुवित वर्ष हित्य के पर निरम्भेर वर्ष हैता विदेशिष्ट्री अर्थः विदेशिष्ट्रियं विद्यापर विश्व मुर्ग्युर पास्ट्रिक् में हैं। ल लन्दे वर हैं वर नेशान में हैर देशनाम बर हा पर्वेर है। इर. सर म सन्मान से र बूट वेदे हिंदूर वेद्द पर दिन के प्रति हैं किर देन

वर देशके परि हो र रें।। वाय है। वे व सेर ह्राट ववे हों है दे द वर ह्राट ववे ही ल्यु-पन्तु-मून् भ्रे भ्रे भ्रे भ्रे प्रमान्नि प्रमान्ति वित्यम् नित्यम् नि क्षेत्रके ले न माक्षेत्रके का सुन्य स्ति न मान्य स्ति न स्ति मान्य स्ति न स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स हरा हुन कर सेर बेट वंद हैं। सेर वर लट प्रवेट पर हैं र रही है पर कार महिनी कें अदासेर बूद वादेश प्राप्त पुर्व के बूद विशेष्ट्र के प्राप्त के कि स्मार्थ के कि स्मार्थ के समार्थ के समार्य के समार्थ के मेर क्रद वरे हैं भेर वर क्रिय में क्षा व में क्षा वर में क्षा व क्षा व वर्ष हैं रूप रेक् लिंदिशा दे नह के बाजर मुन परि ही वस मेर हार ने ही र भर वस धरे मुक् र् चर जुंश न पश ने वर रेट वर में र चे देवर में र चे हुनर जुंश म मेर मेर म मेर क्रिं मा क्रिं पर हिन परि क्रिं परि हैं दें ने दें इस यर लेखा या हा स सेर क्रा प्रते ही ही र पर होर पर व्याप र विना पर होर मद्रे द्र नीस वर्ष वर वर्ष पर पर्य से हार पर्वे ही हैस सु द्री पर वर्ग र है। नु नर हित नरे हैं दे किर किर किर की से की कर की मार किया में रहे में की मार्की मर मुरायस मेर द्वार व रे हिंस कु फैन हैं लेस रे हर हिंस सु देवेंन पर है हैं र्रे वेश मुन्द वर्षे भेती दे हैं र वेष्ट्र चरे केरा वर्षे मार्थ वर सर्य का । क्वें केर के मिन्स नेर प्रेर प्र लेख न व क्वें करे। र वर इंद यद हैं के कु सेर इंद यदे यन कनस नस्य यर सर य उर्दे ने नद हैंस... शु'त्रेय प'भूर' हैन स'नाल र'रे प्रिंस शु'गुर पर्स सेर क्रेट पर में कें होन प' देत के हेंद्र च के बेंबा वर क्रिंट करें के के के के देन हो दे पर हो दे पर हो दे पर हो दे पर त्युर रे वेश हेश हा दर्वन पर छैर री रे कि गु रे कि गु रे दिन ने पर वेद पर

लट.प्रहिचा.च.पंचाचा.च.झंद.त.लूब.हो चोचाश.चेंद.च.झंद.च.ब.वं.दं.वं.होचा. त.रेट.उष्ट्ररे.त.त्र.ध्येथ.तर.बैट.चयु.चै.भुर.बैट.चयु.धुर.प्यीर.ट्र. खेश.ये.. वत्रेने स्पृत्ये वसमाधारका पहना धरे देरार्गा से में रूपा में रूपा में रूपा में लट. इ. श्रक्टमाराश करें है। वर्दा खेरा हे खेरा हे खेरा हो खेरा हो सा ५.५५ मुर मुर पर पुरावस प्रमायक पुरावामा प्रमायक प् यदी खेर खेना यद्दा व केंद्रायाया संनासायदी वुषा या केंद्रानु से विश्वरार्थे। विश्वदा यर 'द्रशुर'व मार प्येद यारेख दे 'तु 'व' क्षेत्र 'या साध्येद यारे 'सूर 'द' है सुर 'द' हेंद्र'' में दें दें दें ते अप तह ना तर प्रमान के प्रमान है निमान है निमान है में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के पर्यक्षः वेरः चुरः पत्रे र नः त्यक्षः कुरः पर्रे र धदे र मे र देवे र वेर पर्यक्षः न र न मीर्स्न, तर ने दे तर पर होता पर निष्या कर ने के मीर के मार हे मोनास मेर या सेर दासे सेर पर वुस या प्येत या है यस दारे यस सेना या रहा बक्रेंद्रायर बुद्धायदे से प्रमुद्धायर विमुद्दार्श वेश हे खुद्दार्श हा सह मा यर प्रमुर नक्ष द निर्देश लूर या का का दे वें बुका नहेंद्र पर मुद्री की दे का स्पेर हैं लेश न न है है रें स्थानी मेरे में नर ने द राम भेर है। दे द सम पर चुंश्रायात्मात्रान्द्राचरामा मुव्यायदे सुरार्द्रा अराञ्चरावा छदासी दास्यास *હુશ*. છે. વ. કુ. **નોશ્વતઃ વર.** ક્રેંદ. વ. કરે. શ્રેનો. વ. રેદ. તે છૂરે. તર, વેશ. તરું. ધ્રું ટે. કેર. છે. में। रु.पर मूट वर्षा मुख्य महित्य वर्षा के के दे हैं के मेर्पि के मेर् द्रें किट है और रे नियं तर तर देश नहां नियं के चर ज़रे नर मिर नियं में भर्या है। मैंर.इ.इ.स. वर्ष. में हीर.चर वंश.च.३र.में.चर छेर.च.३र.लंब.ब्र. लंब.चे.

यर द्वीद्यासी अर ब्रूट पदे हैं हीर धर व्यस्ति क्या पर देश पर देश पर שיל בי בּברבל בַ אַ ישׁאי שַ אים שׁל פֿא בַ פֿא בּבַל יַשָּׁ שַׂל אַ ישׁאי שׁל ישׁר שׁל בּבל יַשָּׁ ישׁ मिट स.लुब.ला अर.बैट वह हैं. यूट्स.मिट वहें हैंर लट स.लुब. ही। निट मीश द दे ते के लेस न न दे दे न श हें न श न ते दुस द ते । ह न र दूर य ७३ मी भीसाया हे दश्रेना सायर मीराया दर्श दे अपने है दस्याया ७४ मी ही बै'सेर सूट पर्दे। र्ह्हों सेर पर्दे सुर सेस पहेतु पर नु न केर सामि गर प्रमुद्द है। क्रिय सदावदे क्षेर री मार्थ हे सेर सूद वर्त क्रिय सर् पर क्रूट वर्ते हुं हुं पर पर्दे धर प्रवृद्ध दे दे हैं हुँ दिन्दे र प्रवृद्ध दें। ब्रदायाङक् भी सेकास क्षेत्रसार बुकाया हेत् ग्रीक्षेत्रकाग्री कुक् मोर् प्राप्त ब्रूटायदे ग ह्यें हीर नर नेर न लेक नी बमस हर के स लेक हैं के विका प्रमुक्त परी धेर रे एर वा रे उट चना कनास होट वें ठ३ लेस मुन्य व सेंबर में क्षेट. त् हैं कु इसे तर प्रयोग ता हैं चयु मैं रेट हें ब लेश में ता इस में ट्र क्षेर थे। स्र क्षेर. चर् क्षेत्र, चर दिर. चर् , चर्च , क्ष्यां स्र अस्य ग्री, चर्च , क्षेर खेल , दे विर. चर नद्नाकृद्राच्याम् होत्या हो नद्री नियम हो महिता हो सामित हो सामित हो सामित मुन्नानाद्राया प्रत्य दे त्यादे स्नद्र हेका अर्थे। स्नद्र हेना सासु सासु सामु सामु श्ररःब्रंदःयःछ३ मी. पुंश च भीरावरःवेशःवदःमीश्रमी शर्वे वरःब्रंदःवद्रःपुंशाःवः भुरायर चुरार् लेका मानवा कर्ना मा मुरिये छुर के प्रकार प्रकार में त्यमा लेखा मुन्त के रे मेर इंदर में उदा मुन्ति माया भेतायर कुरायदे त्यम पदी हमा सर मेंबान हेर के त्ये है। दे त्यस प्रचुट न कर् न हर है से ममावनुदान पोद दें देस वहरेगी है। रेंबा मुझेदम सेर सूट पदे हों बस

म्हा संस्थित वे लेखानु निर्देश हैं। नह ने हैं र दूर हूट नदे हैं दि हिन ૱ૡૺૹૣ૱૱ૡ૱ૡ૱ૡૺૡૹૡૹૹઌૢ૱૱૱ૡ૱૱ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૿ૢ૽ૺ૱૱ૡ૱ૢ૽ૺૡ૽૿ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺઌ૽ૺૺૺૺઌ૽ૺઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૱ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૡૡઌઌઌઌ हर् मु. वेश.त. भुर.तर. १८८ व. १८. मु. ११ म. १ श. ११ स्था स्था प्राची पर में १ तर है। वश्व पर्यक्ष:वि.हेर.जश.के.हुश.शि.रेतच.तालूब.मी की.जश.पर्यक्ष.वै.हुश.शि. द्यम्'य के स प्रे के वेस प्रमुक् परि क्षेत्र मि वम् कन्या मास्या वर सद तप्रक्षिट.त् वथ. लेश. वे.च. ज. शूर्यका. व. श्रुंब. हो। अर क्षेट्र पण्डे प्रे. में विवा. के के के दाहेश शुर्दान या प्रेम के लेश मान के माना निर्देश के के बाबांद्रिया'तारमा'तासायायाद्राम्यातास्य वार्यस्य हो। कुराहिम्यस्य सामुः ક્રમ ક્રમ શું દ્વાગાય છે. હું વાવાન કે દાવર વરાવર પ્રદેશમાં હું થે વાવડે.... .चक्रिश.चक्र. ट्र्य.लब.ब्र्. अधिश.वश्यका.वेश.वे.च.च८इस.व.लट.रच चढ्र. मिलिट में हिला हुं र बट में उन देश धर में शायर हूं नर हुंद धर हेंद धर हेंद भर न्याति हेर्ना वाता हिंदा वा सेन्या वा सिन्या वाता विकास के प्राप्त इन सर हेंद्र य है। अर्थ अर्थ म्ब्रिस उद हैन अर्थ पर हैन .क.श्राचे में के के प्रापा में ता प्राप्त में प्राप्त हैं प्राप्त हैं रूज भी रूप प पहेक्क्क्यावहर्ष्याधीत्रार्वी। ्हेन्यसालेकान्त परे क्यापर प्रमेलाच के मिश्रा चिरकार्का लेखानी तालार कुर्ता श्रामकात हीं या प्राप्त के लेखाने प्राप्त का या है. नामका नामको नामको माना विकास के प्राप्त के प र्नेन्द्रनृःब्रुटः वदे सिद्धावरः वेशः पुन्य है रुन् देन् र र्नेन्यः सेन्न सामा है । सुन्य ब्रूटावर के नि हो मि द्वार्गार व्यापक क्षेत्र विन व्यापक क्षेत्र वर क्षेत्र वर क्षेत्र कर दक्ष नेक नेक सम्मानिक सिंद्र भारते हिंद निं न न स्थाप प से नास्त्र प दे ति दे स M. स्ट्रे.त. लेश विदे तर विद्या अवदाया ने हे. ज. महूरे ता तारे हे ॥ स्ट्रे पार म्बर्धा के मि देवा मालक प्रवादात प्रकेश के लेक मिन पर के हिर पर प्रकेश की। देव देश यर वृद्धेना अक्षेत्र सिका ब्रह्मायर पुराय क्षेत्र या दे 'अदा ख्रेना का दक्षा यर क्षेत्र ''' यही क्ष्म सह प्रेक्षामाने स्टर का खाया नु स्टर मदी क्षा सह विकास मुनामा प्रेक्ष की। दे दक्ष कर मार्थ हैं हैं निर्मा के कि पहिल्य के कि वा के का पा उन के दे नी वा ना 'भेक् नि । ने के कार्याद खेबानी के खेश मुन्य के न्युवसाय स्मार्था देस नालक सके मु म्प्रेंद क प्यत्र में द्वापुर च लेख न च के नहीं पर पर्दे पर वि मु मेर क्षेत्रानु पर वह वर मुन् किया के वर वर्ष दे हे के हा वर्ष है है । पर पर पर पर पर किया व व मुस्यातमा हुँ ए. यह . तीवा मा हुनीमा प्रयत हुनी का र सुनी मा यह नीम वा निमा सालाश्र्माकायात्रात्रात्रात्रात्रीद्रायर हिदाही। दे महीदारु वुक्र यात्रार्श्याका मधुः वेश च वालाच नवाहे। े दे वादाह्र्याया सेनायर वुषायर विग्राय ये अ. य प्र श्र्यास. परं . प्रेस. त दे . लट. ये भ. प्र सहेरे. परं . स स्रें ये श. या है दे राष्ट्र में राष्ट्र म बेसामानावरामा वृद्या हैरा सर्वेदा यानाम हे दे द्वा द्वारा विस्तार विद्यार प्राप्त स्तार विद्यार प्राप्त स्तार श्चेदः यदे बुद्धः यद्धः श्चेदः दः १दः दुव्धः य देदे हो मुनावदः सुद्धाः वुद्धः व कुराल्यर सर भ्रात्वीर हा। यह मार मुराविषा तथ हुर राष्ट्र सा हुवास ला बुकारावे प्रेका वा क्षेत्र पर को बेदा बेटा दे प्राप्त का क्षेत्र पर के चेत्रमदेशे सेन्युम्भामा मार्मिन्नाका मान्यास्य हिन्युने स्वीकेत्री वुमाय केत्रा । लेब व लेब हेन् अध्यक्त व मुक्त पर निष्य व द्वा ने अंदि का मा कु कर कि दार हे अ मार के वार मेर द न विदर्भ ने य

हे . प्रश्रामिष्याम् के . वर प्रमीर वर हे . दर स्था च . वर स.मी मी . वर ग्री प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र र्रा । वि.व.ज. श्वायाता मेर १ लेश वि.व.व.वे.से. र्या मी.ट्व.टे हेट व.ज. पी नीया यपु. भि.च.पा. श्र्योश. वर् । इ. किं र. पर् कु व चंद्रा वे. ज्रिंची. तपु. ही र. शर्वर. यर विश्वाय कर केर कर ता लेश ये या व वे वा वा श्वाया ना यह वा वा वा वा ये ह्र्यात लेश ये. य. ये. या. म्रेट य. ह्र्ट थर में ये मार पे दे वारा माल र पट ... वल १.८ मान्द्र-दण्याद मिंद या श्रेर या है । वेश मुख्य है साह स्वर मान्द्र या दे हो। नाभारे अर् से प्रेंद् व प्रदासेना से नास्रयामा संनासामा दना या र गुरे वाद्य दिन नु इद म.कर मी विश्वाया ही नर से विश्वार न हेते हैं कर विद्यार श्रुषाय हैन प्रेर मर प्रचुर है। अर से रह का में हैं 'ऑर खेर । विकेशन र्म मुद्र मुर में वसुर र लेश मुनर सुर री। रूर पर्द रेर प सर्वेद य वले रवे लेश मु:पान क्रिं प्राम्य होन सर्वे वा स्था वा क्षेत्र व दिया से प्राप्त व दिया लेगा हेस खायमा पार्ट क्रिंग प्रदेशहेश खानेदामा सामित्र की। क्रिंव हे प्रदेश ले वा नाहे न् द्वा ने भटार्ता निहन केर के लेख कर न र दे केर के खे खार दर स श्रुट.च.लुब.च.बुब.च.च.च.च्यु.च.लुब.च्या वायूर.च.भ चेश चर.भर्षेट्य. मत्र द्वट खेला स्र्राय द्वार महाय देसा मुन्य का सहित्या या प्राप्त हो स्था द्वार म् वास्त्रीम् वाद्वाच्यायाणाः भवात्रावासाव विभावात्रावासावहितावद्। पद नार्ट माम वेश तर में र्यायकारिय गाउँदावर्गा रे व्यामिका सामार न्नातारे प्राप्तात्वेशन् व स्वायते र्व कान्ता। के वान्दा विव न्के पर मादकायान्ना त्यालेकानु वादे प्रमा हो पर मादकायका हो वाद्या की दे हु हे पर गा न रबादार्म वा है। है न दिन केंबा मैंब दु है नर महस्य न द्वार लेखा नु नित्रे दें दें हो। दे के हे नर मर्के र न द म प्येव दें। दे सुर व मादस यक्षा मेन मेन मेर वर नाइका च द्वाया लेक वुष्य वाया आधारम वर वह वर वि दे विर बः मर्दे सहर्दे प्रमाने वाद्र है वाद्र में विदेश में कि का मार्थ है के कि वदे क्षेर दें पदी वहेंद वर वलेद ए भेर हैं। नश्य व दर में नश्य व र्द के र नहाम न र्द के र में नहाम प्राप्त है से नहाम निया के स नहाम प्राप्त है स नहाम प्राप्त स्थाप केषामिर'तु नाष्यां च लेषानु पर वस् पर दिते। वर् प्रमानेदार्य नाम्याययासी नाययाच रूपा हेसानेदार्य नाम्यायया हैसा में नामक पार्टा। किस क्षेत्र हैं हैं दर्बर नामस सम केस कि रहे में नामक पार्टी विकानुष्यराञ्चर दरानुर्ये। ने विकानुष्य प्रतेष रामास्य प्रकासमान प्रका नु के न क नक्षा प्रशा भिक् नु निषया न लेखा नु न य स्वाया पर सुर री। दे र्ह्य म र्ह्य दे पार्थित कर ले सामु च देसामर गहरायमे इसाधर रही वाहे। क्षेत्र देन्त्रामी बद्दाब्स गुरास केंद्र यदे छेंद्र गुरे हुँई प्रमूब पर उद्दे लेख सु पदे र्दि दें। क्रियान के सामुण्या रहेते इसायर त्रे में पार के ख्राय के स्थान के सामुण्या के लिए र्देश विशेष्ट्र इं दर्भ व केद्र यं र देग्य व स्मेश व विशेष व व व न साम हे खूट व स्मेर माउना भेर रा देवे के नासक न नद में मासक नरे नदना है र में दिए हैं। नाट वस वन रेट व द नदस परे दे न व व वे न सव व न न से नहर में न सव व न द से न

ME.U.M. ME.Y.M. के व द श्रव पा के द प्याद पा लेख कु त्या <u>ૄઽૢ૽૽૽ૹ૽૽ઌૢૡૺૡૺ૱ૺઌ૽૽ઌ૽ૹૣઌ૽ૹ૽ઌ૽૽ઌઌ૽૱ઌ૽ઌ૽૱ૡ૱૱૱૱ૹઌૡ૽૱</u> ষবাংশুলের বর্ণি বিজ্ঞান পদ শ্লীর এম 'ব্রিব্রামান ন্ম বৈশ্বম लेम.चे.च.वु.केट.च.सच.स.झुच.तर.चुर.चलु.चिं!लूब.तम.ब.झुच.चर.पचीर.<u>र्</u>∭ नावन त्य स्ट विश् । च न परे वे दस द्वार परे ने ने व्याप के द्वार पर के विश च न परे वे स्ट । भ्रीतः स्टर होत् यः द्वाः यस दे वाव केत्र स्पेत् यदे खेर हो । अवः य सेत् छेसः ૭' વઃકે <u>'સ્લા</u>' કેર 'કારા' ધારા કરાય છે ૧'માં કે ' લે મા ૭' વગે 'વેં કરોં !! यालेश वि.च.हु हे.च रट.ह्ट.च.ल.श्र्चाश.चहु है.च.च् हु हिर.चर.ची.व रर.च... डे.के. 4.क्सर्ट क्सामाली राता हुं रातर हो दे तर सा हुं से रात हैं রুম্বর:ম্ वः वः स्वामः स्वयः हर्षः प्येत् यते वः भ्रेतः यतः चेतः पवे भ्रेः तमः प्यवः वर्तत् सः यः वादः भीव सार्वारे के केंसा शार्ख्व पर हिरादें॥ यद के तहे वा केर वहें से करें मार्थरे.ता.हेरे.ता.सार क्षेत्रकारे.सु.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. लेक्सर बुर बर विदेश है रेन् है रेख़ विदेशक के है र के ही देश रहा। क्रमामा भेर सम्बद्ध वर्त्त्वासा सहस्य निर्देश में कर्त्र हैन हवा ही ही ्रेट.च्यास.स.१५:लुर.स.५८:स.स.१८: इंश्रस.१४:प्रमास.१८:ज.स४.म.५८: मार्ष्ट्रति, खेश वि.च.ज. सूर्वाश्वाचा जार्मिवाचर किरे कुट श्रीरे तर हिरे तथा थे। सैव बर हिर त. १४ है। अध्याचित । अस.चार जा स्था न रहा। वार्ष्टान प्रज्ञासन्दर सार्च्यास श्रीवःतर होर्, इष्टा होर् तर होर् तर जन्म अर हेका हल्या

शुक्तकाककेष्ठकाशकदायातक तार्टा नार्बेर् ता श्रीय तर प्रेरीय कर मि तक मि लिक्षामाने मन्ना विकासका स्वाप्त स्वी मिले से लेक है। अंश्रहा स्वी <u>न्यः ब्रॅन्णी'तहेनानेक पर्योत् क्षस्य न्याप्त पर्योत् क्षस्य स्थाप्तेक स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त</u> गुन्द्रियः स्त्रा वश्वकास्त्र ताताहुन्यमः प्रतिना यस दर्गासः यसः विदायकात्रिक् यक्ष्वविक्ति। ध्रिया पश्चियाया निक्षाया निक्षाय निक्षाया निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाया निक्षाय নবংক্টিকক্ষ্য 🖟 📑 ইংবশক্ষেশ্বেদক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যিক্ষ্যিক্ষ্যিক্ষ্য यव पर्तिका यक जैसाम मुँब यह जैस्यानमा भेव परिक्र का परिदेश वासाल्यम् संस रेश्रेष्ठमा स्थाप्ति। वर्षेत्रात्ति विश्वाति वार्ध्वत्र वर्षात्त्र वर्तिसायमानुम्द्री। नेस्य की नेस्य केस्य केस्स केस्स केस्स महिम्स ने या बटा खब । वर्षे के वर हो दाय है। निर्मा के के के वर्ष के के कि कि मानसायाधन न भटारे छात्राउटाय अमानसायर विमुद्दायादेवी के मार्बेदाया हेदा यान्दरम्ब वर्ने वर्ने वर्गे ने प्राप्ति प्रति क्षेत्र र ।। वर्षे ने वर्गे वर्ग त. बुका. वे. च. जा. सूची का च. जा. सूची का च. कु. कु. की. चे. कु. की. च. च. कु. चा. च. वे. च. हिं। अहिं शुक्र नद सहें शुक्र संध्ये (क्षेप्र न न ने निहें र द ने दिन निसन्त होत यह होत यह देश का अहें के स्थान है स्थान है स्थान हैं स्थान है स्था स्थान है स्था स्थान है स तक्षा बंधा तर कुंबा ता श्रेरा वा श्रेरा वा अहत श्रेस सा प्रवास के अंग स्था न्याञ्च द्रयास्य से श्रेस्याया दे दे द्रम्य दे नावद न्या भरा स्रेन स्रे हे नु स्म प्रेय तप्र क्षेत्र र ।। विश्व महित्या यः कर वे प्रविधान विश्व पार्थ । ्यशः तेशः च.च.क.माटः माः क्रेंद्रवस्थः च.मुः दुखः सर्वटशः यः क्वः प्रवे प्रके देते मुक्तः

ब्रिर मेश प्रश्न सेर वायत त्रिय वेश मिर के मार में ख्रेर चेश माय ख्राय सेर. यह, र.भ धवी, यह, खुश, ये.च जा सें.ज.शूच श.यह, मेंर.वह, सेंश. पह, हीश. प्रयेट. ਹਨ੍ਹ,ਵਵ,ਵ੍ਰੰਯ.ਵਖ ਗ੍ਰੇ. ਖੁਲ.ਬਨ੍ਹ.ਬੈਂਟ.ਗੈਨ.ਬ.ਸ਼ੋ.ਯ.श<u>्</u>चश.ਬਨ੍ਹ.ਐਟ.ਭੂਚ.ਬ.ਸ.ਸ਼ੋ.ਬ... नार ध्येत य देश वश्चेद यर हैं। रूट नी रामी वर्मुश वश्चेद या दे निया है निया है निया है য়য়ৢঀॱय़ॱৡ৾৾৾৾৻ॱঀऻয়য়ॱয়ৼॱয়য়ৣৼॱৼ৾ॱ৻ॿॆয়ॱয়ৢॱয়ॱढ़॓ॱऄৄয়ॱয়য়৾ॱয়ৢৢৢ৽ঀঢ়ॱॵढ़ॱয়৾৾৾ঽয় ्यभ्रेर'यदे'-वेश'यदे कुं'रे'१९ राह्म रेणस'स्रयुक्'य'रे'१९ राणस्यायर वियुक्ते रि देते मुद्रै दे सम्बन् पुर्णेर् पर्रे पर्दे द्वा हिन हैन विद्वार विदेश n ଞ୍ୟା-ଥି.ସ.ଟୁ.ପ୍ରଶ୍ମୟ-ଟ୍ରୁ-ଅନ୍ୟ ୖ୕ଽ୶ୖଽ୕୷୳ଽ୴ୄୢ୳୵ୡୄୠ୕୕୳୷୕ୡ୕୳୷ୡ୷ୡୡ୷ୡୡ୕ଽଽ୕୵୷ୡ୲୴ଌୢୡ୳୷ୡୄ୕୷ଽ୕ଌ୴୷୷ मिहेशास्य वर्षस्य यह र्वे हो दे दि होत है दि हिन हेन हिन पर दे दि है से माराया ं प्र- यदे त्या ने अप के अप ने दें। वदे खेर खेर खेरा की या पर दें विकान मा े दे भीस मारदार्चुसामहदस्य यर प्रमुद्द या सूत्र रेना माना हैसामर प्रमुद्दायि हदा क्षिय हर मी र्वे व व ।। मुर हिना ध हर मीहा मुद लेखान में वे लेखान दि मी भष्टाम नश्र श्री रेम किर मी और हम अमा भर हम हम मा ने हरा पर ୍ଟ ପ୍ରିଟ ସହ ୮୯.୭୩.୭୬ ନିଅ.୧୬ ଲିଖ.ଘ.୯୯. ଧିଶ.ଘ.୯୯. ସ**.ଖ**୯. ହୁଣ. ଖ.ଖ.ଖ ्रवर मेर वाचार लुक्त वाचार वाचार के देखा है से सार हैना से वाकेश वाच हैं से तार हैं ्रिसामद्भारतायोगर्वे लेस.च.च.च.इ.स्.च.च. स्ना.क्.म.च.म.च. ्रिक्ष व्यामि द्वि हैर यह वर्ष मार्केर सुक्ष या प्रवासकी सुर हो। है गार्केर विभि हुन, बुन्दर हेर रिश्व जरेरी निम प्रेम पुरा पुरा है. चना तथा केश च नव रू ने वा रा पर्देश खेल र केंद्र न र द ह है द न र न ने की है। क्ष्यानाकृषाकृत्राम्यायायाय्येषाकृतान्त्राम्यायाय्येषाकृषान्त्राम्यायाय्येषा रदःरेना पर्दे पर्ना हैर्'र्'नेश पारे हैर्डिंद पार्रा हिंद पर हिर् पारे हैर्' म्यानः भेषः व् . जुन्नः ह्या श्रा इ. मान्नानः न द. मान्नानः तर् श्रावः **७**४ व.ट.ज.स्र्यंश.त.श्रुंश.स्र्रा। टेश.ब्रेश.टर.च.लश.मेट.लुश क्षेत्र.चे३४. मानेदायका विकास्त्र नर नेदायानार योदायालेख नाम के दर्भागुदायहा । पर्वा परमान्त्राचा क्रो। दे देर वे पर्वे पर वे प मान्द केंद्र माल्द सूर्य य तबर्य य रेके दें लेख र्वो दे रेक्ट खेल र्यु हो स्ट स्था लेखानु नात्मार्खेन्सान्य नसूदायायेद दें लेख नु नादे नालदानु द्वाराय है। यहँदा न. इ. डेर. थे हुं अ. वे डें अ. त. डें दे. ४ व. दे. वीच. त. लु थे. बु. खुं अ. ची. च. ज. क्रूं र तथा चेश. देयू. चेश. स. भी हे. सन्। यस है. देश निहेश हैर हेश सन्। प्राप्त हैर देश. मार्डेश नते : क्षेत्र मुं के होते : मुं के प्यार्थ : प्रेर में । वर वर्ष मार्थ में वर मार्थ में वर मार्थ में वर लेश-नु:च'ने'नोर्ड चॅ'स'फेन'-दे टॅ'वॅ'दें। दे'सूर दे। दे'नशन्नेस'नदे'ढ्य' माकेशकिर दे ल्रें पान के दे दें। विश्व मार्च व प्रमान दें न्त्रुवःसरः अःमःमाल्दः केदः प्येदः दः दे न्यः रेनामः यः मः प्येदः है। मायः हे हेरिः वर्दा हिंदा वर हिंदा रहे हिंदा ही हिंदा वा के स्वा वा के दे वा हे दे हैं है है र हिंदा माकेश या केरा व्यर्गया स से दार्दे । लेश नुगया भेरेश रहारे मायाय पर्वायर । यादी हिर वाव ही यायर ने या विवास कर यार हो त्यार हो। हर हो दार



ध्यय मी दमाय दहेंद सरे दि व उन मी मिर वर मी स लेश में पहेंद रते क्या व लक्ष ने विन पुर प्रश्न किर पर हो। ध्राय में क्या पर हैंदे य वैज्ञेक्ष पर्यो दे हैं केंद्र वेंद्र वेंद् देवे हिन पर देश शी। यन देन शन पर विश्व न पन हैं से विश्व प इट सेर से ते जेस य देस मुन य सेन्स य प्र प्र पर रें। रे हर केर गु.र.क. भुर , ब्रेश ने न व के किर हूं है है जिस न जूर के खर हा है . जुर न मा जूर ... व विया। देश्र व अद्धार्म विश्व न व अद्देश मार्थ देश रदं रेवा'भ'केर रेम'नु'च'रे प्रवित्यर विदे भ'रे केर में विदास मना ... गु. बुंब. चे. चं. बुंब. पुंच. पुंच. पुंच. पुंच. पंच. भी । वुं. चुंचा पंच. पुंच. चं. है। १८ वेश ल में चनर है। डे हर व लिय वेश वह लिय में क्या य केंद्र में . वेब यदे . वेब य दे वेब य प्रेड ना विवास यदे . श्रुवा विवास यदे . श्रुवा से विवास यदे . श्रुवा से विवास यदे . इब य स्था प्रवालिक नियम दे निवाल है। यह विदान स्थान विदान नि वै देव दि त्य वर्षे । स्था में इम या मि तम तमाय विषा गुर से पद्दि । माध्येत वी। नामाने नेसा पर्य निमाने नामाने पर्य दे पर पर्य निमाने नामाने पर्य पर्य पर्य निमाने नामाने पर्य पर्य व्यव सार प्रमान विकास प्रमान के विकास प्रमान प्रमान के प्रमान लैंस नु न व संन स व । देस से द पर के देस स प्रकृ लेस नु न दे सह दे र्रेट'दे अट क्रिक्स शुः हिट ये केंद्र ये अड्ड ये केंद्र दें लेक डिय व केंद्र ये

खेश.त. वर्त्रोयः सर्वे स्विद् नीसः व वर् रहेदः गुदः यसः वर्त्रुः सः सर्दरः यस। म्बिर हिर्द्धारा ही हिर परमाना सामाश्चरम मा। नार मी है र्रे र्रा न्दे न्द्रन् १९५ नु शुर धदे दुवा मुहेश पदे बेश न न व स्निशन का न मि हैं नेस नहें के माने समीवाता देवे के रहा मीहर वर मीर नहें केट व अभस ही... यत्र : दरमा हिर दे नी में निर्देश खे वा नी देश में निर्देश के नी में निर्देश के निर्देश र्ने द्राप्तर प्रति विकास के प्रति के प्रति । विकास प हे रे विन ख्रियामु इस धर वेश व्याह्म हुर व दे वर्न के हु दु मुर्ग परेंदे हैं भेश मते रार रेना माना माना प्राप्त की अपने हैं कि माना है र क अस र से होट् न म प्रेस में विश्व न न न हैं न हैं । विश्व में हैं विश्व न न हैं स्रेश रेनुद विते में वि माता प केर र विदेश मार नुद में तिनुर वर वि विदेश बर्नेकी वेश याश्रमायमाश याहेर्के केर्ने बर्ने सुमार्ने वेश यानावर में में हार के प्रमुद्द में किया के किया में किया में किया में में में किया में में में में में में में में में गुर वं रे तर व निर्मा य रेस कुम र वह वम मुद्दा व हर के में बिट दे मिट दिंब भर ब्रेंट पर प्रमुद्द हैं लेखा देने खैर प्रमा हैर नर्ना है र गुरु अस म श श हिंद नर मिल से जे र नदे हिर हे लेख न न त स्त्निस म श्रीं संशी हैं। नार ये असस शुं श्रीं ना से दे पार से मार है से नार ये से नार के से न उत्री र्दे र इंटर व वरे व प्यानियम व र्वे र इंटर व र द स्वापर्वे । नविर

त्वेश नु न के हिंद में ता संनास पर्ता है दे मानु सर्द पु न से पा है नहा म क्षेत्र तुः क्ष्राः स्वरः त्युः रहीं लेखा तुः स वे दश्चेन्य सः इशः सरः करः सरे दुः व याचन्त्राकृद्रायाच्व्यायायात्रस्याचराकद्रायाच्वेत्रानुःसर्वेद्रायसाम्बद्धारायाकृद् नु अर्थेद् य ने यस् द नाइत्य केन् नु र्र्भित्र सु यक्ष याद स्माय दे भेशायदे । " नर्ना हैर नु मुर नर कर कर के नहिर ना हैर नु हैर न लेक नहिर ही। न्यूर मावनायते क्यायस हे सुर रु त वह यह वेशयाय भूर वर मुर य हो । यह यर अट्रेन पर एट्टेन पर वेश प्रमान निवर य खाय नु हो। हैं। र्स य स्मान यर वहार यर बेर हो। दे वहार क्रम र सुर्बेट पर हो वरे भट लेश व प કુ. કમ એમ શા. શે. શે. તાતું. તાકુ તા. કુ. તે. તે. તાતું. શે. કુ. મા. કે. તા. કુ. કું માં કે. તા. કે. કું માં કે. भट्य.रे.स्यामानम् कराराराचीरारी राजमानावारान्याच्यान्या मी में नविन दें। देन्ना मुनन्ना भाविषान न मार्थिय पाया ब्रामदें म्बिन्स नहिन मने दमा म हिन ग्रेस लेश न म हे बरान में ने प्राप्त हैं में में ने न न किर गुरेश अळव केर पुर प्रेश मी। नाहर प्रेर किस पर केर पुर के साम केर लेखानु न देव देव के नियम के कि ते के निवान के देव के कि ता के देव के के कि ता के देव के देव के देव के देव के कि ता के देव के दे के देव के चुंश.न.चीवरे ३८ ३सश.श.श्र.श्र.च इ.स.ल १ वुंश ह्वांश.नर.वैट्री रदानी मिं हैन की रायदे हिर है रियानु मि यह सायस लेश न व के मिं मिट की गा यादाः वेश्वाच नावशाम्रीशाक्रेशशास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राच्याच्यात्रे केतायात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् दे तहेंद्र पर चेद पते हों हो रेंब दु मान हमा पर पद वा पा मा प्येद है। मी. स्ट्रिं रश्चेषश मा केर लाग राष्ट्र हीर ही र स्था र मि. महार पर र शे त्युर र दे हेश ... नु वरे दें हो। देने के अद्यु दें मानक्ष पाय अव घर से त्मूर

इ. खेश चे.च.बु.रूट.चो च्रि.ल.रेशचीश चर्ट. खेर रेथ तथ ग्रीट अभाश शिहा चर्ट. म् निवेश नु निवेद निर्मे विदेश परि देश मा हैन ने अविदेश में विद्या में विद्यान यते र्व रें। त्र यते विद्यापते क्रिंमाई प्यते के या के र रें क्रिंप मार्थ प्राप्ति के प्राप्ति का क्रिंप के प्र पर केर महिट के हिर दे किर पर की की कार है दे पर प्रमा हिट पर लेखा है पर बैर्नेब नित्र व र म नमा शा हो । वित्र प्रति प्रति में नित्र का में कि में मा प्रति के लेस शेमश सा। वर् व वमस उर है रेल है से गुह है। वे व हैं र व तर् भेद रेस नु न द द न द न द म की अड़ द हैं द द न दे ए अप के म की श्रुट् च है। वर्र च दश्याश्रय अस्त्र शुं हिंद चर विषुर च स प्रिक हैं लेश न वरे. व के निम नि विम ने विम ने विम ने विम निम में के निम में के में के में र्भ मी देव द्या य में वर्गाश विद्या विद्या पार विश्व के प्राप्त के न रेर्ड अन में लेश राष्ट्रिय म है। नश्चर नम है म.च न अर है म.ट दुर पहुंचीश चश मिर प्रसित्र धर मेरे दे दे लेश है चंश देश है है है है है है दे हैं सर निर्दा। वमसाउर गी लेखी न ने ने निम्मा मार्सेन्स या केंसा या नद्मानी भट्टी। मार्वर में अया कर में विश्व में या के मार्वर में खुया डर सुरा तर लेख त्या के बार विचार व हम पर कर यह है हैं हैं प्रियों। हिना र १ १ में १ १ १ १ में हिंद न नार में राज्य संग्रास देशीया सर्व हा वे कि होंद नर नियुर् रो। नगर रा व संग्राय देनेनार य सर्दे श्रुस हेन स प्रदे श्रुस

र्रे विश्व मु:व हे नगर व व श्रेम य दश्चित पर २ मुर व नार भेद रे शर्व श्रुम द प्रमुद्र व स भेर हें लेश मु नरे दें रहें। र्ज़िन हम स वस स स रहे ही द्यार र्रात्म स्वास पत्र रस्त्रे न्स्य नस मा स्वर मी स्वर पत्र दि में नासत्य व नार प्रेन व रे नाम . हे निमर स्याय स्रोत গ£্⊀.**থিম**. मु मुंदानदे द्रावित्रम् । अद्भामा अद्वास्त्रम् । न्गर र्चि य स्वास य न्येर य श्रमा स्वाद ने सिंद पार्व ना व्याप्त मार्थ र सिंद । श्रम कि पर कर्त करे हैं के देन व के वा संवास पर देन के पार महिं श्रम म क्षेत्र-हे। माद नी नास्त्र न है जैस न हैं ने क्षा न हिन पर है न क्षेत्र पर है सुर र्गा अट्व सुम नवर य नवर सर्ग सुम विश न न स प्येव वा। दे नका का यहना हिन सिंदा या यह का वा से दे पर दे ता से न से से से हैं हैं हैं या न र्थित व हैन दम ही नार्य में व विच यर विच न द है अर विवत् य में प्येन वि बुर द'खुय पर्दर य'फीर वें विश म न हैंद हैं व नव्य चर से देनु में विश मु नास्य य केन या नास्य वर होते य केन गुर हिन य खेर य पःश्चेंशःश् ।। दे दिन्द ग्रंभ व के नाम में व मा के के व पाका मा वर होते व के दे कि व दे दे के ले मुनः धरः हेन्य दनाय न दक्षेन्य यदे। दन देश्वेय भावसून या के है। म्बला न संभित्र या नवाया नर हिन् न प्यट नवाया न हैन मुक्त वसर उन मुक् ममम उर्द्रमेर यर विशुर परिवे श्रीर परि है नि महिन विशेष परिवे के शिक्त स प्येत व । दे हिर वे निमर व व व स्वास प द्वार पर नुर ध नासवान संभेत्र य स भेत् वे 'लेश'च प'ल'सेंग्र धस म्ल'व'प मह्नेंग्र पहुत्रें। नर्ज्ञिन रस्ति विश्व नुप्ति विश्व व निर्ज्ञिन यश रह रेना माना ना ना प्राप्त है। र्गार

च .ज.श्र्मश.चर प्रामण.च.यु.चामज.च.चुर.च.कुर.चे.चीव.तप हुर.स्। तारक्रेचेश.चपु.रेश्चेश.त. बुंश.चे.च.धु तीय.तारेश्चे बेश.चपु.रेश्च बेश च. जुंश . यान्तेश्वायान्तिश्वायादे । अदारदारम् वायाविश्वासे योदायदे । सुरावदे । सुरावदे । नास या नास या भी ना होते के में ध्वाया या में में सा स्था ना हिंद पदे พิพาศิพาย ชุมพาผู มีราจรามา ฉริรั ย ราณาศิพายวาสราเหรานรากา य:५८१ ध्रुभःमुःवदनाःहेद नारःध्रे रःभः५८। ध्रुभःमुः पदनाःहेदःनारः लुब.तपु.लीज.हे.रेचा.कुचा.वर.भट्ब.तर.चोशज.च.स्च.तर.पचीर.हा। कर.पचीर.प.लुश.य.कर.लूर.त.पुश.य.लट.ट्र .केर.पचीर.बुश.य.य.कुना.कर... र्देश्चरः यदमा केदः भटेंद्रं धरः वाश्रव्यः बरः द्येदः धःदमा दुः द्रव्युरः हे। मेर्पे सेर र्रा हिर्पर नार नी श भेरा पात्रमस उर् की वास भारत्वा कुर.ज.लीज.रची.कुवी.कर.चीशज.चर.उचीर.च.मी.जुश.च.र्घ श.रची.चू. १.ज वु... माध्येत्रात्रे देख्यात् मात्राय्यात्रात्र्यात्राय्ये स्तर्भेत्रायात्रा स्तर्भेत्राच्यात्रे देव हो। दे'वस'द'र्द्रार्थम् चम्मुव'व'प्येद'र्दे 'वेस'वु'व'दे'र्र्द्रार्थन्यये सेर्द्राय यद्नाकृद्रद्राध्य हेना हर सहर्रायर नास्याय से होद्रायरे सुरासी रश्चेन्रस्य देश मुन्द दे देग्र में ये वार्र्य ग्रह्म स्य सु सु मि वार्र्य । विकेद निस्यन् से विश्वर व लेश व व व दे दे गर ये व स्वास व व हे दे पर दे दे से है यर से विचुर हो। ईंद सर्वेट पर हे सुर हिर पर उदार विवास विवास है सेन ने इस पर के प्रशासका वर्त अर्दे पर नाम या पर अर्दे ट लिट। इ.चंद्रे. इम.चर जेंब. तथ. घट्र तर नेश म.च. ग्रंब. श्रं डिश.च च.ज. श्र्चेश तथ्री

मुक्तानु माञ्चमारा अर्थेट पान दे ने अर्थेट पा अट हैं नार पान प्राप्त के लेखानु पान दे हैं न तर.कर.तपु.चिच्चारापहूर्य .त.व । चिच्चारापारभूचारा वट.लुर.वश घ . व्यव लेश हें नास या सामित है। रद रेना या निस से त्येत यदे हीर रें॥ दे हिर यर र् जुर य नविक वहें य वे हिर यर हैं गय हैं कर र स्टें र व हैं ष्टिर'यर र्ह्न्न्**राय मे**र्न्यर रेश ष्टिर्यर र्नु सुर्य यदे खिर्यर में मिले वहेंद्र यर " में नुबारा हैर में खेर दें। वर् वा मिर यर हैं नुबारा मेर यर दे से र मु मि द्रमेन्स द दे स्थाप प्रेष वि । हेन् उर रस रेस मीस लेख प्राप्त वे विचेत्र के मा उर सम्मेर्ट पा के 'हे मा साय विष्टे के सा अपने पा कर में सा मुक्ष गुर व १५ व वा वार की र व दे मिक्ष मुस्क के के हो । वा वा है सुका ५८ दे **৴**শুনাধানত্র, ব্রিশাসপ্থিয়ে, বার্ল, বর্লীয়, বার্ল, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, कें रेम में भागित प्रति सार्थित के पर्दे महिता व किया में महिता में प्रति हैं। विके บะ วีส.ชชีะส.ฮ.พ.พร ละ ชชีะ.ชชู.ะะ.ชิล.ชร.ภู.รู้ง.รู้ง.ระ.ริชูปส.ส. न्ना वस न्नेवाय केर व्याम केर विकास केर ने र्म मुजबयावर नेरायामाध्येताने देवे के देव लेवान वाने देव दरावर यम् वेशायाम्बर्यायते नुसादर्गा देः अदः हेश मुन व के विश्वापते विदेश के न ५ त्युर वर्षे रेंद्र द्र दर् वर्षे। दे र वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे हैन'नु नुर पते देंब'न्दर'वर् नर्म पु हिंद'न वर्ते। वेब पते हें वेंन्दर खुव मामाह्यात्र उत्र प्येत्र व प्याद हेश मु न वे मे परे दे वे वे नन्न के दर्शा दे वॅर्दराख्य के दें वॅर्दराख्य के ने देना माना व व्यर्ग व के देना के निहर न निह के के दिन के के दे सर देश न हो। रट रेना य एस से ये न परि केर रें। दें वें स नहिर य के

केली के व क्षा यर जेस पद देश व प्रचानाया च छेर ही खेर ही। नार्रे के जानर वदेशक्षकश्चार्श्वेद्दान्यवदेत्रभेषान्त्रेत्वे विश्वान्त्रे विष्यान्त्रेत्रे नाहः वावदेताः १ अस्य शुः श्रुटि मा भी दः दें ले दें। विकार दें न मा भा ले सं मु न दें श्रुट न न दें श्रुट न न दें श्रुट न न मुन्य नन भरें। ने सूर म क्रिन पर्ने मुन्ते मुन्ते म ने परिते मुन न'भेर हैं। वेस न नरे मं इंद पदेरे मुर्ला वह मंदर पर न सम गुह दर्व हैर हमस सु सिंद व सेर वर्ष के वर्ष कर दर्ज दर्ज के त्रस् र्सा विष्य है लेस है न दर्दे देश पर द्रेने व दे दे न दे दे हैं न दे है न दे हैं न दे है न दे हैं न दे है न दे हैं व अर्थेट वरे दूष द लेख व व प्येद दें। अर्थेट व दें नाम वरे दूष प्र वर्थेस दश दगर वित्य संग्राम सर्वे- ' वरे दुश द लेश वु व र्र्जूस है। विश्व प्राय विश्व व नाल र में अवहर व हैं के रादे दुक्त की। वित देनाद लेग ने के मुद्द स स्पेन हो से उद्यान है हैंदर रें लेश न न के नेस मान वर रहा है र हिंदर न स 'प्रेक् वास गुर में स'या श्रामा नहेंद्र या में द्वा वते हुन में दे दे हे न व असम शु हिंद व नावर मी दे व भेर यह से रिवेश च व रे रे दे में वास थ व रूस शु हिंद व निद्धा यह है दिन्द से व स्वास स्वास स्वास निवास निवास निवास में कारे यह रे लिया सबन में हैं वें और वंदे खेंगह में केंद्र वंदर पर केंद्र हैं। है केलिस मु न स सन्ति पर पर वर्ग हैर र चूर वर हुँ हुँ पर नेर नेर पर म दर यर के बहुना य उक लेख में य यह य यह या के यह दन यह दनाय के य र्से संस्थान के प्रमालिक विकास के निर्माल कर देन पर द्वाद र देन पर देन प मदे य व वहन हैंद दे वस वहन यस सून वहूम दूद दें द न निहेर वह का यस वर्देर याय यहना यर वसुर र्री। दे भट नट वस लेव। र्भन्भ न्म्भ सदे हिर् यर स्था लेश है । है । है । इस न्या स्था र्दः मिस्र य हिस्र नु य के तुस्र द्वे क प्येक कें। मिस्र य है पिद या वेद य वृक्ष सन्दर्भ वर्षा। द्वाय पद्दा न्द्रियरे वे स्वा वर्द् यात्र क्षेत्र यदे वन्ना हैन का लेखा मुखा मानाय निर्देश मुद्दा पर मी महान हैन के वहें बदी। व्यद्भाक्ष निर्देश वह निर्देश में महित वह महिता वह महिता वर्ष्या महामान के विकास मार्थित विकास के मार्थित के मार चर्रा। धूर दक्षचारा बहु है चर दक्ष बर चलन च लेब च लेश ने प ही इसायर विसाय प्राद्य पति कुर्ते पुर्द दिय हिंदे हिंदे हा विसे केंद्र वित्र केंद्र वित्र केंद्र वित्र केंद्र वित्र वे वेश मु वरी देव हो। दे बुर बुद वर मुर घ ने वरे व स समस्य परे द वस् बूद वर मुर वर्षे देन मुद्द लेख मु अ है हिंदन के विदे व म र्सम्बन्ध देवे वद्म हैद गुँध हैस नुवन हैं सेश धरे वद्म हैद हैद गुँध सी । श्चिरा नु वाल्य में श्राद्यावाराया नाट प्येय था लेख नु व के वरे वा का संवादाया व यश्चित विद्यार विश्व र सेर पाटेश धर हैन य वश्कि हैश सु र विन पर् श्रद्धार विभाने ना है है हैर श्रद्धानर मुर महे वर्ष के का स्विभ नह हैं कि म्स्य च अस्स सु सु द व लेश स नवे दे हो। दे हे ह ग्रे से व दे ब व र्याय य श्रीदाय के विते दे लिस ये के मार्थित मार्थित है। दे का देशे ना वा उन मी नेस व दह सब मा है द गी दे हैं। व्यस्त्र हुँद पर छे द पर है द प्येव वह हुँद रंग लेकामु करे पर हमाना के अहामुन सामाने प्रदास्तर मा से कर न में मान हमान गुर प्पर् याम प्येत वी। महिस दर मिर्व में मार्ग पर पर्। परे माय

र्विन्य प्रयानित्रेन्य द्रा देर द्रा द्रा प्रतानित्र के या नु पा के ही पा द्रा प्रतानिया र्भेन्स पर इस पर न्विना परे हिर र विश्व न पर र्नेट्स स्वा है निर लुब.त.बु.रह्म.तूर.चुर.त.ढ्म.चे.वर.वश्मश वर्ता। • कु.केर.कर.वर्थ. च.**८**.केर.२४.चर.**२.**चरु. क्षेर.८.के.२४.चीर.च.३८.**ग्र.**चखेट.३८. १.केर.चशका. च त्या चर्चेश या सेन् च च लेश च च त्या संचाश हे चर चर्णे द या प्येन हो। सह द श्रुम ५८.वर्च, रूच, ब्रु झ.वे.च.हे. वर्षे । अर्थेट्. शुर हे. क्रूंश. ५८. क्रूंश. मानुदः य ददः वेश य दिंदे य दर्दे य दर्दे य मादः पीदा य दे हैं व विमायः सर्व वर्ते। अवूर्यन्त्रम् नार्तार्व नार्तास्य सर्वार्यः ह्यूर वानातः त्य भ्राम दे सार अद् कें अव् । निया सुना द्वार व दा से द्वार ना ना श्चिशाय लेखानु य य। रवदा शुना दनाय वायस वदी वानासय वर दी वासा न्तर। हैना वहारा मुनास मानर देश नाम पर्ता सार्वार साम है। वर्त्तियार्गा ः देखाताला हों देखरा हरा व देखें मानुष्य महिद्द पाय स्र मंत्री च्चीय मिना ही निवर ही यहे या अन्य स्त्री सार दें वह वह में हैं है सह सा ब्रूट व ब्री वर वायार्सन्य पर्दा क प्रदानित हैं अ खादर्न वर्दान्य में के.८४.जुर.घडू.क्वंश.४४.वीर.घ.र्ड्या। वाज हे.८**२**वा.**४८.**चाल्य.बीश.चड्र च ज.सूर्यश.वर्ष.भ्यक.श.श्र.सूट् च.म्ब्युटबा.चर्.चस्त्रीच.चर.चे.च.लुरे.बी भट्रे. क्षमः नदः तनायः चः मार्थे । १ भन् नुः में भागवरा नाव । मी पने पायः स्वाधः विश्वादा के में मुख्य विशेष प्राप्त हैं में पर विश्वादा प्रवेष हैं। पर मिश्रा शें को १ व दे प्रधार वहीं व्यापका होते वादहावनावा वदायहावना राहीं हैं हैं

यशः बः यर्मा र्दः म्ब्रिः ग्रै यरे यः सः र्ह्यः यः सर्द्धद्रसः यरः र्ह्योदः वः म्ब्रु सः स्वर् नर ये.च.च.क.कूषे.वे. बु.चा चट्र.च.ज.श्र्याश्च.तर पहुष्यर बुश्च.च.ज. र्श्वास य ह्वास है। विदेश मार्थ है विश्वास य वहुत य प्रवाहे। नाय है मित्र गुरु वरे वर संस्था संस्था वर्ष वर्ष वर्ष माल्य मुख्य पहेंद्र वर पर्दे दे गी। रैना'य'म'र्भेर'य'रेदे हें रूट'र्ट'नाव्य मुस्तुर'र्ना में हिंद न वें व सर में '''' त्रमुर है। र्श्वेट शासर क्ष्मुर हो। यदे या अर्वाकाया हैद है। रट:रेम्अन्दे:हॅं:वॅं १५'फ्रेब मुक्रादेक्षायर वेश्वरामालव मुक्रासमा रटमी मुद्रात्म विकरमी विकरमी क्रिया विकरमी किराया विकर्ण विकास क्रिया विकर्ण विकास क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया विकास र्खेन्य पर निवस व रेवे कें रेवे कें रूप में कुर गु वरे व व सेन्य सेवे १ महार शुं हिंद म के रह रेमा सदी नित्र में हैं प्रेक सदी हिंद हैं। महिंद ही कुर गु क्राय मल्य मु यह या स्वाय यद ख्राय हैन न पर्दे पा द्राप्त यर यह नाय श्र्वासायदे रदानी दूर में भार हरें चर्रा खारा से दार वा के में नासरा वर क्रूट केर प्रेव पर्वे सुर वर्ग रूट न्वा के मुं र्सेट वरे सुर पर प्रवर्थ प्रेव के ... लेखानम्बर्धाः पर त्युर री देवे मार में के तहें राधा के रावे सामित य संभित्र मी व्यक्त मार दे हैं न्दा रे ना य हे द सा ये द हों। वह दे र य रेना य केर या स के स प्योद है। नाय है कुर नाव र नी स स य प्राप्त नाय हैना मीशायदे पाया स्ट्रिंग पर पहेंद्रे पर पेरे देते हैं पर पाया स्वीकाया पहेंद्रे पर मर्ड्यद्रसाथ प्रेषाय वान हेलाचे रहे हुन के हैं। नहना द्रम नालव हुना के हिंद

नदे बादर मुहार्के के नाम नाम नाम के मानद में के मानद मानद में के मानद में मानद मानद मानद में मानद में मानद में मानद में मानद मानद में मानद मानद मानद म न'म'र्सेनास'म'नाल्क मुं'से'यहेंद्र'यर'दर्द्र'म'रेवे'के वर्दे'न म'र्सेनास'म'न्सस शुः क्षेत्राया माध्येत या वर्षेत्राया केताध्येताया है। स्वराव वा वर्षेत्राया भी वा वर्षेत्राया स्वर् नात्रार्श्वम्यात्र के वराद्र विद्राप्त विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्रापत ह्याना व्यवसम्बद्धाः विकासमा व मु क्रू.रीता तर्कतार में भी थाता हैरे हीना वर्कता हे अशासी श्रीत तथा लूब मी खेस दी व वे रत हैना यर हा यदे क्रामे रेमा सबै करना हेर रह मी सूना पहेंचा ही सामा द्भाकृद् श्रुमा प्रदेश क्राया स्मार्थ स्त्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ मान्य द्भा से साम प्रार्थ स्त्रा स् च् .च् .वच.च र्चेच.रर्जेत क.स्चेश व.र. देत उर्चेर त.रेचे.चे. अमक्षास स्मान्य भारत हु जिस चारा हु मेविश मी ैर कार्स राज होने सक्ष का र्शित्रारोदे क्यापर वेरिया के विशाप्त का श्वासी स्थारी हो स्थार के रत्युचान केर्ने में वर्षियाता श्वांभारा क्षेत्र शि.श्वर्य तारी की प्राय हंटा.... बैट.तर श्रेश.त. थे.भ.ले श्रेश विश्व में बेर्ग में बेर्ग प्रश्निय व श्रेश हिंदूर. शन्ताकी मुद्दाया में मुद्दायका के त्यूदा हिटाय हुटाया का प्रेतीय प्रदा है स्टूर दारहा इनासकुन्वनमाकुर्कुक्षमार्था ह्यात्रमा ह्या प्रमान विकास विकास यर् याम् स्निशं क समात्येर रहा होता त.ज. वर्ते स सहस् र प्रमार पर प्रमें है की दे के अव है है। सून प्रमाण सून स्मान तार्राकृत्याक्षेत्रायसम्बन्धारायर् कुर दे सद्र स्था मुन्द्र कार्यक्षेत्र विस निक्रिक्ते। वर्ष्यक्षिक्ष व मुन्द्र के क्षेत्रका व मुन्द्र के मुन्द्र का मुक्त व केर न सहस्र बहु वर्ष हैं। इस 'युन्द रित 'वेस परे 'दमेनास' धने छैर 'सहस्

श्रम-नु-नु-न-भिक्ति। देन द्वा नर हुंश पर लेश नु-न के ख्ना नहार र्चेच.यर्जा. ३भभ.शे श्रूट.च.भुट.य.लट.क्ज.पच्चेट.ची. ह्या.पथ.ट्रेट.क्ट. पर... ଞ୍ଜିଷ ସଂदेःदशः শ্রীষ:पदेः पः श्रः र्श्वरः यः सर्ददः ख्रुमः १९८७ । दे "परः पद्वापः प्येदः শ্রী। য়ঀ৾৻ঀয়ড়৻ঀ৾৾৾য়ৼ৻ঀ৾৽ৡ৾ঀ৻য়ৢঀ৾৸য়ড়৸৻৸য়৾ঀঀয়৻য়৻য়য়য়য়৽ঀ৻ঀঢ়৻ঀৗয়৻ঀ৾৻ঀঀ৾৽৽৽৽ असमा शु : शु र : तर : त नु र : होना व हाय य : श्रेना मार र द : व ले द : हे र : द मुकान हेर क्रम श होरान प्रेम शा। रे.हेर वे क्रम श होर न हे माप्रेक क लेखा नु न क्रिके ने देर क्रिट नदे जिन में क्रिक पर ने का स क्रिक पानार क्ष्यामान् स्वा नहायातास्वास यदे न्द्रामित्र हेन नुष्ठमसासु हिंदानास क्षेत्र हैं बुक्र.चे.चर्.स.कूच.च् । चरच.बु.रःच चबुरःची.चु.रंच.कुर.ट्.र्बंच.वर्षत व्या (प्रमाय होना डेका नु न के रहा में मुद्द के रामक हेन मही मदि मदि मही के र नुः भ्रेषः या देशानुः नदे रहे ।। हर्षः नाव रान्ने हरायर द्रान्य या देशः मु य परेदे नाहर न है परे लेट परेदे तह के य है परे अन सम्मा ने साम माल्र तमाद लेग मोर यहेर या है सु सु से सकर है है र उर मी महिट य नि र देर र नपु निर्मात्रा क्षा निष्म नि निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म র্ব্র : মন্টের্ বৃদ্ধ (ল্লিঝ ব্র বে বি বৃদ্ধ লা বিম্ব ব্র বে লান অবি বে বি ফ্রির কুলাঝ ফ্রির বু লাল दमान होना मी कें हें नामा धर हो देश हु नदी च केंना मी दिन हो नामा हे स वे.च थु.रेचर.तू पु.विरं.चर.रू॥ चश्चैचम् नोलूचे.भुरं.खुम.वे.च.म.श्चैच. मार्भे ग्रं ने हैं मा या मार्भे ग्रं या दें ।। र्भे ग्रं या हों भारत हैं मा दि हैं ना दि है ना दि हैं ना दे ना द भ्रमाः श्रीकार्याकायका हेकासुनाविद्गायानाहरा है। विकासाकी कुरायाकी लुक् तर् के दे । दे त्या चुँ त्यका नाव्या भारे नाट भेषा चा विका चा चा वे त्या वा पहनायर्गा दे 'अर'म नुवाय बेश नुवाय में हिं वि । हे 'व दर प्रम्य " य.रेचे.भु.१८८.वपु.खुर.७्श.व.२.१.सर्ब.संस.भ.लूब.तर.रेभूचेश.त.११५.वीश. ष्ठमसःउर्-रृ:ष्ट्ररःसरःसर्यरेर्दर्राद्यायःविषाप्रदःस्वाउताकेताःकेताः र्देश पार त्या ह्ये वि विदेश पर राजेंद्र या देश क्षा देश है विश्व है विदेश माध्याय बेंबा नु न के रें का नाब्य य है। ह्वा बेंबा नु नदी हा हैं ना मिं ।र्क **१** त्रायानाम्यत्राचनः स्राप्तर्भे वर्षे व विश्वानु । य वे स्राप्तर्भे व विश्वानु । यदी भ्रवसाय्येवः ଵୖ୲୕*୍*୲ଵୖଽଞାଞାଞାଞାଞାଦଦବା*ୟ ବିଷ୍ଟା ବ୍ୟ*ମ୍ୟ ଅଟି ଅଟି ଅଟେ यर खाचर्ड्स चासे दार हे दा है दा है दा है से साम की कार्य से प्राप्त से दा द वरें विश्व च केर स्प्रें च स से व वा। विश्व च च के हो द्वा दे विश्व च न द ष्पेब य देवे वेश य सेन् वा 🐪 ेने विद्याय है दिस्स से सेन् ब देवे की की वान प्रति क्षायाकेता प्रति वासायिकार्की स्त्री स्त्री वासाय विद्वी मुखायमा होता ब्रंबेश.चे.च.ब्रंलेज.उह्र्यं.चप्रुं.टट.क्ष्य.१४ मी.जुब्र.त.३४४।श्रे श्रेट्राचर् ॥ दे दर दे अर वेश कुर के अप अर्थ मार्थ मुखा पर्दा हे हु कु अर दे ता दे वेश म केर देव रमायर मेराया केरायेश प्राथम अले भावाय में देव रे प्राथम विद्यारेश ... मेबः य'हैदः देव दमः यदः व्यदः यायो हिते वेसः यदः वुः य हिदः शुः यदमा हिदः नुसः माक्षेराक्षरायरे खेरासी। हे हे नेयाया साक्षराय हेनासाक्षराय लेखानु याता श्चिमायमास्त्रीमायाहेमाय वस्तरहो है है है जैसायामा प्रदाय द्रा है।

न्त्रे न्या वेस या माह्या का कर्ता न्या केरा महत्र श्रम केरा मा केरा महत्र बुर-सः सर्वेदः नर्ते। सर्वेद वः हे 'दश्चेन थ 'य' मार-दना थ 'र्येद 'य' दे 'दना है ' मामर्वेद मर्वेद उदादमा में देव प्येव है। मदिव श्रुम माप्ये र पन्दमेनामाया दर् लेश व देन में १३ त वर्ष मार पर्दे पर पर पर्दे पर पर माल र मी है . लेस-तु-च-है-ल्द-लेन-देदे-खुव-ठड्-तीु-सर्द्र-सुस-५६न-घर-५द्र-य-न्द-धेद-य अर्दे यर पर्दे य देवें। क्षाय ये दे द्वा तथा वाव क वी भ है। वाद हैन चे.च.ज.भक्ट.च.बे.रेभुवास.त.लुब.जा डे.केर.भक्ट च.सुर.त.बु.रेभुवास. ८६ना स देश गुट खुवा वा द भेना वा सुवा सुवा सुवा मुदा महित सुका द सुवा के साम है । लेक पर्या श्रिट च हेर् साधि । पर्य सेर सहर्व श्रुम साधि । पर्य प्रमाण वह नी र्दे रे रे रे न के अर्थें रे न के रे रे के रे रे के रे रे के रे कृरक्षमभासु ह्यानामाध्येदायमे स्यापन्ने स्यापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने य उर्द्रन्ता गुर ही स नु द्वाय थेर स्मर्ट्र यर द्र्रे थ विवेष वीस दिहें यर पर्देर्यादे ख्रेर ख्रेर सर्देर सर्देर पर पर्देर्य यात्रा नाल र यदे क्षे या तुसा गुट मह्त्यर प्रमुर है। क्षेत्र मुन्नि भारत खुम मार्मि सम्दर्भ हिंद य मेन पर मर्द्धारायते सुरार्ते। ने केन के दे द्वा विश्व कर द्वा विश्व ना पा ह्मिश्राय: र्श्चेस हो दे 'वस द व म हेस यर स मुर हिम सहस होस च च

य सूर अर्थ तर पर्ट्र तथा भीर भीषा व अर्थ स्थिम भारत तथा तथा रेश्वी था म उद मिश र्दे दे सर्वे दान स स्थे दे लेश निश हिट वर निर्दे । माया हे भेश व से व र वे र्रे दे की में हो को के अप अर अर व शिक है न से के व दे**ॱदुर-५** देश-दॅश-मु: मुद्द-धर-दक्षेट-धः अ'ओब'व्या दे 'दुर-ब'अट-दॅब्'मु: मुद्द-यर.भ.पुरा.य.ता.व. हे हैं.ज.वेबार.कुट.लुब.यर श्रुश.वे.के.च.त् शह्य.यर. पर्ने पाया वर्षेश्य दे खान पराया दे साम महित्य कर मी सी बाव नावन दे द्वाः त्यः प्यः सुः द्वाः सुः द्वाः सुः द्वाः सुः द्वाः प्यः द्वाः द्वः द्वाः तपुरियाशास्त्रात्तात्वीर हा। इ.क्षेर चर्त्रातर वे.वषु होर हें र हे मुन् মপু.मु.म्बन कुम्.मु.म.हाँम.भू। भुग.मु.म्बन् मह्ट.म.म.लट.बुकामु.म. ૄૡૢ૽ૹૺૡૺ**૾ૡ૽૽**૱ઌૣૣૣૣૣૣૢૢૢૢઌ૱ઌૡૣૢ૱ઌઌૢ૱ઌૢ૽૱ઌૡૹૢ૽ૺઌૢૹૡૹ૾ૢૺ૱ૡૺઌૡૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺઌૺૹઌઌૹ૽ૢૺૺૺૺૺઌૺૹઌઌઌ૽ૺ र्स् मी ने राम के प्रेस माहे र प्रेस है। अद्दर खुम मा प्रेस है र र र मेना स म हेर में हैर रा । मलक में में भर लेख में न हे से न से म लेक न न है है से ये.चंबर में लट भ्र.चंबर रहे.ह्ब.मी.वे.चंब.में हु.देनबा.बे.चे.चंबर बे.चेर.च.ल्र्र स.ल्र्र. रिटर मी क्षा पान में हार हे र उब लेख ये घाण ही स ये इंश सी रेत्रों में म.त् पु.रर.ची.क्श.टे. जुश.त.विवरण चर्ड्स.त.सर.त.वरे.ह्रा हेश सु दर्जन व में वे लेश मु न व संन्या है दे वे व व द प्रें के व के हों। हिश व हेस सु न्व्ना मार्च दे चर्ना केन्द्र कुर पर्ये के साम लेस नु नदे केंस ने त्या मर्चे स.त.भ्रेर.तर. बुका ची.पप्र. हुर्ग. हु। रद. क्रूश. र ट. मी. खेल. बुका ची. प विष्टामें स्थान मालक सार्के वाया सारुक्त न्यानुक मालिक स्थान स्थान स्थान र्झस्यायाध्येद्द्री हिं कुन्हे दनास वे रद्दानी हिं दे दनास ही। दहेवा

· चः सेन् प्रविष्युर विश्व मु व व व कें विश्व च व व न् रिन् प्रविष्य व से विश्व व व कें विश्व के किया है के कि ्रवेच मा मुन्दामा मोन व्राप्त व्यवसाय में मूर्यामा हेन सम प्रेमा स य ह्व विश्व य म्ह्रमा च प्यस है। कु मालक व्यन् क व्याप्त के नि हे दःस्य हिर र लेब मुनवर देव हो। दे से त्युव म लेब मुनवर रेवट से में प्रमुव पर्वे । देवे द्यास म प्येष हिट ह्ये प्यट म प्रमु होस है दे हैं दे दे व्यक्ष विते वर्ग हैर की रेमक के मुन सक्ष प्रेन हैं कि मर्ग हैर रे जिस म्युन यात्र प्रेक् के लिक मुन्दि देन हैं। नाम हे प्रमुद्द पर के प्रेक्ट में दे हैं । कि मुन्ने महिनास प्रदायि वस है देने के सिनास के विदेश के विद्या दिना है सर विश्व म्यान्य त्वाद विवायश्यकु द्वाद विवा स्रीत या से विवा हीर "" र्यः मुं मुं य य होन् य दे खर ख्राय की निर्भे र्यी य जा सुनाय तह प्रवेश वे निर लेब पार नार हिन स्मार मु रनार हिन गुर खें ना गुर खें र दे से पर है से र व हुरे के खर महमासादमारू**द**ाय हेद मासामार्जिन सम्मान के प्राप्त के प्राप ह्येम्प्रवर्षे विष्युवाय प्रेम्प्रे विक्रिक्ष विष्यु केन्द्र द्वार्थ प्रेम्प्य व्ययुवासमा वस्तुमा ति। ते के वर मुरायदी मु हैन तर में के स्थानहर परे छैर है। तहें क्र द्वराव त्यार खून क्र्ना मालका हीर में दम रचीर ना के ही केर लेक स्मानेसायर मुप्त साधिकार्ते लेखानायते दिवार्गा वि वि के कु दस रुपर्देर वासायकारी के के के के के के कि मान ही के दियें के देश में के के कि मान के निकार म र्श्चिश ने विविधित के देश के देश मुक्त मा कि त्रीत त्र मान प्राप्त मान न लेश नेश यर विर लेश व विर व केना व रि.मे हर व हैं नह य य कर्म दे.जम.क्र्यंवाम न व.रेर.च.भु.च.क्रे.डे.लट.क्रे.टे.उट.उच्च.वेडू.टे.इं.च्र्र.ल्रे.च.. क्षेत्र त्या द्वे दे देनास हेद : दे व्यार रे ॥ दस य नावत से होद यदे बुरार् लेशानु माने केंग्रामाने केना यार ना त्य सामाना केंग्रामाना ५५ यात्रारमा अस स है भू ५ दूरमा निष्य स्ति स्वास में ते हमास है दे हमास है द नम्भयायाध्येदाने। इमायानाध्यायादीर्थित् यामाध्येदादी। देख्रादे त्नु र सॅर्णे क्वा स नाट में प्रदेश केट ता हीं लेख हैं ता स स्वाय स क्वाय नार मौक्ष है। अक्ष ग्री मार्के व मार्क व का क्षेत्र का सक्ष है का क्षा मार्क व व व व व व व व वार्मे निश्चर पर वर्षे प्रतिविश्व क्षा के निशा दे के रामसामाल राम लेखा मुंच है र सवुदायदे दुनिकाता च्चित्रम्या प्रमुवायर दिनुका है। श्रेमशः र्ह्या ने मुवः मशः नावनः दुः विशः वः वः वः सत्तुनः यदेः स्र्वेनशः स्रशः नावनः पार्श मुनिस लेस नु पदे घ हैंना में दि पस महिस सु पर्मे प मुवाय धेर् विटाहेसासु दर्मो वादे अस वद्वाया आटाहेस सु दर्मेना या के रही। पर्मा के पर भर दे अर दे अर दे से के प्राप्त के चैद्रकेट खुँव्या मुः ऋँ सायद्या य दैं द्ये ये खूँवस मुक्त प्यो र दूँ लेस वस्त पर प्रमुर हो। हे दे हर द लेख नु व ता खें ग्रायस प्रमा वर हिन्हीं। বর্দ স্বামেনীর বর্বা অ'রু ইর্মারু'**র্বানা নম**'ন র্ব্ নাম দ্রান্ত ८२. ध्रे. इंश. श्रे. ८ मूँ. य. यरमा ल. इंश. श्रे. २ यम् य. दे. लक्ष. मुवः य. माटः क्षेत्रः य. दे. के. ्मर्वा म र्चि हे स सु र्यम य मह फेर्ड पारे वस सूर मुव म फेर्ड हो। हे हिर ब हेश सु द्वा प मुव यदे दुस दुस वद्वा म हिं हेश सु द्वा प मुव प प्यंत

ीर. चुना महीय तर ये.व.चीवर जाला बुरा ये.व.व. अधिर पप्रे हुन्या पर्। ने देन के ते ता अदा हो ने के ୖୣୡ୵୴ୖଌୡ୵୷ୢଽୖୠ୕ୣ୶୶୵୷୴୷୷<u>ୖୄୠ୕</u>ୢୡ୵୴ୖଌୡ୵୷ୢ୷ୖୠ**୕୶୶**୷ୣୣ୕ୣ୕୷ୣ୷୷୷୷ୡ୵ୢୡୗ୲<u>ୢୖ</u>ଽ୶୵ୡୢ୲ त्रम् नावस्याप्तरे सुराहनामा हिन्दु वहूर्यामार भेरायाहे वे द्यो नावरावस्य यर नु न हेर वेद पदि सादे मुन य सेर य रेट र स्ट्रिंग य स्ट्रिंग मःलुबं बं न्यायः हे हेर लेसानु या बै समुबं या दे मुँ ज्याया य दे । प्रेर प्राट लेखा ्च पारे परे परे के प्राप्त कर हो हो दे । या कर हो सम्बद्ध पर के सम्बद्ध पर के प्राप्त क देते कें वर्षे माना विद्या कर है त्यस विश्व मु माने नाम विनाय का सेनास मा ୍ଞ୍ରି ଦ୍ୟର୍ଷ ଓ ୬୯.୯.୯୯୯ ଅଟି । ଅଟି ଅଟି । ଅଟି ଅଟି । ्यः नाउना निष्मा केर नायवः वर विष्युर च लेखा च । च के क्विं खार केर विषयः चिरायः বহ-ব্রির্মান্সর-বিশ্বেম বার-বার্মানহ-ব্রির শীর-র্রি। স্ব-শ্লের-পুন भे त्वुराक्षत्वाहरायाप्यदाप्यक्षातालेखान्याकेषाञ्चरातुर्वे। रेख्रराक्षराक्षेत्र कुर चारायान्य केषा व पर है । या हो क्रें**स** नीस के 'होना' न होस' न पाया **स्वांस** पर्या हुंस. मुख्यावरेष हुन् न् वचुरार्से। धुयावेष्ठेष्ट्राम्बयावाणेब। ं कृद्र द्वें लेख मु: वदे ना कुट प्दरेख के नाल कर मी प्येक क्वा प्दरेश के नद्वा केद नासवा य हेर दें लेश चे. य. य. स्वीश त है मीय तपुर सहय हैं। तपुर सहय हैं। दें भीर दे 'नद्ना केद 'न्याय नदे 'नद्ना केद 'प्याद 'स्याद 'स्याद स्याद स्य वर डेर्प लेख चु पर रेर् हीं। ब्रिंगल र ब्रिंगल र व्रिंग् वर् दि दे दे पर वर्ण होंगल र ब्रिंगल र व्रिंग वर्ण होंगल र व्रिंग होंगल होंगल होंगल है। व्रिंग होंगल होंगल होंगल होंगल होंगल होंगल होंगल है। हा हा हा हा हा हा हा है। हा हा होंगल

सदे कुरामाश्रभावर हिरास अप्रकासदे वर्षा हेरा ख्रा खेरा के आरा **बुंश त**र्मुहाः चम् मुं हा स नासक चर होर च र हेर हो र दें स्थर नासक चर होर च स स्थर सदै वर्गाकेरका केर जैस सि है है है वर मुर य र्राक्र वर्ग से पर रे हैं माराया पर हिन्दार व मुर रें लेखा है। यह रेंब हैं। माराया पर पर माराया पर ୖୄଽୣୄ୕୷×୲୷୳୷୰ୢଽ୰୰୳<mark>ୗ୶</mark>୶୷ୖଌ୕୵୷ୗ୶୷ୢୖୢୢୢୗ୵ୄୖଌ୵୷୵ୢୖ୴୶ୢୖ୳୶୷ୖ ୳ୢଌୄ୷ नास्रयाचते दे वे दे दे दे दे दे व वे नास्रयाचे द के सहर धर री। नास्रया पदे दे ्रम् सालाब नार मिद्रानर कु नासक नेप विदायर कुर था। ह लेश न प कु नासक · लेश नु पर देश प से द लेश नु प ते दे व प दे सर्वेद दें लेश नु प दे ' हे नु दे देश' ्यर देखान हो हे अद्देशमा मेर्ने स्थान है से मार्थित से मार्थित से मिर्ट मार िपशाने ह्ये अहूरायालश्चा शहरायर हिशासर तिश्चरायात्रहें। हिये प्रशालेशः मिन दे हुं कुंद्रा हुंद्र ने इ. जेंद्र ने किंद्र मी स्था निकास नविष में बुंद्र मी - तते देव दें। - देव अर्थेट नहीं तुंब के देव कि का शासि केंद्र नहीं तुंब के दें कि - वर्षाम्हर्मा स्थापन । स्यापन । स्थापन । स्यापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्था यर द्वामहिंदा वर मुक्ष पाम भीत हैं, बेस् प्राप्त र देवीं सार्शी ं वि.स कु.स्कें.संबूद संस्टारिया मध्य मार्थेय प्रत्या प्रतिमाद्य मी. पुरा रही... संसूर् निर्ता अप रहार मी माने माने माने माने निर्माण न ये.च.बु। श्रुंच.रेत्वं ह्येचांशके योदःत्रं बिध्यंमीश श्रुंब चर्र चीच त.प.प चश्चेव. समुद्राम् वेशानुः व व स्वायायम् व नद्राद्रा व द्रीतायम् स्वर व स्वर नेम

· র্মর্'ট্র'র্ম্বর্মা থাবছর ধন দ্র'বর শ্রীর অব 'ট্র'বর 'বর্লার অধী ভারা ভারার দ্রা केंद्र मान्नस्य मान्नेद खेरारी विसान्य मानेद स्वर मान्स मानेद पर खेरारी! ्रम्यास्य रच नारेषा सद्दं पर प्रमेश्वर प्रदे नुस्र हे सूर रेषा संध्येत हो। लेख नु - सन्दे नुसाहे श्रेदानु त्यायाम्य नाव्यायस्य प्रदेशायते नुसाने श्रेदाने स्त्रान् हेनाः ्रमः लेखानु त्र ते दे दे हो। 5 स. दे श्री द है न स. ये व दे लेखानु त्र श्री होंगे। - केन ग्री नुष्य ग्री सम्मन व्यनिष्य ने स्मन किया मित्री । सन् केन सानु साने निष् ्यते नुस्र की सवत कर है। प्रदेश हु हैवा सार वादाय स्पर्देश है। सारे स्नि केषानुत्री अना यनुरायान्हेना द्रायान्हेना रहा अना यहां अना हेना हेना ने सानु पार स्र र्सर सुर हो। तुसरे रस मिस विस्तु पार से सेना पहिसादा हैना मी दूसर दूर ्रमा प्रमुद्धारा नारेमा नी पुर्वा गुर्वा स्था। हेस भूर पुर पुर व अद लेस **स**म . महिमा दस या भरारी। भी में मुता सहै नुस्व व महस्र साम्पद या सामिने हैं ेषुक् च च के सिर् हेना म नहिना नीस नस्सायते कराया ये ते सिं के सिर हेना मा ्रु अते पर्वा केर्का के स्थाने या वास के र्वा अपने स्थाने वि ्रभे मो नाडेना ने दूस कर से नाक्स सदे हूँ नाडेना ने भे मो नाडेना दिहें यर से - न्यू में जिल्ला व नर निर्मास मा नियु नर ने वर्द में गूँ गूँ जु जन ्यास्त्री ह्र वेश्वदः हेमा सद्ध्य रेस मी सः ही पर मी इंग्ये प्राप्त में सर्मे से संही प्याप्ती सुब प्यानी निवा रे जिया तर होरामा कर ही दर मा होरामा है रका रे रहा करें

यस देट रॉ. व. श्रॅन्था धर्दे थी नी वहें र खेरे व श्रू र र् प्रमुट रॉ. ले क देवै. सुर-भु-वृष्ट्र-क अधका स्ट-ज लट खुंक च न ज स्त्र्या का मां हु ह्या दे.रेथ.रट.रूब.राष्ट्र. त्र्र.पंचीर.व.रपुंच. क्र्यां क्रि.पर.पंचीर.बुट.क्रीश.क्र य केर व्यर् य के स व्यव है। रह रेमा थ केर मिस से विर प्रते हैर रें। वश्रुर य वे वर्त में हैं। रह रेन पार में विश्व र व दे के बार के ले हैं हैं ता श्रेश चते. में. रं.रेता. शशारा रेश भ्येत्रात वर हेरं. में. में सारा ह्रेतात. ্বচুৰ,নেম, টুই,বে,ব বীল,বম,বেনীম ব,ই,বধ,ৰ,ধধ,বম, প্ৰধ,ব,নাৰিধ,মী,ৡ৸প্ল. ध्येद दें ले दा देवे कुर हें मायाद्रा वहसायाद्रा हें नाया सेदाया लेशा नाया र्शेन या र्ह्झेश है। क्षुवे का व्याप्त मेना मा च वर मी हिना पा से दे पावे में दूरा। दे ता रेम्बेश रा वर्ष में प्रीर में में रेवा हवा वर पहेंच दा मेर हैं विषा अपन रेव र्ने परे पर दे रूट रेन पं सेर पर में सप में सप माल द मी स अस्य हा कः नाडुना ल . बुश . चे.च . ल . शूर्यांश . ता. शुंश . हे। हिंश . चे थ वै नाट अश्वालव कुळ नावव कुर्नेन म र्थेर्थ सम्भेव है। हे हैर्स स्नर्देन मस्यम् स्याप्ते प्रहेष् पर ने ने प्रति स्त्र में प्रति स्त्र में स्त्र स नहेनायाभेन न्यो। देशायनानु हे सुँदानदे ह्यों लेसानु न के से साहत नदे भे न् रे करे वहें न पर नुर पर हैं के अबस स स हैं निय में व. में स. च. पुंस.च. नावव मुक्त असम खु खूट चर नीच चर प्रमीय वर खु प्र. लीच प्र.



- इंद्र स ्स विमीय में तिमीय निवास में दूर्व है या

दे हैं नमुन्यर पुरवि छैर देर बूद वरि के लेक वु व बूबर है। मोद्दे कर्दिक वर्षिक दुना वद्या में भेद पर दूर पर्दे ॥ नाम दे ह्वा देश दुन ङक्ष्माः कर द्वार प्रते सुर दे त्यक्ष शः ५५ म के १ यदे खे मे दे रहे सके १ यर दि सुर ર્ર ખે.ત્રો.મુજા શ્રુ.પર્ને .હુંશ.વે.વ.કું.મુજા.જું.ત્ર.જૂંદ.ન.કુંન.ળુંશ.લુંદ ન. रट.रेश.भर्षटश.त.२४.३८ त्र्य.त्र.त्रु. हुर रू.। चाल.८.रेश.पुर. व्रेप.रे मुरुपारहिंद्र रहेर मुब्द मुंजुर मुंद्रिय संदे दे हें रेट से दिर शुट हु र्मा शर्दर । वर प्रमुक्त के निक्त के निक्त के निक्त महिता महिता विका मु न वा की ना का य'म'क'र् अति'रेम'में मुर्द्र द्वा यस 'सेव'वे लेख' उ'न'वे क'र् अदि माट""" षेत्र'य'रे'हैर'कुत'षेत'ते । विचे पर'दे'पर'दे'प्रेमिये'क हू'स'रद' कुराल्र्यान्य रे रें अं वार्चे क्रियान होर सामाल्य की व्यव मिना प्राप्त मिले का मिर्देश पः मुवः पः त्वः वर्ष्ट्रेश दशः मुवः पः प्यं दः दे दः दः ह्वः हेना ह्येदः परः हेदः पः ... लेक के लेका रेदे छैर भ्रेर क्या लेक न न के बाब म भ्रेक है। ले में इ.भ.रट ल्र्नत्व रेशन्यत्ये वेशन्य हे श्रीर तर भ्राप्तिर हे एक स्त्रीय की लब् त्रमामी नुस्र के का स्थान स्थान के निष्ये प्रत्ये खेर स्पर्य के निस्त्र स्थान मैस.व.मैं भ.एव.रहे. द्रेर.रू॥ ल.मोट्र.क.म.घ.भड्.वर.चर.चवस.व.ब्रा. मु च है हैं न स सु पर पर पर है हैं। थे मोदे क म मदे पर न पह सर पर है

भेदार्वे लेखानु वादी भेगोदी काशासदी वारानु नादसाय नादा त्या भेदा वादी ता ୍ୟୁ ଓଷ୍ଟ ପ୍ରମି ୍ରଷ୍ଟ ଅଷ୍ଟ୍ରୟମ୍ବ : ଅ'ବ୍ୟ ସ୍ଥିୟ ଓଡ଼ି ସଂଶ୍ରି ଅ'ବ୍ୟ ଗ୍ରି त्र्व के त्राच के विकासी मान के विकास के वितास के विकास क नक्ष्यामाने क्षेत्र दे क्षेत्र ्रमोल च दे.लू.मोद्र.क.व.भ...देश.व.च.स.स्र.त.लूद.स्। नादश.च.भटे.दुस. वु च दर्दे दिस्मायर द ने भाषा दे निदस व पर्द । या स प्रेदा द दे ह व व व स स्ट्रिंगा ्य भेव हो। र्वेश संबद्ध संस्थान कर्त में शिकार दर भी दिसारी प्रकासे कर् ्रे सिर दुस् वः वद् रति या नार्याया खेराय है रात्रे हैं से दुस् वार्याया से र यह वह र य नार भेर य दे दु स सर्द्ध स य उर्र मी ख्राय दर ख्राय उर्र मी दिस में निस ् वोद'च'ऒॅर'द'इस चर' मेश'च'वाइस'चर'दह्नाचर'दुस'चरे कु हेर्'सुस'हेर्' लुबान चार. भूबान. इंद्र लीम जनायाताय. पृश चार्. चोबस चाला जनाम मुराना लुबर्श कुर्रा प्रवस्तु भार नुसाय द्रायर न्यू सामारे खेर हैं। _ଽୄୄୄ୵୷ୣ୷ଽ୷୶୶୷୷ୢ୷ୢଢ଼**୶ୢୠ**୳୷୷ୄୢ୕ୢ୷ୄଢ଼୶ୢୠ୷୷ୣ୷୷ୣୠ୷୷ୢୠ୕୷ बु.स.र्या.स्था.श्रा ४८ मी.जुब्र.तश.कुर्त.त.स्.रे.शश उहुदे.तर,उचीर. र्दे 'बेश-वानक' वे पर्दे भूत-तु हैका वैक-तु हुट बदे 'थे 'वे दे 'क रे हे 'या देहिन यर ' ୍ର ପ୍ରିଟ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଟ୍ ବିଦ୍ୟାକ୍ଷ ଓ ଅନ୍ତି ପ୍ରଥିବା ସଂହ୍ୟୁଟ୍ୟ ସଂହ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ्र क्षेत्र देश वालक वालक प्राय है प्राय क्षेत्र के क्षेत्र क्षेत्र के क निर्देशयर भे'त्यु र र्रे 'देश'तु व दे 'तसय'व भेद र्डे क्रम'तु 'सेसस यर 'द्युर'" र् लिखानम् १ यर त्युर र्। माया हे त्ये मोरे का विद्या विदे में मुहासे नकर

व्य भाषाः स्त्रां नाल्य मी नार १३ मशासा से सेंट या प्येय ले था **ଧ:**ଞ୍ଜି:ସະ:ନ୍ମ୍ୟୁ:ଜ୍ୟା हुनु ख़ुर प्य मोद्र प्यय प्यमा हुश नु पाय र्सम्बर पा र्झुश हो असस खु र्सूट यदेश म् र्रेट में यार्शन्थायर वर्षीर ह्रा किस मि.व.पा। पर् क्षेत्र ने निट નું.જુ.તું.નુંત્રુ.જ.સ.ખ.ત<u>દૂર,તતું.એ</u>મથ.શે.જુ<u>ન્.ન.</u>નું.વય.યે.નું.એમથ શે.જી્ન... यत्र तीयाश्वाताश्वात्र क्या द्राप्त प्रमायविष दे अभावाश श्री श्री र प्रमाय विष दे । मोत्रे महिमा हु ५ हैं ते पर हो र पत्रे ५ त मार प्येत पर महूच पर हो र दें वेता रः १९८ रमः निवर मी १३मश श श स्ट यः मः लेव यदे रदः বহাপ্র, নর্।। मले**दः लेसः मुः**मःर्दः ने २ हैंदः यरः मुन्दः येदः याम् लदः रहः रेना यः ने ये के स्वरः । भ्रात्येशम्बर् सुरार्स्। दे प्रशंकारे खेता खें खाल का क्षार्थ के स्वर् ૹ૾ૢૺૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૿ૺ[૽]ઌ૽ૺ૾ૺઽ૾ઽૻ૽ૼૡ૿ૺૼૺઽૢૺૺૼ૱ઌ૽૽ૹૢ૽ૺૢૼ૽ઌ૱ૹ૿૽૽ૢૡૹ૽૽ઌ૽૱ઌ૽ૺ૱૽ૼ૽ૡૺૹ૽૽૽ૢ૽૽ઌ૱૽૽૽ૻ लामोद्राक्षात्रावहाँद्राचर नेदाय लेख वाय दे लहा लेखा वा द<u>र्</u>गोदशःश् ॥ म.ब्रे.मू.मोद्रे.क.स.स.क्रस न्वेब ने.क्ट.न.यहूब्.चर.चेर.नज्रा क्र.मोद्र.स्वयः दर, इंट स् . में . दे भे . दे में . च . व . व . च . च . म . म . इंट . स . में मू ह . स . में मू ह . म म . में मू ह . र् 'वेस'रे'हर'द्र पर'से'यमु रे रे 'वेस मु परे रे के रे । रे हर क वेस नु'न'म'र्स्स्मुस'यस ने हे दे स्र्रं पर हे देशी भी मोदे क दह्य पर ने स्राय र्ना मोश हर्न त लेश निय ता। यो मोदे क वहूर य हे इट नदे के रा लुर.च.ट्र.च ट्रह्र्र.चट्र.चेश ग.रच.मोश स्। ट्रेचेवर.च.लर.भव्दरश. त क्रुब . खंस . चे. च . क. स्मार यह ह्यू हुंस . चे. च . हे. में खेर का क्षाट मार्थेट म यं पे द लिया। यो मी हिमा उर विंदा या प्रेदालेखा नुष्या को रायस या मान के या हिन गुं केर र्।। केंद्र हेश वु न के प्यानादे केंद्र र्या। प्यानी बुद्र महिस्द्रन के नहेंद्र

क्रि.त. भूट. तर विवितातर विवीर खेश वि. पं वे. भू. मी. त्य. पीवेश रहा। परे तिर्वेत्वत्तर पर्वेर है। दे त्यालट ख़ें वहना त्यास्त्रीं वशाय हैर है ख़ैर हैं लेस'मु'नर नर्गें-स'स्। ननट'चें यस'र्केंन्'सर्चेंट'ई लट लेस'मु'न'देनट'चें दे म्रसः वे. दं नतं देश तर तेश मा हेर नत्र नर हे हेर के खेर द नद देश पर तेश न'यश लेश नु'नश प्रत्र 'धर 'नेर्'। र्नर च वश से के दिर लेश नु'न के क्स पर केंद्र य द्वा का केंद्र या सेद पर दिवास यादवट ये के केश वा वस सा भैत्र लेखानु प्रते दे दे । वरे के प्येर विषय व केर प्येत प्रते हैं केर केर प्रते हैं केर केर प्रते हैं केर केर श क्रूट नदे 'नेश न रसश के 'बेश ने न हे नेश न रहेर मर नेर न हेर न रहेर न तर्र नेस.त. देशस.ग्रीश.स्। ट्रे.र्चा.ग्रीट. नेश.च.चिंश्रेशस.शे.श्रेट. च. हे 'ल' मा ब्रमाश रूप रे दिए है 'लश र्रेड पते हैं 'रे रे लश १ मार्थ ही हीं दिन है जी है यादे अप्रवाद्भावन्तु र वाष्ट्रेष के विकाद देंद्र यह नुदेश देश दाना अपे के कार्य क्र्रायायार्क्र यासेन यमावित्र यमान्तरार्वे वे क्रि.वित्तरार्वे वे स्त्रीमाना ष्ठमभ उद् त्रिम् भ तर प्रमा नर द्रमुर री। पुर ग्री मध्द में द्रा पदे छैर र्रे वेश व न ने नुस गु सबर से उद नि हैर र्रे। र्थ गु.भवत.बु.भर. चेनाम प्येन है। नाद ना अन्य स्त्राप्त स्वर स्त्राप्त स्वर हिना स्त्री स्वर हिना डेस.च-वर.त.लेश.स्। रट ८ हुर्य.त.क्य.मु.चर.रे. क्र्र.च.लेय.च. लेय.च.च. के प्यामी रे का गरेना व्या वहेंका प्रवे क्वि वे के का स्वा प्रवे क्वि वह के प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे क्वें हुं न नेश थे मेदे क नहेश य दहिंद यर हुंद यदे क्वें केंद्र यर हुंद य

दे यहीय नु प्ये मेदे क हों र्स स दे देन य केंद्र य प्येत हों। ये मे ्रम्भसः केर्-याञ्चस्य यादा अदा लेसा नुःयादे । औ मोदी का ममसा स्री। मर तिसिमान ने नदार् हे हिं इससार कि इस दे हैं है हो हो न दे निमा हे निवह है है. म् विष्यायर दर्देर ४ लेश सु पर देश में मां । रेश मीश भी मां मार में दमा वायर दरायरश सर वहेंद्र यर विकानु या व हे हुर विकास विकास वहेंद्र या यर न्दः नक्यः सः ने 'स्ट्रेन् स्थाः तीदायः स्वायः स्यो क्रियाः दर्गेन् स्व क्रमी स्थाना सारासः द्वातात्रहेंद्रायाप्यदावर द्वातकसायाप्येव है। ब्रायावहेंद्रायर होद् यते ब्रिस मर-दु-निर्दि-च-१द-गु क्षेर-र्सा . दे-वस-द-दिन-च-पर-दिन्च स्त्रास्-श्रस्त ब्रुमसाक्ष हिंद नदे हिंस भे नेदे दहिंद परे हिं केंद्र स भेद द स्मिन परे हिंद्र तारचर बुचा के भारत हो। जूर क्रीट निविधाल हा 'शानाक लट हा। ्रस्त्रामानवे स्मरादे दे दि दे त्या स्त्रामान ्चीवर मुक्त देश चर कुरे क दे तार कुरा निकास किया तम्रोतायाके दे १५१५ महासुर स्ट्रांच वर्षे स्था लेखा सुर वर्षे । महास्था सर्गास सदै हिं अर मर नु हर् र म हैराये र मर सद्धर म म भेर है। विश्व म मिल्र मुक्तिमासासास्य वर्षे प्रदेशसासा असी प्रहेश रायहेश पुरिस समाने प्रीमी ्रमाञ्चारम्पद्रसार्श्वामार्हर् पर में तेर नाम विकारी हो। । हे अपीर मीरामा हेर के प्राप्त ्रे**द**्री सन्य केर क्षेत्रचन र्हेर हो। वित हैस क्षेत्रा मार्न सामहेन पने स्टार्खना ्रवर्षे देशके देशके सम्बन्धियार के लेखान देश में ते प्रतास सबस ।

उद्दार्खनायते देव उव के निर्मु से प्रमुद्धा यादे खुर व द्वार ये दे विश्व यादना रहें ... य.भुटे.सर.रिधितास.भुटे.सर.पिश.सेंट चर.भु.वेस्। टु केर.व.मैंब.क्टे.त भुटे. तर बैट वर प्रक्रिया । प्रक्रिया लाला लुब तारी प्रकार सेश पर्वा राम होना या भेदाराम् मान्ना निर्देश के विकासी स्था निर्देश हो। अदा हिना सादे ना सादे न કુરાવર, જુરાવા હું હું લાવાના તારા જુરાવાના જુરાવાના જુરાવા જુરાવા છું હું છું છે. **ฯล่ง.กะ.นิ.ปชูะ.ปะเบู.ชื่ะ.ปีสาย.ชพ.ป.ชพ.ป.ชพ.นิ.ช.นิ.ป.ช.ชูปห.ก.** श्चिमाने। नवराव् ते तिविशायात्मसामालकालेकान्याची नवराव् वेद्यातास्त्रेनः यात्राह्ये वरानुरायार्षेर्यायात्राधीरानु॥ विवागुरार्द्र्यात्राह्यरायाः वर्षाम्यवा नते. वेस च.कुच.कर श्री चर.वर्चिर रू ॥ रे हेर कुर कुर चरार ह प्रतिमास कु बुश्च न ता स्वाह तर वर ने दें। देने हिर वर महेंद न मेर वस बुंश मु न ता शर्रा चा वे न न म म मिया म स स हुं स म सन्या से दे त मिर् में निया स्रु-मद्र-मद्र-म्य पर-प्रेश-प-रेद्र-मिर-पर-अर्ध्य य स्रु-तश्र र्र्स-स्र-पर-प्रमिता या भाष्पेदामी विदामा हैना हर दिंदा सेदायर ह्वारा मा हदा हो या सेदाय है। रे.हेर.चर्रेर तर. हेर.तष. १८ ह.हेर. ७४. च.च प. श्वीश.तश.वश्व. र. .. भ्रद्राहेन्। सः रे:रे:त्यःनालकः हेदः धेवः यदे क्षेत्रः नालकः द्राहः मुरे कर्यो वावन क्री कर या अर दे अने या नविन पर नविन अर अर क्रिं वेश या न बै. विर. तर मी: रहें. तर् ।। रे. के. विर. मीर. तर्रे हें अहें र. व. लें. वे. हो त नार भेर या दे हित्र दे ते साम दे दे वे दे दे पारे पलेर दे दे माडेमा नुः हूट या इटाइव : सं त्राहेश द्वारा वे त्वारा वे त्वारा के त्वारा वे त्वेशाय हो।

र्देशमहिनानुः सूटायासे हो ता सेनायर सूटायर्दे । देख्रा दाने ता हेना उरा चाश्रया वर् देश व ना बहुना हैंदा व लाव की हैं हो व लाव है सा लेद हैं। मिट मेश र र्वेश पर्ट रट मी मेश पश पश्ची पश रा क्षेत्र व प्यट लेश मु प वे वेश.य.पहर्ष.यह.चेश.वश श्रुवश.व.लंब.व.लंट.ह्या.व.टंट.वेल.व.च.४८.श्रु.... यर बुर्यायामा विकायामा हिका खुर्याय देवा पर हिंगा प्रेम तर प्रेश तथ वेश त न रे र्वे नविश्वर नविश्वर नविश्वर नविश्वर यानाट भेताचा दे त्या दिवाया के वाचित्र स्वेत्राच देवे हे बाह्य दुर्धे दुर्धे दे । देवे **ୖଽ୕୶**ଂସ୕୕୕୕ୗୄ୵ୄୖୢୠ୶୕୕ୖ୷ୖୄଌ୕୵ୢ୕**୷ୖ**ଌ୕୵୕ୠ୕ୡ୕୕୕୕୷୷ୖୠ୕୶୕୕୷ୖ୵ୄୖ୕ଢ଼୶୕ୠୣ୵ୖୢୠ୕ୣ୵୕୴୕ୣୡ୕୶୕୳ଽ୕ हु गुर्भ राष्ट्र 'पुर्भ रा **पश्चिम राष्ट्र ॥ हे** ३**४४ श**.शे.शेंट व खेश ने न रहे हु देश . यर नम्दर य है। पहेंद्र यह दस य नमूद नह देंद हिंद न लेस नु न प्येद है। पहेंद्र'यदे क्रम'य लेस मु:म:दे खुर रच रु मान्य च हे दे । रे र्ना हे यस हर्र य से द यदे दस्म य माद धिद य दे र द्वाद यर मुर य दे न में द्रर व कुर मी वहना य उद मी द्वर ये दे दे वह या मान कुर से दक्द यर दें दर 「ママンガ 内· 内· ロ· ママ・コ・ラ・ルマ・おんず、 いまっち である で あって ず・あち・ सर्वे । रुमाना स्पर्धिक त्या मेना सं यो यर प्येत या देश मुन्ति । रहस र्वे दे मुंबस हैस लुन्स यदे डर्म हैर रेस छ न नदे रेस है। रेस हैर है है भर'र्'न् नित्रपते सद्धेन के हे से चु पा वा स्वाह्य प्रशासिक के तार हिन हो। नार लिना है सुर दूर देवे ले**ग** मु न ले दुस य नाट न्ट न ट ने देवे र नवे की स सर्वे । रे के रे इर कर माणे र के लिया मु यर रेम्बर हे लेख मु न के मोरे या उद मेर

य. वर . खेंब. चे. चर . दं त्रांट श. श्री। चीय. दे. दे. चीर प्रश. चे. व. चेश. पर . देवट. मुक. पुरु पुरु **दक्ष.तर**. प्रथम.तप्र .हीर. <u>र</u>ू .खेब.ये. प. श्रुंश .स् ॥ चेश पार्च अ कंद्र साम प्येष के लेश पहन परि हैर हैं।। दे हर व मेश पर विशान देशाचरार विवा ता लेखान ताल ख्यां शाता श्रेंशा हो। हे हे हे त्या कर् महानिहर्ने तामेर्य लेस नियम है। वेहार हैं वेहा नियमित है है तामेर वह क्दामम निर्दे पाम निर्दे पाम महिंद कु'भट देश नु'न'ता स्वां भाषा ता देव द्राद्र होंद न द्रमा धर हेंद्र पाद्र वा मा सर्वेद व भर हा। रशुर्यायमाल्यानु य यारे लिना द्वासर्वे पारे सामद्वा केर हिंद न'म'र्भ दे निमान न देश लेश नु व दे दूम पर केंद्र ध सर्वेद वर्ता देवे केंद्र देवे व
 कर.ध्र.भ.भह्ट.च.लट.क्.भ.भ.१)
 कुवा.कर.ध्र.भेट.भ.भे.भे.वप.सी.
 दे 'अदारस्र्रि'यात्रश्चम य म्लक्ष्यम्म्या यते स्रिरास्त्रा दे प्रदेशकृत्ते लेखा म प्येत है। में भ्रवस से दर्द किया नु प्वति दें हैं। दे के सर्दे हैं। र्दःसर्द्वःयःससःविश्वदशःस्। हैं हिरःदिदेःसःस्वेदःयःदे हिरःद्वदः व दे स्वार पर्ना भाषा विश्व नु पा के के हुर क्षा धर हिंगा या नहि स ही ही प दे हुर " न्वर वे वे वेश य रेनास सबुद य न्ना गुर ही व से र वे लेस नु वरे रेंदर है। ह्रें सप् हुं श शि. पंचेट प. ट्र. पुंका सामक्रेग मिटा मिलरे मीश के हेर रे स्वायास पर क्षिट न उन के दे दिन अदिन श्रम हे द दिन का साम के दे कि से कि के कि कि के कि क

म्बाश अधिकेतपुर्धिभारार पुराता कुबा वरः भु पर्वेट बुर बुर वी. व हिंसा है। माया दे तिया ना द्वा का देशा तर तेशा वा द्वाशा स्वरी देशा ना ने हर की राज्य ने विश्व हिंदी हैं। ร.ต.ชพ.ก.ฟพพ.น.อง.พะง.พีชง.วิ.ชพิร. อูะ.ฐพ. ปู้ "ลี้ร.อร.ชิป.กษ. यनमान्नेन् उत्रुच्यु र दाने प्यार प्येन् यास प्येन वी। साल्य में हेर्मा यासेन य'दर'द्रश्च'यर'हॅन्'यदे'.वेश'य'यद्न'केन्'उर'ह्ने'वर'ह्ने'दर्दे हैं पर देंग पर किया पर किया भड़ हैन हर पहुना पर मा के हैं लेखा मुन्दा है। हैंना या सेन प्रते प्रेक या नदा हात हैना हिकानु मार्निदा दक्ष न्युदा हैं।। नी किर नार में है। दि 'मेश मदी इस धर हैंना परा दे हैर परे प्येव वे 'बेस' नासमःनरःब्रुदःनःढदःशुःन्दिसःस्रःनेःब्रेःनरःग्रेन् केदःनार्रेनाःनुःग्रेन् सदेःदसःसः ेरेशट 'वेश'नारे द्रम पर हिंगाच रे केर नामया पर इंट प थेद दें हिंम र नावद तु सेमस नर्दे। द्राप्ति च न्याय पर क्षर प किन दर नहेन दुर नहेन दुर स नु न सर्दे अञ्चल के दर्म केर दु परेंद्र य मार प्ये क य दे मा वाय नर नु न रे खेरा ट् .पेश.य.मोश्रम. यर.श्रंट.य.७४१.ये.म.स.स्मेश.त.श्रॅश स् ॥ ৡ৾ঀ৾৻ড়৻৺য়৾য়৻ঀঢ়ৣ৻য়ৣৼ৾৻ড়ৢয়৻ঀৢ৾৻য়৾য়৻ঢ়ৼৣ৻ড়ৼ৽ঀ৾ৡঀ৻ড়৻ড়ৼ৻ৼয়৾য়ঢ়ৢয়৻ঀঢ়ৣয়৻ঀ৻ म्बर्रिंदरम्बर् मुर्टे केश्वर्मित्र द्वा द्वा दे वह व व वह वा व वह वा व यदे के नहेन हैन दूर य यह मामा भेर के। दे दे हर के श्रेप न्द्रक्त दाया स्वाम दा विसाध कर्त्या पर दे विसाध नेबार्वते ह्व स्वक्रियाचर ब्रह्माय पर्दे य प्रकार्ते । दे आप्यार ह्व 'मलर दे वस द सर से व सेविस वादवा कर्णा दे तेस व नास्कार मर सूट व पेद र

ले**स**.चे.च चिश्र थेंट चर.चेट्री नायः ने :नाक्षयः चरः श्रदः चर्ते : कुरः है र : दे : कुर दरे लेब द लेब र जेब पर हैं अर्द सुम केर हैं न पर द्यार पर दे हैं भर.भु.ण.स्चेश.पप्रे.ट्.प्रेश.त.लट.प्रचेर.ट्रा अ. से.चेबश.व.लट.से.च. ฒ. श्रॅचीश, त. उर्देर. लट. ट्रॅब. रेश. तर. स. देर. चर. चीश म. वर. हीट. वर्दे. ची. हेर. मी. विर मह्त् श्रमःलुब्धरः सार्मात्वीरः है। सह्त्रःश्रमः मी क्रम्स लुब्धरः प्रमान र् लेस मु परे र्र रें। रु सामा इसाया नहेना नु तहना या हैर गुरे सामा याकुराध्येरायदे हुरार्च व्हेशाच परार्नित्यार्थे। दे तर्दर त्नुराहेशाचा मन्द्रे विमायमान्यम् देश नियम् नियम् विमाय के नियम हें हिंश मु न है जाहे न हैन नु नहीं न सर नहें र रहे हैं ज़ेश म है नु स स सर भर्तेर पद् सुर र्सा देखर रे लेगान लग मी पर्म रस है जेश मान्यर त् .ज. हेब.त. हेर. लुब.वर . रिश शिटश.वंश.प वियात हेर. लुब.तर . यहे रे.हर. । हे हैं दियह में 'क पहेंब पा हैद सा प्येब हैं 'बेस पहेंब यह है में हैं ' प्रेस पा हे 'अह' न्या र् वा लेश मिता मार्स्य मारा ह्रींस स्री। हे ह्रा ह्री वर्द्या स्री साम माने नाम् तार्वास मारे केंसाने केंदायने ध्येन में लिसा में पर्ने नासा पर्णा मारा यस'न्वद ही स'ती 'मेस'य प्येश हे 'बेस' हा व के 'न्वद व दे 'मेस स है हा ही हें हे " तम.ह्रंट.न.हेट क्रे.हेर ट्.७४ .वे.वर.ट्य्ट्स.ह्या पर्वेर.य.लट.बुस वे. माने हिंद असमा खा छेंद मार्य म क्रिंग्रेर ही पर्यास प्राप्त दे पे पेस माला तनुर्व अर है। मिर्च से इन भेर हैं इस पर विश्व पाय विवे ने हें हैं रे परे **ঀৢ**ৼ৾৾৾৴৾৾৾৽ৼৼ৾৾ৼ৸৻য়ৼ৾৽ঀ৽ৼয়৾ৼয়৽য়ৼড়৾ৼ৾ৼৼয়য়৽য়ঢ়ঀ৽য়৽য়ড়৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়য় र्च दे-पेस.स.**लट.ड्रेस.**चे.चट्र.ड.डू.बे.च्र् ।ट्रे.जस.ब.ट्र.ट.सट.<u>ट्र</u>ू. प्रचीट.

र्रे लेबानु न के प्येत मुक्त न के सम्बन्ध न प्राप्त के ते प्रेक्ष यातालेश नु न के दूर नेश याद्रा पहेंद्र यर नेश पर में श यह देंद्र नेश य दर न्सं महित्स यानाराधेनायाने वाजार हो। र्न निक्सायाञ्चराना निवन हेना रूर हेंनास पर त्युर ४ लेस यु प है रें दे ने समान बर प है र गुस रे पा नादस यदे खेर दें। दे य वहार व केर दे दें के की स दस यर निवर व वर्ष मार लेश स दे ता श्रूदा सर त्युर है। दे अद दु हि हिर देश ही लेख साया सर्देश ही इस.स.झॅट.च.टु.डेरा चेश.चप्र.चेश.च.ज.लट.ट्र्य.ब्रे.चेश.चप्र.इ.स.टेश. माकु वा. रे. बैदा वर व वीर हूं . बिका वर्तेश वर व वीर हूं। हुंब . रे. बैदा व . वे. के का की <u> लेश.व.च.च.च.चेश.पप्. पंत्रायालाल एट.इंब. टे.बॅट. य.ब.म</u>ी पुरात हेट ट्व.टे.बॅट. नःश्रीदःबिद्रः। र्देद मी विष्याया दे से र्स्यामी र्देद विवाद विवासिकाय दे निष्याद । र्दे न इंदरमान् हैस सु हैन हर त्या रें। वेस म दे दना में लेस म न दे दें। चुै'.वेश.च.रट.रे अभश.श.श्रुट.चवे.वेश.चर्या र्ट्न.रे श्रूट च.चार्डेश.स.रट.च. प्रेव कर्न के लेख छ न दे रहें के लेख न है रूव है रहें रहें है है र न है रहें म्बिर्भार देरे दिर हैं ज़िल बिल मुन्य स्वीका या माना है देरे क्षेत्र य दर ... नेबायरे सूरावाक्ष्मशासु र्स्टायिक प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के स्वाप्त प्राप्त के प्राप्त र्भे मि भेषायाल हुट व नाट खेंद्र व दे दे द्रादट देव के सम्मे केस याल हूट ... म नार के दूर दे दे दे ने सारा के दे पहें हिरादा व व दर पर देश भर ने लगा यर प्रचीर कुटा। कुंशालीय मुं.विदे.तर जाशार्थ त. भटा व. दे तर प्रचीर. र्भा भिन्न निष्य वर्षे द्वार वर वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वा १ मस है हैं - पर ना का सरहा है हैन है पर मार पार पार में पर है।

59.55 रॅंब नु के न न ने हिंदा व के साम विषेत्र हो का का लेखा नु व के हिंदा विष्य के कि यस र्व अस्य शु र् हिट खैस र १ में और १ र्व मी विश्व प्रेम प्रेम में इस वर " जेश.नश.भेशश.श. हार. ट्र. जेश.चे.चठु. व. कु.चे.च्र. ार्थ. जेश.त रट. श.वर्डेश. म. लेंस.चे.च. बु. दुव. पुंब.च.चा बुट. चर चुर पा दट स. पट्टेश च. है। यक्क से द स्पर्ता दे हे द गु सुर प्रयद लेगा हो। दहें पद स्म यर मूह प श्रुट्-वःनाडेन ।श्रृष्-व्यःभःश्रृष्टःवर्रः भ्रमशःश्र श्रुट्टःवर्षः रहः वर्षेष हेर्रे वर्गुरः मित्री ने देने सुवा उदावेश मान दे सूर्व में सिंद नने सुवा उद्या दे हो दे हैं हर द्र प्रे में द्र गुट ध्रय माल्द या द्र वि वेद में ह्यें द्र द्र मीदा वर्ष निट.लुर त.बुरा चे.च.बु। जुरा.त.बेट मुरा.जुरा.तपु.जुरा.त.असरा शे.शूट. म.इ.ज.लम् रेष त.शहूर्ता दे.वश्च थ.डे.लम्.चेश.त.चेथित.चेश.वेश.वेश.शे.ह्यूर. यरः शुमा स से र'मार्टारे सुर 'खुल'माल्र' म दर्के व े द सर 'द्रमुर हा दे 'आट' सर्वेद चारे खेर ब स्रूच द्वेद कुर कु मार चूर रेथ रेथ राष्ट्र स्रूच सामिता स्थान वर्षे न' मेर वरे मुर्न नम्राय प्येष में। इ नमे दे 'वर मेष मरे 'खुय हैर प्येष पर्य हिर र लेश.व.प.दी प्रवर्त दे खेश प.रेट.व्.बट.लेश प.रेट लेख कुर प्रवासके खेर र्हें। विश्व च विश्व हैं के हीं। व स्थाउर पा वस्था उर के कॅ.चर्ना हेर वसका उर् में लेश चि.च हे त्याय समस उर जार का समस उर रहेंस. त्रममः दर्भे वर वयः वर् सेर रू. बेश व वर् वः भूवा व्या विविद्य वर् थेव द। वसस उर् क्रेंस क्वें रसेनास यह सह र केर केर केर वार या कर केर केर

त्युर पर दे १२६६ हर् भी ध्या भट द है नहां पर सक्र केर केर मुर या से र देते. सुर १३ वर हे १ वेश मु वर हें सर्था नाय हे १३ वर १४ वर भ्रेत्यर नेत्र य भेर प्रदेश य र्वे चित्र व हे नाय निवस यदे सर्द्ध स्थाय रे য়'য়न''৸दे''क्केब WE'য়ৼ'ড়ৢ৾য়'য়'য়न'य'ঊয়'য়ৼ'য়ৼ्रि' त्रे'चे दे'ড়'ড়दे अळंड द्यान नामा क्रिक्त के पर से नामा प्रमान प्रमान क्षेत्र क्री दे के दान के दा के दा के दा के दा के दा के दा के द लेक के लेक न के के के लेक मान के लेक मान के निक निक निक निक के नि উষা দ্রাবাৰে ব্যামান্ত্রা বা স্থির বান দ্রীবাৰে ই ক্রীবাৰে বি ক্রীবারি বা না ব্যামানা ता हुर में बुंबा ने तपु में भी भी भारत ने ना मार्स हूर पर से त्युर र विश्व च व दे व्रम्भ उद्दर्द दे हे त्व दे दे र दे विश्व च वर दर्वे द्रार्थी। ঀয়ৢৼ৾৽ঀৼ৾৽ঀ৾৽ঀৼ৾ৼ৾৽য়৾ৼ৾৽য়ৢ৾। ৼ৾৽৽ঀঢ়৽ৡ৾৽ঀৼ৽য়ৣ৾৾৽য়৽য়ঢ়ঢ়৽ঀ৾৽য়ৣ৾৽য়৽য়৽ঀ৾ঀ৸৽ नुन यदै दें नाट भेर य दे नहें ने यर नुन यदे हैं देश दें न दह हैं हा अ असर श्र श्रुट् व त मूर्व वर त मुक्त के वर मुंब भी श्री र पर मुंव वर के लिया <u> बुश.च.च.ल। मैं.च.बर.बुश.चे.च दु.सिट.ट्श.चोचाश.तप्। हीर घर मैं.</u> वास्यानादात्रार्वेद्राचा के हीद्राच्या के ब्रा दे होते कर हे त्या के दे त्या के त्या के दे त्या के त.लट.लुश्चस्य थ.सूर्यतर मैं च.कश्रक्त की सूर्यत सिट.सूर्य कि कथ. खेर. चे. वर्रेन्द्रन्ति। ह्रिये वेषानु वर्षे तुन्य हो। ह्रिये प्रवास मार स्वेषाय दे ह द्रश्य वर्षेत्राय ४ व है। इं १ सम् १ हीं व्यक्त शु हिंदा वासेताय वासेताय वासेताय है।

मुरायपुरिदेरार्था वटायास्मिस्तुरेश्वस्ताश श्रुरायपुरिद्धास्त्रस्यायस्त्रस्यायस्त्रस् ्दवद लेगामाप्येमजी इं दे रामाप्य कुर कर या प्रेम की है रूप है। र्द्रिक्यादेन्।यासेद्रायत्मानेप्यायविद्धायासेद्रायाद्मस्य यालेसानुप्यायायद्धाः स'र्वेट्स'य'दः रे'र्वेट ने'र्रु'य'स्निश'यर्थे क्स'यर हेन्स्यां के र्देशकार्यायामा भेषाते। र्देशमेराया हेरा ग्री क्रीराया विकास कार्याकाया के:वःदनात्मात्मात्मदाद्वमात्मर दिनाःवःनादः ध्येषःवःदे दनाः देवः ध्येदः वः ध्यदः देवः वर्षेद्रः भासेदाय भेदाते। देकेपा सेदायराभटाक्षा मासेकायते सुरार्दे। दसायरा र्ट्रेम.च.लेब.भूर तक्ष्य कुर मुद्रायर पश्चित्वर बुरे.ट्रा वेश.च.पहुर च.जन नाल्यनु दर्भे नदे कु देव भेर नाम भ्याप्त दे लेख चात के लेख साहा माहा माहा पहेंद्रायानाम केदाया दे अका नावदार हो। के देवा की देवा दिर्देश पर केदाया व पर्यापते कुरामुरापते रॅबार्भरायास भेवावी। देव के ह्या दे वुद्याया वरासेव वा नार लक्ष र्रे क्रिं दे है दे भेद ले विष्य नुः च दे स्वर निष्य पर दे हह कुया ठड मी ही ଞ୍ ୰ୢୢଽ୵୷ଽୖୠ୵୷ୖଞ୍ ଽୢୢଌୢଊଊ୵୰ୖଌ୕୕୳୰୰ୖୄୖୢଔ୵୕୳୴ୖ୶୶୷୕୴ଽ୵୷୷ୢୡ र्दे निवर वार में वरे रहा द्वार कर मी हैं है निया समाधी है के निवर हैं हैं। **୯**ଟି.ଛିଷ:2 ୯<u>୯, ଖିଟ.ଞ୍</u>ଟ.ଷ.୪୯୯.ଖି.ଞ୍.ଞିଟ.ଶ.ଖ.ସିଷ:ସ.**ଅଟ**.ସ.ଟି.ଞିଟ.ଊିଜ... नावर नी खिन हीं ही र पर हिर पाय दुषाय मेर पाय देश वा अर देश पर पर है केराया जेसासक्केराचारेये। बुसाया बर याणीयाची रिंत पालयाची हिंत्याये साणीयावी लेखार्ड्न्थराचरावनुरा दे.वखादार्श्वेरायेखायाः क्रेत्रियात् देखायाः चरायाः लेक न्यूरक स्था अवानहेनाय हुका पर ने राम हुन पर के

लेश नि.च.तु. मुं.म मि.भ. मुंस रभूया स.नह. मुं. यश मुं. मुं.भ. मुं. स. रभश ग्रीस... म् दे सुया उ । हेर विश्व यदे नमु र न से व वर्षे रे या कन्य प सर् व व स्था लियामोबर पा पुरा न पहिंच न्य प्रमुद्ध व लेश न न के प्रमुद्ध में स्व प्र प्रमुख प व्य क्रमास्य व्यक्तित्र व्यव गुरु नाले दस्य वर वेस व व्यक्ति व व्यक्ति व केर ने लीया नोबसाया पेशासा प्रह्मा सरायमीर वर्षा। हे हिरावा वुसामा हुआ.चे.च.भ.धू-।श.तम.बेर.प प्रांतह त्रव परेच वेश रे.ट्रं.हेर.व.ईस. तर वेश ता वेश ता भेर ना स लेश व है लेश च न ला स्वास तथ है म म ले वि.व.लूब.री वेंब.त.रेट.चंज.व.लूब.ब्रू. हेंब.वे.चर्.ब.कूबे.ब्रू. ब्रैर सेन मी इस पर केस पाय कार्याम र वेस पाय के प्राप्त पाय के से प्राप्त प्र प्राप्त हे वुस्य मास्रेदाय दर ज्ञामान हेद के हि से माने के वार्ष के माने के विद्या है से माने के विद्या है य वै. सि.म.ह के.म.वेष वे. रेसा कर्षे वे. रेसा चल्व.रे.श्री.चर.प्रचीर.र्...लेश चे.च.व. देश.तर.रे.चे च.देशक.रे। देश.तर. हुंची,ता.चीहुबा,बु हुची,बर भू,पिविदानंपु, बुर हूं।। अभयाताचीर लुबे दा. लुस.च.च.च.चु.चु.चम.ल.सूच्य पर्ता। सू.चकुम.त्.स्मप्ट.वेस.त.स् सूर. देश पा स्था सा प्येत वें ले व लेश नु न है। सह दर्भ पा ने सा वना पर में त लश्र में मार्थ दे में निकार मध्य पर्दे में निक्षा मध्य पर्दे मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में ्रहराष्प्रास्त्र व दुः वर्षु व्याचेदायाध्ये । वर्षे वर हैन उर है। ५ दूर का का दूर देश के प्रति के प्रति व व के स्वीका परे

च लेखानु न दे खुकाना नेदानु नायकान वन के नादा खूद नाखुकानी खूनस करा ्र नवदःस् नावन नदः तस्त्रेयः नदेः प्यनः देशः सः विशः । । । देशः सः देशः । । । । देशः सः देशः । । । । । । । । । स्रिक मुः द्वार स्री नन्ता केन हेस नु न के हुस नु नन्ता हैंद पर्देर प्रसार्थे।। पदमा प्येद दि है ख़र रह साम है साम है साम है साम है साम य के इस पर र्वा प द्रावहरा वह मारा देश य इसस रे । बोर्यवैष्ट्रिरार्ने॥ रेव्हराकाष्ट्रीरात्रमाद्रमान्यक्षावार्वेषाः वराव्याहराते। वित्र में हिन महिना में हिन के हिन हैं। वित्र इसका विवेद निवित्र महिना वा अदारीका नविदानुःस्दानाम्बार्यदासाधिदार्दे। अदादाधिन्याम्बार्यदेशा म् रुष्टानी में रचत लेग मिट सरे चर पहुं होर हूं लेश ने न हु हमा मी द्रे ली हैं। चेत् य गरेन केत्रणे लेखान्य के नेत्रणे दर्ग केत्रण वर्षे अवसानेत्रण के इंद लेश हैं।। इ.बेर.भर में रे.भश नब्द बिश वे.च वे पर्श नडेवाश ल. श्र्मेश क. भर्ते च्या रे. भर्ते द्वा वर् । है. व. चू. वे अर्थ सम् द्वा वर्ष । . तर पुर या भुष या १ छे हर : चेर य फेर लेश च यर रे रे रे हें।। मुक्षामु नु अया लेखा मुन्न वा स्वाधायय २०५ १२२ हिन्दी। हे हे प्रदा द्भायार्थोर् अदी द्वरानीस विश्व तायाय दे हैं सार् हे रायादन नी ता याय सूत ं यात्रार्या कुर् पुर्वे स्वास अव की रे प्रवास के के प्रवास की स ् ८ हुना रामः १ न्या १ निष्या व नामः व हिन स सं निहेना धिव स में व्याप्त

म्बार्सामार व कर्नास्म स्क्रीर यर प्रेर रें लेख पर्यस्थ पर्या। दें व वे लेख द्वारा भःस्निसः च ते मुतः पदे अवदः ह्या पदे प्येत है। पदे ह्युमः तु नायः हे नेदः मार्च दे दयम नेमानु मार्थेद मार्टिद हो है। हा मार्च दे हो हो स्वाद्य चुंबानाक्ष्यं मेंद्र मुद्द सर उन् में वुषान द्वारा बन्ने या मर्बेदा वर वुषा वा क्वा लक्ष देश तंर जेश ता देशश रूथा मुशा ही पर जिबैर व लेश व वेश वा सह्दाव ... मेंद्राया रह शुःष्येदा र माने वा रे लिया न लिया ना तमाद मेंद्र वा वा वि हे दे दे दे दे क्रि. देश. तर, पुरुष: १,४४ : वर्मा : ३,४ : इस : वे. व. स. १,४४ : व. हुस : हे। क्रि. वर: नुसामप्रमुन्साम्ब्रायार्गालकार्यरामान्याप्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामा য়ৼ৾৾৻ঀয়৽ঢ়৽ৢঀঢ়৾ঀয়৽ঢ়ড়৾য়৽৻ড়ঢ়৽য়ড়৽য়ৢঢ়৽য়ঢ়ড়ঢ়৽ ्रामी दर वर्षे भुकार्ताः वर्षा केरासेमस प्रित् याकेराकी संवाकिराधिका वाती क्सायर विसाय केराकेर या केराली राम ह्य यर अनु रही। व समाय हीर सर. वेश. पट्र. चर्ना. हेर. क्री. विर. तर हेर. पना. क्रनेश. श्रूरश. श्रे. हैं। क्यमान क्षेत् यायास्त्रानु क्षिमामायायाया कताम दे रे विद्यार रे दे दि वे क्साधर विश्व वर्रे हैं। वे निराय प्रेंदाय दे त्यादी क्षेत्र वर्षे वर्षे हैं। बेस्: अपने के प्रेन् के स्मिन प्रेन् के ने के ने कर ने साय के ही पर प्रेन सरायहर् र्।। नारानी द्वेर द मी हे नर तो र या हेर तास इसायर नेस या ্মু म इसस भे भ्रे म देवे के। 💎 वदेश येद रस देश हु द्वन यर नु य र स माध्येत्रज्ञा माध्यायार्थ्य् १ १ लेखान्याचा । हिसान म्याकृत्याम्बर्धाः स्पर्वत्व विश्व च च च च च च व स्थान स्पर्वत् । दे स्पर्वत्

त विदान प्रतार दिया द्वा मी लेश नि पा के प्रती होता मी क्या क्या है साम है लेश नु न के ह्वा वसाय नु ने नार प्रकार नु ह लिया तु ने ने द स ह्वा प्रकार ब्र्. १५. डेर.पु.पर्वेर.<u>भूर.भू</u>.खुंश.वे.च.ज.श्चमश.त.ज.स्रेश.पर्वेट.चपु.स्. के.चर.जुर् तप्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स पवीर न बु.स.राष्ट्र बु.बे.बे बुस.चे.च.सुस.पचैट नपू मु.ल.मु.म्.स.स्स.चिवर चिह्न चार्के निर्मा त्री निर्मा चिह्न चार्चे सक्त के निर्माण के न व.ज.श्र्वाश.त.जा उहुरे.तपुं.भक्षे हेर.वरे.ची.क्स.तर. तुस.तामुरे.वर. <u>डेर् मानुस्कित्य रेक्ट्र ना</u> इटावरे सक्त हैर ग्रेमाइटाव हेर केर वें लेखाडा चिहर राष्ट्र भक्ष हुर कुर कुर सर राष्ट्रीर य चिहर य हुर. यदे र्दे रे ।। क्सायर जेस या भेरायर विकास के मान्य मान्य मान्य मान्य के ।। प्रमुख्य के ।। प्रमुख्य के ।। नर मेर प्रेर परि दें हैर भी परे दें र लेश मु य ने मुंब र मुद्दा यहे हैं सर मेर या क्षेत्र-था व्या है। वरा वेत्र यते द्वार्च हैता व्या स्वर्ध या हैता व्या स्वर्ध वा त्रा केता म व स्वारा न दिन स्रापाय हे नर यो रायर हैं वे से राय मार मेर स्था वदना हैन्द्रे त्र मलेक् नु अहेर्द्र याद्या श्रीस श्राम्यस लेस या यास्य वासाया माहता पर्वे । क्षायात्मार्स्तरायान्यः पर्यासहकाने दार्षेत्राकालेशानु पराञ्चर रे।। मान्तराद्राः मु ल श्रृंट प क श्रेमसार्ट रूसरा लग्न चुट परे र्र्ट्र लेश मु परे र्र्व र्रे॥ मट मीखामा हिमाय में सक्त केरा प्रेया लेखा । यहमा केरा है तहे या प्रमा मुखालका चे.च. श्रुंका श्री वाह्नदायते. सक्षा केर ग्रीम ग्रीम पार है है व दे त्या नाह्नद

न हेर् सक होर नर होर न के नावक का प्येक हो। त्व'णुट'रट'मी' वेश'ध'होतु यर होर म हेर महर पर होर य जा महर हेर कर हेर सम त्रीताता श्र्वासातसा पश्चीयाताता श्र्वासाता सामा त्रीयाता यसा लेखा ची ता है। ना है। ना है। ना है। ना है। ना है। भरीये.त.दर की.कि.च.भुरे.त्रा श्रमेश नर्ज.सी.ट.त्स्.वु.भ.कूरं.त.रट.रट. यलेक प्रिकृत र र उक् प्रता । मु जालक क्षेत्र केवा चेप सास्त्रीना सार्सिना साम वाह्य र दिंगा मार्हेश प्रश्न है रहा पहुँदा हिरायर उदा अहूद रे . सूँचाश दारह । कूँचाश पा रमा नीडिट हों। हेसा के राजा के हें के खुवा की सावश्रम विदा अदः य'त्रा राज्य विद्राधिरः तरः वदः शह्रदः तुं विद्राद्यः याः यो मेदः विद्राद्यः यते श्रेर हे देश नु य परे भेद दें। परे हो पहेंद यहे हेर सेद रटा शुट्र च लेश मु न ता वहेंद्र पर मुद्दे पर्य दे दहेंद्र पर्य है। दहेंद्र पर्य र क्स पर लेखाय लेखान पति हेंब हैं। पहिंद्र पति है पति है पर येव पहें। दे वसःश्रीतः वते श्रीतः वसः विदेशः विदेशः । विदेशः र्यानार्डे वर्र वन्तर या भेदार्वे॥ इनदार्य दे अदानाहिदानदे सक्षेत्र हैर ग्रे न्द्र में र 'र मुर नदे 'सुर र 'हे स'मु'न'य। न्द्र में हे है न्द्रन में दे मुक् कुर लाव तय है र दश तर क्षा यह के तर लाव वर प्यार व सालव वसा रे.बे.चरेब.टे.चेलब.चे.प्रश्च स्थावशारे क्रिंट.च.लेब.च्या चालग्र.रचा के द्वर में प्रत के पर ते पर पर्त पर दे किर वा अध्या के दे प्राथया इस.तर. क्ट. वहु इस. चर. पुराय.रेवट च्. हेर. की.हे. चर लुर तथा हुर.व. लुर. वें लेश में र्स्य में रेंब परेंच सर हा या वर्षेत या प्रवेत वि है ने यर प्रेबर यदे.ह्. त्व व श्र्येश त.भ.१,४.१४५ वडूर.ह्. खेश.२.४ उ.श्र्मेश.१५५ सेंश.१५५

नाहेना'व्य'दर्श्चर्'चरकुर्'वरकुर्'वर्श्चन्य'यंस्रेर्'यानाहर हें।। कु.चर.जब. य हैन द्राय प्रेम में लिय नु पा न्य दे द्राय प्रेम में। दे प्रम म लिय वु न वे के नर लेब नि देर का में अब नि के के नर है। जाया है नि है के कि पर वेशायात्रान्त्राचरी कुराच के हिर प्रेश के की के चर वेश पर तेश पर म्बर्ध्य विदः बिद्यानु व द्वार्थ । के वर विद व प्राप्त मालक के बै:सब:खुब:सळव:कु**द**:से:पठ:प:कुद:ग्री:खुर:घ:दद:सःसेद:पर:रेन्।ख:स:स्रेद: र्वे 'लेश नु 'परे 'र्वे 'र्वे । वुस्र' म 'र्वे स् चें स् नु र प'य क् कुं सक के कि है । <u> २५, त्वामीश्रामहिना ५ २० वि. तु.स. हो दे हेर । तु.स. द्वामारा तुश्रामा द्वासा द्वासा स्ट्रिंश</u> चॅर मुर यामहिनादा अन्य हिर मु देर त्राह्म व महिन मुदेर या प्रेर व विहा म्बर्द्यास्त्रम् संस्था। वसायायाहेन द्राय्यस्य संस्थाना माने मान सम् सम् ह्यानि भी रहे। दूर सार्वे माने लेख मुनर द्वीं स र्षे । भूतसाम्बर्दु यहिर्या बेस उत्तरि देशम् माणुदार्स्य होता र रह्राल्ट्रा शि.पर्य तप्र द्वीर लेश मि.च.म.स्वाम.तप्र श्रीपश शि.पर्य मेर र्भ देखार्स्य स्वाकायाः भटा लेखानु । या के स्वाका समुद्रा सदी मालना सामुद्रा यात्रार्श्य स्वाधायात्रुक्षकेता नेरायरी मेक्ष्यक्षा विवाधाया नाहेना सं त्रै'य'वेशनु'व'के वाञ्चन्ध'द्र'र्से'य'र्सन्ध'यते केंन्। पद् ॥ नावस'य' वै न्वा विषा विषा निष्य दे भाग के निष्य भाग के. चर. जुब. चट्ट. मी. जुब. बुट. खुब. चे. च दू विश्व. च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. माञ्जाबणुकि सेना ने इस धर वेश या क्षेत्र न दे त्या इस धर वेश वा क्षेत्र या दे हैं। मर त्येव सर्वे कु प्ये १ वें 'बेंब मु नदे मार्केन'मी |दे दे त्य मात्रस र नवस

दे 'त्र'झुर डेवा'चेद'यदे 'केद'केद' प्रेर'यदे 'सेद' કે.ભદ.૨૪.સ.ચીલ૧.૱.તમ.ઝુંથ.ઘમ.ઘૈમ.સ.કુંથ.ઘક્રું<mark>ય</mark>.ઘમ.ઉ ઘ.જુંથ.હુંદ......] दे :लट.च**७४.चे .ल**४.च.ट्:केर.४.२४.च४.चेश.च.चर्चेर.च.लु४.च्.। · คริ.ฆี่-เว้าปู่ผานฐ เจษตาผี ฐะ. นะ. ปี้ะ. ส รู พ. ฮป. เช้าปูล เกา ปั่งนะ मुक्षायर्द्र म चारालक्ष्य दे त्य वर्षेश वहा वहित वर्ष्य सहरामहर्ति सुराष्ट्र सुना । या अन् भारते हुन्। या सह्य की 'द्रवार ते हुन्। वसा क्षा करा सा रूब लेखा हुन्। यर 'द्रवीर र्रो । विस्तुर इट वक्ष कृर खेर लेश न य के नार मार्क है है व वदे हैंया सिंदारा दे के सामित के दे के दिन दिन सिंदा में अपना दे के में के दें। दे के दे वे नार में के बेबान पा र्यम्ब प्रश्नित वर पर ने रे रे । भागाना पहुन. तपुरदाक्ष्या द्वर मी पुराया पहुर तर मेर या में सा मो स्थाया स्पार रहे दर ब्रिय बर् की जेशन विश्वान व है जहानी के जेश मान हमा है र कैश जेश मान हमा है **स'र्**राख्याम्बिक् यहेर्द्र यहादर्द्रिय हेर्दे के । थे.मो .क्ष पहुब्र.चपुं.रट . व्याद्धानी नेश या २ द्वाराम हेर यह से या मुद्रा राष्ट्री ने की वार्सिन सामा तहिन यते पर कुम कर ही ज़ेश या भेर हो। दे प्रश्न भेलो स्था यहिन सदे पर खुत्रा हर मी केश सारे त्या की मी को है है हिया मी खुत्रा के हिए। इंस्याय प्रेंद्रियदे एं मो अ दे भी मो अ दिर्देशयरे दि हुं भ हद मी देश य इंदि । न्रामुरास ने भी मी खर भेदार्वे॥ दे 'दुर द भी मी खर केर्दे समे दिए रहें अ

उदामी नेश कर दे वहेंद्र धर वहेंद्र धरे वहेंद्र धरे वेश धान केश धान है। ल्लामो खाः र्टः बूटः वरः बूटः व्यारः वरं वरा व त्यानी ह्या अटः बूटः व त्याव है। दे खुरं व म् निद्मा वा नहेंद्र या निद्ध शु त्नुर दिर्दे। के मे दहेंद्र या तथ निव्दु ढ़ऀॺॱॸॖॱॸॱढ़ऀॱड़ढ़ॱज़ॖ**ॱॺॱॺ॔**॔ॸऻॺॱय़ॸॱॸॣऀॱय़ढ़ऀॱॵॱॿॏढ़ऀॱय़ज़ॕ॔॔॔ॸॱय़॑ॵज़ॱॿॏॱढ़ॺॱय़ॸॱॱॱॱ ्वेषायद्या हेना हरात्रहें प्रामा वनुराने लेखानु प्राप्ते वर्षेना मी माल्य प्रेम अ लिस मु न के दे न के नाक नहीं। मा भरे के ते हिर ले दा धुतावादह्यायदे देश य सर्पात हरा मुल्या प्राप्त मा हे सामु न र्श्व हो। या त्र स्रुवातः तहनायते देश स्यामे स्याने ता हे स्मृद् केश मुद्री। त्र . पुंच र पड्डूब. तथु. ८८. थ्रुंज. मुं. पुंच . त. ज. चा बुचाय . ग्रुं . पुंच . त. ज. चा बेचांव . . **ॻऀॱॹॣढ़ॱॸॱॸढ़ॎॱॹॗढ़॓ॱॹॣढ़ॱॺ॓ॖॱॿ॓॔ॺॱक़ॖॱॸॱऀॿढ़ॱॵॻॱॵॱक़ॕॱॵॻॱॻॏॱक़ॺॱय़ॸॱऀऻॿॱय़ढ़ऀॱॸ॓ॱ** स्त्रवन्। नुःङ्कादः वदे देस्य धरः वेश्वः यः ह्ये व ने दे हे हे रेशः ह्या प्याद्यः शुः नहिं रहेदः । । । । म्बिन्सः सुः बूदः व :ठदः मुः स्रेनः नो :द्रसः पदः वेसः धः सः स्रः स्रः सुः नहिंदः धः प्रेदः। ार्दे प्रसाद सेना मी दस्यायर खे**स** या हैन पा विदाय प्रदेश पदे खेर हे त्या ल्र पर्यामा विषया के स्वाप्त मा विषय के स्वाप्त मा व क्सायर ने सायात्रहेंत्यते हता द्या द्या की सायते क्सायर मेशायात्र बूदा यर । विचीर वर्षा नाकुचा ग्राट मार्डेस मार्डेस इंदर य दे लेश मि.च.च विट य र र र न् नृहेश शु श्रूट म हेर्दे । न्द्रन दि हो श्रूट होर दे लेश नु म हे शुल क्रीक्ट मी दिं वें के प्रमाणिक भारे भारकी माना परि के साम के देवें सुक्ष प्रमुक् !वर्ष.रट.रुप्र. ख्रे. बर्ष.रट ख्र.रब.ज. हो लिज. मे. क्षे न्यन्द्र-भेश्यम् भेश्य मः लेश्यनु नये न्या हैन हैन नि न ने ने के नि ने नि ने

मार्डेश.सर्रे ॥ नुस न्हेन ने के लेस नु म य स्निस य है वहें य प्राय लेब ब्रा रहानी वेबायायार्थेर् यर लेबानु यादी लेगो लिही वेब यायार्थेर् तर.प्रचीर.स्। रे महित न ना हिताय होते था नहेना त्य हेया न ने तरे हुर रे अट है अर र नवर वरे द्रम वर रूट में विश्व वर के विश्व वर के विश्व वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर क्षर यर त्युर र्रो। दे पश्च व मक्षेम प्रेहिक सम्मन्त्र व लेश ग्रुप वे स्वेश या माउना नी प्युमानांवन प्राप्तिका या हा सामहिं। या सामित के विकास निर्मा हैना म् । तेशत्मानात्मात्म् त्यं त्रे वेश व न के भेर मे क्या पर नेश्वापत् अवर म्रम्भ पर्र दर द्वेय उर् देश च नावर में स रुमस शुः हैं : न स प्येर च यस खुक नालक नुष्य प दे के रह देना यर त्यार सी। देने खेर केश य नालक में किंद वर म्युर व म लेब है। विश्व व मृत्र म न्या गुर श मदे विश्व या विश्व है। देशे के वंश कर कुट मेर माम मर प्रमुद लेश न के माम प्रमुख के महित्र हैं। हे**र्'स'अर्**'यदे खेर'ॲर्'नु 'बेर्'गुर्'से**र्'ध'र्**'द्र पर विस'य स्थानम्बर्सासु त रे. बेर. थ त्रभश १८ अथा श खुर. ब. यज पर भ प्रचिर हो। मी. मेश.त. तथा.तिवा ४ थश शि.श्र. त. बुश ने त. वु ह. केंट लिया वा क्षा न ता विवे. मीम असमाश क्रिट्र च चर्चा १८ महर्ष समाम क्रिय च छेट क्रि. होर अमस सि होर क यर प्रश्नुर व स प्रें य दे हर व र द मी वेश य अद वह मी कें सदें शंस है देश ल्यातर प्रचीर प्रप्ते के रे अस्य शे शिर्या लार अस्य शे शिर्य प्रचीर प्रा म प्रवन्ते है। वेशका शि. ह्या. य. वेर जार टार्टा मावका मी. जेका यार्या जे स्मा



क् इस मूँ य दे ने अहूर में अहूर में विश्व इ.स.ल्ट्स प्रविट.जुनस.चन्ट.वर्टेट कु.पट्। रिवर.टे.वर्झेश.चपु.र्भाट्यर. बिट. तु प्रवेश । लट. रेच. क्र्य. में. स्. स्. ह्ट. बंच. चची। ।चेट्टश. हे. मुराष्ट्ररे तर्मे वामायुषाय। विषायेनकार्वे राप्तरे सहित्य द्राप्तर्वे रा র্বা । विश्वायादरी अदारेट नुशासीर शुव गुरु कुर वक्कश्यदे ग्रामी दे ह्रीया ह्रींट्र के चवर नवश्चारमा हिंद्या ह्या ह्या ह्या हिंद नु ह्या प्रवास के हिंदा है हिंदा है है । र्च . के क्षेत्र म्रॅ हे ब्रिट पास्टर दियर यारे दे श्रीट मी हिमा मा समार् १ क्षेत्र के हिमा वकें नु नु दे क्विं ने के के दे निवेद नु न न के निका की गुद दे हैं नि निन र्द्धेनाश सर्वे : बुर वर्से या ना २९ : ५ ना : झुना से ५ : ५ : कि : कि : नि सा सि से सि सि सि सि सि सि सि सि सि करान नम्बन यहै में हा मार कर में मार कर में मार कर मार कर में मार कर ଦ୍ରଶ୍ୟ 'ଆଦ'ସ୍ପର'ସଭିଗ୍ରେମ୍ବର୍ମିକ୍ଷ'ର୍ଥ୍ୟ ଅଧ୍ୟ । ସ୍ୟ ମୁଷ୍ଟ ଅଧ୍ୟ । ସ୍ୟ ମ୍ବର୍ମ୍ୟ ସ୍ଥ । ସ୍ଥ ସ୍ଥ । ସ୍ଥ ସ୍ଥ । ସ୍ଥ ସ୍ଥ पहंस मिट करश नहु हिंद जा पष्ट, सुर ७ व र जाम हुंद। क्स पड़ेर जीमे. केर टे.रशूचात्र.चंट चर्नेथ मीव.शर्य प्रमाप्त हेर ही.मशिट.रच रेचा.रंतर टे टर्झेंश. र्ट. पश्चर त्मीर मट जट हिर क्ष्म पर रेने पर्जे दे हैं वे क्षें वे क्षें वे के में ह्यूर.क्ष्म.झ.च.रच.रेवर.ह्यू.चडर.चर्चेच.उहूच.च्यू.कष्ट्र्य.ह्यूर.चर्या।